

आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३



सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार
आर्थिक मामिला मन्त्रालय
धनगढी, कैलाली
२०८३

प्राक्कथन

सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७९ को दफा १६ को उपदफा (२) बमोजिम प्रदेश सरकारले आगामी आर्थिक वर्षको राजस्व र व्ययको अनुमान प्रदेश सभामा प्रस्तुत गर्नु अघि चालु आर्थिक वर्षको आर्थिक सर्वेक्षण पेश गर्नुपर्ने कानुनी व्यवस्था रहेको छ। आर्थिक तथा सामाजिक अवस्थाको थप यथार्थपरक विश्लेषण गर्न सहज हुने विश्वास लिइएको छ।

प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षणमा प्रदेशका प्रमुख वृहत् आर्थिक सूचकहरू, सार्वजनिक वित्त व्यवस्थाका सूचकहरू, वित्तीय क्षेत्रको अवस्था, प्रादेशिक उत्पादन, सामाजिक विकासका आयामहरू तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रादेशिक उपलब्धिहरू सहित प्रदेशको आर्थिक तथा सामाजिक अवस्थाको थप यथार्थपरक चित्रण गर्न खोजिएको छ। यस सर्वेक्षणले प्रदेशका प्रशासनिक अभिलेख तथा क्षेत्रगत तथ्याङ्कका साथै संघीय निकायहरू तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघ—संस्थाहरूबाट प्रकाशित सर्वेक्षण प्रतिवेदन, तथ्याङ्कीय प्रकाशन तथा सार्वजनिक अभिलेखहरूलाई समेत सन्दर्भ सामग्रीका रूपमा प्रस्तुत गरेको छ।

यो आर्थिक सर्वेक्षण नीति निर्माता, अनुसन्धानकर्ता, विकास साझेदार, निजी क्षेत्र, विद्यार्थी तथा अध्ययन-अनुसन्धानमा संलग्न सबै सरोकारवालाहरूका लागि उपयोगी सन्दर्भ सामग्रीका रूपमा रहने अपेक्षा गरिएको छ। प्रदेशको आर्थिक तथा सामाजिक गतिविधिहरूको विश्लेषण, नीति निर्माण तथा विकास व्यवस्थापनमा यसले मार्गदर्शन प्रदान गर्ने विश्वास गरिएको छ। साथै, सुदूरपश्चिम प्रदेशको दिगो, समावेशी र समृद्ध विकासको आधार निर्माणमा यस सर्वेक्षणले महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याउने अपेक्षा गरिएको छ।

अन्त्यमा, आर्थिक सर्वेक्षण २०८३/८४ को तयारीका लागि आवश्यक तथ्याङ्क, सूचना तथा विवरण उपलब्ध गराई सहयोग गर्नुहुने सबै सरकारी तथा गैरसरकारी निकाय, पदाधिकारी तथा प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा संलग्न सम्पूर्ण व्यक्तित्वहरूप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु।

जेठ, २०८३

विक्रम सिंह धामी
आर्थिक मामिला मन्त्री

विषय-सूची

प्राक्कथन

तालिका-सूची

चित्र-सूची

छोटकरी-रूप

| | |
|---|-----|
| कार्यकारी सारांश..... | १ |
| १. राष्ट्रिय अर्थतन्त्र | ७ |
| २. सुदूरपश्चिम प्रदेशको अर्थतन्त्र | १० |
| ३. सार्वजनिक वित्त..... | २४ |
| ४. बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र | ४३ |
| ५. गरिबी निवारण र रोजगारी | ५७ |
| ६. कृषि वन तथा भूमिसुधार | ६२ |
| ७. उद्योग पर्यटन..... | ७८ |
| ८. भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र..... | ८२ |
| ९. सामाजिक क्षेत्र..... | ८७ |
| १०. सुशासन र सेवा प्रवाह | १०० |
| ११. शान्ति सुरक्षा र विपद् व्यवस्थापन | १०६ |
| अनुसूचीहरु | १ |

तालिका-सूची

| | |
|---|----|
| तालिका २-१ चैत्र मसान्तसम्मको कुल उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क | २३ |
| तालिका २-२ राष्ट्रिय तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क (वार्षिक औसत) | २३ |
| तालिका ३-१ प्रदेशको चालु र पुँजीगत तर्फको विनियोजन (रु. लाखमा) | २५ |
| तालिका ३-२ चैत्र मसान्तसम्मकोको प्रदेश सरकारको वित्तको स्थिति तुलना (रु. लाखमा) | २५ |
| तालिका ३-३ सार्वजनिक वित्तका सूचक (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा) | २७ |
| तालिका ३-४ प्रदेशको खर्चको प्रवृत्ति (रकम रु. करोडमा) | ३० |
| तालिका ३-५ प्रदेश सरकारको पुँजीगत खर्चको प्रवृत्ति (रु. करोडमा अंश प्रतिशतमा) | ३२ |
| तालिका ३-६ पुँजीगत खर्चको भुक्तानी प्रवृत्ति (प्रतिशतमा) | ३२ |
| तालिका ३-७ विनियोजनको तुलनामा पुँजीगत खर्चको स्थिति (रकम रु. लाखमा) | ३३ |
| तालिका ३-८ विनियोजनको तुलनामा चालु खर्चको स्थिति (रु. लाखमा) | ३३ |
| तालिका ३-९ प्रदेश सरकारको आय संरचना (कुल आयको प्रतिशतमा) | ३४ |
| तालिका ३-१० चैत्र मसान्तसम्मको अनुदान प्राप्तिको प्रवृत्ति (रु. लाखमा) | ३५ |
| तालिका ३-११ संघीय राजस्व बाँडफाँट र रोयल्टी प्राप्तिको स्थिति (रु. लाखमा) | ३६ |
| तालिका ३-१२ कर तथा गैरकरको प्राप्ति (रु. लाखमा) र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ३७ |
| तालिका ३-१३ स्थानीय तहको विनियोजन र खर्च अवस्था | ३८ |
| तालिका ३-१४ स्थानीय तहलाई वित्त हस्तान्तरण (रु. लाखमा) | ३९ |
| तालिका ३-१५ स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणको अवस्था (रकम रु. लाखमा) | ४० |
| तालिका ३-१६ स्थानीय तहमा भएको राजस्व बाँडफाँटको अवस्था (रु. लाखमा) | ४१ |
| तालिका ३-१७ बेरुजु प्राप्ति (रु. लाखमा) | ४१ |
| तालिका ३-१८ बेरुजुको अवस्था (रकम रु. लाखमा) | ४२ |
| तालिका ४-१ सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको शाखा संख्या | ४३ |
| तालिका ४-२ जिल्लागत बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको वर्ग अनुरूपको शाखा संख्या र प्रति शाखा जनसंख्या (फागुन मसान्तसम्म) | ४४ |
| तालिका ४-३ वित्तीय स्थायित्वका परिसूचकहरु (प्रतिशतमा) | ४६ |
| तालिका ४-४ सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विद्युतीय सेवाको अवस्था (संख्या) | ४८ |
| तालिका ४-५ निक्षेप खाता र संकलनको स्थिति (निक्षेप रकम रु. दश लाखमा) | ४९ |
| तालिका ४-६ औद्योगिक वर्गिकरण अनुसार पुस मसान्तसम्मको कर्जा प्रवाहको स्थिति (रकम रु. लाखमा, अनुपात प्रतिशतमा) | ५० |
| तालिका ४-७ सहुलियतपूर्ण कर्जाका लागि व्याज अनुदान कार्यक्रमको स्थिती (कर्जा रु. दश लाखमा चैत्र मसान्तसम्म) | ५१ |
| तालिका ४-८ सुदूरपश्चिम प्रदेशको जिल्लागत निक्षेप संकलन र कर्जा प्रवाहको अवस्था (रकम रु. दश लाखमा) | ५२ |
| तालिका ४-९ बीमा शाखा कार्यरत कर्मचारी र अभिकर्ताको विवरण | ५२ |
| तालिका ४-१० बीमा लेखा र बीमा शुल्क आय (रु. लाखमा)को विवरण | ५३ |
| तालिका ४-११ जीवन बीमा तर्फको आम्दानी (रु. लाखमा) | ५३ |
| तालिका ४-१२ निर्जीवन बीमालेख तर्फको आम्दानी (रु. लाखमा) | ५४ |

| | |
|--|----|
| तालिका ४-१३ बीमालेखको जिल्लागत आम्दानी (रु. लाखमा) | ५४ |
| तालिका ४-१४ डिम्याट खाताको विवरण | ५५ |
| तालिका ५-१ दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप गरिवीको अन्त्य तर्फ विनियोजना र खर्च (रु. लाखमा) | ५७ |
| तालिका ४-२ स्वरोजगार विकास कोषको कारोबारको अवस्था (रकम रु. लाखमा) | ५८ |
| तालिका ५-३ २०८१/८२ र २०८२ चैत्र मसान्तसम्म स्वरोजगार विकास कोषबाट सञ्चालित तालिम सम्बन्धी विवरण | ५८ |
| तालिका ४-४ २०८१/८२ र २०८२ चैत्र मसान्तसम्म कोषबाट वित्तीय मध्यस्थता गर्ने सहकारीहरूलाई प्रदान गरिएको अभिमुखीकरण कार्यक्रम र लाभान्वित संख्या | ५९ |
| तालिका ५-५ सामाजिक सुरक्षा कोषमा आवद्ध भएका रोजगारदाता तथा योगदानकर्ता सम्बन्धी विवरण (संख्यामा) | ६० |
| तालिका ५-६ राष्ट्रिय रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रमबाट सिर्जित रोजगारीको विवरण | ६० |
| तालिका ५-१ न्यूनतम समर्थन मूल्य (रुपैयाँ प्रति क्विन्टल) | ६२ |
| तालिका ६-२ खाद्यान्न बाली उत्पादनको अवस्था (क्षेत्रफल हजार हेक्टरमा र उत्पादन हजार मेट्रिक टनमा) | ६३ |
| तालिका ६-३ नगदे बालीको उत्पादनको स्थिति (क्षेत्रफल हजार हेक्टरमा उत्पादन हजार मेट्रिक टनमा) | ६४ |
| तालिका ६-४ दलहन बालीको उत्पादनको स्थिति (क्षेत्रफल हेक्टरमा उत्पादन मेट्रिक टनमा) | ६५ |
| तालिका ५-५ जिल्लागत मसला उत्पादनको अवस्था (उत्पादकत्व मेट्रिक टन प्रति हेक्टरमा) | ६७ |
| तालिका ६-६ मसला बालीको उत्पादनको स्थिति (उत्पादकत्व मेट्रिक टन प्रति हेक्टरमा) | ६७ |
| तालिका ५-७ जिल्लागत मह उत्पादनको अवस्था (उत्पादकत्व किलोग्राममा) | ६८ |
| तालिका ६-८ मासुको उत्पादन स्थिति (मेट्रिक टनमा) | ६८ |
| तालिका ५-९ कृषि तर्फको ब्लक विकास कार्यक्रमको प्रमुख उपलब्धी | ६९ |
| तालिका ५-१० पशुपन्छ तर्फको ब्लक विकास कार्यक्रमको प्रमुख उपलब्धी संख्या | ६९ |
| तालिका ५-११ पशुपन्छी स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी विवरण | ७० |
| तालिका ५-१२ कृषि प्रयोगशाला सेवाहरु | ७१ |
| तालिका ६-१३ प्रदेशका कृषि फार्महरुबाट भएको प्रमुख उत्पादनहरु | ७१ |
| तालिका ६-१४ कृषि फार्महरुबाट उत्पादन भएका प्रमुख मत्स्य बीउहरु | ७२ |
| तालिका ५-१५ पशुपन्छी जन्य पदार्थको उत्पादन स्थिति | ७३ |
| तालिका ५-१६ वन व्यवस्थापन पद्धति अनुरूप वन संख्या र क्षेत्रफल | ७३ |
| तालिका ५-१७ काठ दाउरा बिक्रीबाट प्राप्त राजस्व (रु. लाखमा) | ७४ |
| तालिका ६-१८ खोटेो निकासी परिमाण (मेट्रिक टनमा) सम्बन्धी विवरण | ७४ |
| तालिका ६-१९ भू-संरक्षण सम्बन्धी सम्पन्न योजना (संख्यामा) | ७७ |
| तालिका ५-२० जलाधार संरक्षण सम्बन्धी सपन्न योजनाको विवरण (संख्यामा) | ७७ |
| तालिका ६-१ उद्योग दर्ता लगानी र प्रस्तावित रोजगारी (लगानी र पुँजी रु. लाखमा) | ७८ |
| तालिका ६-२ पर्यटन व्यवसायी सम्बन्धी विवरण | ७९ |
| तालिका ६-३ धार्मिक र पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण र रोजगारी सिर्जना | ७९ |
| तालिका ६-४ पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता | ८१ |
| तालिका ८-१ प्रदेशबाट निर्माण गरिएको सडक (किलोमिटरमा) को अवस्था | ८२ |

| | |
|--|-----|
| तालिका ८-२ प्रदेशबाट निर्माण गरिएको सडक पुल (गोटा) को अवस्था | ८३ |
| तालिका ८-३ तटबन्ध निर्माण र जमिन उकास | ८३ |
| तालिका ८-४ सिँचाईको स्थिति (हेक्टरमा) | ८३ |
| तालिका ८-५ पक्की र कच्ची कुलो निर्माणको अवस्था (किलोमिटरमा) | ८४ |
| तालिका ८-६ डिप ट्युबेल र स्यालो ट्युबेल जडानको अवस्था (गोटामा) | ८४ |
| तालिका ८-७ सवारी साधन दर्ताको अवस्था | ८४ |
| तालिका ८-८ टेलिभिजन प्रसारण गर्ने संस्थाहरूको संख्या | ८५ |
| तालिका ८-९ आवास तथा भवन निर्माणको अवस्था (संख्यामा) | ८५ |
| तालिका ८-१० सहरी पूर्वाधार निर्माण | ८६ |
| तालिका ८-११ विद्युत उत्पादन क्षमता र पहुँच (वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक) | ८६ |
| तालिका १२: बहुवर्षीय ठेक्का सहमति प्राप्त आयोजनाको विवरण (रु. हजारमा) | ८७ |
| तालिका ९-१ विद्यालयको संख्या | ८८ |
| तालिका ९-२ जिल्लागत क्याम्पसहरूको संख्या | ८९ |
| तालिका ९-३ गाभिए/मर्जर गरिएको सामुदायिक विद्यालयहरूको जिल्लागत विवरण | ८९ |
| तालिका ९-४ सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत शिक्षक विवरण (२०८२) | ९० |
| तालिका ९-५ सामुदायिक विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था (संख्यामा) | ९१ |
| तालिका ९-६ माध्यमिक शिक्षा परीक्षा, कक्षा १० (इङ्ग्लिश) २०८२/८३ को नतिजा विवरण | ९२ |
| तालिका ९-७ छात्रवृत्ति सम्बन्धी विवरण | ९२ |
| तालिका ९-८ बादी समुदाय छात्रवृत्ति अन्तर्गत लाभान्वितको विवरण | ९३ |
| तालिका ९-९ शैक्षिक पूर्वाधार सम्बन्धी विवरण (गोटा) | ९४ |
| तालिका ९-१० सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयको भर्ना र उत्पादनको अवस्था | ९४ |
| तालिका ९-११ गुरुङ्गुरू बाट सञ्चालित कार्यक्रमहरूको सङ्कायगत संख्या र भर्ना क्षमता | ९५ |
| तालिका ९-१२ सरकारी स्वास्थ्य, संस्था शैत्या र जनशक्तिको विवरण | ९६ |
| तालिका ९-१३ स्वस्थ्य सेवा लिने विरामीको पटके संख्या (हजारमा) | ९६ |
| तालिका ९-१४ खोपको विवरण (बार्षिक अनुमानित लक्ष्यको प्रतिशतमा) | ९७ |
| तालिका ९-१५ औषधि उपचार सेवा प्राप्त गर्ने विपन्न नागरिकको विवरण | ९७ |
| तालिका ९-१६ खानेपानी पूर्वाधार निर्माणको अवस्था | ९८ |
| तालिका ९-१७ खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित जनसंख्या | ९८ |
| तालिका ९-१८ उद्धार गरिएका गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाको प्रदेशगत विवरण (संख्या) | ९९ |
| तालिका ९-१९ हराएका बालबालिका सम्बन्धी विवरण | ९९ |
| तालिका १०-१ निर्माण सम्पन्न प्रहरी भवन संख्या | १०६ |
| तालिका ११-२ सवारी दुर्घटना सम्बन्धी विवरण | १०६ |
| तालिका ११-३ लागु औषध दुर्व्यसनीको अवस्था | १०७ |
| तालिका ११-४ विपद्का घटनाहरू सम्बन्धी विवरण | १०७ |

चित्र-सूची

| | |
|---|----|
| चित्र १-१ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ७ |
| चित्र १-२ बृहत आर्थिक क्षेत्र अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशतमा) | ७ |
| चित्र १-३ बृहत आर्थिक क्षेत्र अनुसार आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ८ |
| चित्र १-४ कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ९ |
| चित्र २-१ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (रु. अर्बमा) मा प्रदेशगत योगदान (प्रतिशतमा) | १० |
| चित्र २-२ प्रदेशगत आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ११ |
| चित्र २-३ आर्थिक वृद्धिदर आधारभूत मूल्यमा र उपभोक्ता मूल्यमा (प्रतिशतमा) | १२ |
| चित्र २-४ कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशतमा) | १२ |
| चित्र २-५ प्रदेशको कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १३ |
| चित्र २-६ बृहत औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) को क्षेत्रगत योगदान | १३ |
| चित्र २-७ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १४ |
| चित्र २-८ कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १५ |
| चित्र २-९ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा खानी तथा उत्खनन् क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १५ |
| चित्र २-१० विद्युत, ग्याँस तथा वाष्प र वातानुकूलित आपूर्ति सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १६ |
| चित्र २-११ पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन तथा पुनःउत्पादन क्रियाकलाप क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १६ |
| चित्र २-१२ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १७ |
| चित्र २-१३ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा थोक खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल मर्मत सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १८ |
| चित्र २-१४ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यातायात तथा भण्डारण क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १८ |
| चित्र २-१५ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा आवास तथा भोजन सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १९ |
| चित्र २-१६ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलाप क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | १९ |

| | |
|---|----|
| चित्र २-१७ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा र अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | २० |
| चित्र २-१८ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | २१ |
| चित्र २-१९ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | २१ |
| चित्र २-२० राष्ट्रिय र सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको तुलना | २२ |
| चित्र २-२१ प्रदेशगत प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (अमेरिकी डलरमा) | २२ |
| चित्र ३-१ बजेट तथा राजस्व सन्तुलनको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा) | २७ |
| चित्र ३-२ प्रदेशगत खर्च र राजस्व स्थिति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपात प्रतिशतमा) | २८ |
| चित्र ३-३ प्रदेश सरकारको राजस्वको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा) | २९ |
| चित्र ३-४ प्रदेश सरकारको खर्चको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा) | २९ |
| चित्र ३-५ विनियोजनको तुलनामा खर्चको प्रगति (प्रतिशतमा) | ३१ |
| चित्र ३-६ विनियोजनको तुलनामा खर्चको प्रवृत्ति (रकम रु. करोडमा) | ३१ |
| चित्र ३-७ संघीय अनुदान प्राप्तको स्थिति (रु. लाखमा) | ३५ |
| चित्र ३-८ कर तथा गरैकरको अनुपात | ३७ |
| चित्र ३-९ सवारी साधन कर र घरजग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क सङ्कलनको प्रवृत्ति (रु. लाखमा) | ३८ |
| चित्र ३-१० विनियोजनको तुलनामा वित्तीय हस्तान्तरणको अवस्था (प्रतिशतमा) | ४० |
| चित्र ४-१ बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको प्रदेशगत प्रति शाखा सेवा प्रवाह गरेको जनसंख्या (चैत्र मसान्तसम्म) | ४४ |
| चित्र ४-२ बैङ्क तथा वित्त कम्पनीहरूको निष्क्रिय कर्जा अनुपात (प्रतिशतमा) | ४६ |
| चित्र ४-३ वित्तीय स्रोत सङ्कलन र परिचानको अवस्था (रु. अर्बमा) | ४८ |
| चित्र ६-१ प्रमुख खाद्यान्न बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर) | ६४ |
| चित्र ५-२ नगदे बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर) | ६५ |
| चित्र ५-३ दलहन बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर) | ६६ |

कार्यकारी सारांश

१. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा राष्ट्रिय अर्थतन्त्र ३.८५ प्रतिशतले वृद्धि भई आधारभूत मुल्यमा अर्थतन्त्रको आकार रु. ६६ खर्ब ९ करोड पुग्ने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा आर्थिक वृद्धिदर ४.४३ प्रतिशत भई कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ६१ खर्ब ९९ अर्ब ८६ करोड पुग्ने अनुमान रहेको छ।
२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस प्रदेशको योगदान ७ प्रतिशत रहने अनुमान छ। कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सबैभन्दा बढी ३६.७० प्रतिशत योगदान बागमती प्रदेशको र सबैभन्दा कम ४.२ प्रतिशत योगदान कर्णाली प्रदेशको हुने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्ष सुदूरपश्चिम प्रदेशको योगदान ७.१ प्रतिशत रहेको थियो।
३. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा आर्थिक वृद्धिदर सबैभन्दा कम मधेश प्रदेशमा १.३१ प्रतिशत र सबै भन्दा बढी बागमती प्रदेशमा ५.४ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशको ३.२८ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदर हुने अनुमान रहेको छ।
४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा सुदूरपश्चिम प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीय क्षेत्र तथा तृतीय क्षेत्रको योगदान क्रमशः ३३.६५, १३.७ र ५२.६६ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ। यसैगरी यस अवधिमा यी क्षेत्रहरूको वृद्धिदर क्रमशः २.१२, ४.४५ र ३.५९ प्रतिशत रहने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा द्वितीय क्षेत्र १.१९ प्रतिशत ऋणात्मक रहेको थियो।
५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा राष्ट्रिय प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन १ हजार ५१३ अमेरिकी डलर रहेकोमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा १ प्रतिशतले वृद्धि भई १ हजार १५३ अमेरिकी डलर रहने अनुमान रहेको छ।
६. यस प्रदेशमा मूल्य सूचकाङ्क राष्ट्रिय औषत भन्दा बढी रहेको र ग्रामीण क्षेत्र भन्दा शहरी क्षेत्रमा बढी रहेको देखिएको छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा सुदूरपश्चिम प्रदेशको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क ३.३९ प्रतिशतले वृद्धि भई १०७.८४ पुगेको छ। यस अवधिमा प्रदेशको ग्रामीण क्षेत्रको सूचकाङ्क १०८.०२ र शहरी क्षेत्रको सूचकाङ्क १०७.७७ पुगेको छ। राष्ट्रिय सूचकाङ्क भन्दा सुदूरपश्चिम प्रदेश ०.८८ अङ्कले बढी देखिन्छ।
७. चालु आर्थिक वर्षको चैत्रमा राष्ट्रिय सूचकाङ्क १०९.४ रहेको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशको ११४.३ रहेको छ।
८. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको प्रदेशको कुल आय रु. १९ अर्ब ७७ करोड ६१ लाख रहेकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को सोही अवधिमा ११.२३ प्रतिशतले घटी भई कुल आय रु. १७ अर्ब ५५ करोड ६० लाख रहेको छ।
९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशको कुल आन्तरिक आय रु. १ अर्ब १० करोड ५५ लाख रहेको छ। यस अवधिमा कर राजस्व सङ्कलन ३.८५ प्रतिशत घटेको छ भने गैरकर राजस्व तर्फ २५.५८ प्रतिशतले वृद्धि भई आन्तरिक राजस्व ९.१४

प्रतिशतले बढ्न गएको छ। यस अवधिमा कर राजस्व रु. ५४ करोड ३९ लाख र गैर कर राजस्व रु. ५६ करोड १५ लाख सङ्कलन भएको छ। चालु आर्थिक वर्षको आन्तरिक राजस्व सङ्कलनको लक्ष्य रु. १ अर्ब ६५ करोडको चैत्र मसान्तसम्ममा ७० प्रतिशत सङ्कलन भई सकेको छ।

१०. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा सवारी साधन कर तर्फ रु. ३१ करोड ५६ लाख र घरजग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क तर्फ रु. २२ करोड ७९ लाख राजस्व सङ्कलन भएको छ। यस अवधिमा प्राकृतिक स्रोत बाँडफाँट तर्फ रु. १२ लाख र रोयल्टी बाँडफाँड तर्फ रु. ८ करोड ४१ लाख प्राप्त भएको छ।
११. चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा अनुदान प्राप्ति रु. ६ अर्ब ३६ करोड ५६ लाख र बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्व रु. ६ अर्ब ५४ करोड १५ लाख रहेको छ। गत आर्थिक वर्षको वार्षिक विन्दुगत तुलनामा अनुदान प्राप्ति २१.५२ प्रतिशतले घटेको छ भने बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्व ३.७६ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ।
१२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म चालु खर्च रु. ४ अर्ब ५१ करोड २६ लाख र पुँजीगत खर्च रु. ३ अर्ब २६ करोड २४ लाख गरी कुल खर्च रु. ७ अर्ब ७७ करोड ५० लाख हुन गएको छ। यस अवधिमा कुल विनियोजनको अनुपातमा चालु खर्च ३३.१४ प्रतिशत र पुँजीगत खर्च १६.४४ प्रतिशत रहेको छ। गत आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा चालु खर्चमा ७.३३ प्रतिशत, पुँजीगत खर्चमा १६.९० प्रतिशत तथा कुल खर्चमा ११.६० प्रतिशतले कमी आएको छ।
१३. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेश सरकारको बजेट बचत रु. ९ अर्ब ७८ करोड १० लाख र राजस्व बचत रु. ३ अर्ब ४० करोड ७२ लाख ऋणात्मक रहने अनुमान गरिएको छ। कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा बजेट सन्तुलनमा र राजस्व सन्तुलनमा सामान्य गिरावट देखिएको छ। बजेट सन्तुलन कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको तुलनामा ०.८८ प्रतिशतले धनात्मक रहेको छ भने राजस्व सन्तुलन १.८४ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको छ।
१४. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशका स्थानीय तहहरूबाट चालु तर्फ रु. ३५ अर्ब ७५ करोड र पुँजीगत तर्फ रु. १६ अर्ब ४० करोड र वित्तीय व्यवस्था तर्फ रु. १ करोड ३० लाख विनियोजन भएकोमा चालु तर्फ रु. ३१ अर्ब ३ करोड र पुँजीगत तर्फ रु. १२ अर्ब ३२ करोड खर्च भएको छ। यस अवधिमा विनियोजनको तुलनामा ८३.१ प्रतिशत कुल खर्च भएको छ।
१५. प्रदेशबाट स्थानीय तहहरूका लागि आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुल वित्तीय हस्तान्तरण रु. ३ अर्ब ७८ करोड ९१ लाख भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षमा कुल रु. ३ अर्ब ४५ करोड ७२ लाख अनुदान तर्फ विनियोजन भएको छ। यसमा समानिकरण अनुदान

- तर्फ ९० करोड, सशर्त तर्फ १ अर्ब ५ करोड ७२ लाख, समपुरक तर्फ १ अर्ब र विशेष तर्फ ५० करोड हस्तान्तरणका लागि विनियोजन गरिएकोमा सशर्त, समपुरक र विशेष अनुदानको भुक्तानी क्रमशः ३२.२, ५५.१ र १०.२ प्रतिशत रहेको छ।
१६. महालेखा परिक्षकको लेखापरिक्षण सम्बन्धी वार्षिक प्रतिवेदन, २०८३ अनुसार आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशमा थप भएको बेरुजु रु. ६० करोड ४९ लाख रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्मको बाँकी बेरुजु रु. ३ अर्ब ५४ करोड ८६ लाख रहेको छ भने यसमा पेशकी बाहेकको बेरुजु रु. ३ अर्ब १९ करोड ३० लाख रहेको छ।
१७. २०८२ चैत्र मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको शाखा संख्या ८४३ पुगेको छ। यस अवधिमा प्रदेशको प्रति शाखा सेवा प्रवाह गरेको जनसंख्या अनुपात ६ हजार ९१० पुगेको छ।
१८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको निक्षेप सङ्कलन रु. १ खर्ब ८९ अर्ब र कर्जा प्रवाह रु. १ खर्ब ६३ अर्ब रहेको छ। नेपालका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको कुल निक्षेप सङ्कलनमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको योगदान २.४० प्रतिशत रहेको छ।
१९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ चैत्रमा वाणिज्य बैंक, विकास बैंक र वित्त कम्पनीहरुको निष्क्रिय कर्जाको अनुपात क्रमशः ५.४१, ६.१३ र १२.१९ प्रतिशत रहेको छ।
२०. प्रदेशमा ब्रोड ब्याड इन्टरनेट र मोबाइल इन्टरनेट प्रयोगमा विस्तार भए सँगै विद्युतीय भुक्तानी सेवामा वृद्धि भएको छ। २०८१ चैत्रसम्मको तुलनामा २०८२ चैत्रमा मोबाइल ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता संख्यामा १०.०७ प्रतिशतले र क्यूआर मर्चेन्टमा ४२.७६ प्रतिशत, इन्टरनेट ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता संख्यामा समेत २०.०४ प्रतिशत, डेविट कार्ड प्रयोगकर्तामा २.६६ प्रतिशत र प्रिपेड कार्डमा १८.४७ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।
२१. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा बीमा शाखा कार्यालयको संख्या २७६ पुगेको छ। यसमा जीवन बीमा शाखा १८७ रहेको छ भने निर्जीवन बीमा शाखा ८९ रहेको छ।
२२. गत आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा बीमा लेख संख्यामा २.२४ प्रतिशतले हास आएको छ भने बीमा शुल्क आर्जन १३.२६ प्रतिशतले बढ्न गई रु. ९ अर्ब ४८ करोड ४० लाख पुगेको छ।
२३. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सामाजिक सुरक्षा कोषमा ६७ जना रोजगारदाता र १ हजार ५४७ जना योगदानकर्ता थप भई कुल रोजगारदाताको संख्या ३८० पुगेको छ भने कुल योगदानकर्ताको संख्या २३ हजार २१० पुगेको छ। सुदूरपश्चिम प्रदेशमा सामाजिक सुरक्षा कोषमा आबद्ध भएका योगदानकर्ताको संख्या नेपालको कुल योगदानकर्ता संख्याको तुलनामा ०.६१ प्रतिशत मात्र रहेको छ।
२४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा १ लाख ५२ हजार हेक्टरमा धान खेती गरिएकोमा ६ लाख २० हजार मेट्रिक टन उत्पादन भएको अनुमान गरिएको

- छ। यसैगरी, मकैको उत्पादन १ लाख १० हजार मेट्रिक टन, कोदोको उत्पादन १९ हजार मेट्रिक टन र फापरको उत्पादन ५० मेट्रिक टन भएको अनुमान छ।
२५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा आलु, तेलहन, तरकारी, फलफुल र उखुको उत्पादन क्रमशः २ लाख ९० हजार मेट्रिक टन, २३ हजार मेट्रिक टन, ३ लाख १ हजार मेट्रिक टन, ९८ हजार मेट्रिक टन र ३ लाख ६४ हजार मेट्रिक टन भएको अनुमान छ।
२६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा मासुको उत्पादन ४२ हजार ७ सय ९८ मेट्रिक टन भएकोमा चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा मासुको कुल उत्पादन ४५ हजार २ सय २४ मेट्रिक टन भएको अनुमान रहेको छ।
२७. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा २०८२ चैत्र मसान्तसम्म १० लाख ४६ हजार ५ सय ८२ हेक्टर वन क्षेत्र रहेको छ। यो वन क्षेत्रले राष्ट्रिय वन क्षेत्रको १५.६३ प्रतिशत हिस्सा र सुदूरपश्चिम प्रदेशको कुल क्षेत्रफलमध्ये ५३.५६ प्रतिशत भाग ओगटेको छ।
२८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म कुल उद्योग संख्या १ हजार ५९९ दर्ता भई ५ हजार ४५२ जनाको लागि रोजगारी प्रस्तावित भएको छ। यस अवधिमा दर्ता भएका उद्योग मध्ये कृषि तथा वनजन्य उद्योग ७५५ वटा, सेवामूलक उद्योग ५९२ वटा र उत्पादनमूलक १९१ वटा रहेका छन्। यस अवधिमा दर्ता भएका उद्योगहरूमा रु. २ अर्ब २२ करोड ३४ लाख लगानी हुने अनुमान गरिएको छ।
२९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेश सरकारको स्वीकृति लिई सञ्चालनमा रहेका पर्त्यन व्यवसायको संख्या ८७ रहेको छ।
३०. पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता आर्थिक वर्ष २०८२/८३ फागुन मसान्तसम्ममा २ हजार ६६४ किलोलिटर पुगेको छ। पेट्रोलियम पदार्थको उक्त मौज्जात क्षमता सरदरमा ८ दिन बराबरको माग धान्ने अनुमान रहेको छ। नेपालको कुल भण्डारण क्षमताको तुलनामा सुदूरपश्चिम प्रदेशको भण्डारण क्षमता २.६० प्रतिशत मात्र रहेको छ।
३१. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेश सरकारले कुल ५३९ किलोमिटर सडक र ७ सडक पुल निर्माण गरेकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ५६ किलोमिटर सडक र २ वटा सडक पुल निर्माण गरेको छ। यस अन्तर्गत ११ किलोमिटर सडक कालोपत्रे, २६ किलोमिटर ग्राभेल र १९ किलोमिटर माटो सडक निर्माण भएको छ।
३२. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ५६ किलोमिटर तटबन्ध निर्माण र १६० हेक्टर जमिन उकासको कार्य भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ३६ कि.मी. तटबन्ध निर्माण र १८ हेक्टर जमिनको उकास भएको छ।
३३. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सतह सिँचाई योजनाबाट ३ हजार ३८३ हेक्टर, भुमिगत सिँचाईबाट ११० हेक्टर र नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाई आयोजनाबाट २४० हेक्टर सिँचाई क्षेत्रको विस्तार भएको छ। भने १५७ किलोमिटर पक्की कुलो र ७ किलोमिटर कच्ची कुलो निर्माण भएको छ।

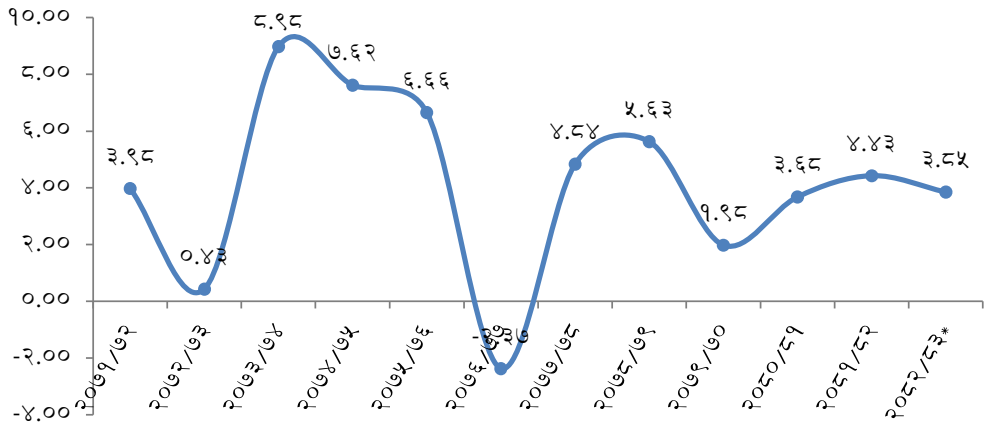
३४. २०८२/८३ फागुन मसान्तसम्म सुदूरपश्चिमको विद्युत उत्पादन क्षमता १६९ मेगावाट रहेको छ। यस अवधिमा राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट सुदूरपश्चिम प्रदेशमा विद्युत पहुँच ८७.३ प्रतिशत घरधुरीमा पुगेको छ।
३५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म आधारभूत खानेपानी सेवाको विस्तारबाट १८ हजार २८७ जना र मध्यमस्तरको खानेपानी सेवा विस्तारबाट ९ हजार ७५० जना गरी जम्मा २८ हजार ३७ जनालाई स्वच्छ खानेपानी सेवा उपलब्ध भएको छ।
३६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेश सरकारबाट २८० इन्टेक निर्माण, २६० पानी पोखरी निर्माण र ७६० किलोमिटर पाइप लाइन जडानको कार्य सम्पन्न भएको छ। यस अवधिमा ७० खानेपानी आयोजनाका स्कीमहरु सम्पन्न भएका छन्।
३७. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १० वटा भवन निर्माण भई सकेको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ चैत्र मसान्तसम्ममा ५० वटा जनता आवास योजना अन्तर्गत निजी आवास निर्माण भएका छन्।
३८. चालु आर्थिक वर्षमा २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा जम्मा १२ हजार ६१ सवारी साधनहरु प्रदेशका यातायात कार्यालयहरुमा दर्ता भई सकेका छन् जसबाट रु. ६५ करोड ४० लाख राजस्व संकलन भएको छ।
३९. शैक्षिक सत्र २०७९ मा २३ विद्यालयहरु मर्ज भएकोमा २०८० मा गाभिने दर १९१.३० प्रतिशतले वृद्धि भई मर्ज हुने विद्यालयको संख्या ६७ पुगेको थियो। २०८० देखि २०८१ सम्म वृद्धिदर ५.९७ प्रतिशत मात्र भए पनि गाभिने संख्या अझै उच्च रहेको छ। २०८२ मा कञ्चनपुर जिल्लामा मात्रै ९ वटा विद्यालयहरु गाभिएको देखिन्छ।
४०. कुल शिक्षक संख्यामा ३.४८ प्रतिशतले वृद्धि भई २९ हजार १८५ पुगेको छ भने सामुदायिक विद्यालय तर्फ ७६.८९ प्रतिशत र संस्थागत तर्फ २३.११ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ। माध्यामिक तह (११-१२) मा शिक्षक संख्या १ हजार ५०६ पुगेको छ।
४१. सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयहरुमा महिला शिक्षकहरुको संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि भएको छ। शैक्षिक सत्र २०८२ मा पुरुष र महिला शिक्षकको अनुपात क्रमशः ६७.१८ प्रतिशत र ३२.८२ प्रतिशत रहेको छ। प्रदेशका कुल शिक्षकमध्ये सामुदायिक विद्यालयमा ७६.८९ प्रतिशत र संस्थागत विद्यालयमा २३.११ प्रतिशत कार्यरत रहेका छन्।
४२. शैक्षिक सत्र २०८२ मा कुल विद्यार्थी संख्या ७ लाख ७० हजार १७५ रहेको छ। शैक्षिक सत्र २०८२ मा सामुदायिक विद्यालयको कुल विद्यार्थी संख्यामा ७.७८ प्रतिशतले कमी आएको छ। गत शैक्षिक सत्रमा यस्तो गिरावट ५.८२ प्रतिशतको देखिएको थियो।
४३. शैक्षिक सत्र २०८१ मा प्रदेशमा कुल ८७ क्याम्पसहरु रहेकोमा शैक्षिक सत्र २०८२ मा यो सङ्ख्या बढी ९३ पुगेको छ। निजी क्याम्पसहरुको संख्यामा ३३.३३ प्रतिशत र सामुदायिक क्याम्पसहरुको सङ्ख्यामा २ प्रतिशतको गिरावट देखिएको छ।

४४. चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा ९ जनालाई एम.वि.वि.एस. र बादी समूदायका ७३२ जनालाई विद्यालय शिक्षा तथा ३० जनालाई उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि छात्रवृत्ति प्रदान गरिएको छ।
४५. प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म सरकारी स्वास्थ्य संस्था १ हजार २ रहेको छ। सरकारी स्वास्थ्य संस्थाहरूमा कार्यरत कुल जनशक्तिको संख्या १० हजार २४३ स्वास्थ्यकर्मी रहेका छन् भने डाक्टरको संख्या १३७ रहेको छ।
४६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा विपन्न नागरिक औषधि उपचार सहायता कार्यक्रमबाट ६३३ जना विरामीहरूले लाभ लिएका थिए भने चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा ६७५ विपन्न नागरिक लाभान्वित भएका छन्।
४७. चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको कुल स्वीकृत २ हजार ७७३ दरबन्दी मध्ये ३८.८ प्रतिशत रिक्त रहेको छ।

१. राष्ट्रिय अर्थतन्त्र

१.१. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा राष्ट्रिय अर्थतन्त्र ३.८५ प्रतिशतले वृद्धि भई आधारभूत मुल्यमा अर्थतन्त्रको आकार रु. ६६ खर्ब ९ करोड पुग्ने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ६१ खर्ब ९९ अर्ब ८६ करोड र आर्थिक वृद्धिदर ४.४३ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र १-१ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

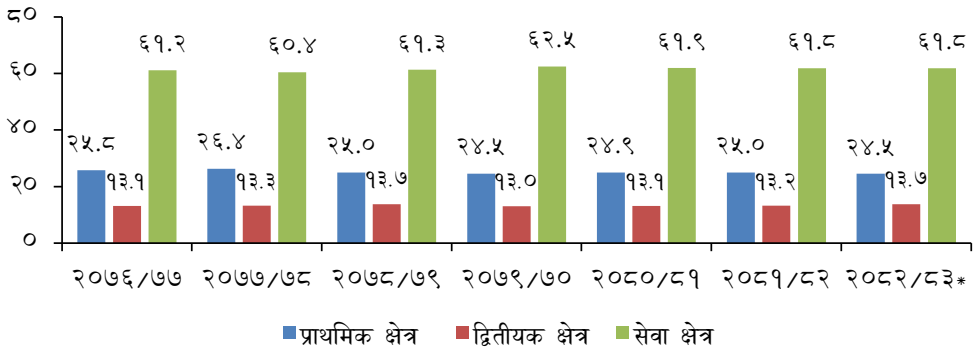


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

१.२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्राथमिक क्षेत्र द्वितीयक क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्रको योगदान क्रमशः २४.५, १३.७ र ६१.८ प्रतिशत रहने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो योगदान क्रमशः २५.०, १३.२ र ६१.८ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र १-२ बृहत आर्थिक क्षेत्र अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशतमा)

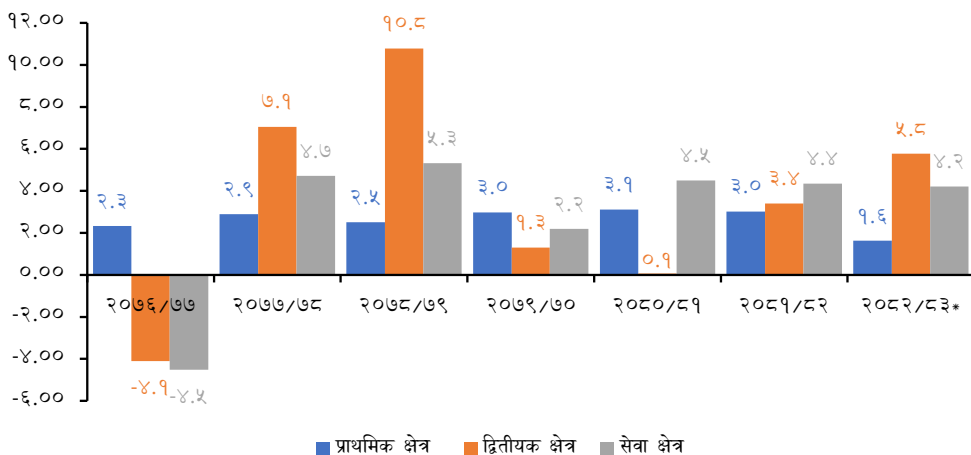


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

१.३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्राथमिक क्षेत्रको वृद्धिदर ३ प्रतिशत रहको अनुमान छ भने द्वितीयक क्षेत्रको ३.४ प्रतिशत र सेवा क्षेत्रको ४.४ प्रतिशत रहको अनुमान छ। चालु आर्थिक वर्षको द्वितीय क्षेत्रको वृद्धिदरमा उल्लेख्य सुधार आई ५.८ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ। यस अवधिमा प्राथमिक र तृतीय क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः १.६ र ४.२ प्रतिशत रहने अनुमान रहेको छ।

चित्र १-३ बृहत आर्थिक क्षेत्र अनुसार आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

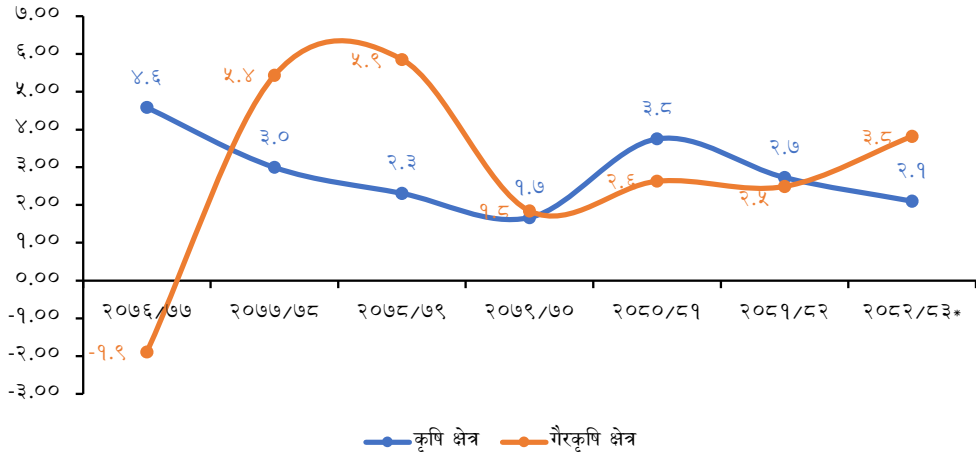


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

१.४. चालु आर्थिक वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान २४ प्रतिशत तथा गैर कृषि क्षेत्रको योगदान ७६ प्रतिशत रहेको छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो अनुपात क्रमशः २४.५ प्रतिशत र ७५.५ प्रतिशत रहेको थियो। यसैगरी, चालु आर्थिक वर्षमा कृषि क्षेत्रको वृद्धिदरमा हास आई २.९ प्रतिशतमा कायम हुने र गैरकृषि क्षेत्रको वृद्धिदर केही सुधार भई ३.८ प्रतिशत कायम हुने अनुमान छ।

चित्र १-४ कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



स्रोत: स्रोत राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

- १.५. अमेरिकी विनिमय दरमा भएको वृद्धिको असर प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा देखिएको छ। चालु आर्थिक वर्षमा प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. १ हजार ५ सय १३ अमेरिकी डलर रहने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो आय १ हजार ५ सय १६ अमेरिकी डलर रहेको थियो।
- १.६. वार्षिक विन्दुगत आधारमा २०८२ चैत्र महिनामा उपभोक्ता मुद्रास्फीति ४.४७ प्रतिशत रहेको छ। यस अवधिमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समूहको मुद्रास्फीति ४.०१ प्रतिशत र गैर-खाद्य तथा सेवा समूहको मुद्रास्फीति ४.७२ प्रतिशत रहेको छ। यस अवधिमा उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क ग्रामीण क्षेत्रको ३.७१ प्रतिशत र शहरी क्षेत्रको ४.७४ प्रतिशतले बढेको छ।
- १.७. २०८२ चैत्रमा वार्षिक विन्दुगत आधारमा थोक मुद्रास्फीति ३.९२ प्रतिशत रहेको छ। यस अवधिमा थोक मूल्य अन्तर्गत प्राथमिक वस्तुको मुद्रास्फीति ५.६ प्रतिशत ऋणात्मक रहेको छ भने मध्यवर्ती वस्तु र पुँजीगत वस्तुको वार्षिक विन्दुगत थोक मुद्रास्फीति क्रमशः ९.९५ प्रतिशत र ४.१४ प्रतिशत रहेको छ। समिक्षा अवधिमा निर्माण सामाग्रीको थोक मूल्य सूचकाङ्क १.९७ प्रतिशतले बढेको छ।
- १.८. वार्षिक विन्दुगत आधारमा तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क २०८२ चैत्रमा ६.३ प्रतिशतले बढेको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशमा यस्तो सूचकाङ्क ५.८३ प्रतिशतले बढेको छ।

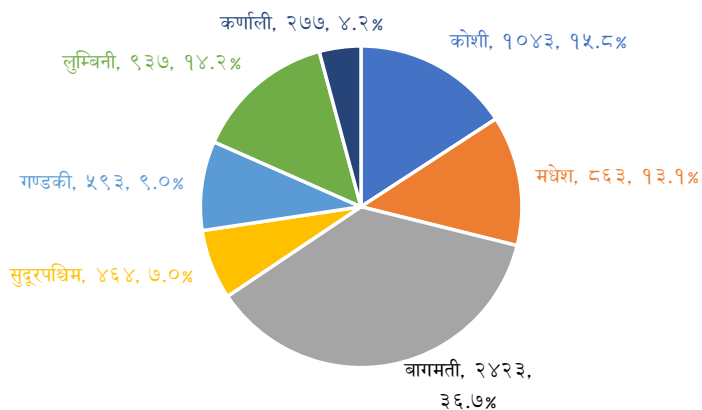
२. सुदूरपश्चिम प्रदेशको अर्थतन्त्र

- २.१. पराम्परागत कृषिमा निर्भरता, उत्पादनमूलक उद्योग तथा उच्च मूल्यका सेवा क्षेत्रको देखिएको सुस्त वृद्धिले गर्दा सुदूरपश्चिम प्रदेशको तिव्र आर्थिक वृद्धि, रोजगारी सिर्जनाका अवसर र राजस्व क्षमतालाई सङ्कुचित गरेको छ।
- २.२. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान उच्च भए पनि उत्पादकत्व, सिंचाई पहुँच, कृषि यान्त्रीकरण तथा बजारीकरणको अवस्था कमजोर रहेको छ। औद्योगिकीकरणको स्तर अत्यन्त न्यून रहेको कारण उत्पादनमुखी रोजगारी सिर्जना सीमित छ भने सेवा क्षेत्र क्रमशः विस्तार हुँदै गए पनि बागमती, गण्डकी तथा लुम्बिनी प्रदेशको तुलनामा आर्थिक गतिविधिको घनत्व कम रहेको देखिन्छ। प्रतिव्यक्ति आय, उद्यम व्यवसायको संख्या तथा वित्तीय पहुँचका सूचकहरू पनि राष्ट्रिय औसतभन्दा न्यून रहेका छन्।

प्रदेशको आर्थिक वृद्धि

- २.३. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा यस प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ४ खर्ब ६३ अर्ब ८८ करोड हुने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ४ खर्ब ४१ अर्ब १४ करोड रहेको थियो।
- २.४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस प्रदेशको योगदान ७ प्रतिशत रहने अनुमान छ। कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सबैभन्दा बढी ३६.७० प्रतिशत योगदान बागमती प्रदेशको र सबैभन्दा कम ४.२ प्रतिशत योगदान कर्णाली प्रदेशको हुने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्ष सुदूरपश्चिम प्रदेशको योगदान ७.१ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र २-१ कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (रु. अर्बमा) मा प्रदेशगत योगदान (प्रतिशतमा)



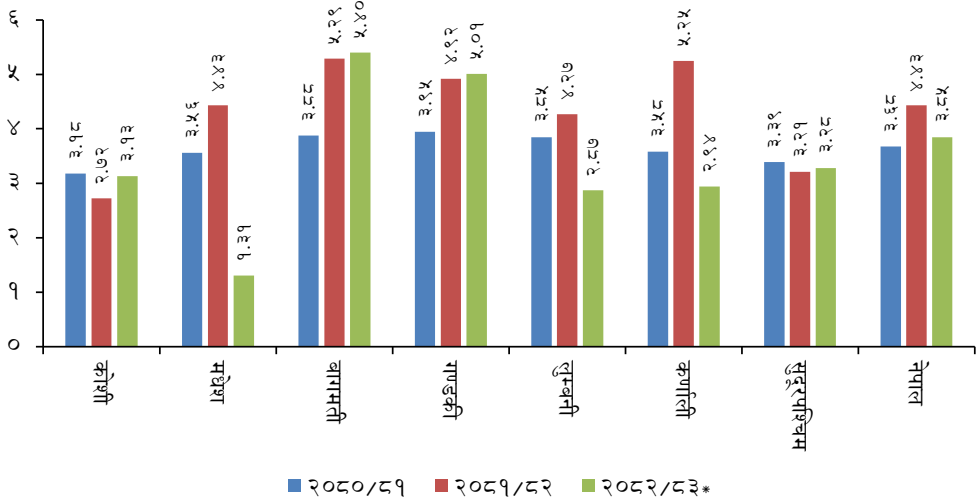
स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

- २.५. सेवा क्षेत्र तर्फको वित्तीय क्षेत्र, घरजग्गा र औद्योगिक घनत्वले गर्दा प्रादेशिक आर्थिक वृद्धिदर बागमती प्रदेशको उच्च रहँदै आएको छ। समिक्षा अवधिमा बागमती प्रदेशको

आर्थिक वृद्धिदर ५.२५ प्रतिशतको रहेको छ। गण्डकी प्रदेशको आर्थिक वृद्धि सुधारोन्मुख रहेको र सुदूरपश्चिम प्रदेशको स्थिर रहेको देखिन्छ। समिक्षा अवधिमा सुदूरपश्चिम प्रदेश आधारभूत मूल्यमा वृद्धिदर ३.८५ प्रतिशत रहेको छ भने गण्डकी प्रदेशको ५.०१ प्रतिशत रहेको छ। मधेश, कर्णाली र लुम्बिनी प्रदेशको वृद्धिदर तुलनात्मक रूपमा कमजोर देखिन्छ भने कोशी प्रदेशको सुधारोन्मुख रहेको देखिन्छ। समिक्षा अवधिमा मधेश, कर्णाली, लुम्बिनी र कोशी प्रदेशको आधारभूत मूल्यमा आर्थिक वृद्धिदर क्रमशः १.१३ प्रतिशत, २.७७, २.७० र २.९६ प्रतिशत रहेको छ।

२.६. चालु आर्थिक वर्षमा आर्थिक वृद्धिदर सबैभन्दा कम मधेश प्रदेशमा १.३१ प्रतिशत र सबै भन्दा बढी बागमती प्रदेशमा ५.४ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा सबैभन्दा बढी वृद्धिदर बागमती प्रदेशको र सबै भन्दा कम कोशी प्रदेशको रहेको थियो।

चित्र २-२ प्रदेशगत आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

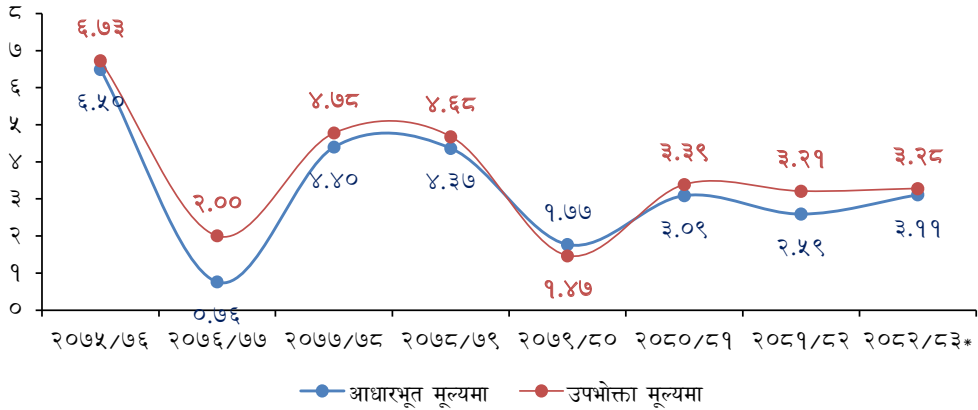


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.७. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा यस प्रदेशको अर्थतन्त्र उपभोक्ता मूल्यमा ३.२८ प्रतिशतले विस्तार हुने र आधारभूत मूल्यमा प्रदेशको आर्थिक वृद्धि ३.११ प्रतिशत हुने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो वृद्धिदर क्रमशः ३.२१ र २.५९ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र २-३ आर्थिक वृद्धिदर आधारभूत मूल्यमा र उपभोक्ता मूल्यमा (प्रतिशतमा)



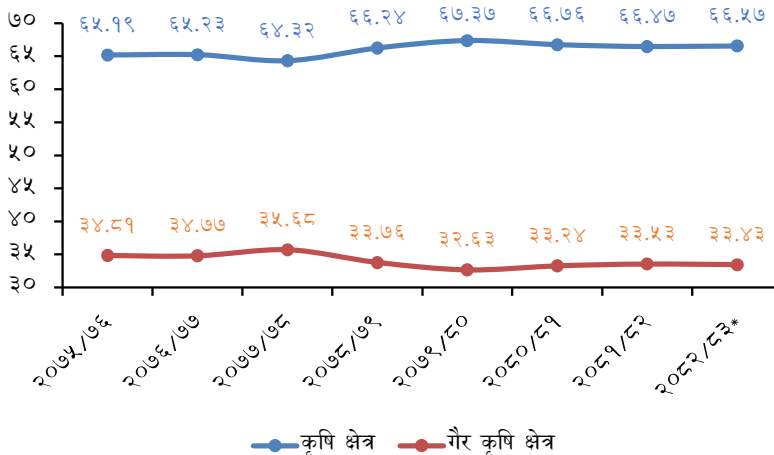
स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय २०८३

* अनुमानित

कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत संरचना

२.८. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान आर्थिक वर्ष २०२१/२२ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०२२/२३ मा ०.१० प्रतिशत विन्दुले बृद्धि भई ६६.५७ प्रतिशत हुने र गैर कृषि क्षेत्रको योगदान सोही अनुपातमा घटी भई ३३.४३ प्रतिशत हुने अनुमान छ।

चित्र २-४ कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशतमा)

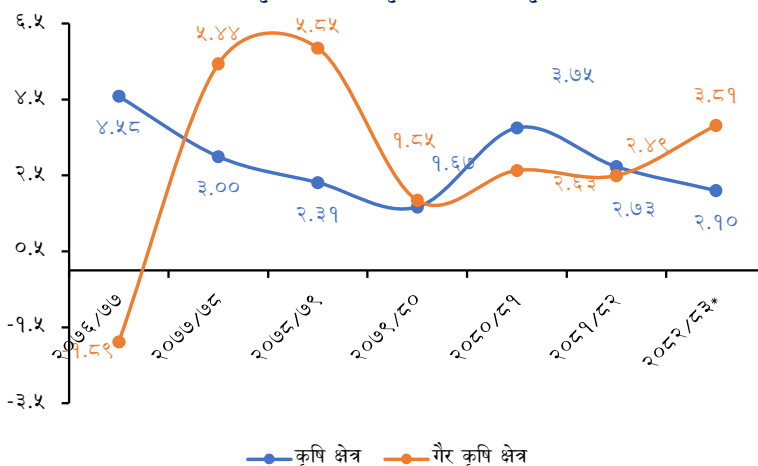


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय २०८३

* अनुमानित

२.९. आर्थिक वर्ष २०२२/२३ मा सुदूरपश्चिम प्रदेशको कृषि तथा गैरकृषि क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः २.१० र ३.८१ प्रतिशत रहने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो वृद्धिदर क्रमशः २.७३ र २.४९ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र २-५ प्रदेशको कृषि र गैर कृषि क्षेत्रको वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



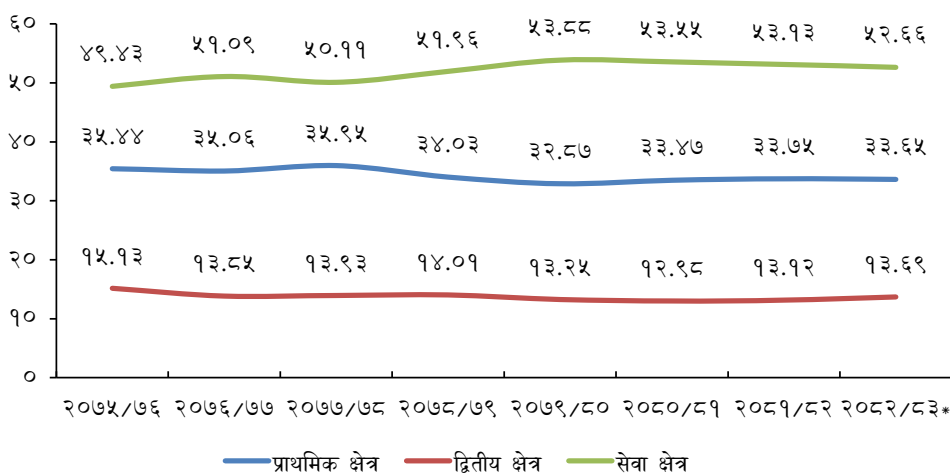
स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय २०८३

* अनुमानित

औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार कुल मूल्य अभिवृद्धि

२.१०. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्रको योगदान क्रमशः ३३.६५, १३.६९ र ५२.६६ प्रतिशत रहने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो योगदान क्रमशः ३३.७५, १३.१२ र ५३.१३ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र २-६ बृहत औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) को क्षेत्रगत योगदान

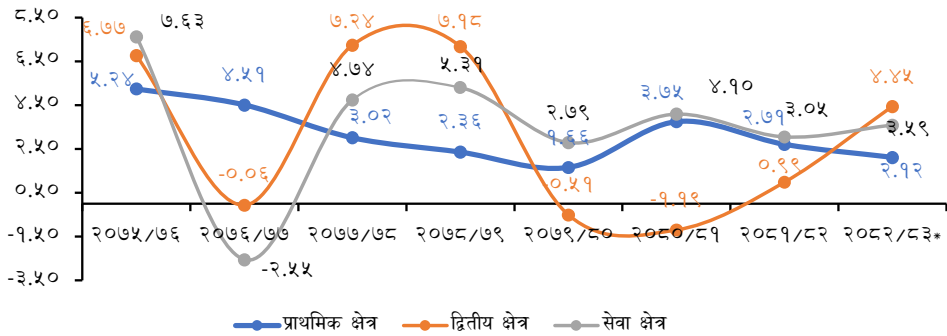


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.११. विगत ३ आर्थिक वर्षको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत तुलना गर्दा प्राथमिक क्षेत्रको वृद्धिदर घट्दो, सेवा क्षेत्रको स्थिरोन्मुख र द्वितीय क्षेत्रको गतिशिल देखिएको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीय क्षेत्र र सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर क्रमशः २.१२, ४.४५ र ३.५९ प्रतिशत रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा क्रमशः २.७१, ०.९९ र ३.०५ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र २-७ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत आर्थिक वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



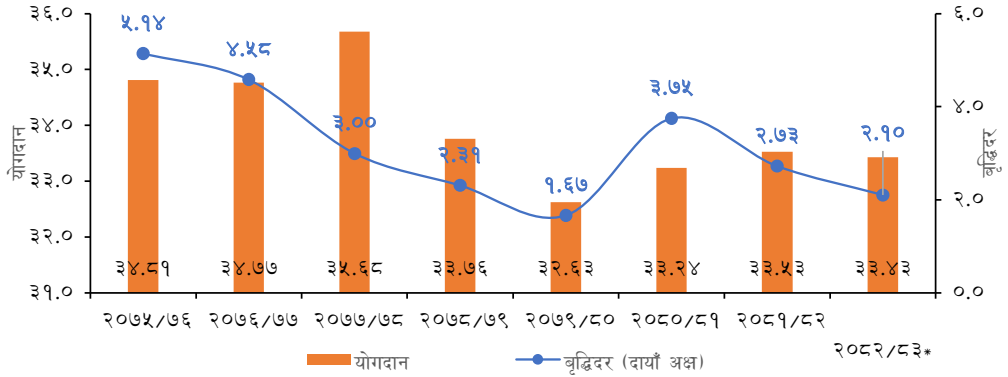
स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

प्राथमिक क्षेत्र

- २.१२. प्रदेश अर्थतन्त्रको मुख्य आधारको रूपमा रहेको प्राथमिक क्षेत्रको योगदान आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ३३.६५ प्रतिशत रहने अनुमान छ। जुन राष्ट्रिय औसत ०.५ प्रतिशत विन्दुले बढी हो। यस्तो न्यून वृद्धिदर र अर्थतन्त्रमा ओगटेको ठुलो हिस्साले परम्परागत कृषिमा निर्भरता र उत्पादकत्वमा सुधार हुन नसकेको संकेत गर्दछ।
- २.१३. प्राथमिक क्षेत्रमा प्रादेशिक अर्थतन्त्रको निर्भरता सबै भन्दा बढी मधेश प्रदेशमा ३५.१ प्रतिशत र सबैभन्दा कम बागमती प्रदेशमा ११.८ प्रतिशत रहेको छ।
- २.१४. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको योगदान आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ३३.४३ प्रतिशत रहने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो योगदान ३३.५३ प्रतिशत रहेको थियो। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस क्षेत्रको वृद्धिदर २.७३ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यसमा सिमान्तकृत सङ्कचन आई २.१० प्रतिशत कायम हुने अनुमान रहेको छ।

चित्र २-८ कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

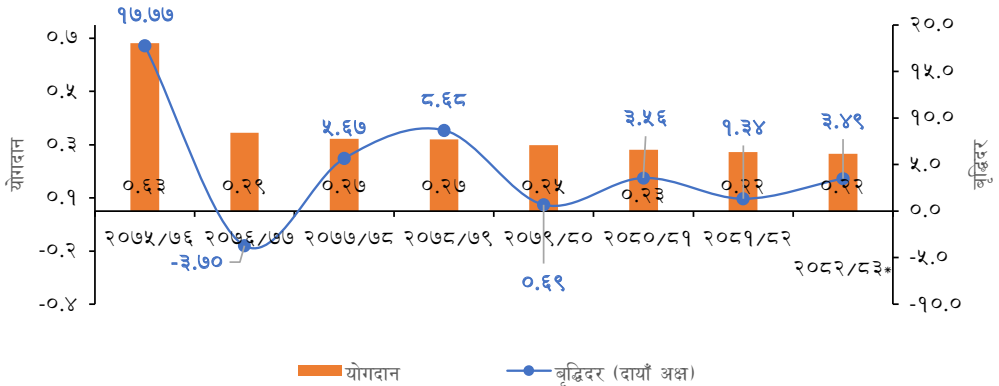


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.१५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा खानी तथा उत्खनन् क्षेत्रको वृद्धिदर ३.४९ प्रतिशत रहने अनुमान रहेको छ भने आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो वृद्धिदर १.३४ प्रतिशत रहेको थियो। प्रदेशमा खानी तथा उत्खनन् सम्बन्धी गतिविधि न्यून रहेको र कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदान ०.२२ प्रतिशत रहने अनुमान रहेको छ।

चित्र २-९ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा खानी तथा उत्खनन् क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

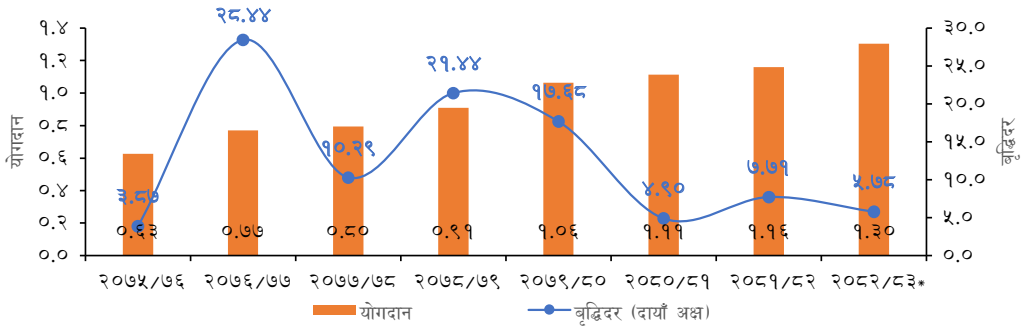
द्वितीय क्षेत्र

२.१६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा द्वितीय क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको १३.७ प्रतिशत योगदान रहने अनुमान छ, जसमध्ये प्रमुख योगदान उत्पादनमुलक क्षेत्रको ४.४२ प्रतिशत र निर्माण क्षेत्रको ७.४७ प्रतिशत रहने छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा उत्पादनमुलक क्षेत्रको ३.७५ प्रतिशत र पानी आपूर्ति, ढल निकास र फोहोरमैला

व्यवस्थापन तर्फ २.९४ प्रतिशत विन्दुले वृद्धि भएको छ। विगत ४ वर्षदेखि ऋणात्मक वृद्धिदर रहेको निर्माण क्षेत्र तर्फ ४.१६ प्रतिशत विन्दुले सुधार देखिएको छ।

- २.१७. प्रादेशिक तुलना गर्दा द्वितीय क्षेत्रको सबै भन्दा बढी योगदान गण्डकी प्रदेशको १८.४ प्रतिशत र सबै भन्दा कम कर्णाली प्रदेशको ९.९ प्रतिशत रहेको छ।
- २.१८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा विद्युत, ग्याँस तथा वाष्प र वातानुकूलित आपूर्ति सेवा क्षेत्रको कुल मूल्य अभिवृद्धिमा १.९४ प्रतिशत विन्दुले हास आई ५.७८ प्रतिशत रहने अनुमान छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदान १.३० प्रतिशत हुने अनुमान छ।

चित्र २-१० विद्युत, ग्याँस तथा वाष्प र वातानुकूलित आपूर्ति सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

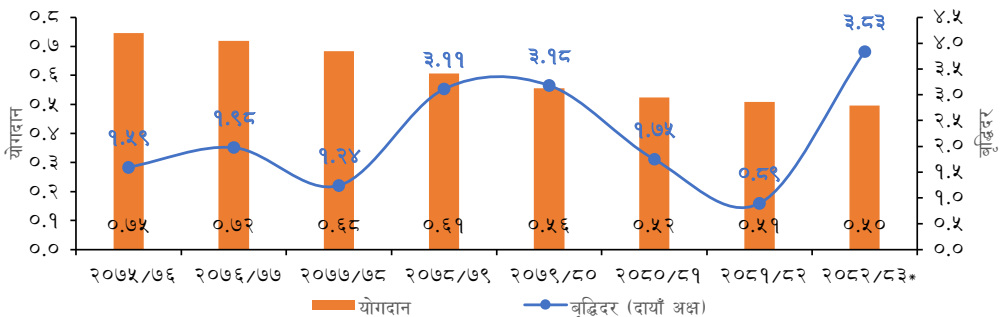


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

- २.१९. पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन तथा पुनःउत्पादनका क्रियाकलाप क्षेत्रको वृद्धिदरमा उल्लेख्य सुधार देखिएको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा वृद्धिदर ०.७६ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदान ०.५० प्रतिशत रहने अनुमान छ।

चित्र २-११ पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन तथा पुनःउत्पादन क्रियाकलाप क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

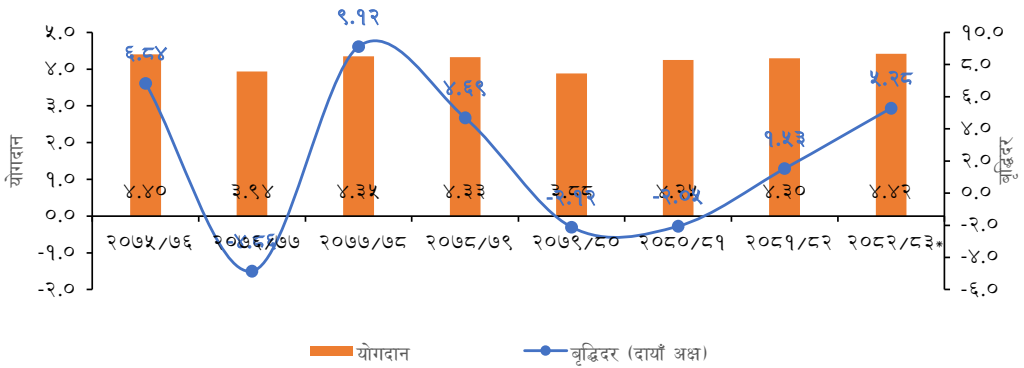


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.२०. सार्वजनिक निर्माणका पूर्वाधार विकास, विप्रेषणमा आधारित आवास निर्माण र सहरीकरण विस्तारसँग प्रदेशमा निर्माण कार्यले गति लिएको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा निर्माण क्षेत्रको कुल मूल्य अभिवृद्धिमा सामान्य सुधार आई योगदान ४.४२ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ। यस क्षेत्रको वृद्धिदरमा उल्लेख्य सुधार आई ५.२८ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ। यस क्षेत्रको विगत आठ वर्षको औसत योगदान ४.४२ प्रतिशत र औसत वृद्धिदर २.३० प्रतिशत रहेको छ।

चित्र २-१२ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

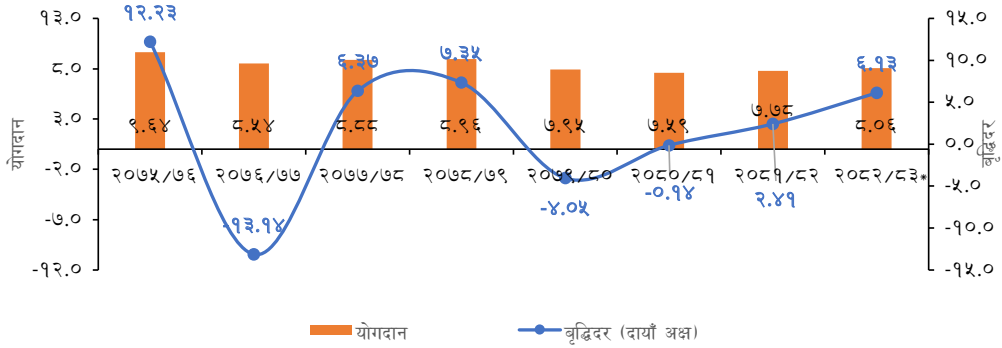
* अनुमानित

तृतीय क्षेत्र

२.२१. कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा तृतीय क्षेत्रको योगदान ५२.६६ प्रतिशत हिस्सा रहेता पनि प्रादेशिक तुलनामा छैठौँ स्थानमा रहेको छ। बागमती प्रदेशमा यस क्षेत्रको योगदान सबै भन्दा उच्च रहेको छ भने सबै भन्दा कम कोशी प्रदेशको ४९.९ प्रतिशत रहेको छ। नेपालको समग्र अर्थतन्त्रमा सेवा क्षेत्रको ६१.८ प्रतिशत योगदान रहेको छ। यस क्षेत्रको प्रमुख योगदानकर्ता सार्वजनिक प्रशासन र होलसेल तथा खुद्रा व्यापार र यातायात क्षेत्र रहेका छन्।

२.२२. आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा थोक खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल मर्मत सेवा क्षेत्रको वृद्धिदर ०.१४ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षसम्ममा यस क्षेत्रको वृद्धिदरमा सुधार आई ६.१३ प्रतिशत धनात्मक हुने अनुमान छ। कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदान ८.०६ प्रतिशत हुने अनुमान रहेको छ।

चित्र २-१३ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा थोक खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल मर्मत सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

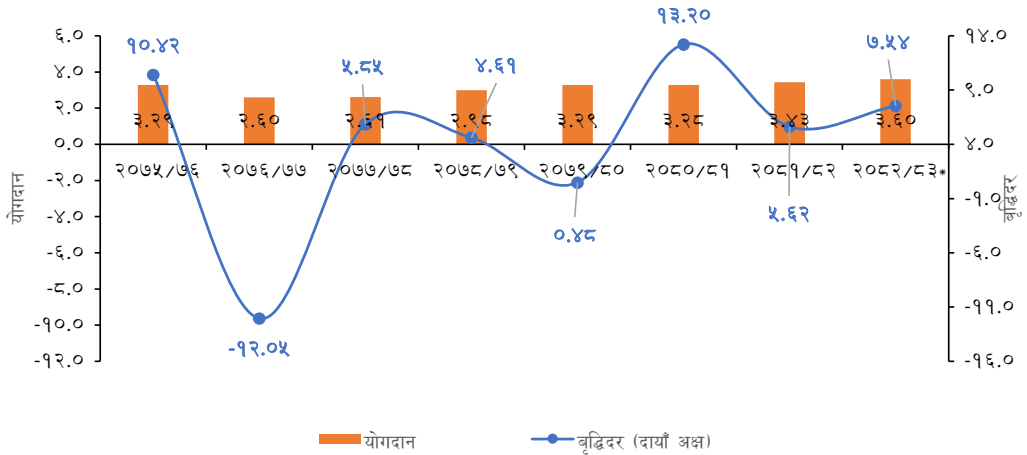


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.२३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यातायात तथा भण्डारण क्षेत्रको वृद्धिदर ३.४३ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको वृद्धिदरमा सामान्य सुधार आई ३.६ प्रतिशत रहने अनुमान छ। कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदानमा सुधार आई ७.५४ प्रतिशत हुने अनुमान छ।

चित्र २-१४ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यातायात तथा भण्डारण क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

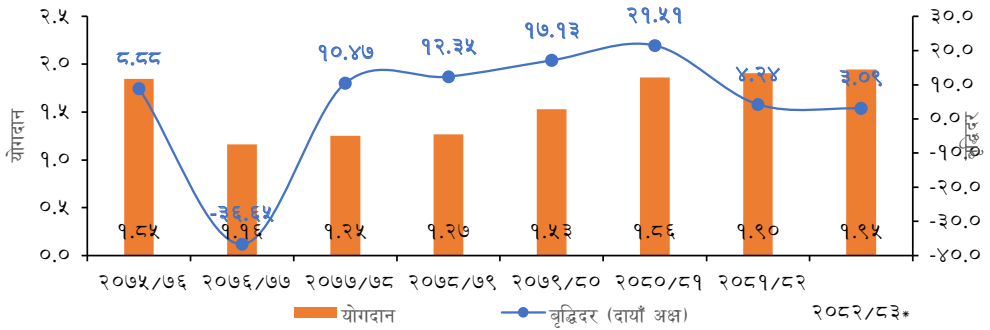


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.२४. कोभिड-१९ को समयमा धराशायी भएको होटल तथा रेष्टुरेण्ट व्यवसाय क्षेत्रको योगदान सामान्य सुधार आई १.९६ प्रतिशत रहने अनुमान रहेको छ भने र वृद्धिदरमा सामान्य गिरावट आई ३.०९ प्रतिशत कायम रहने अनुमान रहेको छ।

चित्र २-१५ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा आवास तथा भोजन सेवा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

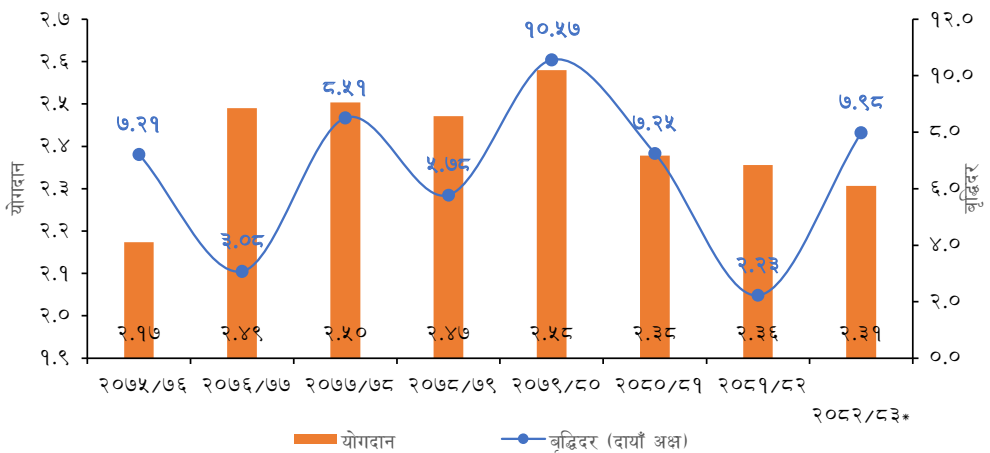


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

- २.२५. आर्थिक वर्ष २०२१/२२ मा सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रको वृद्धिदर ३.५९ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस्तो वृद्धिदरमा उल्लेख्य सुधार आई ७.३७ प्रतिशत रहने अनुमान छ। चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको योगदान १.५५ प्रतिशत रहने अनुमान छ।
- २.२६. आर्थिक वर्ष २०२१/२२ मा वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप क्षेत्रको वृद्धिदर २.२३ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको वृद्धिदरमा उल्लेख्य सुधार आई ७.९८ प्रतिशत हुने अनुमान छ। यसैगरी, कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदानमा समेत सीमान्तकृत हास आई २.३१ प्रतिशत हुने अनुमान छ।

चित्र २-१६ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलाप क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

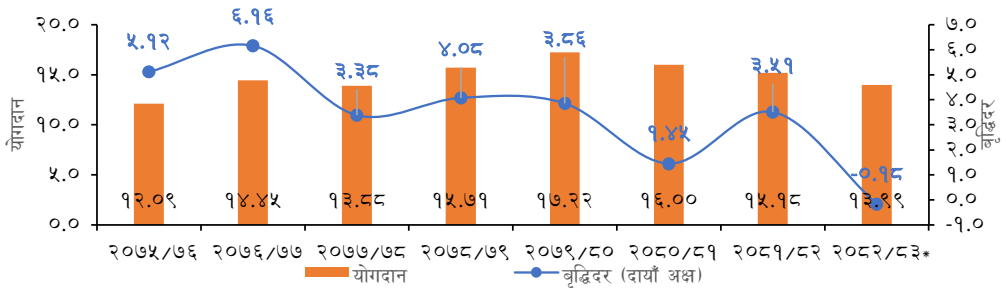


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

- २.२७. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा घरजग्गा क्षेत्रको वृद्धिदर १.५५ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा वृद्धिदर २.१ प्रतिशत हुने अनुमान छ। चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको योगदान २.५ प्रतिशत रहने अनुमान छ।
- २.२८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा पेशागत वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्षेत्रको वृद्धिदरमा ४.७१ प्रतिशत र योगदानमा ०.४२ प्रतिशत रहने अनुमान छ।
- २.२९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्षेत्रको वृद्धिदर ५.१७ र योगदान ०.१३ प्रतिशत रहने अनुमान छ।
- २.३०. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा र अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर घट्दो क्रममा रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस क्षेत्रको वृद्धिदर ३.५१ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा यस क्षेत्रको कुल मूल्य अभिवृद्धि ०.१८ प्रतिशतले ऋणात्मक हुने अनुमान छ। यस क्षेत्रको चालु आर्थिक वर्षको योगदानमा हास आई १३.९९ प्रतिशत रहने अनुमान छ।

चित्र २-१७ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा र अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

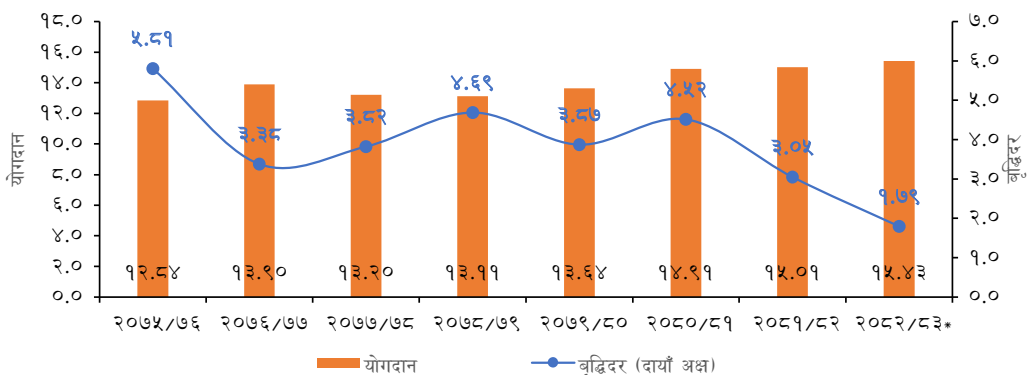


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

- २.३१. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा शिक्षा क्षेत्रको वृद्धिदर ३.०५ प्रतिशत रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा १.७९ प्रतिशत वृद्धिदर रहने अनुमान छ। चालु आर्थिक वर्षको कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदानमा सामान्य सुधार आई १५.४३ प्रतिशत रहने अनुमान छ।

चित्र २-१८ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

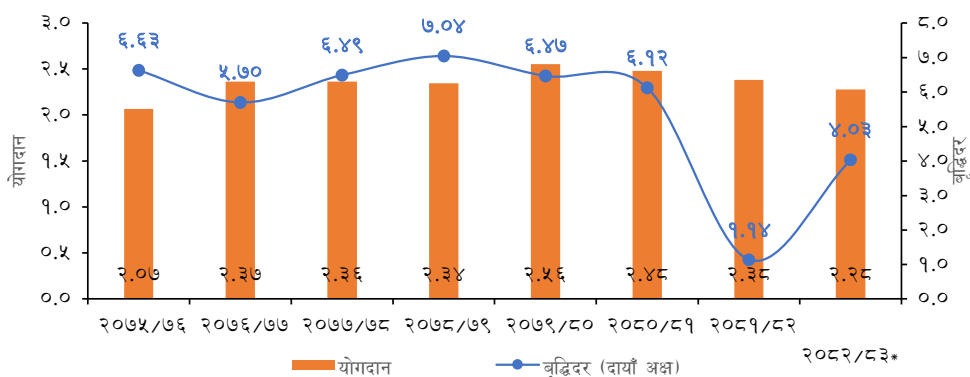


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.३२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य क्षेत्रको वृद्धिदर ४.०३ प्रतिशत रहने अनुमान छ। गत आर्थिक वर्ष यस्तो वृद्धिदर १.९४ प्रतिशत रहेको थियो। चालु आर्थिक वर्षको कुल मूल्य अभिवृद्धिमा यस क्षेत्रको योगदान २.२८ प्रतिशत रहने अनुमान छ।

चित्र २-१९ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य क्षेत्रको योगदान र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)



स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

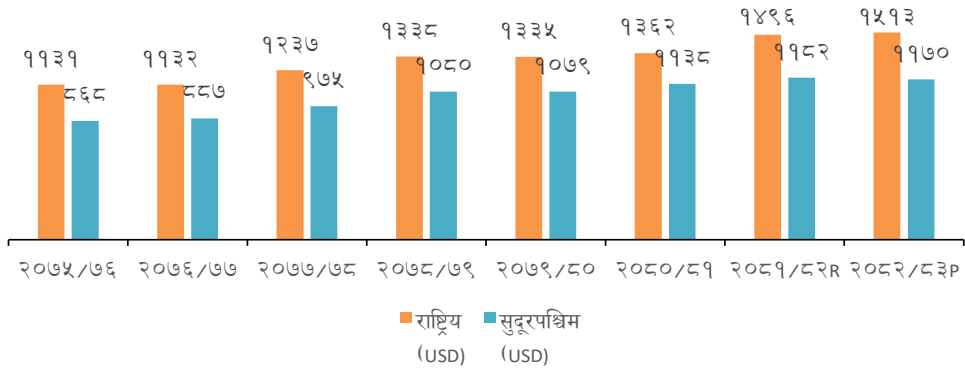
* अनुमानित

२.३३. अन्य सेवाका क्षेत्र (कला, मनोरञ्जन तथा अन्य रोजगारदाता घरपरिवारका क्रियाकलाप र आफ्नो उपयोगको लागि घरपरिवारको वस्तु तथा सेवा उत्पादनका क्रियाकलाप) को वृद्धिदर चालु आर्थिक वर्षमा २.५६ प्रतिशत र योगदान ०.४६ प्रतिशत रहने अनुमान छ।

प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन

२.३४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा राष्ट्रिय प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन १ हजार ५१३ अमेरिकी डलर रहने अनुमान छ। सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा २.७६ प्रतिशतले वृद्धि भई १ हजार १५३ अमेरिकी डलर रहने अनुमान रहेको छ। परम्परागत कृषिमा निर्भरता, कमजोर औद्योगिक उपस्थिति र युवा जनशक्तिको आन्तरिक र बाह्य पलायन जस्ता कारणले प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उल्लेख्य वृद्धि हुन नसकेको देखिन्छ। नेपाली मुद्रामा वृद्धि देखिएता पनि अमेरिकी डलरको तुलनामा विनिमय दरमा आएको गिरावटको कारण प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कमी आएको देखिन्छ।

चित्र २-२० राष्ट्रिय र सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको तुलना

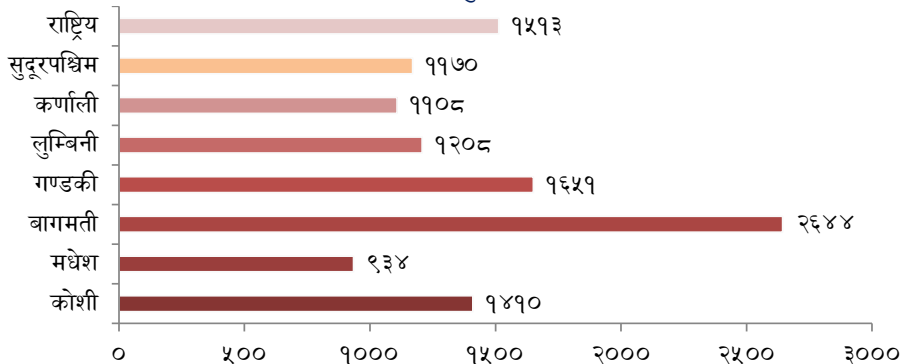


स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

२.३५. प्रदेशगत रूपमा प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन सबैभन्दा धेरै बागमती प्रदेशमा र सबै भन्दा कम मधेश प्रदेशमा रहेको छ। बागमती प्रदेशको २ हजार ६४४ अमेरिकी डलरको तुलनामा सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा ५५.६७ प्रतिशत कम रहेको छ।

चित्र २-२१ प्रदेशगत प्रतिव्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (अमेरिकी डलरमा)



स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

* अनुमानित

उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क

- २.३६. यस प्रदेशमा मूल्य सूचकाङ्क राष्ट्रिय औषत भन्दा बढी रहेको र ग्रामीण क्षेत्र भन्दा शहरी क्षेत्रमा बढी रहेको देखिएको छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा सुदूरपश्चिम प्रदेशको उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क ३.३९ प्रतिशतले वृद्धि भई १०७.८४ पुगेको छ। यस अवधिमा प्रदेशको ग्रामीण क्षेत्रको सूचकाङ्क १०८.०२ र शहरी क्षेत्रको सूचकाङ्क १०७.७७ पुगेको छ। राष्ट्रिय सूचकाङ्क भन्दा सुदूरपश्चिम प्रदेश ०.८८ अङ्कले बढी देखिन्छ।
- २.३७. प्रदेशगत रूपमा हेर्दा सबै भन्दा बढी कोशी प्रदेशको सूचकाङ्क ११०.३७ र सबै भन्दा कम गण्डकी प्रदेशको १०७.०२ रहेको छ।

तालिका २-१ चैत्र मसान्तसम्मको कुल उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क

| राज्य | भार प्रतिशत | २०८१/८२ | २०८२/८३ | (प्रतिशत परिवर्तन)** |
|--------------------|-------------|---------|---------|----------------------|
| राष्ट्रिय | १००.०० | १०३.५८ | १०६.९६ | ३.२७ |
| ग्रामीण | २६.०८ | १०४.१७ | १०६.९८ | २.६९ |
| शहरी | ७१.३० | १०३.३७ | १०६.९६ | ३.४७ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेश | ७.०१ | १०४.३१ | १०७.८४ | ३.३९ |
| ग्रामीण | २.१२ | १०५.०१ | १०८.०२ | २.८६ |
| शहरी | ४.८९ | १०४.०० | १०७.७७ | ३.६३ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

** चैत्र-चैत्रको विन्दुगत परिवर्तन

तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क

- २.३८. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा राष्ट्रिय तलब तथा ज्याला सूचकाङ्कमा १०२.९ रहेकोमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको १०७.९८ रहेको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्रमा राष्ट्रिय सूचकाङ्क १०९.४ रहेको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशको ११४.३ रहेको छ।

तालिका २-२ राष्ट्रिय तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क (वार्षिक औसत)

| सूचकाङ्क | भार (प्रतिशत) | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२ चैत्र |
|--------------------|---------------|---------|---------|---------|---------|------------|
| राष्ट्रिय | १०० | ८७ | ९५.२ | १०० | १०२.९ | १०९.४ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेश | ६.३ | ८८.२ | ९९.२ | १०० | १०७.९८ | ११४.३ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

३. सार्वजनिक वित्त

- ३.१. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको सवारी साधन कर र विज्ञापन कर सङ्कलनमा देखिएको सुधारले कर राजस्व बढेको छ। वन क्षेत्रको आय, परीक्षा शुल्क लगायत अन्य सेवा तथा शुल्क तर्फको आमदानीमा केही सुधार देखिएको हुँदा गैरकर राजस्वमा समेत सुधार देखिएको छ। बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्वमा चालु आर्थिक वर्षमा सुधार देखिएको छ भने संघीय अनुदान प्राप्तमा गिरावट देखिएको छ। प्रादेशिक कुल आयमा सामान्य वृद्धि देखिएको छ।
- ३.२. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को सोही अवधिमा प्रदेशको आन्तरिक राजस्व संकलनमा सुधार देखिएको छ। कुल आन्तरिक राजस्व रु. १ अर्ब १ करोड २८ लाख ५६ हजारबाट बढेर रु. १ अर्ब १० करोड ५४ लाख ६६ हजार पुगेको छ, जुन अघिल्लो वर्षको तुलनामा करिब ९.१४ प्रतिशतले वृद्धि भएको हो। यसले प्रदेशको आन्तरिक आय परिचालन क्षमता क्रमशः सुदृढ हुँदै गएको संकेत गर्दछ।
- ३.३. चालु खर्च बढ्दो क्रममा रहेको छ भने पुँजीगत खर्च घट्न गई कुल खर्च समेत घट्न गएको छ। बजेट सन्तुलन अत्याधिक धनात्मक रहेको छ भने राजस्व सन्तुलन ऋणात्मक नै रहेको छ।
- ३.४. आगामी वर्षहरूमा कर आधार विस्तार, गैरकर स्रोतको व्यावसायीकरण, प्राकृतिक स्रोत तथा सेवा शुल्कको प्रभावकारी परिचालनमार्फत आन्तरिक आयको हिस्सा बढाउनु प्रदेशको वित्तीय दिगोपनाका लागि आवश्यक देखिन्छ।
- ३.५. प्रदेश सरकारबाट स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणलाई थप व्यवस्थित गर्दै संघीय कार्यविधिसँग सामञ्जस्यता कायम गर्न सुदूरपश्चिम प्रदेश समपुरक अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०८२ र सुदूरपश्चिम प्रदेश विशेष अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०८२ चालु आर्थिक वर्षमा जारी भएका छन्।

सरकारी वित्तको तुलनात्मक स्थिति

- ३.६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा विनियोजन भएको रु. ३३ अर्ब ४७ करोड ६० लाखमध्ये चालु तर्फ ४०.६८ प्रतिशत, पुँजीगत तर्फ ५९.२९ प्रतिशत र वित्तीय व्यवस्था तर्फ ०.०३ प्रतिशत रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको विनियोजन ५.७१ प्रतिशतले बढी रहेको छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा चालु तर्फ ५.५८ प्रतिशत र पुँजीगत तर्फ ५.५९ प्रतिशतले विनियोजनमा वृद्धि भएको छ।

तालिका ३-१ प्रदेशको चालु र पुँजीगत तर्फको विनियोजन (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | खुद विनियोजन (लाखमा) | | | | हिस्सा (प्रतिशतमा) | | |
|-------------|----------------------|---------|------------------|--------|--------------------|---------|------------------|
| | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था | जम्मा | चालु | पुँजीगत | वित्तीय व्यवस्था |
| २०७४/७५ | ८४३४ | १७७१ | | १०२०५ | ८२.६५ | १७.३५ | ०.०० |
| २०७५/७६ | १३९२९२ | ११७१४८ | | २५६४४० | ४८.९३ | ५१.०७ | ०.०० |
| २०७६/७७ | १३१३४३ | १५६९८७ | ४००० | २९२३३० | ५३.१५ | ४५.४६ | १.३९ |
| २०७७/७८ | १६१०२४ | १८२४२६ | ३००० | ३४६४५० | ४९.३५ | ४९.७७ | ०.८८ |
| २०७८/७९ | १२५७३६ | १८६०२१ | ३००० | ३१४७५७ | ४१.९६ | ५७.०७ | ०.९७ |
| २०७९/८० | १२३००१ | २४२३३८ | ३००० | ३६८३३९ | ३३.४८ | ६५.७१ | ०.८२ |
| २०८०/८१ | ११९६१२ | १७०२५४ | ३००० | २९२८६६ | ४०.८१ | ५८.१६ | १.०३ |
| २०८१/८२ | १२८९६३ | १८७६२५ | १०० | ३१६६८८ | ४०.७२ | ५९.२५ | ०.०३ |
| २०८२/८३* | १३६१६८ | १९८४९२ | १०० | ३३४७६० | ४०.६८ | ५९.२९ | ०.०३ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

- ३.७. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा चालु तथा पुँजीगत खर्चमा कमी आएको छ। आन्तरिक राजस्व सङ्कलनमा सन्तोषजनक वृद्धि भएको छ। बजेट सन्तुलन धनात्मक रहे पनि घट्टो क्रममा रहेको छ भने राजस्व सन्तुलन ऋणात्मक रहेता पनि सुधारोन्मुख रहेको छ। संघीय अनुदान प्राप्ति र नगद मौज्जातमा सङ्कचन देखिएता पनि बाँडफाँट भई आउने राजस्वमा सामान्य वृद्धि भएको छ।
- ३.८. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको प्रदेशको कुल आय रु. १९ अर्ब ७७ करोड ६१ लाख रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा ११.२३ प्रतिशतले घटी भई कुल आय रु. १७ अर्ब ५५ करोड ६० लाख रहेको छ।
- ३.९. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको प्रदेशको कुल खर्च रु. ८ अर्ब ७९ करोड ५१ लाख रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा चालु खर्चमा ७.३३ प्रतिशत र पुँजीगत खर्चमा १६.९० प्रतिशतको गिरावट आई कुल खर्च रु. ७ अर्ब ७७ करोड ५० लाख रहेको छ।
- ३.१०. गत वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा कर राजस्व तर्फ ३.८५ प्रतिशतले गिरावट र गैरकर राजस्व तर्फ २५.५८ प्रतिशतले वृद्धि हुन गई कुल प्रादेशिक आन्तरिक राजस्व ९.१४ प्रतिशतले बढेको छ।
- ३.११. गत आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा प्रदेशको बजेट सन्तुलन १०.९३ प्रतिशत र राजस्व सन्तुलन ११.६५ प्रतिशतले सङ्कचन भएको छ।

तालिका ३-२ चैत्र मसान्तसम्मकोको प्रदेश सरकारको वित्तको स्थिति तुलना (रु. लाखमा)

| आय / खर्च | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | वृद्धि/सङ्कचन (प्रतिशतमा) | | |
|----------------------------|---------|---------|---------|---------------------------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| (१) प्रादेशिक आय (२+३+४+५) | १९६१११ | १९७७६१ | १७५५६० | -९.५७ | ०.८४ | -११.२३ |

सार्वजनिक वित्त

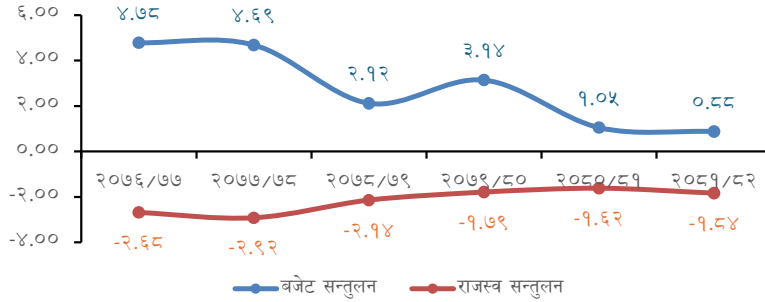
| आय / खर्च | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | वृद्धि/सङ्कुचन (प्रतिशतमा) | | |
|---------------------------------------|---------|---------|---------|----------------------------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| (२) प्रादेशिक राजस्व (क + ख) | ८५१२ | १०१२९ | ११०५५ | -१७.७१ | १८.९९ | ९.१४ |
| (क) कर राजस्व | ४९५६ | ५६५७ | ५४३९ | -१४.५३ | १४.१६ | -३.८५ |
| (ख) गैरकर राजस्व | ३५५७ | ४४७१ | ५६१५ | -२१.७७ | २५.७१ | २५.५८ |
| (३) बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्व | ५५१७४ | ६३०४६ | ६५४१५ | २.५८ | १४.२७ | ३.७६ |
| (४) संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान | ८६८२२ | ८१११३ | ६३६५६ | ११.२३ | -६.५८ | -२१.५२ |
| (५) नगद मौज्जात | ४५६०२ | ४३४७३ | ३५४३४ | -३८.९३ | -४.६७ | -१८.४९ |
| (२) प्रादेशिक खर्च (अ+आ) | ९१३२९ | ८७९५१ | ७७७५० | -२०.३० | -३.७० | -११.६० |
| (अ) चालु खर्च | ४४१८४ | ४८६९५ | ४५१२६ | -५.६९ | १०.२१ | -७.३३ |
| (आ) पुँजीगत खर्च | ४७१४४ | ३९२५७ | ३२६२४ | -३०.४१ | -१६.७३ | -१६.९० |
| बजेट सन्तुलन (+)/न्यून (-) (१-२) | १०४७८२ | १०९८०९ | ९७८१० | २.४६ | ४.८० | -१०.९३ |
| राजस्व सन्तुलन (+)/न्यून (-) (२-अ) | -३५६७२ | -३८५६६ | -३४०७२ | -२.२८ | ८.११ | -११.६५ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

सार्वजनिक वित्तको आकार र प्रवृत्ति

- ३.१२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा बजेट सन्तुलनमा र राजस्व सन्तुलनमा सामान्य गिरावट देखिएको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेश सरकारको बजेट सन्तुलन कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको तुलनामा ०.८८ प्रतिशतले धनात्मक रहेको छ भने राजस्व सन्तुलन १.८४ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा यस्तो अनुपात क्रमश १.०५ प्रतिशत धनात्मक र १.६२ प्रतिशतले ऋणात्मक रहेको थियो।
- ३.१३. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निरन्तर वृद्धि भइरहेता पनि बजेट सन्तुलनको अनुपात क्रमशः घट्टदै गएको हुनाले वित्तीय स्रोत र खर्चबीचको सन्तुलन कमजोर हुँदै गएको संकेत गरेको छ। त्यसैगरी, राजस्व सन्तुलन सम्पूर्ण अवधिमा ऋणात्मक रहनुले आन्तरिक राजस्वबाट चालु खर्चसमेत पूर्ण रूपमा धान्न नसकिएको अवस्था झल्काएको छ।

चित्र ३-१ बजेट तथा राजस्व सन्तुलनको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.१४. कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा प्रादेशिक आयमा र खर्चमा सामान्य वृद्धि भएको छ। प्रादेशिक आन्तरिक राजस्व तर्फ केही स्थायीत्व देखिएता पनि सानो योगदानको अनुपातले प्रदेशको आन्तरिक राजस्व आधार अझै कमजोर रहेको तथा वित्तीय आत्मनिर्भरतामा अपेक्षित सुधार हुन नसकेको देखाउँछ। संघीय अनुदान र राजस्व प्राप्ति सुधारोन्मुख रहेको छ भने गत आर्थिक वर्षको नगद मौज्दातमा रहेको निर्भरताको प्रवृत्तिमा कमी आएको देखिन्छ। बजेट सन्तुलन धनात्मक देखिएता पनि कमजोर खर्च गर्न सक्ने क्षमतालाई सङ्केत गरेको छ भने राजस्व सन्तुलन सुधारोन्मुख देखिएतापनि ऋणात्मक रहेको छ।

३.१५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को बजेट सन्तुलन र राजस्व सन्तुलन कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा क्रमशः १.०७ प्रतिशत धनात्मक र १.६४ प्रतिशत ऋणात्मक रहेको छ। यस अवधिमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा प्रादेशिक आय ५.६२ प्रतिशत र खर्च ४.५५ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका ३-३ सार्वजनिक वित्तका सूचक (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा)

| विवरण | २०१६/१७ | २०१७/१८ | २०१८/१९ | २०१९/२० | २०२०/२१ | २०२१/२२ |
|-------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| (१) प्रादेशिक आय (२+३+४+५) | ९.१४ | ९.४५ | ८.०४ | ७.४८ | ५.५४ | ५.९१ |
| (२) प्रादेशिक राजस्व (क + ख) | ०.३३ | ०.४५ | ०.३९ | ०.३७ | ०.३१ | ०.३७ |
| (क) कर राजस्व | ०.१९ | ०.२१ | ०.२१ | ०.२१ | ०.१९ | ०.२२ |
| (ख) गैरकर राजस्व | ०.१४ | ०.२३ | ०.१८ | ०.१५ | ०.१२ | ०.१४ |
| (३) बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्व | १.९५ | २.३२ | २.२९ | ३.०८ | २.३४ | २.५० |
| (४) संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान | ४.८२ | ४.२३ | ३.७५ | २.०९ | १.७९ | २.०६ |
| (५) नगद मौज्दात | २.०३ | २.४५ | १.६१ | १.९५ | १.११ | ०.९८ |
| (२) प्रादेशिक खर्च (अ+आ) | ६.३९ | ७.४६ | ५.९२ | ६.२९ | ४.४९ | ५.०३ |
| (अ) चालु खर्च | ३.०२ | ३.३६ | २.५३ | २.१६ | १.९३ | २.२१ |

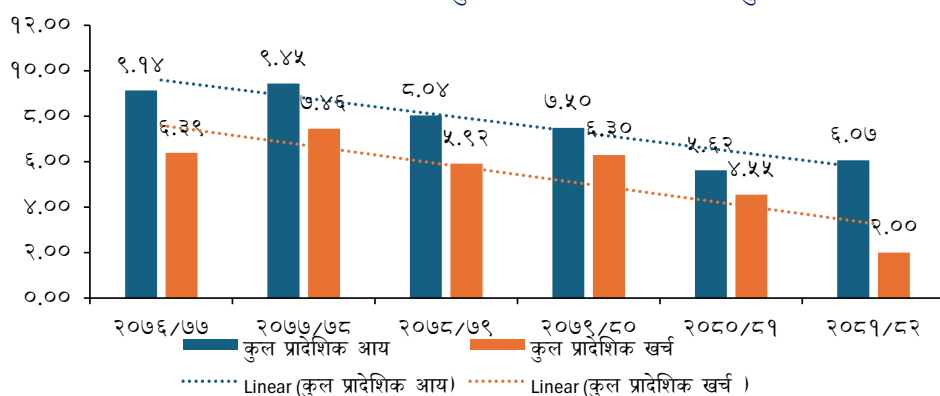
सार्वजनिक वित्त

| विवरण | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
|------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| (आ) पुँजीगत खर्च | ३.३७ | ४.०९ | ३.३९ | ४.१३ | २.५६ | २.८३ |
| बजेट सन्तुलन (+)/न्यून (-) (१-२) | २.७५ | १.९९ | २.१२ | १.१९ | १.०५ | ०.८८ |
| राजस्व सन्तुलन (+)/न्यून (-) (२-आ) | -२.६८ | -२.९२ | -२.१४ | -१.७९ | -१.६२ | -१.८४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

३.१६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को प्रादेशिक आय र खर्च कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा क्रमशः ६.०७ र २.२ प्रतिशत रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा यस्तो अनुपात क्रमशः ५.६२ प्रतिशत र ४.५५ प्रतिशत रहेको थियो।

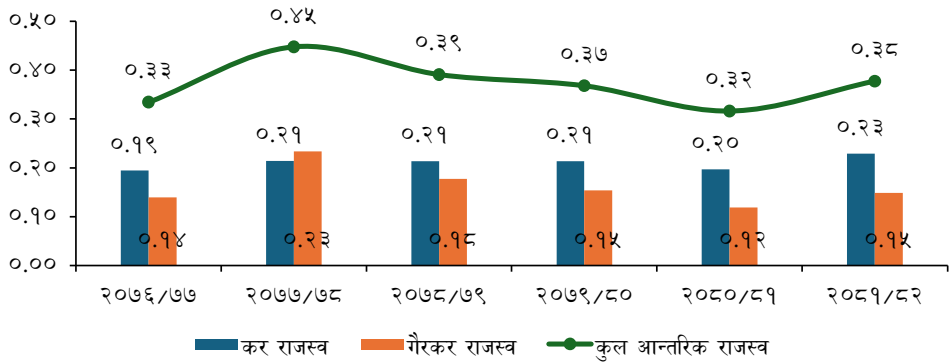
चित्र ३-२ प्रदेशगत खर्च र राजस्व स्थिति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपात प्रतिशतमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

३.१७. प्रदेशको कुल राजस्व सङ्कलनमा विगत ४ वर्ष देखि कर राजस्वको हिस्सा उच्च रहँदै आएको छ। कर र गैरकर राजस्व कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा न्यून तर स्थिर रहको छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ को प्रदेश सरकारको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा कुल आन्तरिक राजस्व सङ्कलन ०.३२ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो अनुपातमा केही सुधार आई ०.३८ प्रतिशत रहेको छ। यसैगरी, आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कर राजस्व र गैर कर राजस्वको यस्तो अनुपात क्रमशः ०.२३ प्रतिशत र ०.१५ प्रतिशत रहेको छ।

चित्र ३-३ प्रदेश सरकारको राजस्वको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा)

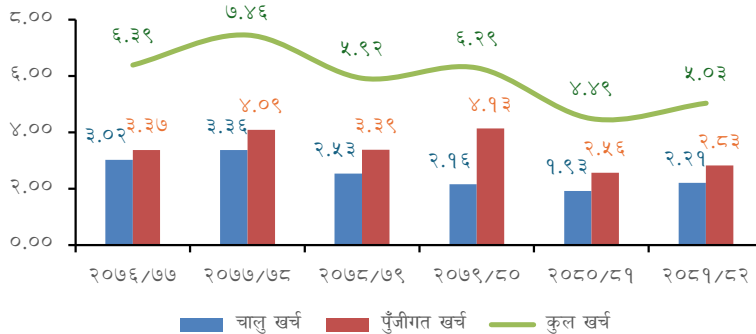


स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.१८. आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको अनुपातमा कुल खर्च ४.४९ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो खर्चको अनुपातमा वृद्धि भई ५.०३ प्रतिशत हुन गएको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा चालु खर्च र पुँजीगत खर्चको अनुपात क्रमशः २.२१ प्रतिशत र २.८३ प्रतिशत रहेको छ।

चित्र ३-४ प्रदेश सरकारको खर्चको प्रवृत्ति (कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रतिशतमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

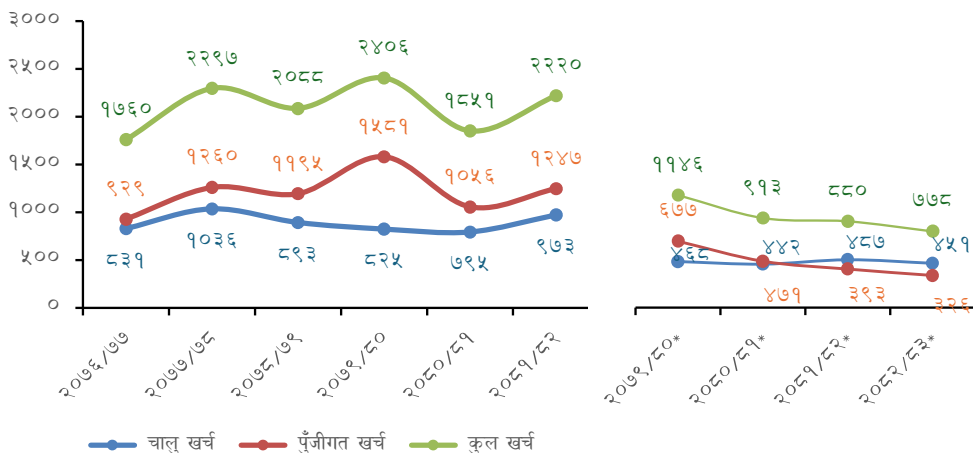
प्रदेश सरकारको खर्च संरचना

३.१९. आर्थिक वर्ष २०८०/८१ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशको कुल खर्च १९.९३ प्रतिशत बढ्न गई रु. १२ अर्ब ४७ करोड ४७ लाख पुग्न गएको छ भने सोही अवधिमा चालु खर्चमा २२.३८ प्रतिशतले र पुँजीगत खर्च १८.०८ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।

३.२०. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा कुल खर्चमा ११.६० प्रतिशत घटी ७ अर्ब ७७ करोड ५० लाख रहेकोमा

यस अवधिमा चालु खर्चमा ७.३३ प्रतिशतले र पुँजीगत खर्चमा १६.९० प्रतिशतले घटेको छ।

तालिका ३-४ प्रदेशको खर्चको प्रवृत्ति (रकम रु. करोडमा)

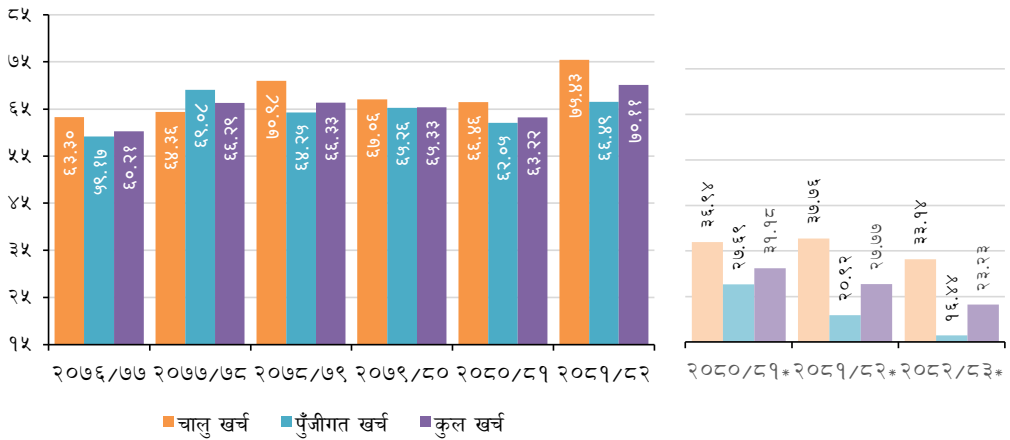


स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- ३.२१. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा खुद विनियोजनको तुलनामा कुल खर्च ७०.१९ प्रतिशत रहेकोमा चालु खर्च ७५.४३ प्रतिशत र पुँजीगत खर्च ६६.४९ प्रतिशत रहेको थियो। पछिल्लो ५ वर्षको प्रदेशको कुल विनियोजनको तुलनामा औषत कुल खर्च क्षमता ६६.२५ प्रतिशत रहेको छ।
- ३.२२. बार्षिक विन्दुगत तुलनामा आर्थिक वर्षको २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्मको कुल खर्चमा ४.५४ प्रतिशत विन्दुले कमी आई २३.२३ प्रतिशत रहेको छ भने चालु खर्च ३३.१४ प्रतिशत र पुँजीगत खर्च १६.४४ प्रतिशत मात्र रहेको छ।
- ३.२३. आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा कुल खर्चमा चालु खर्चको अनुपात ६६.४६ प्रतिशत र पुँजीगत खर्चको अनुपात ६२.०५ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो अनुपात क्रमशः ७५.४३ र ६६.४९ प्रतिशत रहेको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको कुल खर्चमा चालु खर्च र पुँजीगत खर्चको अनुपात क्रमशः ३३.१४ प्रतिशत र १६.४४ प्रतिशत रहेको छ।

चित्र ३-५ विनियोजनको तुलनामा खर्चको प्रगति (प्रतिशतमा)



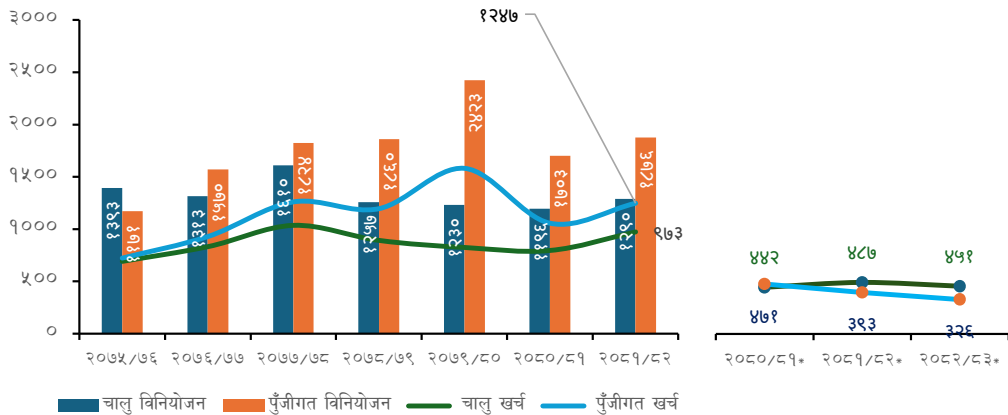
स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.२४. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा पूँजीगत तर्फ विनियोजित रु. १८ अर्ब ७६ करोड मध्ये रु. १२ अर्ब ४७ करोड खर्च भएको थियो भने चालु तर्फ विनियोजित रु. १२ अर्ब ९० करोड मध्ये ९ अर्ब ७३ करोड खर्च भएको थियो ।

३.२५. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा पूँजीगत खर्च रु. ३ अर्ब २६ करोड र चालु खर्च रु. ४ अर्ब ५१ करोड भएको छ ।

चित्र ३-६ विनियोजनको तुलनामा खर्चको प्रवृत्ति (रकम रु. करोडमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

पूँजीगत खर्चको अवस्था

३.२६. प्रदेशगत रूपमा हेर्दा गत आर्थिक वर्ष कुल प्रादेशिक खर्चमध्ये पूँजीगत खर्चको हिस्सा गण्डकी प्रदेशमा सबैभन्दा बढी ६५.९ प्रतिशत र कर्णाली प्रदेशमा सबैभन्दा कम

५३.८ प्रतिशत रहेको छ। प्रदेशगत खर्चमा पुँजीगत खर्चको अंश आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा सुदूरपश्चिम कर्णाली र कोशी प्रदेशमा घटेको छ भने अन्य प्रदेशमा बढेको छ।

तालिका ३-५ प्रदेश सरकारको पुँजीगत खर्चको प्रवृत्ति (रु. करोडमा अंश प्रतिशतमा)

| प्रदेश | २०७९/८० | | २०८०/८१ | | २०८१/८२ | |
|-------------|----------|--------------------|----------|--------------------|----------|--------------------|
| | कुल खर्च | पुँजीगत खर्चको अंश | कुल खर्च | पुँजीगत खर्चको अंश | कुल खर्च | पुँजीगत खर्चको अंश |
| कोशी | ३०७५.८ | ५८.९ | २८०२.८ | ५८.३ | २८१८.३ | ४९.० |
| मधेश | २६८७.० | ६०.३ | २४५४.५ | ६२.३ | ३१२३.४ | ६८.८ |
| बागमती | ४६८६.२ | ६०.३ | ४४५१.३ | ६४.१ | ४६४०.३ | ६३.३ |
| गण्डकी | २३६१.५ | ६४.६ | २२२०.६ | ६५.९ | २२८९.२ | ६५.५ |
| लुम्बिनी | ३०२४.४ | ५८.६ | २६४३.७ | ६०.६ | २७८९.१ | ६४.२ |
| कर्णाली | २२२६.७ | ५७.४ | १९८६.८ | ५३.८ | १९९९.७ | ५४.६ |
| सुदूरपश्चिम | २४०६.३ | ६५.७ | १८५१.४ | ५७.१ | २२२०.३ | ५६.२ |
| जम्मा | २०४६८ | ६०.७ | १८४११ | ६०.९ | १९८८०.३ | ६०.९ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

३.२७. पुँजीगत खर्चको प्रवृत्ति हेर्दा असार महिनामा भुक्तानीको चाप रहेको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुल पुँजीगत भुक्तानीको ४९.६८ प्रतिशत असार महिनामा भएको थियो, २०८०/८१ मा यस्तो भुक्तानीको अनुपात ३२.७५ प्रतिशत रहेको थियो।

तालिका ३-६ पुँजीगत खर्चको भुक्तानी प्रवृत्ति (प्रतिशतमा)

| महिना | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| साउन | ० | ० | ० | ० | ०.१९ | ० |
| भदौ | ० | ० | ०.४२ | ० | ०.८० | ० |
| असोज | ० | ४.१६ | ३.२ | ३.८३ | ५.३४ | ८.७१ |
| कार्तिक | ४.९५ | ३.७४ | १.७१ | २.२३ | २.१५ | ०.७२ |
| मंसिर | ३.६५ | २.४४ | १.४६ | १.७२ | २.३० | १.१७ |
| पौष | ५.८८ | ५.४३ | ६.३६ | ८.९ | ८.५४ | ४.३९ |
| माघ | ५.१६ | ६.५४ | ४.२७ | ४.७ | ४.६१ | २.२४ |
| फागुन | ५.३८ | ५.९१ | ८.६९ | ८.५२ | ८.५५ | ४.७८ |
| चैत्र | १.९१ | १३.२३ | १३.०२ | १२.९३ | १२.१६ | ९.४५ |
| वैशाख | २.३९ | ४.८५ | ७.२८ | ७.५ | ८.५० | ७.५७ |
| जेठ | ११.७२ | ७.०१ | ७.९२ | ११.६१ | १४.१३ | ११.२९ |
| असार | ५८.९६ | ४६.६९ | ४५.६७ | ३८.०६ | ३२.७५ | ४९.६८ |
| जम्मा | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, २०८३ *चैत्रसम्मको(विनियोजनको अनुपात)

३.२८. विगतका ८ आर्थिक वर्षहरूमा विनियोजनको तुलनामा पुँजीगत खर्च आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा सबैभन्दा बढी ६९.०८ प्रतिशत भएको थियो भने आर्थिक वर्ष

२०७४/७५ मा सबैभन्दा कम ५३.०८ प्रतिशत भएको थियो। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा पुँजीगत खर्च विनियोजनको तुलनामा ६६.४९ प्रतिशत खर्च भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १६.४४ प्रतिशत खर्च भएको छ।

तालिका ३-७ विनियोजनको तुलनामा पुँजीगत खर्चको स्थिति (रकम रु. लाखमा)

| निकाय | पुँजीगत विनियोजन | पुँजीगत खर्च | पुँजीगत खर्च (विनियोजनाको प्रतिशतमा) |
|-----------|------------------|--------------|--------------------------------------|
| २०७४/७५ | १७७१ | ९४० | ५३.०८ |
| २०७५/७६ | ११७१४८ | ७२३२६ | ६१.७४ |
| २०७६/७७ | १५६९८७ | ९२८८३ | ५९.१७ |
| २०७७/७८ | १८२४२६ | १२६०२१ | ६९.०८ |
| २०७८/७९ | १८६०२१ | ११९५२१ | ६४.२५ |
| २०७९/८० | २४२३३८ | १५८१४५ | ६५.२६ |
| २०८०/८१ | १७०२५४ | १०५६४६ | ६२.०५ |
| २०८१/८२ | १८७६२५ | १२४७४७ | ६६.४९ |
| २०८०/८१ * | १७०२५४ | ४७१४४ | २७.६९ |
| २०८१/८२ * | १८७६२५ | ३९२५७ | २०.९२ |
| २०८२/८३ * | १९८४९२ | ३२६२४ | १६.४४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

चालु खर्चको अवस्था

- ३.२९. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा चालु खर्च तर्फको विनियोजन रु. १२ अर्ब ८९ करोड ६३ लाख रहेकोमा चैत्र मसान्तसम्ममा ३७.७६ प्रतिशत र असार मसान्तसम्ममा ७५.९४ प्रतिशत खर्च भएको थियो।
- ३.३०. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा चालु तर्फको कुल विनियोजन रु. १३ अर्ब ६१ करोड ६८ लाख रहेकोमा चैत्र मसान्तसम्ममा ३३.१४ प्रतिशत खर्च भएको छ।

तालिका ३-८ विनियोजनको तुलनामा चालु खर्चको स्थिति (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | चालु विनियोजन | चालु खर्च | प्रगति (प्रतिशतमा) |
|-------------|---------------|-----------|--------------------|
| २०७४/७५ | ८४३४ | १६५८ | १९.६६ |
| २०७५/७६ | १३९२९२ | ६९३०८ | ४९.७६ |
| २०७६/७७ | १३१३४३ | ८३१३९ | ६३.३० |
| २०७७/७८ | १६१०२४ | १०३६३२ | ६४.३६ |
| २०७८/७९ | १२५७३६ | ८९२५३ | ७०.९८ |
| २०७९/८० | १२३००१ | ८२४८६ | ६७.०६ |
| २०८०/८१ | ११९६१२ | ७९४९० | ६६.४६ |
| २०८१/८२ | १२८९६३ | ९७२७८ | ७५.४३ |

| आर्थिक वर्ष | चालु विनियोजन | चालु खर्च | प्रगति (प्रतिशतमा) |
|-------------|---------------|-----------|--------------------|
| २०८०/८१ * | ११९६१२ | ४४१८४ | ३६.९४ |
| २०८१/८२ * | १२८९६३ | ४८६९५ | ३७.७६ |
| २०८२/८३ * | १३६१६८ | ४५१२६ | ३३.१४ |

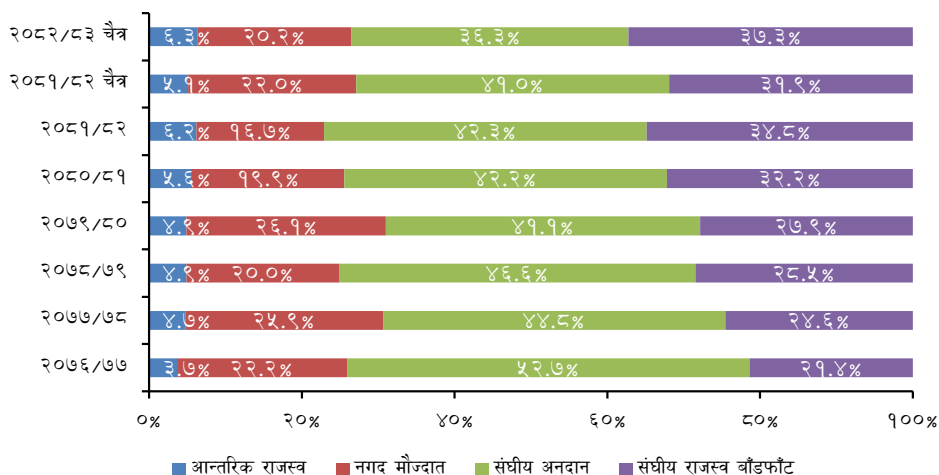
स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

प्रदेशको आय संरचना

- ३.३१. संघीय सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान र राजस्व प्रदेशको आयको प्रमुख स्रोत रहँदै आएको छ भने आन्तरिक राजस्व आकार न्यून रहेको र उल्लेख्य वृद्धि समेत हुन नसकेको देखिन्छ।
- ३.३२. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशको कुल आय रु. २६ अर्ब ७ करोड १३ लाख रहेको थियो। कुल सरकारी आयमा संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदानको हिस्सा ३६.२६ प्रतिशत संघीय सरकारबाट बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्वको हिस्सा ४२.२९ प्रतिशत नगद मौज्जात १६.७ प्रतिशत रहेको थियो भने आन्तरिक राजस्वको हिस्सा सबैभन्दा कम ६.२ प्रतिशत मात्र रहेको थियो।
- ३.३३. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको कुल प्राप्तिसमा संघीय अनुदानको हिस्सा ३६.३ प्रतिशत, संघीय राजस्व बाँडफाँट ३७.३ प्रतिशत, नगद मौज्जातको २०.२ प्रतिशत र आन्तरिक राजस्व सङ्कलनको ६.३ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका ३-९ प्रदेश सरकारको आय संरचना (कुल आयको प्रतिशतमा)



स्रोत: आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

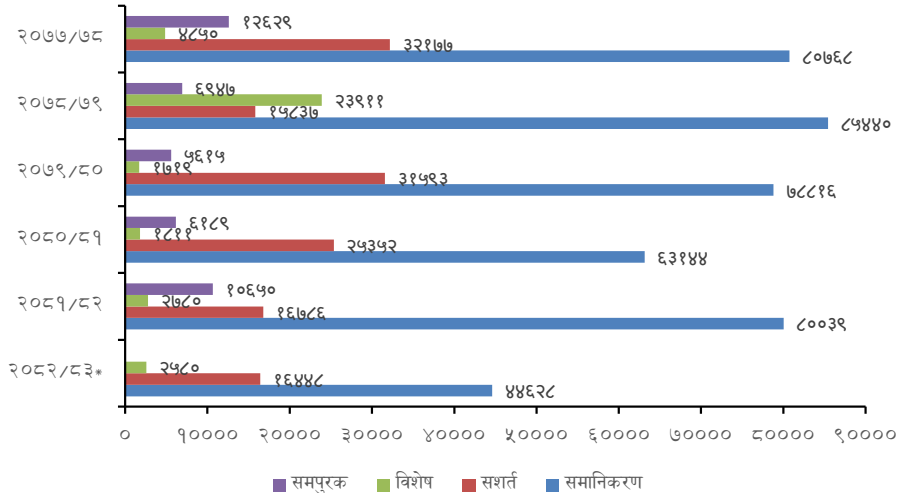
*चैत्र मसान्तसम्मको

संघीय अनुदान प्राप्ति

- ३.३४. संघीय अनुदान प्राप्तिसमा समानीकरण अनुदानको अंश सबैभन्दा बढी रहँदै आएको छ भने विशेष अनुदानको सबैभन्दा कम रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ सम्ममा

कुल अनुदान प्राप्ति घट्दो क्रममा रहेको थियो । आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुल अनुदान प्राप्ति १४.२६ प्रतिशतले बढ्न गई रु. ११ अर्ब २ करोड ५५ लाख प्राप्त भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्राप्त कुल अनुदानमध्ये समानीकरण अनुदानको हिस्सा ७०.११ प्रतिशत रहेको छ भने सशर्त अनुदान र विशेष अनुदानको हिस्सा क्रमशः २५.८४ र ४.०५ प्रतिशत रहेको छ।

चित्र ३-७ संघीय अनुदान प्राप्तको स्थिति (रु. लाखमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

- ३.३५. आर्थिक वर्ष २०८०/८१ को तुलनामा समानिकरण अनुदानमा २६.७६ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ४ करोड ४६ लाख २८ हजार पुगेको छ भने विशेष अनुदान तर्फ ५३.४८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. २५ करोड ८० लाख र विशेष अनुदान तर्फ रु. २५ करोड ८० प्राप्त भएको देखिन्छ। यस अवधिमा समपुरक अनुदानको भुक्तानी नभएको देखिन्छ।
- ३.३६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको वार्षिक विन्दुगत तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा समानीकरण र सशर्त अनुदानको प्राप्ति क्रमशः २८.०२ प्रतिशतले घटेको छ भने सशर्त अनुदानको प्राप्ति क्रमशः ७८.१६ प्रतिशतले घटेको छ भने समपुरक अनुदान तर्फ भुक्तानी भई नसकेको देखिन्छ।

तालिका ३-१० चैत्र मसान्तसम्मको अनुदान प्राप्तिको प्रवृत्ति (रु. लाखमा)

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* | वृद्धिदर | |
|-----------------|---------|---------|---------|----------|----------|---------|
| | | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
| समानिकरण अनुदान | ७८८१६ | ६३१४४ | ८००३९ | ४४६२८ | -१९.८८ | २६.७६ |

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* | वृद्धिदर | |
|----------------|---------|---------|---------|----------|----------|---------|
| | | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
| सशर्त अनुदान | ३१५९३ | २५३५२ | १६७८६ | १६४४८ | -१९.७६ | -३३.७९ |
| सम्पुरक अनुदान | ५६१५ | ६१८९ | १०६५० | - | १०.२२ | ७२.०९ |
| विशेष अनुदान | १७१९ | १८११ | २७८० | २५८० | ५.३७ | ५३.४८ |
| जम्मा | ९६४९६ | ११७७४३ | १३२१३५ | १३०४२४ | -१८.०५ | १४.२५ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

संघीय राजस्व बाँडफाँट र रोयल्टी

३.३७. संघीय मूल्य अभिवृद्धि कर र अन्तः शुल्कको बाँडफाँट पछि प्रदेशलाई प्राप्त हुने कुल राजस्व आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्मको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ८.८३ प्रतिशतले बढ्न गई रु. ६ अर्ब ३६ करोड ५३ लाख प्राप्त भएको छ। यस अवधिमा मूल्य अभिवृद्धि करको प्राप्ति २.०९ प्रतिशतले बढ्न गई रु. ४ अर्ब ८४ करोड ३१ लाख प्राप्त भएको छ भने अन्तः शुल्कको प्राप्ति ८.८३ प्रतिशतले बृद्धि भई रु. १ अर्ब ६९ करोड ९५ लाख प्राप्त भएको छ।

३.३८. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को कुल रोयल्टी रु. ६ करोड १४ लाख प्राप्त भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा रु. ८ करोड ४१ लाख प्राप्त भएको छ।

तालिका ३-११ संघीय राजस्व बाँडफाँट र रोयल्टी प्राप्तिको स्थिति (रु. लाखमा)

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८१/८२* | २०८२/८३* |
|--|---------|---------|---------|----------|-----------------|
| बाँडफाँट भई प्राप्त हुने रोयल्टी | ४०२ | ३२५ | ६१४ | ६१४ | ८४१ |
| संघबाट बाँडफाँट भई आउने राजस्व | ११७७४३ | ९६४९६ | ११०२५५ | ८१११३ | ६३६५६ |
| बाँडफाँटभई प्राप्त हुने मूल्य अभिवृद्धि कर | ५८९०६ | ५४८१० | ६७२७५ | ४७४३१ | ४८४२१ |
| बाँडफाँटभई प्राप्त हुने अन्तः शुल्क | २०८५४ | १८८३८ | २३५०३ | १५६१५ | १६९९५ |
| | | | | | वृद्धिदर |
| बाँडफाँट भई प्राप्त हुने रोयल्टी | -३२.५० | -१९.२७ | ८९.११ | ०.०० | ३६.९८ |
| संघबाट बाँडफाँट भई आउने राजस्व | -१०.८९ | -१८.०५ | १४.२६ | -२६.४३ | -२१.५२ |
| बाँडफाँटभई प्राप्त हुने मूल्य अभिवृद्धि कर | -४.२५ | -६.९५ | २२.७४ | -२९.५० | २.०९ |
| बाँडफाँटभई प्राप्त हुने अन्तः शुल्क | ८.६५ | -९.६७ | २४.७७ | -३३.५६ | ८.८३ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश, आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

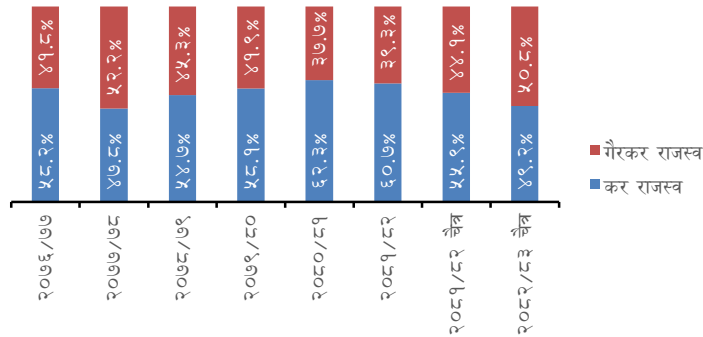
* चैत्र मसान्तसम्मको

राजस्व परिचालन

३.३९. प्रदेशबाट सङ्कलन हुने आन्तरिक राजस्वको प्रमुख स्रोतको रूपमा कर राजस्व तर्फको सवारी साधन कर र घरजग्गा रजिष्ट्रेशन दस्तुर रहेका छन्। गैरकर राजस्व सङ्कलनमा वृद्धि देखिएता पनि योगदान कम रहेको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको राजस्व सङ्कलनको अवस्था सुधारोन्मुख रहेको छ।

- ३.४०. चालु आर्थिक वर्ष चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको कर राजस्व र गैरकर राजस्व अनुपात क्रमशः ४९.२ र ५०.८ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा यस्तो अनुपात क्रमशः ५५.९ र ४४.१ प्रतिशत रहेको थियो।

चित्र ३-८ कर तथा गैरकरको अनुपात



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

- ३.४१. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशको कुल राजस्व परिचालन गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा ९.१४ प्रतिशतले बढी रु. १ अर्ब १० करोड ५५ लाख पुगेको छ। गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा राजस्व परिचालन रु. १ अर्ब १ करोड २९ लाख रहेको थियो।
- ३.४२. अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को कर राजस्व २२.८३ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ९८ करोड ४३ लाख पुगेकोमा गैरकर राजस्व ३१.६५ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ६३ करोड ८६ लाख पुगेको थियो।

तालिका ३-१२ कर तथा गैरकरको प्राप्ति (रु. लाखमा) र वृद्धिदर (प्रतिशतमा)

| राजस्व शिर्षक | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८१/८२* | २०८२/८३* |
|-----------------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|
| कुल आन्तरिक आय | १३७८१ | १४०५७ | १२८६४ | १६२२९ | १०१२९ | ११०५५ |
| कर राजस्व | ७५३३ | ८१६६ | ८०१४ | ९८४३ | ५६५७ | ५४३९ |
| गैरकर राजस्व | ६२४८ | ५८९१ | ४८५१ | ६३८६ | ४४७१ | ५६१५ |
| वृद्धिदर | | | | | | |
| कुल आन्तरिक आय | | २.००% | -८.४८% | २६.१५% | -३७.५९% | ९.१४% |
| कर राजस्व | | ८.४१% | -१.८६% | २२.८३% | | -३.८५% |
| गैरकर राजस्व | | -५.७२% | -१७.६६% | ३१.६५% | | २५.५८% |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

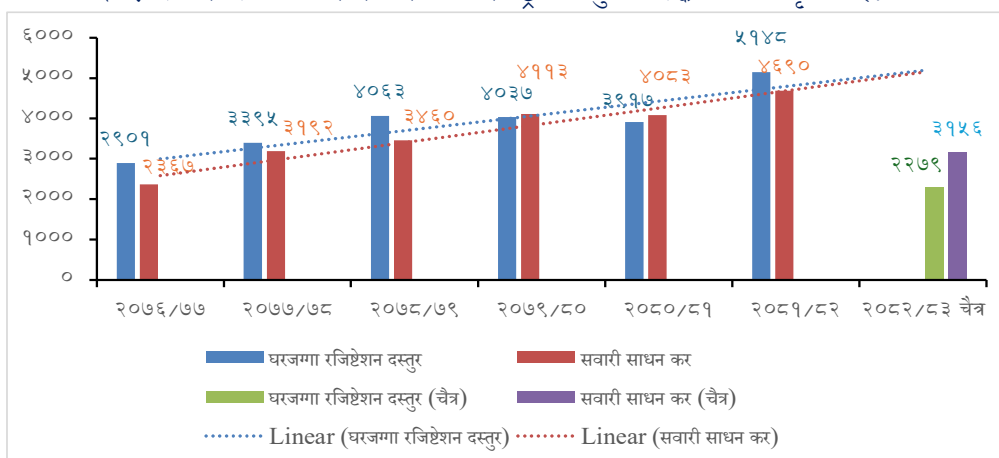
* चैत्र मसान्तसम्मको

- ३.४३. आन्तरिक राजस्वको प्रमुख स्रोतको रूपमा रहेको सवारी साधन कर सङ्कलन बढ्दो क्रममा रहेको छ। अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा बाँडफाँट भई प्राप्त हुने सवारी साधन करमा १४.८७ प्रतिशतले वृद्धि भई रु.४६ करोड

९० लाख सङ्कलन भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा सवारी साधन कर ११.७८ प्रतिशतले बढ्न गई रु. ३१ करोड ५६ लाख सङ्कलन भएको छ।

३.४४. घरजग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क सङ्कलन अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ३१.४२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु.५१ करोड ४८ लाख सङ्कलन भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिको तुलनामा यो शुल्कमा १९.५२ प्रतिशतले कमी आई रु. २२ करोड ७९ लाख सङ्कलन भएको छ।

चित्र ३-९ सवारी साधन कर र घरजग्गा रजिष्ट्रेशन शुल्क सङ्कलनको प्रवृत्ति (रु. लाखमा)



स्रोत: आर्थिक मामिला मन्त्रालय, धनगढी, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

स्थानीय तहको खर्च

३.४५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशका स्थानीय तहहरूबाट चालु तर्फ रु. ३५ अर्ब ७५ करोड र पुँजीगत तर्फ रु. १६ अर्ब ४० करोड र वित्तीय व्यवस्था तर्फ रु.१ करोड ३० लाख विनियोजन भएकोमा चालु तर्फ रु.३१ अर्ब ३ करोड र पुँजीगत तर्फ रु.१२ अर्ब ३२ करोड खर्च भएको छ।

३.४६. नेपालको सबै स्थानीय तहहरूबाट भएको कुल खर्च विनियोजनको ७६.४ प्रतिशत भएको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशका स्थानीय तहहरूमा यस्तो खर्च ८३.१ प्रतिशत रहेको छ। यो अनुपात प्रादेशिक तुलनामा सबैभन्दा बढी रहेको छ।

तालिका ३-१३ स्थानीय तहको विनियोजन र खर्च अवस्था

| प्रदेशगत स्थानीय तह | बजेट (रु. करोडमा) | | | खर्च (रु. करोडमा) | | | खर्च प्रतिशत |
|---------------------|-------------------|---------|---------|-------------------|---------|---------|--------------|
| | चालु | पुँजीगत | वित्तीय | चालु | पुँजीगत | वित्तीय | |
| कोशी | ५८७६.२ | ३७०१.३ | १०.६ | ५०७४.४ | २६०७.० | १०.६ | ८०.२ |
| मधेश | ५३८६.५ | ३८७९.३ | ५.४ | ४२७७.६ | २४१७.९ | ०.४ | ७२.२ |

| प्रदेशगत स्थानीय तह | बजेट (रु. करोडमा) | | | खर्च (रु. करोडमा) | | | खर्च प्रतिशत |
|------------------------|-------------------|---------|---------|-------------------|---------|---------|--------------|
| | चालु | पूँजीगत | वित्तीय | चालु | पूँजीगत | वित्तीय | |
| बागमती | ७४९३.३ | ७००४.२ | २७.८ | ५९५८.१ | ४०६८.१ | १७.२ | ६९.१ |
| गण्डकी | ३७३७.७ | २२९९.८ | ०.९ | ३२०५.९ | १५६४.९ | ०.९ | ७९.० |
| लुम्बिनी | ५२१२.३ | ३०२३.५ | ५.२ | ४४२१.९ | २१३८.७ | ४.६ | ७९.७ |
| कर्णाली | २८४५.१ | १५५४.८ | ४.९ | २४९५.० | ११३६.५ | ३.६ | ८२.५ |
| सुदूरपश्चिम | ३५७५.९ | १६४०.२ | १.३ | ३१०३.३ | १२३२.२ | १.० | ८३.१ |
| जम्मा | ३४१२६.९ | २३१०३.० | ५६.१ | २८५३६.२ | १५१६५.३ | ३८.३ | ७६.४ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

स्थानीय तहको वित्तीय हस्तान्तरण र राजस्व बाँडफाँट

३.४७. चालु आर्थिक वर्षमा प्रदेशबाट स्थानीय तहहरूका लागि कुल रु. ३ अर्ब ४५ करोड ७२ लाख समानीकरण, सशर्त, विशेष र समपुरक अनुदानका लागि विनियोजन गरेकोमा वित्तीय हस्तान्तरण तर्फको खर्च रु. १ अर्ब १७ करोड १८ लाख रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुल वित्तीय हस्तान्तरण रु. ३ अर्ब ७८ करोड ९१ लाख भएको थियो।

तालिका ३-१४ स्थानीय तहलाई वित्त हस्तान्तरण (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन | वित्तीय हस्तान्तरण | खर्च अनुपात (प्रतिशतमा) |
|-------------|----------|--------------------|-------------------------|
| २०७५/७६ | २१२०० | १०३८७ | ४९.०० |
| २०७६/७७ | २७०३५ | २३०१७ | ८५.१४ |
| २०७७/७८ | २८२९१ | २५३१५ | ८९.४८ |
| २०७८/७९ | २३२१६ | १९११७ | ८२.३४ |
| २०७९/८० | १४७८५ | १२६८३ | ८५.७८ |
| २०८०/८१ | २३४७६ | १९१७९ | ८१.७० |
| २०८१/८२ | ३७८९१ | २९७४७ | ७८.५१ |
| २०८२/८३* | ३४५७२ | ११७१८ | ३३.८९ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रवेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.४८. वित्तीय समानिकरण अनुदानको बढ्दो अनुपातले स्थानीय तहको वित्तीय स्वायत्तता तर्फ प्रदेश अग्रसर रहेको देखिन्छ। चालु आर्थिक वर्षमा सशर्त र समपुरक अनुदानको विनियोजनमा उल्लेख्य वृद्धि भएको छ। समपुरक अनुदान तर्फ खर्च कम हुने गरेको छ। खर्चका आधारमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणको विगत ७ वर्षको औषत विशेष, सशर्त र समपुरक तर्फ क्रमश ७७.५४, ८९.०३ र ५६.७८ प्रतिशत रहेको छ।

३.४९. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा विशेष अनुदान तर्फ रु. ११ करोड ५३ लाख, सशर्त तर्फ रु. ५२ करोड ३७ लाख, समपुरक तर्फ रु. १५ करोड २४ लाख र समानिकरण तर्फ ६२ करोड २२ लाख खर्च भएको छ।

तालिका ३-१५ स्थानीय तहमा हुने वित्तीय हस्तान्तरणको अवस्था (रकम रु. लाखमा)

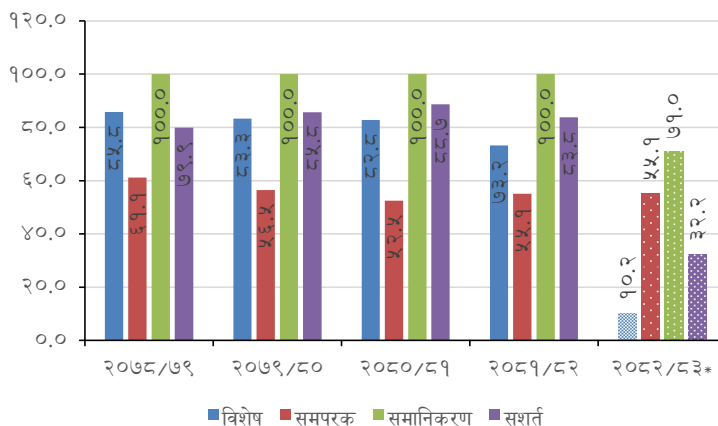
| आर्थिक वर्ष | विनियोजन | | | | वित्तीय हस्तान्तरण | | | |
|-------------|----------|-------|--------|----------|--------------------|-------|--------|----------|
| | विशेष | सशर्त | समपुरक | समानिकरण | विशेष | सशर्त | समपुरक | समानिकरण |
| २०७५/७६ | ५००० | | १०००० | ६२०० | १५६९ | | २६१८ | ६२०० |
| २०७६/७७ | ५००० | ५८१३ | १०००० | ६२२२ | ४५८९ | ५५२४ | ६६८२ | ६२२२ |
| २०७७/७८ | ५००० | ६९९१ | १०००० | ६३०० | ४७८१ | ६४७६ | ७७५८ | ६३०० |
| २०७८/७९ | ४००० | ५९७१ | ६००० | ७२४५ | ३४३३ | ४७७२ | ३६६८ | ७२४५ |
| २०७९/८० | २५०० | ११४५ | ३५०० | ७६४० | २०८३ | ९८२ | १९७६ | ७६४० |
| २०८०/८१ | ४०८१ | ४९४४ | ६३९० | ८०६१ | ३३८० | ४३८३ | ३३५५ | ८०६१ |
| २०८१/८२ | ५००० | १४२९१ | १०००० | ८६०० | ३६६२ | ११९७६ | ५५०९ | ८६०० |
| २०८२/८३* | ५००० | १०५७२ | १०००० | ९००० | ५११ | ३४०० | १४१६ | ६३९१ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश, प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.५०. सुरु विनियोजनको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म विशेष, सशर्त र समपुरक अनुदान हस्तान्तरणको अनुपात क्रमशः १०.२, ५५.१ र ३२.२ प्रतिशत रहेको छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो अनुपात क्रमशः ७३.२, ५५.१ र ८३.८ प्रतिशत रहेको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्रमसान्तसम्ममा समानीकरण अनुदानको ७१ प्रतिशत हस्तान्तरण भई सकेको छ।

चित्र ३-१० विनियोजनको तुलनामा वित्तीय हस्तान्तरणको अवस्था (प्रतिशतमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश, प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

३.५१. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म रु. २६ करोड १६ लाख राजस्व बाँडफाँट बापत प्रदेश सरकारले स्थानीय तहलाई हस्तान्तरण गरेको छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो बाँडफाँटबाट रु. ३० करोड ४९ लाख स्थानीय तहलाई हस्तान्तरण भएको थियो।

तालिका ३-१६ स्थानीय तहमा भएको राजस्व बाँडफाँटको अवस्था (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-----------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| राजस्व बाँडफाँट | १५७८ | २१२८ | २२५८ | २६६२ | २७९९ | ३०४९ | २६१६ |

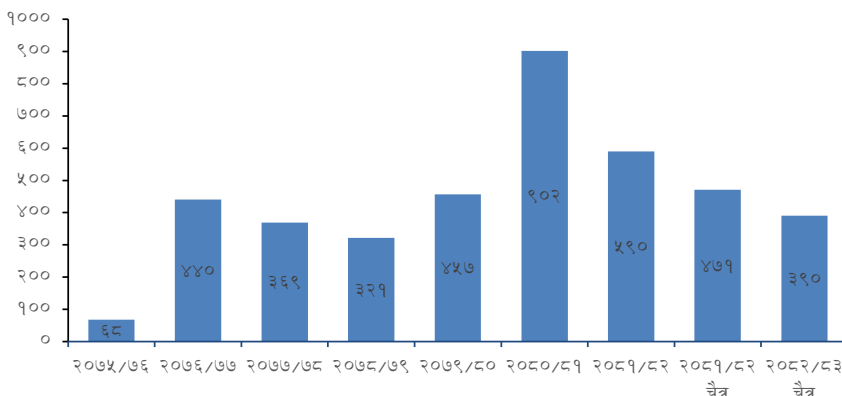
स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश, प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

बेरुजु

- ३.५२. प्रदेशका बेरुजुलाई निकायगत रूपमा एकिकृत डेटाबेसमा प्रणालीबद्ध गरी फछ्यौट तथा सम्परीक्षण गर्ने र सोको प्रगति प्रतिवेदन सम्बन्धी कार्यलाई व्यवस्थित गर्न विद्युतीय सूचना प्रणाली कार्यान्वयनमा रहेको छ।
- ३.५३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा रु. ५ करोड ९० लाख बेरुजु असुल उपर भएको थियो। यस शिर्षकमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्रमसान्तसम्ममा रु. ३ करोड ९० लाख दाखिला भएको छ भने गत आर्थिक वर्ष सोही अवधिमा रु. ४ करोड ७१ लाख दाखिला भएको थियो।

तालिका ३-१७ बेरुजु प्राप्ति (रु. लाखमा)



स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- ३.५४. महालेखा परिक्षकको लेखापरिक्षण सम्बन्धी वार्षिक प्रतिवेदनमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशमा थप भएको बेरुजु २०८०/८१ भन्दा २०.८ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ६० करोड ४९ लाख पुगेको थियो। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्मको बाँकी बेरुजु गत आर्थिक वर्षको तुलनामा ११.२ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ३ अर्ब ५४ करोड ८६ लाख रहेको छ भने यसमा पेशकी वाहेकको बेरुजु रु. ३ अर्ब १९ करोड ३० लाख रहेको छ। बेरुजुमा पेशकीको अनुपात न्यून हुँदै गई रहेको छ, आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा यस्तो अनुपात १२.५९ प्रतिशत रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा १० प्रतिशतमा झरेको छ।

तालिका ३-१८ बेरुजुको अवस्था (रकम रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
|---------------------------|---------|----------|---------|---------|
| गत सम्मको बाँकी | १५४९२ | २३९२० | २६८२९ | २९८४० |
| सम्परीक्षण | ७७२ | | २२०७ | ४०८ |
| सम्परीक्षणबाट थप | ४ | ८५४ | २११ | ५ |
| बाँकी | १४७२४ | २३०६५ | २४८३३ | २९४३७ |
| यो वर्षको थप | ९१९६ | ३७६४ | ५००७ | ६०४९ |
| आर्थिक वर्षसम्मको बाँकी | २३९२० | २६८२९ | २९८४० | ३५४८६ |
| बेरुजु बाँकी मध्ये पेस्की | ४३०९ | ५७३० | ३७५९ | ३५५६ |
| पेस्की बाहेको बेरुजु | १९६११ | २१०९९ | २६०८१ | ३१९३० |
| फरक प्रतिशत | | | | |
| गत सम्मको बाँकी | | ५४.४% | १२.२% | ११.२% |
| सम्परीक्षण | | | | -८१.५% |
| सम्परीक्षणबाट थप | | २१२५०.०% | -७५.३% | -९७.६% |
| बाँकी | | ५६.६% | ७.७% | १८.५% |
| यो वर्षको थप | | -५९.१% | ३३.०% | २०.८% |
| आर्थिक वर्षसम्मको बाँकी | | १२.२% | ११.२% | १८.९% |
| बेरुजु बाँकी मध्ये पेस्की | | ३३.०% | -३४.४% | -५.४% |
| पेस्की बाहेको बेरुजु | | ७.६% | २३.६% | २२.४% |

स्रोत: महालेखा परिक्षकको कार्यालय, २०८३

४. बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

- ४.१. बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको उपस्थितिलाई हेर्दा अधिकांश बैङ्क शाखाहरू प्रदेशका शहरी केन्द्रहरू र जिल्ला सदरमुकामहरूमा केन्द्रित रहेका देखिन्छन्। यद्यपी, मोबाइल बैंकिङ, एटीएम, डिजिटल वालेट जस्ता सेवाको क्रमिक विस्तारसँगै बैंकिङ प्रणालीमा निक्षेप संकलन तीव्र रूपमा बढेको छ भने कर्जा प्रवाह पनि क्रमिक रूपमा विस्तार भएको छ। प्रदेशको दुर्गम ग्रामिण भेगहरूमा डिजिटल पहुँच तथा इन्टरनेट सुविधाको सीमितता, वित्तीय साक्षरता तथा बीमा चेतनाको कमी र सहूलियतपूर्ण ऋण सेवाको कमजोर अवस्थाले थप चुनौती देखिएको छ।
- ४.२. प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्रबाट प्रवाह हुने ऋण लगानीको ठुलो हिस्सा उपभोग उन्मुख हुँदै गएको छ। औद्योगिक लगानीको अवसर न्यून देखिएको छ। वित्तीय संस्थाहरूको निस्कृय कर्जाको बढ्दो अनुपातले थप निगरानीको आवश्यकता रहेको सङ्केत गरेको छ।
- ४.३. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा वित्तीय तथा विमा क्षेत्रको योदानमा केही सङ्कुचन देखिएकोमा चालु आर्थिक वर्षमा केही सुधारोन्मुख देखिएको छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा वित्तीय तथा विमा क्षेत्रको वृद्धिदरमा सामान्य गिरावट देखिएको छ।

वित्तीय संरचना तथा वित्तीय सेवा विस्तार

- ४.४. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा वाणिज्य बैङ्कका ३ शाखा र विकास बैङ्कको १ शाखा थप भएका छन् भने लघुवित्त संस्थाका ८ शाखा कम भएका छन्। यस आवधिमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको कुल शाखा संख्या ८४९ पुगेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको कुल शाखा संख्या ८४९ रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ८ सय ४३ पुगेको छ।
- ४.५. यस प्रदेशमा कर्मचारी सञ्चयकोषको १ शाखा र नागरिक लगानी कोषका १ शाखा रहेका छन्।

तालिका ४-१ सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको शाखा संख्या

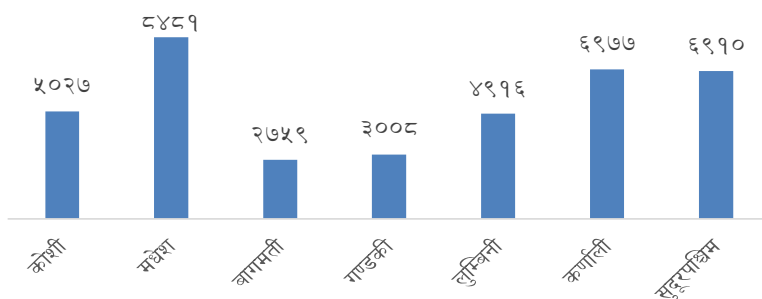
| संस्था | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| वाणिज्य बैङ्क | २९३ | ३१७ | ३२९ | ३३० | ३२६ | ३३० | ३३३ |
| विकास बैङ्क | ६२ | ४६ | ५२ | ५२ | ५२ | ५२ | ५१ |
| वित्त कम्पनी | ६ | ६ | ६ | ५ | ६ | ६ | ६ |
| लघुवित्त वित्तीय संस्था | ३४९ | ४०८ | ४५३ | ४५९ | ४६४ | ४६१ | ४५३ |
| कुल शाखा संख्या | ७१० | ७७७ | ८४० | ८४६ | ८४८ | ८४९ | ८४३ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- ४.६. प्रदेशगत रूपमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म वाणिज्य बैङ्क, विकास बैङ्क र वित्त कम्पनीका शाखा संख्या सबैभन्दा कम कर्णाली प्रदेशमा २४२ र सबैभन्दा बढी बागमती प्रदेशमा २ हजार २१७ रहेका छन्।
- ४.७. जिल्लागतरूपमा प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा वाणिज्य बैङ्कका शाखाहरु कैलाली जिल्लामा २ र कञ्चनपुर जिल्लामा १ शाखा थप भएका छन् भने विकास बैङ्कका शाखाहरु कैलाली जिल्लामा १ कम भएको छ।
- ४.८. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाका प्रति शाखाले सेवा प्रवाह गर्ने जनसंख्या दरमा केही सुधार आई ६ हजार ९१० पुगेको छ। गत आर्थिक वर्षको यसै अवधिमा यस्तो दर ६ हजार ९४५ रहेको छ।
- ४.९. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रति शाखा सेवा प्रवाह गरेको जनसंख्या अनुपात सबैभन्दा बढी मधेश प्रदेशमा ८ हजार ४८१ रहेको छ भने सबैभन्दा कम बागमती प्रदेशमा २ हजार ७५९ रहेको छ।

चित्र ४-१ बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको प्रदेशगत प्रति शाखा सेवा प्रवाह गरेको जनसंख्या (चैत्र मसान्तसम्म)



स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, २०८३

- ४.१०. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेशमा रहेका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको शाखा संख्या सबैभन्दा बढी कैलालीमा १६६ र सबैभन्दा कम बाजुरामा १४ रहेको छ। प्रतिशाखा जनसंख्या सबै भन्दा बढी डोटीमा १० हजार २४२ र सबै भन्दा कम कैलालीमा ५ हजार ४५० रहेको छ।

तालिका ४-२ जिल्लागत बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको वर्ग अनुरूपको शाखा संख्या र प्रति शाखा जनसंख्या (फागुन मसान्तसम्म)

| जिल्ला | २०८१/८२ | | | | | २०८२/८३ | | | | |
|--------|---------|--------|---------|-------|------------------------------|---------|--------|---------|-------|------------------------------|
| | कु"र्षा | ख"र्षा | पा"र्षा | जम्मा | जनसंख्या प्रति शाखा (हजारमा) | कु"र्षा | ख"र्षा | पा"र्षा | जम्मा | जनसंख्या प्रति शाखा (हजारमा) |
| डोटी | १९ | १ | ० | २० | १०२४२ | १९ | १ | ० | २० | १०२४२ |
| बझाङ | २१ | १ | ० | २२ | ८५९५ | २१ | १ | ० | २२ | ८५९५ |

| जिल्ला | २०८१/८२ | | | | | २०८२/८३ | | | | |
|-------------|---------|----|----|-------|------------------------------|---------|----|----|-------|------------------------------|
| | कुल | खा | ना | प्रमा | जनसंख्या प्रति शाखा (हजारमा) | कुल | खा | ना | प्रमा | जनसंख्या प्रति शाखा (हजारमा) |
| कैलाली | १३० | ३० | ५ | १६५ | ५४८३ | १३२ | २९ | ५ | १६६ | ५४५० |
| बाजुरा | १३ | १ | ० | १४ | ९८९५ | १३ | १ | ० | १४ | ९८९५ |
| अछाम | १८ | ३ | ० | २१ | १०८९८ | १८ | ३ | ० | २१ | १०८९८ |
| कञ्चनपुर | ६१ | ११ | १ | ७३ | ७०३८ | ६२ | ११ | १ | ७४ | ६९४३ |
| दार्चुला | २२ | २ | ० | २४ | ५५५५ | २२ | २ | ० | २४ | ५५५५ |
| बैतडी | २२ | २ | ० | २४ | १००९० | २२ | २ | ० | २४ | १००९० |
| डडेल्धुरा | २४ | १ | ० | २५ | ५५८४ | २४ | १ | ० | २५ | ५५८४ |
| सुदूरपश्चिम | ३३० | ५२ | ६ | ३८८ | ६९४५ | ३३३ | ५१ | ६ | ३९० | ६९१० |

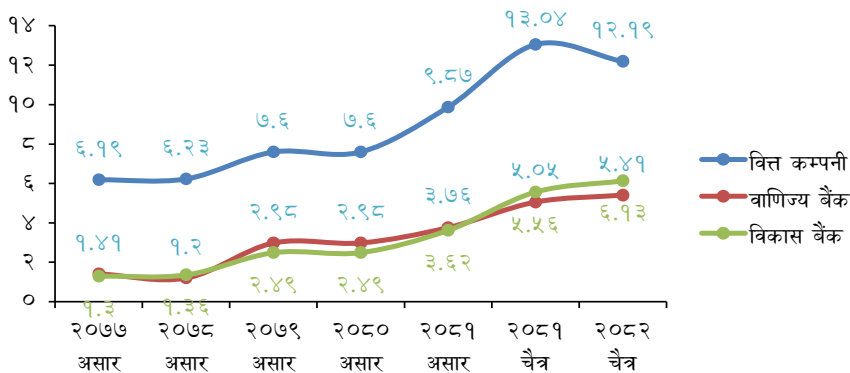
स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, २०८३

वित्तीय स्थायित्व

- ४.११. प्राथमिक पुँजी/जोखिम भारित सम्पत्ति अनुपात २०७८ असारमा १०.८१ प्रतिशत रहेकोमा घट्दो क्रममा रही २०८१ चैत्र मसान्तसम्म ९.५९ प्रतिशत कायम रहन गएको थियो भने २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा ९.७२ प्रतिशत पुगेको छ।
- ४.१२. त्यस्तै पुँजीकोष/जोखिम भारित सम्पत्ति अनुपात १३.५८ प्रतिशतबाट घटेर १२.६२ प्रतिशतमा सीमित रहेको छ। यसले बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको पुँजी आधार अझै नियामकीय न्यूनतम सीमाभन्दा माथि रहे पनि क्रमशः दबावमा परेको संकेत गर्दछ।
- ४.१३. मुल कर्जा/कुल निक्षेप तथा प्राथमिक पुँजी अनुपात २०७८ असारको ९१.३८ प्रतिशतबाट निरन्तर घटेर २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा ७४.६१ प्रतिशतमा झरेको छ। यसले निक्षेपको तुलनामा कर्जा विस्तार सुस्त भएको, बैङ्कहरू थप सतर्क बनेको तथा अर्थतन्त्रमा कर्जाको माग कमजोर रहेको संकेत गर्दछ। यस अवधिमा बैकिङ प्रणालीमा लगानीयोग्य स्रोतको उपलब्धता बढेको देखिन्छ।
- ४.१४. कुल तरल सम्पत्ति/कुल निक्षेप अनुपात २०७८ असारको २७.५२ प्रतिशतबाट बढेर २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा ३५.३७ प्रतिशत पुगेको छ। यो अवधिमा बैकिङ प्रणालीमा पर्याप्त तरलता रहेको देखिन्छ। विशेषगरी २०८१ चैत्रपछि तरलता तीव्र रूपमा बढेको छ। यसैगरी नगद तथा बैङ्क मौज्जात/कुल निक्षेप अनुपात पनि ७ देखि ८ प्रतिशतको दायरामा रहँदै २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा ८.२५ प्रतिशत पुगेको छ। यसले बैङ्कहरूको तत्काल भुक्तानी क्षमता सुदृढ रहेको देखाउँछ।
- ४.१५. निष्क्रिय कर्जा अनुपात २०८० असारको ३.०२ प्रतिशतबाट बढेर २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा ५.६ प्रतिशत पुगेको छ। यो बैकिङ क्षेत्रको सबैभन्दा चिन्ताजनक

प्रवृत्ति हो। संस्थागत रूपमा हेर्दा वित्त कम्पनीहरूमा निष्क्रिय कर्जाको अनुपात सबैभन्दा उच्च रहेको छ भने विकास बैङ्कहरूमा वृद्धि दर पनि उल्लेखनीय देखिन्छ।

चित्र ४-२ बैङ्क तथा वित्त कम्पनीहरूको निष्क्रिय कर्जा अनुपात (प्रतिशतमा)



स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, २०८३

- ४.१६. कुल तरल सम्पत्ति/कुल निक्षेप अनुपात २०८१ मा २६.५ प्रतिशत रहेको थियो। यसले तरलता संकटको तत्काल जोखिम नभएको सङ्केत गरेको छ।
- ४.१७. नगद तथा बैङ्क मौजदात/मुल निक्षेप अनुपात २०८१ मा ७.४३ प्रतिशत रहेको छ। यसले स्थिर तरलताको सङ्केत गरेको छ।

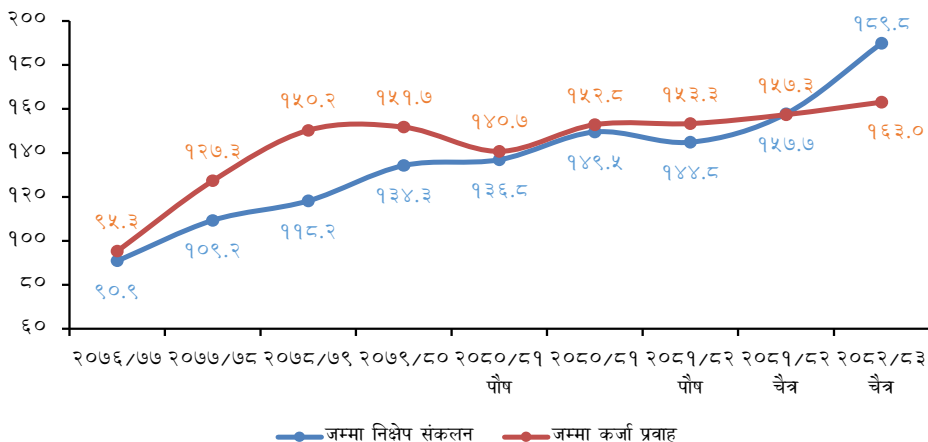
तालिका ४-३ वित्तीय स्थायित्वका परिसूचकहरू (प्रतिशतमा)

| सूचकहरू | २०७८ असार | २०७९ असार | २०८० असार | २०८१ असार | २०८१ चैत्र | २०८२ चैत्र |
|---|-----------|-----------|-----------|-----------|------------|------------|
| प्राथमिक पुँजी/जोखिम भारित सम्पत्ति अनुपात | १०.८१ | १०.५९ | १०.५९ | १०.२ | ९.५९ | ९.७२ |
| पुँजीकोष/जोखिम भारित सम्पत्ति अनुपात | १३.५८ | १३.४२ | १३.४२ | १२.९२ | १२.३९ | १२.६२ |
| मुल कर्जा/कुल निक्षेप तथा प्राथमिक पुँजी अनुपात | ९१.३८ | ८४.५३ | ८४.५३ | ७९.६ | ८०.७१ | ७४.६१ |
| निष्क्रिय कर्जा अनुपात | | | ३.०२ | ३.८६ | ५.२४ | ५.६० |
| वाणिज्य बैङ्क | १.२ | २.९८ | २.९८ | ३.७६ | ५.०५ | ५.४१ |
| विकास बैङ्क | १.३६ | २.४९ | २.४९ | ३.६२ | ५.५६ | ६.१३ |
| वित्त कम्पनी | ६.२३ | ७.६ | ७.६ | ९.८७ | १३.०४ | १२.१९ |
| कुल तरल सम्पत्ति/कुल निक्षेप अनुपात | २७.५२ | २७.१ | २७.१ | २६.४४ | ३०.७ | ३५.३७ |
| नगद तथा बैङ्क मौजदात/मुल निक्षेप अनुपात | ८.०३ | ८.०५ | ८.०५ | ७.४३ | ७.१८ | ८.२५ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

- ४.१८. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको जम्मा निक्षेप संकलन आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा रु. ९०.८६ अर्ब रहेकोमा २०८२ चैत्रमा आइपुग्दा रु. १८९.८३ अर्ब पुगेको छ। यस अवधिमा निक्षेप संकलन करिब १०९ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा निक्षेप रु. १४९.४६ अर्ब पुगेको थियो भने २०८१ चैत्रमा रु. १५७.७३ अर्ब र २०८२ चैत्रमा रु. १८९.८३ अर्ब पुगेको छ। यसले प्रदेशमा बचत गर्ने प्रवृत्ति, आर्थिक गतिविधिमा वृद्धि तथा बैकिङ पहुँच विस्तारको सकारात्मक प्रभाव देखाउँछ।
- ४.१९. प्रदेशमा जम्मा कर्जा प्रवाह आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को रु. ९५.२९ अर्बबाट बढेर २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा रु. १६३.०३ अर्ब पुगेको छ। यद्यपि निक्षेपको तुलनामा कर्जा वृद्धिदर अपेक्षित रूपमा हुन नसकेको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०७७/७८ र २०७८/७९ मा कर्जा तीव्र रूपमा बढे पनि त्यसपछि वृद्धि दर न्यून भएको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा रु. १५०.२२ अर्ब पुगेको कर्जा आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा केवल रु. १५१.७१ अर्ब पुगेको थियो। यसले पछिल्ला वर्षहरूमा कर्जा विस्तारमा सावधानी अपनाइएको वा कर्जाको माग कमजोर रहेको संकेत गर्दछ।
- ४.२०. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को तुलनामा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तमा कुल निक्षेप सङ्कलन २०.३५ प्रतिशतले बढेको छ भने कर्जा प्रवाह ३.६४ प्रतिशतले बढेको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तमा प्रदेशको कुल कर्जा प्रवाह र निक्षेप सङ्कलनको अनुपात (CD Ratio) ८५.८८ प्रतिशत रहेको छ भने गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा यस्तो अनुपात ९९.७२ प्रतिशत रहेको छ।
- ४.२१. निक्षेप संकलनको विगत ५ वर्षको प्रदेशको चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) ११.६८ प्रतिशत रहेको छ १०.५ प्रतिशतको हाराहारीमा रहनु स्वस्थनै देखिएता पनि लगानी वृद्धिदरको तुलनामा कम नै रहेको छ।

चित्र ४-३ वित्तीय स्रोत सङ्कलन र परिचानको अवस्था (रु. अर्बमा)



स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक, धनगढी, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

विद्युतीय भुक्तानी कारोबार

- ४.२२. डिजिटल बैंकिङ सेवाको प्रयोगमा आएको तीव्र वृद्धिले प्रदेशमा वित्तीय समावेशीकरण र डिजिटल अर्थतन्त्रको विकासलाई बलियो आधार प्रदान गरेको छ। विशेषगरी मोबाइल बैंकिङ, QR Payment तथा अनलाइन बैंकिङको बढ्दो प्रयोगले नगद रहित कारोबारलाई प्रोत्साहन दिएको छ।
- ४.२३. प्रदेशमा ब्रोडब्याड इन्टरनेट र मोबाइल इन्टरनेट प्रयोगमा विस्तार भए सँगै विद्युतीय भुक्तानी सेवामा वृद्धि भएको छ। २०८२ असारको तुलनामा २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा विद्युतीय सेवाहरूको प्रयोगमा उल्लेखिय वृद्धि भएको छ। अनलाइन ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता, क्यू.आर. मर्चेन्ट, प्रिपेड कार्ड र मोबाइल ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता संख्यामा क्रमशः २०.०, ४२.७८, १८.४७ र १०.०८ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ। यस अवधिमा क्रेडिट कार्ड संख्यामा केही गिरावट देखिएको छ भने डेबिट कार्डतर्फ २.६६ प्रतिशतले वृद्धि देखिएको छ।
- ४.२४. जिल्लागत रूपमा हेर्दा प्रदेशमा विद्युतीय बैंकिङ सेवाको प्रयोग कैलाली र कञ्चनपुरमा बढी रहेको देखिन्छ। प्रदेशको कुल विद्युतीय ब्याङ्किङ सेवा प्रयोगकर्ताको ५० प्रतिशत भन्दा बढी कैलाली जिल्लामा रहेका छन्।

तालिका ४-४ सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको विद्युतीय सेवाको अवस्था (संख्या)

| विद्युतीय सेवा | २०८२ असार | २०८२ चैत्र |
|------------------------------|-----------|------------|
| अनलाइन ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता | ६७४४६ | ८०९६३ |
| क्यू.आर. मर्चेन्ट | ५८८२४ | ८३९९४ |
| क्रेडिट कार्ड | १४४३७ | १०५१९ |
| डेबिट कार्ड | ७१६९९१ | ७३६०४९ |

| विद्युतीय सेवा | २०८२ असार | २०८२ चैत्र |
|------------------------------|-----------|------------|
| पि.ओ.एस. | ६८९ | ५९७ |
| प्रिपेड कार्ड | २३५५ | २७९० |
| मोबाईल ब्याङ्किङ प्रयोगकर्ता | १७११६०० | १८८४०८३ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

निक्षेप सङ्कलनको अवस्था

- ४.२५. प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्या बढेको छ भने निक्षेप सङ्कलनमा उल्लेख्य वृद्धि भएको छ।
- ४.२६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ चैत्र मसान्तसम्ममा नेपालका बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको कुल निक्षेप संकलन रु. १ खर्ब ५७ अर्ब ७३ करोड रहेकोमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको कुल निक्षेप संकलनमा २.४० प्रतिशत योगदान रही रु. १ खर्ब ८९ अर्ब ८३ करोड कुल निक्षेप सङ्कलन भएको थियो। वार्षिक विन्दुगत तुलनामा प्रदेशको चल्ती खाता तर्फ २९.६, बचत तर्फ ३७.९, अन्य निक्षेप तर्फ ३.७ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ भने मुद्दती तर्फ १६ प्रतिशत र मार्जिन निक्षेप तर्फ ३२.४ प्रतिशत कमी आई कुल निक्षेप २०.३५ प्रतिशतले वृद्धि भई सङ्कलन रु. १ खर्ब ८९ अर्ब ८३ करोड रहेको छ।
- ४.२७. २०८१ चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा कुल निक्षेप खाता संख्या ३९ लाख ९७ हजार ३२० रहेकोमा २०८२ चैत्रमा उक्त खाता संख्यामा ७.०९ प्रतिशतले वृद्धि भई ४२ लाख ८० हजार ६६९ पुगेको छ।

तालिका ४-५ निक्षेप खाता र संकलनको स्थिति (निक्षेप रकम रु. दश लाखमा)

| खाताको प्रकार | खाता संख्या | | रकम रु. दश लाखमा | |
|-------------------|------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|
| | २०८१/८२ (चैत्र मसान्त) | २०८२/८३ (चैत्र मसान्त) | २०८१/८२ (चैत्र मसान्त) | २०८२/८३ (चैत्र मसान्त) |
| चल्ती | ३५०६९९ | ३८३०६५ | १२३३० | १५९८५ |
| बचत | ३५४४०३९ | ३८३२१४६ | ९२६९८ | १२७८१६ |
| मुद्दती | ५४२५१ | ४०३३७ | ४४५६४ | ३७४५१ |
| अन्य निक्षेप | ४१२६५ | १७९३७ | ७३१७ | ८०२३ |
| मार्जिन निक्षेप | ७०६६ | ७१८४ | ८२२ | ५५५ |
| कुल निक्षेप संकलन | ३९९७३२० | ४२८०६६९ | १५७७३० | १८९८३१ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

कर्जा प्रवाहको अवस्था

- ४.२८. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा २०८१ चैत्रसम्ममा कुल कर्जा प्रवाह रु. १५ अर्ब ३५ करोड ६३ लाख रहेकोमा २०८२ चैत्रसम्ममा कर्जा प्रवाह ४.८ प्रतिशत विन्दुले बढ्न गई रु. १६ अर्ब १० करोड ५६ लाख पुगेको छ।
- ४.२९. औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार २०८२ चैत्र मसान्तसम्म कुल कर्जा प्रवाहमध्ये थोक तथा खुद्रा व्यापारमा सबैभन्दा बढी २९.२ प्रतिशत र सबैभन्दा कम खानी तथा उत्खनन् क्षेत्रमा ०.०७ प्रतिशत रहेको छ। खपत तर्फको ऋण परिचालन यस अवधिमा २.१४ प्रतिशत विन्दुले वृद्धि भई २७.३८ प्रतिशत कायम रहेको छ। यसले अनियन्त्रित घरायसी उपभोग भई रहेको सङ्केत गरेको छ। कृषि तथा वन गैर खाद्य उत्पादन र पर्यटन क्षेत्रमा कर्जाको विस्तार अपेक्षित हुन सकेको छैन।

तालिका ४-६ औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार पुस मसान्तसम्मको कर्जा प्रवाहको स्थिति (रकम रु. लाखमा, अनुपात प्रतिशतमा)

| औद्योगिक वर्ग | २०८१ चैत्र | अनुपात | २०८२ चैत्र | अनुपात |
|--|------------|--------|------------|--------|
| कृषि तथा वन | १६१९५.२८ | १०.५५ | १६०४०.९७ | १.०८ |
| मत्स्यपालन | ९७२.९७ | ०.६३ | ८५८.७४ | ०.०३ |
| खानी तथा उत्खनन् | १३०.११ | ०.०८ | ११६.८७ | ०.०० |
| कृषि वन र पेय पदार्थ उत्पादन सम्बन्धित | ८५८१.३८ | ५.५९ | १०५३३.४१ | ०.३० |
| गैर खाद्य उत्पादन सम्बन्धित | ६९९४.०६ | ४.५५ | ७०५१.६६ | ०.२३ |
| निर्माण | ६११२.३२ | ३.९८ | ६११२.९० | ०.३२ |
| विद्युत ग्यास र पानी | ३९८.६१ | ०.२६ | ४२८.३९ | ०.०० |
| धातु जन्य वस्तु मेशिनरी र विद्युतीय उपकरण तथा संयोजन | २४३३.७२ | १.५८ | २४९३.४१ | ०.०६ |
| यातायात संचार र सार्वजनिक उपयोग | १८५४.१५ | १.२१ | २२७९.५६ | ०.१६ |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार | ४७५३१.०८ | ३०.९५ | ४७०२६.३० | २.६४ |
| वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलापहरु | ३९१२.२२ | २.५५ | ४१४८.८७ | ०.३४ |
| होटल रेष्टुरेन्ट | ३०५६.९३ | १.९९ | ३३०२.४६ | ०.२६ |
| अन्य सेवाहरु | ६२४६.७९ | ४.०७ | ६५२१.०० | ०.२३ |
| ऋण खपत | ३८७६७.६४ | २५.२५ | ४४१००.३२ | २.४६ |
| स्थानीय सरकार | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |
| अन्य | १०३७६.४६ | ६.७६ | १००४१.६४ | १.३२ |

| | | | | |
|-------|-----------|--------|-----------|------|
| जम्मा | १५३५६३.७० | १००.०० | १६१०५६.५२ | ९.४३ |
|-------|-----------|--------|-----------|------|

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

४.३०. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म सहूलियतपूर्ण कर्जाका लागि व्याज अनुदान कार्यक्रम अन्तर्गत ४ हजार ७०० जना ऋणीको रु. ७ अर्ब ४ करोड ३ लाखको कर्जा स्वीकृत भएको छ। नेपालभर सञ्चालित यस कार्यक्रमको कुल कर्जा प्रवाहमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको हिस्सा ८.६८ प्रतिशत रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को सोही अवधिमा यस्तो भार ५.३९ प्रतिशत रहेको थियो।

तालिका ४-७ सहूलियतपूर्ण कर्जाका लागि व्याज अनुदान कार्यक्रमको स्थिती (कर्जा रु. दश लाखमा चैत्र मसान्तसम्म)

| कर्जाको प्रकार | ऋणी संख्या | स्वीकृत कर्जा | बाँकी कर्जा | नेपालको तुलनामा प्रदेशको स्वीकृत कर्जा (प्रतिशतमा) |
|--------------------------------------|------------|---------------|-------------|--|
| व्यावसायिक कृषि तथा पशुपन्छी कर्जा | १२१५ | २३९३६ | १६२१८ | ४.२७ |
| बिना धितो | १४० | १२४१ | ४७४ | ५.४८ |
| धितो सहितको | १०७५ | २२६९५ | १५७४४ | ४.२२ |
| शिक्षित युवा स्वरोजगार कर्जा | ३ | १५ | २ | ८.४८ |
| विदेशबाट फर्केका युवा परियोजना कर्जा | १६ | ९७ | २० | ५.६० |
| महिला उद्यमशील कर्जा | २२२० | २२२१६ | ६६१३ | ६.१२ |
| दलित समुदाय व्यवसाय विकास कर्जा | ३१ | २०४ | ८६ | ७.९१ |
| जम्मा | ४७०० | ७०४०३ | ३९१५८ | ८.६८ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

४.३१. २०८२ चैत्रसम्ममा निक्षेप सङ्कलन र कर्जा प्रवाह क्रमशः कैलाली, कञ्चनपुर र डडेल्धुरा जिल्लाहरूमा केन्द्रित रहेको देखिन्छ। कैलालीमा मात्र कुल निक्षेप सङ्कलनको ४८.६ प्रतिशत र कर्जा प्रवाहको ६८.६१ प्रतिशत कारोबार भएको थियो। कैलाली जिल्लाको कर्जा र निक्षेप सङ्कलनको अनुपात झण्डै १२०.८७ प्रतिशत रहेको छ, यस्तो अनुपात गत आर्थिक वर्षमा १५० प्रतिशतको रहेको थियो।

४.३२. प्रदेशका पहाडी जिल्लाहरूको कुल निक्षेप सङ्कलनमा २७.९६ प्रतिशत र ऋण परिचालनमा ११.५९ प्रतिशत मात्र योगदान रहेको छ।

बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

तालिका ४-८ सुदूरपश्चिम प्रदेशको जिल्लागत निक्षेप संकलन र कर्जा प्रवाहको अवस्था (रकम रु. दश लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | २०८१/८२ (चैत्र मसान्त) | | २०८२/८३ (चैत्र मसान्त) | | २०८२/८३ (योगदान भारमा) | | |
|-------------|------------------------|-----------|------------------------|-----------|------------------------|---------|--------|
| | जिल्ला | निक्षेप | कर्जा | निक्षेप | कर्जा | निक्षेप | कर्जा |
| अछाम | | ६१८४.४९ | २८५४.६४ | ७३८२.०१ | २७७९.७८ | ३.८९ | १.७१ |
| बैतडी | | ७४०७.६८ | २१५३.९० | ८७७९.७५ | २०९२.७८ | ४.६३ | १.२८ |
| बझाङ | | ५०१३.५० | २२९०.३३ | ५९२८.०६ | २१४०.४० | ३.१२ | १.३१ |
| बाजुरा | | ३५३३.७९ | १५४५.६१ | ४५२७.९० | १५५१.८२ | २.३९ | ०.९५ |
| डडेलधुरा | | ८५९६.४८ | ४६२६.३४ | १०४३४.३१ | ४९५८.९१ | ५.५० | ३.०४ |
| दार्चुला | | ६५४६.९४ | २२८७.३७ | ७८७८.१९ | २४२२.८२ | ४.१५ | १.४९ |
| डोटी | | ६६८७.२१ | २९५९.४१ | ८१४९.९५ | २९४९.४३ | ४.२९ | १.८१ |
| कैलाली | | ७५९८९.५३ | १०८०१३.९४ | ९२५३६.२६ | १११८५७.११ | ४८.७५ | ६८.६१ |
| कञ्चनपुर | | ३७७७०.५१ | ३०५६७.८१ | ४४२१४.८० | ३२२७६.७९ | २३.२९ | १९.८० |
| जम्मा | | १५७७३०.१२ | १५७२९९.३५ | १८९८३१.२३ | १६३०२९.८४ | १००.०० | १००.०० |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, धनगढी, २०८३

बीमा

४.३३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा बिमा कम्पनीको कुल शाखा संख्या २७६ कुल कार्यरत जनशक्तिको संख्या ८१२ र कुल बीमा अभिकर्ता संख्या ८८ हजार ९७२ रहेको छ।

तालिका ४-९ बीमा शाखा कार्यरत कर्मचारी र अभिकर्ताको विवरण

| विवरण | २०८०/८१ | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
|---------------------------|---------|---------|---------|-----------|
| शाखा कार्यालयको संख्या | | | | |
| जीवन | १८६ | १८८ | १९० | १८७ |
| निर्जीवन | ८५ | ७७ | ८४ | ८९ |
| कुल शाखा संख्या | २७१ | २६५ | २७४ | २७६ |
| कार्यरत कर्मचारीको संख्या | | | | |
| जीवन | ४८० | ४८१ | ५११ | ४९६ |
| निर्जीवन | २८० | २६५ | २८८ | ३१६ |
| कुल कार्यरत जनशक्ति | ७६० | ७४६ | ७९९ | ८१२ |
| बीमा अभिकर्ता संख्या | | | | |
| जीवन | ७७९१२ | ७७७१९ | ८०३६७ | ८८७३० |
| निर्जीवन | २०० | १५० | २२१ | २४२ |

| | | | | |
|--------------------------|-------|-------|-------|-------|
| कुल बीमा अभिकर्ता संख्या | ७८११२ | ७७८६९ | ८०५८८ | ८८९७२ |
|--------------------------|-------|-------|-------|-------|

स्रोत: विमा प्राधिकरण, सुदूरपश्चिम प्रदेश, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

- ४.३४. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा नेपालको कुल बीमा शुल्क आर्जनमा सुदूरपश्चिम प्रदेशको हिस्सा क्रमशः ४.४१ र ४.७७ प्रतिशत रहेकोमा गत आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा यस्तो अनुपात क्रमशः ६.१५ र २.५५ प्रतिशत रहेको थियो।
- ४.३५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा कुल बीमालेख संख्या २.२४ प्रतिशतले घट्न गएता पनि जीवन बीमा शुल्क सङ्कलन १४ प्रतिशतले र निर्जीवन विमा शुल्क सङ्कलन ६.१७ प्रतिशतले बढ्न गएको छ।
- ४.३६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको कुल बीमालेख संख्या ६ लाख ७६ हजार ८४८ पुगेको छ। यस अवधिमा कुल बीमा शुल्क बापतको आय १३.२६ प्रतिशतले वृद्धि भई रु. ९ अर्ब ४८ करोड १३ लाख पुगेको छ।

तालिका ४-१० बीमा लेखा र बीमा शुल्क आय (रु. लाखमा)को विवरण

| विवरण | चैत्र मसान्तसम्म | | वृद्धिदर (प्रतिशतमा) |
|------------------------------|------------------|---------|----------------------|
| | २०८१/८२ | २०८२/८३ | |
| बीमालेख संख्या | २२१२७५ | २१६३२५ | -२.२४ |
| जीवन बीमालेख | १०९२५१ | १०७२७७ | -१.८१ |
| निर्जीवन बीमालेख | ११२०२४ | १०९०४८ | -२.६६ |
| बीमा शुल्क आर्जन (रु. लाखमा) | ८३७४० | ९४८४० | १३.२६ |
| जीवन बीमालेख | ७५८०० | ८६४१० | १४.०० |
| निर्जीवन बीमालेख | ७९४० | ८४३० | ६.१७ |

स्रोत: विमा प्राधिकरण, सुदूरपश्चिम प्रदेश, २०८३

- ४.३७. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को फागुन मसान्तसम्ममा प्रदेशमा सावधिक जीवन बीमालेखबाट रु. ८ अर्ब ६४ करोड ९ लाखको आमदानी भएको छ। जीवन बीमा तर्फ प्रमुख ४ स्रोतहरू मध्ये सावधिक जीवन बीमा, अग्रिम भुक्तानी सावधिक जीवन बीमा, रुपान्तरित सावधिक जीवन बीमा र बालबच्चा सम्बन्धी सावधिक जीवन बीमाको योगदान ९२.०४ प्रतिशत रहेका छ।

तालिका ४-११ जीवन बीमा तर्फको आमदानी (रु. लाखामा)

| बीमालेखका प्रकार (पोर्टफोलियो) | बीमा शुल्क संकलन (रु.लाखमा) * | प्रतिशत | कुल सक्रिय रहेका बीमालेख संख्या * | प्रतिशत |
|------------------------------------|-------------------------------|---------|-----------------------------------|---------|
| सावधिक जीवन बीमा | ३४१११ | ३९.४८ | १६१८५० | २७.८४ |
| अग्रिम भुक्तानी सावधिक जीवन बीमा | १५७३७ | १८.२१ | ३८९४३ | ६.७० |
| रुपान्तरित सावधिक जीवन बीमा | ६८५९ | ७.९४ | ३५०२८ | ६.०२ |
| बालबच्चा सम्बन्धी सावधिक जीवन बीमा | २२८२१ | २६.४१ | १५०८७९ | २५.९५ |
| बैदेशिक रोजगार म्यादी जीवन बीमा | ० | ०.०० | ० | ०.०० |

बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

| बीमालेखका प्रकार (पोर्टफोलियो) | बीमा शुल्क संकलन (रु.लाखमा) * | प्रतिशत | कुल सक्रिय रहेका बीमालेख संख्या * | प्रतिशत |
|--------------------------------|-------------------------------|---------------|-----------------------------------|---------------|
| आजिवन जीवन बीमा | १५२८ | १.७७ | ११७२० | २.०२ |
| एकल बीमा शुल्क जीवन बीमा | ४१४० | ४.७९ | १६११७ | २.७७ |
| म्यादी जीवन बीमा | २१७ | ०.२५ | ४१०६५ | ७.०६ |
| लघु जीवन बीमा | ७३६ | ०.८५ | १२४२९२ | २१.३८ |
| अन्य जीवन बीमा | २६० | ०.३० | १५०१ | ०.२६ |
| जम्मा | ८६४०९ | १००.०० | ५८१३९५ | १००.०० |

स्रोत: विमा प्राधिकरण, सुदूरपश्चिम प्रदेश, २०८३

* २०८२ चैत्र मसान्तसम्म

४.३८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा निर्जीवन बीमातर्फ मोटर विमालेखबाट रु. ३९ करोड ९१ को आम्दानी भएको छ भने सम्पत्ति बीमालेखबाट रु. २४ करोड ८७ लाखको आम्दानी भई कुल आम्दान रु. ८४ करोड ३३ लाख रहेको छ।

तालिका ४-१२ निर्जीवन बीमालेख तर्फको आम्दानी (रु. लाखमा)

| निर्जीवन बीमाका प्रकार (पोर्टफोलियो) | बीमा शुल्क संकलन (रु.लाखमा) | प्रतिशत |
|---|-----------------------------|---------|
| सम्पत्ति बीमा | २४८७ | २९.४९ |
| सामून्द्रिक बीमा | १४० | १.६६ |
| मोटर बीमा | ३९९१ | ४७.३३ |
| इन्जिनियरिङ तथा ठेकेदारको सम्पूर्ण जोखिम बीमा | ११११ | १३.१७ |
| विविध | २९७ | ३.५२ |
| कृषि, पशुपन्छी तथा जडीबुटी बीमा | ४०३ | ४.७८ |
| लघु बीमा | ४ | ०.०५ |
| जम्मा | ८४३३ | |

स्रोत: विमा प्राधिकरण, सुदूरपश्चिम प्रदेश, २०८३

४.३९. जिल्लागत रूपमा बीमालेखको आम्दानी हेर्दा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म जीवन बीमा शुल्क सङ्कलनको ५१.९८ प्रतिशत कैलाली जिल्लामा २६.४२ प्रतिशत कञ्चनपुर जिल्लामा र सबै भन्दा कम १.८० प्रतिशत बाजुरा जिल्लामा रहेको छ। यसैगरी, निर्जीवन विमाशुल्क सङ्कलनको भार कैलाली जिल्लामा ७०.४७ प्रतिशत कञ्चनपुर जिल्लामा २०.३७ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका ४-१३ बीमालेखको जिल्लागत आम्दानी (रु. लाखमा)

| जिल्ला | जीवन बीमाशुल्क संकलन | | | निर्जीवन बीमाशुल्क संकलन | | |
|--------|----------------------|------------|------|--------------------------|------------|------|
| | २०८१/८२ | २०८२ चैत्र | भार | २०८१/८२ | २०८२ चैत्र | भार |
| अछाम | ४०२१ | ३३९४ | ३.९३ | २४३ | १७७ | २.०९ |

| जिल्ला | जीवन बीमाशुल्क संकलन | | | निर्जीवन बीमाशुल्क संकलन | | |
|-----------|----------------------|------------|-------|--------------------------|------------|-------|
| | २०८१/८२ | २०८२ चैत्र | भार | २०८१/८२ | २०८२ चैत्र | भार |
| बैतडी | २५७० | २२१० | २.५६ | २७ | १६ | ०.१९ |
| बझाङ | २६१९ | २०६२ | २.३९ | ७५ | ६२ | ०.७४ |
| बाजुरा | १७८७ | १५५३ | १.८० | ९६ | ४९ | ०.५८ |
| डडेल्धुरा | ६४५८ | ४९५९ | ५.७४ | ५२० | ३५२ | ४.१८ |
| दार्चुला | २८८३ | २४४७ | २.८३ | ० | ० | ०.०० |
| डोटी | २४५२ | २०६५ | २.३९ | १७६ | ११५ | १.३७ |
| कैलाली | ५८९७९ | ४४८९६ | ५१.९५ | ७७४३ | ५९४४ | ७०.४७ |
| कञ्चनपुर | २९६४५ | २२८२८ | २६.४२ | २३०० | १७१८ | २०.३७ |
| जम्मा | १११४१५ | ८६४१४ | | १११८० | ८४३४ | |

स्रोत: विमा प्राधिकरण, सुदूरपश्चिम प्रदेश, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

पुँजी बजार

- ४.४०. सूचना प्रविधिको पहुँच वृद्धिसँगै प्रदेशमा शेयरको सक्रिय कारोबार गर्नेको संख्यामा समेत बढोत्तरी हुँदै गएको छ। प्रदेशमा डिम्याट खाता खोल्ने संख्या बढ्दो क्रममा रहेको छ।
- ४.४१. सिडिएस एण्ड क्लियरिङ लिमिटेडको तथ्याङ्क अनुसार प्रदेशका नागरिकहरूबाट २०८२ चैत्र मसान्तसम्म नयाँ डिम्याट खाताहरू खोलिएको छ भने यस अवधिसम्मको कुल खाता संख्या वृद्धि भएको छ। प्रदेशमा खोलिएका डिम्याट खातामध्ये कैलालीका नागरिकको ३७.१० प्रतिशत, कञ्चनपुरको १८.२० प्रतिशत र बैतडीको ९.९८ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका ४-१४ डिम्याट खाताको विवरण

| जिल्ला | २०८०/८१ सम्म | २०८१/८२ | २०८२/८३* | जम्मा | भार (प्रतिशतमा) |
|-----------|-----------------|---------|----------|--------|-----------------|
| बाजुरा | ११४४१ | १८०१ | २९५२ | १६१९४ | ३.४१ |
| बझाङ | १९१६६ | ३१७९ | ८६७६ | ३१०२१ | ६.७२ |
| अछाम | २६५१८ | ३८०८ | ५७४२ | ३६०६८ | ७.८१ |
| डोटी | १४८५२ | २३५१ | ३४१२ | २०६१५ | ४.४६ |
| कैलाली | १२८६२८ | १६२३४ | २६४५२ | १७१३१४ | ३७.१० |
| दार्चुला | २०७१७ | ३२२५ | ५०९५ | २९०३७ | ६.२९ |
| बैतडी | ३३४३९ | ५११६ | ७५१३ | ४६०६८ | ९.९८ |
| डडेल्धुरा | २०२९९ | २९३७ | ४२१८ | २७४५४ | ५.९४ |

बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

| जिल्ला | २०८०/८१ सम्म | २०८१/८२ | २०८२/८३* | जम्मा | भार (प्रतिशतमा) |
|----------|-----------------|---------|----------|--------|-----------------|
| कञ्चनपुर | ५३५३० | १२०९८ | १८४०६ | ८४०३४ | १८.२० |
| जम्मा | ३२८५९० | ५०७४९ | ८२४६६ | ४६१८०५ | १०० |

स्रोत: सिडिएस एण्ड क्लियरिङ लिमिटेड, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

५. गरिबी निवारण र रोजगारी

गरिबी निवारण

- ५.१. प्रदेश सरकारहरूले स्थानीय स्रोत र साधनको अधिकतम परिचालन गरी गरिबी निवारण र रोजगारी सिर्जनालाई आफ्नो मुख्य प्राथमिकता बनाएको छ। प्रत्येक प्रदेशको भौगोलिक र प्राकृतिक बनावट फरक फरक भएकाले प्रादेशिक विशेषताका आधारमा कृषि, पर्यटन, जलविद्युत, र साना तथा मझौला उद्योगहरूको प्रवर्द्धन गर्ने नीति लिइएको छ। मुख्यमन्त्री रोजगार कार्यक्रम जस्ता योजनाहरू मार्फत स्थानीय स्तरमा रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गरी युवा जनशक्ति पलायन हुने क्रमलाई रोक्ने प्रयास भइरहेका छन्। यसका साथै, प्रदेशका विपन्न तथा पिछडिएका वर्गलाई लक्षित गरी सीपमूलक तालिम, सहूलियतपूर्ण कर्जा, र उद्यमशीलता विकासका कार्यक्रमहरू सञ्चालन भइरहेका छन्, जसले नागरिकको आयआर्जनमा सुधार ल्याई प्रादेशिक गरिबी न्यूनीकरण र सन्तुलित आर्थिक विकासमा महत्त्वपूर्ण योगदान पुऱ्याउने देखिन्छ।
- ५.२. उच्च पहाडी एवम् हिमाली क्षेत्रका मानव विकास सूचकाङ्कमा तुलनात्मक रूपमा पछाडि परेका स्थानीय तहमा स्वरोजगार तथा आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिएका छन्।
- ५.३. प्रदेश सरकारबाट दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप गरिबीको अन्त्यका लागि यस आर्थिक वर्षमा विनियोजन भएको रु. २ अर्ब ८ करोड ४४ लाख मध्ये पुस मसान्तसम्म रु. १४ करोड ६५ लाख खर्च भई सकेको छ। गत आर्थिक वर्ष खर्चको प्रगति ७.०३ प्रतिशत रहेको थियो।

तालिका ५-१ दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप गरिबीको अन्त्य तर्फ विनियोजना र खर्च (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | विनियोजन | खर्च | खर्च प्रगति (प्रतिशत) |
|-------------|----------|-------|-----------------------|
| २०७९/८० | २२३५९ | १४०९० | ६३.०२ |
| २०८०/८१ | १५४९३ | ९२७३ | ५९.८५ |
| २०८१/८२ | १६४०९ | १४२६ | ८.६९ |
| २०८२/८३* | २०८४४ | १४६५ | ७.०३ |

स्रोत: आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३ *पुस मसान्तसम्म

स्वरोजगार विकास कोष

- ५.४. गरिबीको रेखामुनि रहेका वर्ग र समुदायका स्वरोजगार बन्न चाहने युवाहरूलाई विशेष प्राथमिकता दिई सीपमूलक तालिम तथा सहूलियत व्याज दरमा कर्जा प्रदान

गरी स्वरोजगार र उद्यमशिल बन्न प्रेरित गर्ने उद्देश्यका साथ सुदूरपश्चिम प्रदेश स्वरोजगार विकास कोषले कार्य गर्दै आईरहेको छ।

- ५.५. कोषको चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्मको मौज्जात रु. ६७ करोड ३ लाख रहेको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म कोषको ऋण असुली रु. १० करोड ४९ लाख सङ्कलन भएको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा निक्षेपमा प्राप्त व्याज आम्दानी रु. १ करोड १७ लाख रहेको छ।

तालिका ४-२ स्वरोजगार विकास कोषको कारोबारको अवस्था (रकम रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | कोषको मौज्जात | लगानी | असुली | व्याज आम्दानी |
|-------------|---------------|---------|---------|---------------|
| २०७८/७९ | १००००.०० | | | |
| २०७९/८० | ९७११.१९ | १०३०.०० | १.८० | ७३९.३९ |
| २०८०/८१ | ६५८९.६२ | ३६३८.७५ | २६०.२९ | २५६.८९ |
| २०८१/८२ | ६५१५.८५ | १३६०.५० | ११६६.४९ | १२०.२५ |
| २०८१/८२ | ६५८९.६२ | १३६०.५० | १३२२.८८ | १५१.६८ |
| २०८२/८३ * | ६७०३.६८ | ० | १०४९.५१ | ११६.५५ |

स्रोत: स्वरोजगार विकास कोष, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

रोजगार मुलक सीप बिकास कार्यक्रम

- ५.६. सुदूरपश्चिम प्रदेश स्वरोजगार विकास कोषबाट चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सञ्चालित ४ वटा स्वरोजगार उन्मुख व्यवसायिक र सिपमुलक तालिमबाट प्रदेशका ६८४ जना प्रशिक्षार्थीहरु लाभान्वित भएका छन्। गत आर्थिक वर्षमा कोषले सञ्चालन गरेका यस्ता ४ वटा तालिमबाट १ हजार २ सय ७५ जना लाभान्वित भएका थिए।

तालिका ५-३ २०८१/८२ र २०८२ चैत्र मसान्तसम्म स्वरोजगार विकास कोषबाट सञ्चालित तालिम सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | तालिमको नाम | तालिम संख्या | सहभागी संख्या | | |
|---|--|--------------|---------------|-------|-------|
| | | | महिला | पुरुष | जम्मा |
| आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ मा सञ्चालित तालिमहरु | | | | | |
| १ | व्यावसायिक/सिपमुलक तालिमहरु | ९ | १४५ | ११५ | २६० |
| २ | थोक कर्जा अनुशिक्षण कार्यक्रम | ६ | ६० | ११२ | १७२ |
| ३ | स्वरोजगार साक्षरता सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम | २१ | ४९३ | ३२९ | ८२२ |
| ४ | कोष र पत्रकार विच साक्षात्कार कार्यक्रम | १ | ३ | १८ | २१ |
| जम्मा | | ३७ | ७०१ | ५७४ | १२७५ |
| आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ मा सञ्चालित तालिमहरु | | | | | |

| क्र.सं. | तालिमको नाम | तालिम संख्या | सहभागी संख्या | | |
|---------|--|--------------|---------------|-------|-------|
| | | | महिला | पुरुष | जम्मा |
| १ | कर्जा प्रक्रिया सम्बन्धी अभिमुखीकरण गोष्ठी | ३ | ९९ | १६ | ११५ |
| २ | व्यावसायिक/सिपमुलक तालिमहरु | ५ | २६ | १२३ | १४९ |
| ३ | कोषको आवश्यकता अनुसार सञ्चालन गरिने गोष्ठी | ३ | ५० | ६५ | ११५ |
| ४ | स्वरोजगार साक्षरता सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम | ८ | १९८ | १०७ | ३०५ |
| जम्मा | | १९ | ३७३ | ३११ | ६८४ |

स्रोत: स्वरोजगार विकास कोष, २०८३

५.७. यसैगरी स्वरोजगार विकास कोषबाट कर्जा प्रवाह गर्न वित्तीय मध्यस्थता गर्ने सहकारी संस्थाहरुलाई कर्जा सम्झौता स्वरोजगारजन्य लघु व्यावसाय छनौट स्वरोजगार साक्षरता र थोक कर्जा सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रमहरु सञ्चालन हुँदै आएको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १४ अभिमुखीकरण कार्यक्रमबाट ५३५ जना लाभान्वित भएका छन्। गत आर्थिक वर्षमा १४ वटा अभिमुखीकरण तालिमबाट ९९४ जना लाभान्वित भएको थिए ।

तालिका ४-४ २०८१/८२ र २०८२ चैत्र मसान्तसम्म कोषबाट वित्तीय मध्यस्थता गर्ने सहकारीहरुलाई प्रदान गरिएको अभिमुखीकरण कार्यक्रम र लाभान्वित संख्या

| क्र.सं. | तालिमको नाम | तालिम संख्या | सहभागी संख्या | | |
|---|--|--------------|---------------|-------|-------|
| | | | महिला | पुरुष | जम्मा |
| आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ मा सञ्चालित तालिमहरु | | | | | |
| १ | थोक कर्जा अनुशिक्षण कार्यक्रम | ६ | ६० | ११२ | १७२ |
| २ | स्वरोजगार साक्षरता सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम | २१ | ४९३ | ३२९ | ८२२ |
| आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ मा सञ्चालित तालिमहरु | | | | | |
| १ | कर्जा प्रक्रिया सम्बन्धी अभिमुखीकरण गोष्ठी | ३ | ९९ | १६ | ११५ |
| २ | कोषको आवश्यकता अनुसार सञ्चालन गरिने गोष्ठी | ३ | ५० | ६५ | ११५ |
| ३ | स्वरोजगार साक्षरता सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम | ८ | १९८ | १०७ | ३०५ |

स्रोत: स्वरोजगार विकास कोष, २०८३

योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा

५.८. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सामाजिक सुरक्षा कोषमा ६७ जना रोजगारदाता र १ हजार ५४७ जना योगदानकर्ता थप भई कुल रोजगारदाताको संख्या ३८० पुगेको छ भने कुल योगदानकर्ताको संख्या २३ हजार २१० पुगेको छ। सुदूरपश्चिम प्रदेशमा सामाजिक सुरक्षा कोषमा आबद्ध भएका योगदानकर्ताको संख्या नेपालको कुल योगदानकर्ता संख्या ६ लाख ८५

हजार ४८७ को तुलनामा ०.६१ प्रतिशत मात्र रहेको छ। गत आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा यस्तो अनुपात ०.५ रहेको थियो।

- ५.९. प्रदेशगत रूपमा हेर्दा सामाजिक सुरक्षा कोषमा आवद्ध भएका रोगदारदाता सबैभन्दा बढी बागमती प्रदेशमा १५ हजार २७० रहेको छ भने सबैभन्दा कम कर्णाली प्रदेशमा ३१४ रहेको छ।

तालिका ५-५ सामाजिक सुरक्षा कोषमा आवद्ध भएका रोजगारदाता तथा योगदानकर्ता सम्बन्धी विवरण (संख्यामा)

| आर्थिक वर्ष | सूचीकृत रोजगारदाता | सूचीकृत योगदानकर्ता |
|-----------------------------|--------------------|---------------------|
| २०७५/७६ | ५० | ० |
| २०७६/७७ | ८४ | ५९२ |
| २०७७/७८ | ७३ | ५१९ |
| २०७८/७९ | ४३ | २०६ |
| २०७९/८० | १५ | ३१५ |
| २०८०/८१ | १८ | ५१७ |
| २०८१/८२ | ३० | ४९८ |
| २०८२/८३* | ६७ | १५४७ |
| जम्मा (सुदूरपश्चिम प्रदेश) | ३८० | ४१९४ |
| जम्मा (नेपाल) | २३२१० | ६८५४८७ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

* फागुन मसान्तसम्म

राष्ट्रिय रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम

- ५.१०. राष्ट्रिय रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को फागुनसम्म ७५३ स्थानीय तहमा ७ लाख ९७ हजार ७ सय २५ बेरोजगार व्यक्ति सूचीकृत भएका छन्। सूचीकृतमध्ये ५५ हजार १५१ व्यक्ति रोजगारीमा संलग्न भई औसत ७१.७८ दिन वरावरको रोजगारी प्राप्त गरेका छन्। सुदूरपश्चिम प्रदेशमा यस कार्यक्रम अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को फागुन मसान्तसम्म ८८ स्थानीय तहका सूचीकृतमध्ये ७ हजार जना रोजगारीमा संलग्न भएका छन्। सुदूरपश्चिम प्रदेशको औसत रोजगारी प्राप्त गरेका दिन ७८.५ रहेको छ।

तालिका ५-६ राष्ट्रिय रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रमबाट सिर्जित रोजगारीको विवरण

| | स्थानीय तहको संख्या | आयोजना प्रविष्ट गरेका स्थानीय तहको संख्या | आयोजना संख्या | रोजगारीमा संलग्न भई भुक्तानी प्राप्त व्यक्तिको संख्या | कुल रोजगारी प्रदान गरिएको दिन | प्रदान गरिएको औसत दिन |
|---------------------|---------------------|---|---------------|---|-------------------------------|-----------------------|
| सुदूर पश्चिम प्रदेश | ८८ | ८७ | १४४६ | ७००० | ५४९५७२ | ७८.५ |
| नेपाल | ७५३ | ७३६ | १०३३८ | ५५१५१ | ३९५८७८२ | ७१.८ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

*फागुन मसान्तसम्मको

६. कृषि वन तथा भूमिसुधार

कृषि क्षेत्र

- ६.१. प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको प्रमुख स्रोतको रूपमा कृषि क्षेत्र रहेको छ। प्रदेशमा विशेष गरी अन्नबाली, माछामासु, फलफूल, मसला तथा जडीबुटी र नगदे बालीको प्रचुर सम्भावनाहरू रहेको छ। तर सिंचाईको अभाव, जलवायु परिवर्तन, आधुनिक कृषि प्रविधिको पहुँचमा कमी, भण्डारण तथा बजारसम्मको सहज पहुँचको कठिनाई र विउ मलको अभाव जस्ता चुनौतीहरूले कृषि क्षेत्रको विकासलाई बाधा पुऱ्याएको छ।
- ६.२. चालु आर्थिक वर्षमा संघीय सरकारबाट तोकिएको न्यूनतम समर्थन मूल्यमा केही वृद्धि भएको छ। प्रति क्विन्टल उखु रु. ६२०, मोटा धानको रु. ३ हजार ४ सय ६३ पैसा ८१, मध्यम धानको रु. ३ हजार ६ सय २८ पैसा ३३, चैते धानको रु. २ हजार ८ सय ५६ पैसा ४९ र गहुँको रु. ३ हजार ९ सय ४५ पैसा ४९ न्यूनतम समर्थन मूल्य रहेको छ। गत आर्थिक वर्षको तुलनामा उखु र गहुँको मूल्यमा क्रमशः ५.९८ प्रतिशत र २.०२ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।

तालिका ५-१ न्यूनतम समर्थन मूल्य (रुपैयाँ प्रति क्विन्टल)

| बाली | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* | वृद्धिदर (२०८१/८२) |
|-----------|---------|---------|----------|----------|-----------------------|
| उखु | ६१० | ६३५ | ५८५.०० | ६२० | ५.९८ |
| मोटा धान | २९६७ | ३१९८ | ३,४१०.५१ | ३,६६३.८१ | १.५६ |
| मध्यम धान | ३१२८ | ३३६२ | ३,५८०.६२ | ३,६२८.३३ | १.३३ |
| चैते धान | - | २७०७.२८ | २,८००.६९ | २,८५६.४९ | १.९९ |
| गहुँ | ३३५१ | ३६५० | ३,८६७.३८ | ३,९४५.४९ | २.०२ |

स्रोत: कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय २०८३ * चैत्र मसान्तसम्म

खाद्यान्न बालीको उत्पादनको स्थिति

- ६.३. प्रदेशको प्रमुख खाद्यान्न बालीमा धान, गहुँ, मकै, कोदो, जौ र फापर रहेका छन्। चालु आर्थिक वर्षमा प्रदेशमा मकै, कोदो र फाँपरको उत्पादनमा वृद्धि देखिएको छ।
- ६.४. प्रदेशमा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म १ लाख ५२ हजार हेक्टरमा धान बाली खेती भई ६ लाख २० हजार मेट्रिक टन उत्पादन भएको अनुमान छ। यसैगरी, गहुँ १ लाख ३२ हजार हेक्टरमा धान बाली खेती भएको, मकै ३९ हजार हेक्टर क्षेत्रफलमा खेती भई १ लाख १० हजार मेट्रिक टन, कोदो १५ हजार हेक्टरमा खेती भई १९ हजार मेट्रिक टन, जौ ४ हजार हेक्टर क्षेत्रफलमा

खेती भई ४ हजार मेट्रिक टन र फापर ६५ हजार हेक्टर क्षेत्रफलमा खेती भई ५० हजार मेट्रिक टन उत्पादन भएको अनुमान छ।

तालिका ६-२ खाद्यान्न बाली उत्पादनको अवस्था (क्षेत्रफल हजार हेक्टरमा र उत्पादन हजार मेट्रिक टनमा)

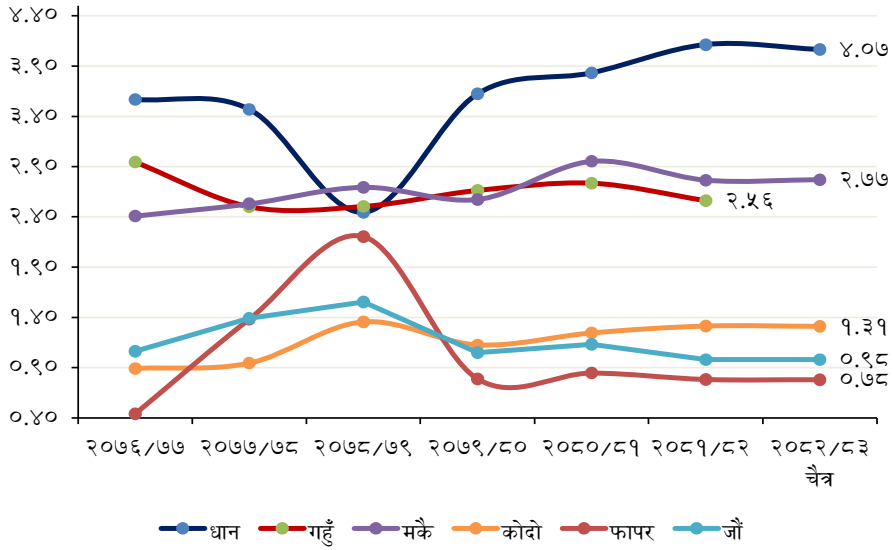
| बाली | विवरण | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------|------------|---------|---------|---------|---------------|
| धान | क्षेत्रफल | १६२.५२ | १५६.२९ | १५४.६६ | १५२.५४ |
| | उत्पादन | ५८९.२२ | ५९९.१२ | ६३६.२१ | ६२०.१४ |
| | उत्पादकत्व | ३.६३ | ३.८३ | ४.११ | ४.०७ |
| गहुँ | क्षेत्रफल | १३३.५८ | १२८.६१ | १३२.७५ | १३२.७० |
| | उत्पादन | ३५५.५७ | ३५१.६१ | ३४०.११ | प्राप्त नभएको |
| | उत्पादकत्व | २.६६ | २.७३ | २.५६ | प्राप्त नभएको |
| मकै | क्षेत्रफल | ३९.४४ | ४१.२४ | ३९.७५ | ३९.८६ |
| | उत्पादन | १०१.४६ | १२१.७४ | १०९.८९ | ११०.४० |
| | उत्पादकत्व | २.५७ | २.९५ | २.७६ | २.७७ |
| कोदो | क्षेत्रफल | १२.५१ | १४.५२ | १४.२२ | १५.२३ |
| | उत्पादन | १४.०८ | १८.०८ | १८.६७ | १९.९४ |
| | उत्पादकत्व | १.१३ | १.२४ | १.३१ | १.३१ |
| जौ | क्षेत्रफल | ५.१९ | ६.७१ | ४.७१ | ४.६७ |
| | उत्पादन | ५.४४ | ७.६० | ४.६१ | ४.५८ |
| | उत्पादकत्व | १.०५ | १.१३ | ०.९८ | ०.९८ |
| फापर | क्षेत्रफल | ०.०९ | ०.१७ | ६३.०० | ६५.०० |
| | उत्पादन | ०.०७ | ०.१४ | ४९.२२ | ५०.७० |
| | उत्पादकत्व | ०.७९ | ०.८५ | ०.७८ | ०.७८ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

६.५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा धान, मकै, कोदो, जौ र फापरको उत्पादकत्व क्रमशः ४.०७, २.७७, १.३१, ०.९८, र ०.७८ मेट्रिक टन प्रति हेक्टर हुने अनुमान रहेको छ। गत आर्थिक वर्षमा प्रदेशका प्रमुख खाद्यान्न बाली धान, गहुँ, मकै, कोदो, जौ र फापरको उत्पादकत्व प्रति हेक्टर क्रमशः ४.११, २.५६, २.७६, १.३१, ०.९८ र ०.७८ मेट्रिक टन रहेको थियो।

चित्र ६-१ प्रमुख खाद्यान्न बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर)



स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

नगदे बालीको उत्पादनको स्थिति

६.६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा आलु, तेलहन, तरकारी, फलफूल, उखुको उत्पादन क्रमशः २ लाख ९० हजार मेट्रिक टन, २३ हजार मेट्रिक टन, ३ लाख १ हजार मेट्रिक टन, ९८ हजार मेट्रिक टन, ३ लाख ६४ हजार मेट्रिक टन भएको अनुमान छ।

तालिका ६-३ नगदे बालीको उत्पादनको स्थिति (क्षेत्रफल हजार हेक्टरमा उत्पादन हजार मेट्रिक टनमा)

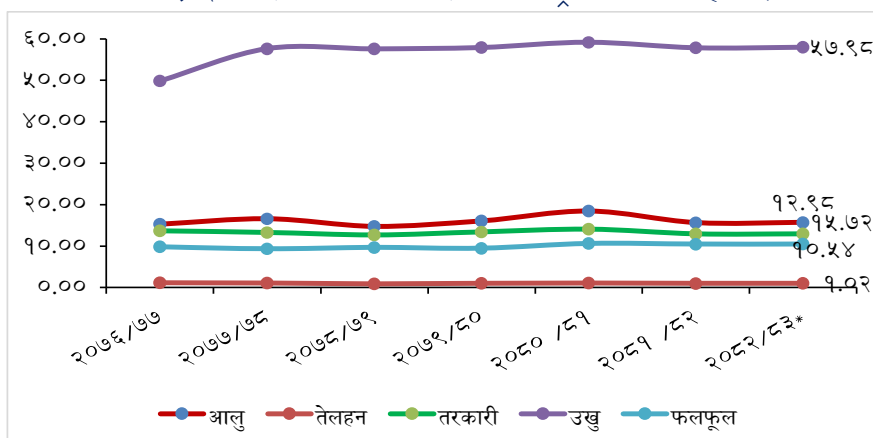
| बाली | आर्थिक वर्ष | २०१९/२० | २०२०/२१ | २०२१/२२ | २०२२/२३* |
|--------|-------------|---------|---------|---------|----------|
| आलु | क्षेत्रफल | १४.३ | १५.९ | १८३.०१ | १८.४८ |
| | उत्पादन | २३०.४ | २९२.५ | २८७.१० | २९०.४३ |
| | उत्पादकत्व | १६.०९ | १८.४४ | १५.६९ | १५.७२ |
| तेलहन | क्षेत्रफल | २३.५ | २४.१ | २३.२४ | २३.२० |
| | उत्पादन | २४.० | २६.५ | २३.४४ | २३.६६ |
| | उत्पादकत्व | १.०२ | १.१० | १.०१ | १.०२ |
| तरकारी | क्षेत्रफल | २१.५ | २३.३ | २३.०७ | २३.२० |
| | उत्पादन | २८९.० | ३२८.१ | २९८.७५ | ३०१.१६ |
| | उत्पादकत्व | १३.४४ | १४.०८ | १२.९५ | १२.९८ |
| फलफूल | क्षेत्रफल | १०.६ | १३.० | ९.१४ | ९.३३ |
| | उत्पादन | १००९७४ | १०६.८ | ९५.८९ | ९८.२९ |

| बालि | आर्थिक वर्ष | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------|-------------|---------|---------|---------|----------|
| उखु | उत्पादकत्व | ९.५१ | १०.६७ | १०.४९ | १०.५४ |
| | क्षेत्रफल | ६.२ | ६.८ | ६.२६ | ६.२९ |
| | उत्पादन | ३५९.४ | ४०५.३ | ३६१.८८ | ३६४.६९ |
| | उत्पादकत्व | ५७.९४ | ५९.२२ | ५७.८५ | ५७.९८ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३ *चैत्र मसान्तसम्मको

६.७. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा आलु, तेलहन, तरकारी, फलफुल, उखुको उत्पादकत्व क्रमशः १५.७२, १.०२, १२.९८, १०.५४ र ५७.९८ मेट्रिक टन प्रति हेक्टर रहने अनुमान गरिएको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा आलु, तेलहन, तरकारी, फलफुल र उखुको उत्पादकत्व क्रमशः १५.६९, १.०१, १२.९५, १०.४९ र ५७.८५ मेट्रिक टन प्रति हेक्टर रहेको थियो।

चित्र ५-२ नगदे बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर)



स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

दलहन बालीको उत्पादनको स्थिति

६.८. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा प्रदेशमा मास, मसुरो र अरहरको उत्पादनमा न्यून वृद्धि भएको छ भने भटमासको उत्पादनमा हास आएको अनुमान छ।

तालिका ६-४ दलहन बालीको उत्पादनको स्थिति (क्षेत्रफल हेक्टरमा उत्पादन मेट्रिक टनमा)

| दलहन | विवरण | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-------|------------|---------|---------|---------|----------|
| भटमास | क्षेत्रफल | ६३७८ | २८१४ | ५६३८.०० | ५५२०.०० |
| | उत्पादन | ९३८० | ३१२३ | ८७०५.८३ | ८६११.२० |
| | उत्पादकत्व | १.४७ | १.११ | १.५४ | १.५६ |
| मास | क्षेत्रफल | ३११२ | २०४८ | ३१११.०० | ३१२५.०० |
| | उत्पादन | २७८० | १८०६ | २८४३.७४ | २८७५.०० |
| | उत्पादकत्व | ०.८९ | ०.८८ | ०.९१ | ०.९२ |

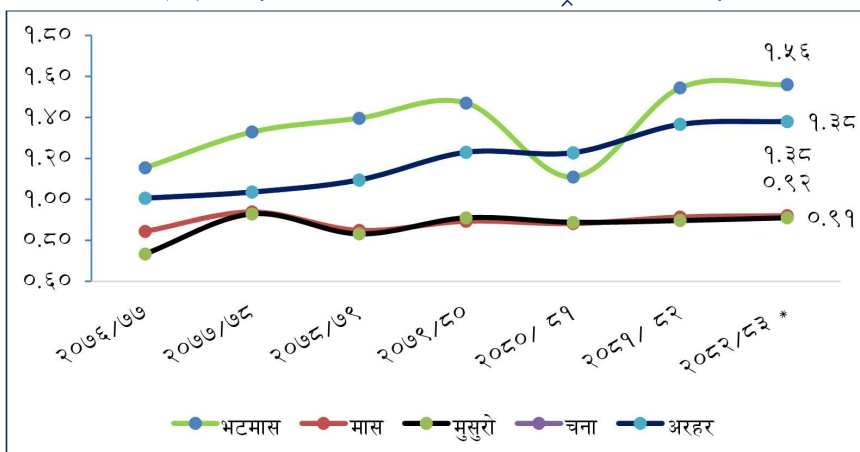
| दलहन | विवरण | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|--------|------------|---------|---------|----------|----------|
| मुसुरो | क्षेत्रफल | १५८०७ | १२८७१ | १५९४१.५२ | १५९९४.०० |
| | उत्पादन | १४३३७ | ११४२९ | १४२८९.४५ | १४५५४.५४ |
| | उत्पादकत्व | ०.९१ | ०.८९ | ०.९० | ०.९१ |
| चना | क्षेत्रफल | ११३२ | २७ | १८२.१७ | १७६.०० |
| | उत्पादन | १३९२ | ३३ | २२३.२७ | २२०.०० |
| | उत्पादकत्व | १.२३ | १.२३ | १.२३ | १.२५ |
| अरहर | क्षेत्रफल | १४३ | ७८ | १८२.१३ | १८७.०० |
| | उत्पादन | २१५ | ११९ | २४८.८० | २५८.०६ |
| | उत्पादकत्व | १.५ | १.५३ | १.३७ | १.३८ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

६.९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म भटमास, मास, मुसुरो, चना र अरहरको उत्पादकत्वमा सामान्य सुधार आई क्रमशः १.५६, ०.९२, ०.९१, १.२५ र १.३८ मेट्रिक टन प्रति हेक्टर रहेको अनुमान रहेको छ।

चित्र ५-३ दलहन बालीको उत्पादकत्व (मेट्रिक टन प्रति हेक्टर)



स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

मसला बालीको उत्पादनको स्थिति

६.१०. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा उत्पादनको दृष्टिले मसलाको खेती डोटी र कैलाली जिल्लामा बढी हुने गरेको छ। कुल उत्पादनको ४०.८१ प्रतिशत डोटी र २७.८७ प्रतिशत कैलाली जिल्लामा हुने गरेको छ भने सबै भन्दा कम उत्पादन २.१० प्रतिशत अछाम जिल्लामा हुने गरको छ।

तालिका ५-५ जिल्लागत मसला उत्पादनको अवस्था (उत्पादकत्व मेट्रिक टन प्रति हेक्टरमा)

| जिल्ला | २०८१/०८२ | | | | २०८२/८३ * | | | |
|----------|--------------------|----------------------|------------|-------------------------|--------------------|----------------------|------------|-------------------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मेट्रिक टन) | उत्पादकत्व | उत्पादन अंश (प्रतिशतमा) | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मेट्रिक टन) | उत्पादकत्व | उत्पादन अंश (प्रतिशतमा) |
| बाजुरा | १६८.५० | १४१७.८३ | ८.४१ | ३.०८ | १६०.५० | १३९८.०० | ८.७१ | ३.०० |
| बझाङ | १७८.०० | १७०९.८० | ९.६१ | ३.७१ | १७५.०० | १७०८.०० | ९.७६ | ३.६६ |
| दार्चुला | २९५.०० | २३२४.७१ | ७.८८ | ५.०४ | २८१.०० | २३३०.०० | ८.२९ | ४.९९ |
| अछाम | १३६.९० | ९९५.४७ | ७.२७ | २.१६ | १३६.०० | ९७८.०० | ७.१९ | २.१० |
| डोटी | १४९८.०० | १९०४३.५६ | १२.७१ | ४१.३२ | १४०९.०० | १९०३९.०० | १३.५१ | ४०.८१ |
| बैतडी | ६३७.०० | ४७७७.०० | ७.५० | १०.३७ | २५६.०० | १५५७.०० | ६.०८ | ३.३४ |
| डडेलधुरा | १४८.०० | १७२३.०० | ११.६४ | ३.७४ | १५७.०० | १८२२.०० | ११.६१ | ३.९१ |
| कैलाली | १२९२.०० | १२६५९.६० | ९.८० | २७.४७ | १३२१.०० | १३००४.०० | ९.८४ | २७.८७ |
| कञ्चनपुर | ११५५.०० | १०९१४.७५ | ९.४५ | २३.६८ | ५१९.०० | ४८२१.०० | ९.२९ | १०.३३ |
| जम्मा | ४४८९.४० | ४६०८६.३७ | १०.२७ | १००.०० | ४४१४.५० | ४६६५७.०० | १०.५७ | १००.०० |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

६.११. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा ४ हजार ४ सय १४ हेक्टर क्षेत्रफलमा विभिन्न प्रजातिका मसाला खेती लगाइएकोमा ४६ हजार ६ सय ५७ मेट्रिक टन उत्पादन भएको थियो। प्रदेशमा मसलाको उत्पादकत्व १०.५७ मेट्रिक टन प्रति हेक्टर रहेको अनुमान छ।

तालिका ६-६ मसला बालीको उत्पादनको स्थिती (उत्पादकत्व मेट्रिक टन प्रति हेक्टरमा)

| मसला प्रजाती | २०८१/०८२ | | | २०८२/८३ * | | |
|-----------------|--------------------|----------------------|------------|--------------------|----------------------|------------|
| | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मेट्रिक टन) | उत्पादकत्व | क्षेत्रफल (हेक्टर) | उत्पादन (मेट्रिक टन) | उत्पादकत्व |
| ठुलो सुकमेल | ११.५० | १४.४६ | १.२६ | ११.५० | १५.०० | १.३० |
| अदुवा | १५५८.२५ | २१७९६.०५ | १३.९९ | १६०१.०० | २२२५८.०० | १३.९० |
| लसुन | १११७.५० | ९४८०.२९ | ८.४८ | ११५६.०० | ९८४६.०० | ८.५२ |
| बेसार | ११००.०० | १२५११.७७ | ११.३७ | ११२२.०० | १२८४४.०० | ११.४५ |
| सुख्खा खुर्सानी | ७०२.१५ | २२८३.८० | ३.२५ | ५२४.०० | १६९४.०० | ३.२३ |
| जम्मा | ४४८९.४० | ४६०८६.३७ | १०.२७ | ४४१४.५० | ४६६५७.०० | १०.५७ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

मह

६.१२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा महको उत्पादनको हिसाबले सबै भन्दा बढी डडेलधुरा, कैलाली जिल्लामा क्रमशः १ लाख ७ हजार ५ सय २० किलोग्राम र ७५ हजार किलोग्राम उत्पादन हुने गरेको छ, भने सबै भन्दा कम बाजुरा जिल्लामा २० किलोग्राम हुने गरेको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा ३८ हजार ७ सय १५ घारबाट २ लाख ६५ हजार २ सय ६० किलोग्राम महको उत्पादन भएको अनुमान छ।

तालिका ५-७ जिल्लागत मह उत्पादनको अवस्था (उत्पादकत्व किलोग्राममा)

| जिल्ला | २०८१/८२ | | २०८२/८३ * | |
|----------|----------------|--------------------|----------------|--------------------|
| | कुल घार संख्या | मह उत्पादन(के.जी.) | कुल घार संख्या | मह उत्पादन(के.जी.) |
| कैलाली | २८०० | ७०००० | ३००० | ७५००० |
| कञ्चनपुर | ३०७ | ३६८४ | ४५० | ५४०० |
| अछाम | १५४९ | १७१६५ | १६०० | १७५०० |
| डोटी | ३८०० | २२०४० | ३८५० | २२३३० |
| डडेलधुरा | १२८०० | १०२४०० | १४३०० | १०७५२० |
| बैतडी | ३२४० | १९८०० | ३४१५ | २०४९० |
| बाजुरा | ३८५० | २० | ३९०० | २० |
| बझाङ | २००० | २०००० | २२०० | ११००० |
| दार्चुला | ५८०० | ५८०० | ६००० | ६००० |
| जम्मा | ३६१४६ | २६०९०९ | ३८७१५ | २६५२६० |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

पशुपन्छीजन्य पदार्थ (मासु) को उत्पादन

६.१३. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा मासुको प्रमुख स्रोतका रूपमा राँगो/भैसी, कुखुरा र खसी/बोका रहेका छन्। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा मासुको कुल उत्पादन ४५ हजार २ सय २४ मेट्रिक टन भएको अनुमान रहेको छ, भने गत आर्थिक वर्ष यस्तो उत्पादन ४२ हजार ७ सय ९८ मेट्रिक टन रहेको छ।

६.१४. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म मासुको प्रति व्यक्ति उपलब्धता १६.७४ किलोग्राम रहेको अनुमान छ। गत आर्थिक वर्षमा यस्तो उपलब्धता १६ किलोग्राम रहेको छ।

तालिका ६-८ मासुको उत्पादन स्थिति (मेट्रिक टनमा)

| आर्थिक वर्ष | राँगो/ भैसी | खशी/बोका | भेडा | बंगुर | कुखुरा | हाँस | जम्मा |
|-------------|-------------|----------|------|-------|--------|------|-------|
| २०७९/८० | १८८२० | ५४४० | २५३ | ७९० | ८७३४ | १६ | ३४०५३ |

| आर्थिक वर्ष | रौंगो/ बैसी | खशी/वोका | भेडा | बंगुर | कुखुरा | हौंस | जम्मा |
|-------------|-------------|----------|------|-------|--------|------|-------|
| २०८०/८१ | १७९३२ | ८१३० | ३८६ | ३३८२ | १२५९४ | १८ | ४२४४३ |
| २०८१/८२ | १७८७६ | ८२२५ | ३७८ | ३६०५ | १२६९५ | १९ | ४२७९८ |
| २०८२/८३* | १७९९१ | ९४१५ | ३९१ | ३८०५ | १३६०१ | २१ | ४५२२४ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना (ब्लक विकास कार्यक्रम)

६.१५. प्रदेश सरकारबाट कार्यान्वयन हुने प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना (कृषि तर्फ ब्लक विकास कार्यक्रम) अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ४ वटा जिल्लामा ४ वटा कार्यक्रमहरू संचालनमा रहेका छन्।

तालिका ५-९ कृषि तर्फको ब्लक विकास कार्यक्रमको प्रमुख उपलब्धी

| जिल्ला | प्रमुख उपलब्धी/मुख्य गतिविधि |
|----------|--|
| बाजुरा | २० हे. मा ओखर र १३ हे. मा स्याउको बगैचा स्थापना, १ सिंचाई ट्यांकी निर्माण |
| बैतडी | कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न नसकिने |
| कञ्चनपुर | पुनर्वासमा ६० विधामा मकै खेती, मौसममा आधारित बीमा, मेशिनरी, स्यालो ट्यूबेलमा सहयोग, तालिम संचालन |
| कैलाली | कैलाली गाउँपालिकामा बगर खेती, स्यालो ट्यूबेल, सहयोग |

स्रोत: भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

६.१६. प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना (पशुपन्छी तर्फ ब्लक विकास कार्यक्रम) अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ब्लक विकास कार्यक्रमतर्फ बाखा र बोका वितरण खोर निर्माण र सुधार कार्यक्रममा केन्द्रित रहेको छ।

तालिका ५-१० पशुपन्छी तर्फको ब्लक विकास कार्यक्रमको प्रमुख उपलब्धी संख्या

| कार्यक्रम प्रकार | संख्या * |
|------------------|----------|
| बाखा वितरण | ३२२ |
| बोका वितरण | ९ |
| खोर निर्माण | २ |
| खोर सुधार | ५ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३ *चैत्र मसान्तसम्मको

पशुपन्छी स्वास्थ्य

६.१७. सम्बत् २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशका भेटेरीनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्रहरूबाट विविध पशु स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको छ। यस अवधिमा जम्मा ८४ हजार २१ गोटा पशुपन्छीलाई उपचार सेवा प्रदान गरिएको छ भने ४ हजार ४ सय ७ गोटा पशुहरूको नमुना प्रयोगशालामा परीक्षणको लागि संकलन गरिएको छ। उन्नत जातको पशु प्रजनन प्रवर्द्धनका लागि ४ हजार ५

सय ६० गाई, ३ हजार १ सय ७० भैंसी र १ सय ७८ बाखामा कृत्रिम गर्भाधान सेवा प्रदान गरिएको छ।

- ६.१८. रोग नियन्त्रण तथा रोकथामका लागि प्रदेशभर भेडाबाखामा पि.पि.आर. रोग विरुद्ध ९ लाख १४ हजार २०५ गोटा, खोरेत विरुद्ध ४ लाख ४६ हजार १५३ गोटा तथा गाईभैंसीमा लम्पिस्कन रोग विरुद्ध ५२ हजार ४६१ गोटा खोप लगाइएको छ। त्यस्तै क्लासिकल स्वाइन फिभर विरुद्ध १७४ गोटा सुंगुर/बंगुरमा र रेविज विरुद्ध १० हजार ५७ कुकुरमा खोप कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको छ।

तालिका ५-११ पशुपन्छी स्वास्थ्य सेवा समबन्धी विवरण

| सेवा/कार्यक्रम | २०८१/८२ | | २०८२/८३ * | |
|--|---------|---------|-----------|--------|
| | इकाई | परिमाण | इकाई | परिमाण |
| पशुपन्छी उपचार सेवा | संख्या | ६९२४७ | संख्या | ८४०२१ |
| प्रयोगशाला परीक्षणका लागि नमूना संकलन | संख्या | - | संख्या | ४०७ |
| कृत्रिम गर्भाधान-गाई | संख्या | २४११ | संख्या | ४५६० |
| कृत्रिम गर्भाधान-भैंसी | संख्या | १२४० | संख्या | ३१७० |
| कृत्रिम गर्भाधान-बाखा | संख्या | ११७ | संख्या | १७८ |
| पि.पि.आर. विरुद्ध खोप - भेडा/बाखा | डोज | १०९६२५० | डोज | ९१४२०५ |
| खोरेत विरुद्ध खोप - गाई/भैंसी | डोज | ४८९५५० | डोज | ४४६१५३ |
| रानीखेत विरुद्ध खोप - कुखुरा | डोज | - | डोज | |
| लम्पिस्कन विरुद्ध खोप - गाई/भैंसी | डोज | ८१००० | डोज | ५२४६१ |
| क्लासिकल स्वाइन फिभर विरुद्ध खोप - बंगुर | डोज | ८५० | डोज | १७४ |
| रेविज विरुद्ध खोप - कुकुर | डोज | १३३६६ | डोज | १०१५७ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

कृषि प्रयोगशाला

- ६.१९. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको माटो तथा मल परिक्षण प्रयोगशालाबाट विभिन्न विधिबाट माटो र प्राङ्गारिक मलको नमुना परिक्षण भएको छ।
- ६.२०. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको बीउ विजन प्रयोगशालाबाट बीउ बाली निरीक्षण ४५३ हेक्टरमा, बीउ नमुना परीक्षण ९१४ वटा, बीउ प्रमाणीकरण २७८ मेट्रिक टन, धान र गहुँ बालीको १९ वटा प्रजातीको प्रदर्शनी गरिएको छ।
- ६.२१. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा बाली संरक्षण प्रयोगशालाबाट ६ हजार पोका च्याउ बीउ उत्पादन र ५५० डल्लामा च्याउ उत्पादन कार्य प्रारम्भ भएको छ।

तालिका ५-१२ कृषि प्रयोगशाला सेवाहरु

| सेवा | २०८१/८२ | | २०८२/८३* | |
|------------------------------------|------------------------|-----------------|------------------------|-----------------|
| | इकाई | परिमाण | इकाई | परिमाण |
| किट बक्स मार्फत माटो जाँच | ७ | १०५० | ६ | ६१५ |
| प्रयोगशाला माटो जाँच | १ | ४२७० | १ | ५६७ |
| घुम्ती प्रयोगशाला मार्फत माटो जाँच | १० | ११४३ | ७ | ६८१ |
| प्राङ्गारिक मल जाँच | १ | २५ | १ | १५ |
| बीउ बाली निरीक्षण | हेक्टर | ६६६ | हेक्टर | ४५३.१९ |
| बीउ नमुना परीक्षण | संख्या | ११४४ | संख्या | ९१४ |
| बीउ गुणस्तर प्रमाणीकरण | मे.ट. | ३१२.१२ | मे.ट. | २७८.०५ |
| धान/गहुँ प्रजाती प्रदर्शन | | | संख्या | १९ |
| च्याउ बीउ उत्पादन | ४०० ग्रामको प्याकेट | ५५०० प्याकेट | ४०० ग्रामको प्याकेट | ६००० प्याकेट |
| च्याउ उत्पादन (डल्ला) | डल्ला | ५०० | डल्ला | ५५० |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

प्रदेश कृषि फार्म

- ६.२२. प्रदेशका कृषि फार्महरूले विविध कृषि उत्पादन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम मार्फत महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याएका छन्। तरकारी बीउ उत्पादन केन्द्रबाट १.७ हेक्टर क्षेत्रमा मुला, रायो, केराउ र प्याजको मूल बीउ उत्पादन गरिएको छ। साथै २ हजार ६ सय के.जी. ताजा तरकारी तथा २ हजार १ सय ६० तरकारी बेर्ना उत्पादन गरी विक्री बितरण गरिएको छ। हाइब्रिड बीउ उत्पादनका लागि काक्रो (मधु जात) मा १ रोपनी र गोलभेंडा (सृजना जात) मा ३ रोपनीमा उत्पादन सुरु गरिएको छ।
- ६.२३. सुख्खा फलफूल विकास केन्द्रबाट ४८ हजार ९ सय २८ फलफूल बेर्ना ग्राफिटङ्ग गरिएको र १५ हजार ७ सय ७७ बेर्ना विक्री गरिएको छ। मत्स्य विकास केन्द्र गेटाबाट १ करोड ६७ हजार ५ लाख, मत्स्य बीउ उत्पादन र ६ लाख २९ हजार ५ सय के.जी. ईयरलिंग/खानेमाछा उत्पादन गरिएको छ।

तालिका 6-13 प्रदेशका कृषि फार्महरूबाट भएको प्रमुख उत्पादनहरु

| सेवा/कार्यक्रम | इकाई (Unit) | परिमाण | |
|------------------------------|----------------|---------|-----------|
| | | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
| तरकारी मूल बीउ उत्पादन | हेक्टर | १.५ | १.७ |
| ताजा तरकारी उत्पादन | के.जी. | ६००० | २६०० |
| तरकारीका बेर्ना बिक्री बितरण | वटा | ३४०० | २१६० |

| सेवा/कार्यक्रम | इकाई (Unit) | परिमाण | |
|--------------------------------------|----------------|---------|-----------|
| | | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
| हाइब्रिड बीउ उत्पादन सुरु (काक्रो) | रोपनी | १ | १ |
| हाइब्रिड बीउ उत्पादन सुरु (गोलभेंडा) | रोपनी | ३ | ३ |
| फलफूल बेनी ग्राफिटङ्ग | वटा | ५७८९२ | ४८९२८ |
| फलफूल बेनी बिक्री वितरण | वटा | ३५८२१ | १५७७७ |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

६.२४. मत्स्य बीउ (ह्याचलिंग, फिगरलिंग र फ्राई) को उत्पादन गत वर्षको तुलनामा यो वर्ष निकै न्यून देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ह्याचलिंग मा ४ लाख २४ हजार उत्पादन भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म घटेर १ लाख ६७ हजार ५० लाख मात्र सीमित भएको छ। अघिल्लो वर्ष फिगरलिंग ३४ लाख उत्पादन भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म २१ लाख मात्र उत्पादन भएको देखिन्छ। गत आर्थिक वर्षमा फ्राईलिंग ३३ लाख ५० हजार उत्पादन भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म १७ लाख मात्र उत्पादन भएको छ। गत आर्थिक वर्षमा ईयरलिंग/खानेमाछा उत्पादन १०.२७ क्विन्टल उत्पादन भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म ९.२० क्विन्टल उत्पादन भइसकेको छ।

तालिका ६-१४ कृषि फार्महरुबाट उत्पादन भएका प्रमुख मत्स्य बीउहरु

| मत्स्य बीउ उत्पादन | ईकाई | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
|--------------------------|----------|---------|-----------|
| ह्याचलिंग | लाख | ४२४.०० | १६७.५० |
| फिगरलिंग | लाख | ३४.०० | २१.०० |
| फ्राईलिंग | लाख | ३३.५० | १७.०० |
| ईयरलिंग/खानेमाछा उत्पादन | क्विन्टल | १०.२७ | ९.२० |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

पशुपन्छी जन्य पदार्थ

६.२५. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म यस क्षेत्रमा पशुपन्छी तथा मत्स्य उत्पादनमा मिश्रित नतिजा देखिएको छ। अण्डाको कुल उत्पादन गत वर्षको तुलनामा वृद्धि भई १२ करोड ५० लाख २३ हजार गोटा पुगेको छ, जसले गर्दा प्रतिव्यक्ति अण्डा उपलब्धता ४६ गोटा पुगेको छ। मत्स्य उत्पादनतर्फ ३ हजार ४ सय ५४ मेट्रिक टन माछा उत्पादन भएको छ भने प्रतिव्यक्ति उपलब्धता १.२७ केजी पुगेको छ।

६.२६. यद्यपि, दूध उत्पादनमा भने यस अवधिमा केही हास आएको छ। गाई र चौरीको दूध उत्पादन बढे तापनि भैसीको दूध उत्पादन घट्टा समग्र दूध उत्पादन ३ लाख ४५

हजार ४८ मेट्रिक टनमा सीमित हुन पुगेको छ। यसकारण प्रतिव्यक्ति दूध उपलब्धता गत वर्षको १३२.७ लिटरबाट घटेर १२७.७ लिटर कायम हुन गएको देखिन्छ।

तालिका ५-१५ पशुपन्छी जन्य पदार्थको उत्पादन स्थिति

| पशुपन्छी जन्य पदार्थ (अण्डा ००० गोटा) को उत्पादन स्थिति विवरण: | | |
|--|-------------|-------------|
| पशुपन्छी | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
| कुखुरा | ११८५७८ | १२३३७३ |
| होँस | १६९८ | १६५० |
| जम्मा | १२०२७६ | १२५०२३ |
| प्रति व्यक्ति उपलब्धता | ४५ | ४६ |
| पशुपन्छी जन्य पदार्थ (दुध मे.टन) को उत्पादन स्थिति विवरण: | | |
| गाई | १३९०४५ | १४२३५६ |
| भैसी | २१९२१० | २०२४३१ |
| चौरी | २०० | २६१ |
| जम्मा | ३५८४५५ | ३४५०४८ |
| प्रति व्यक्ति उपलब्धता | १३२.७ लिटर | १२७.७ लिटर |
| माछा (माछा मे.टन) को उत्पादन स्थिति विवरण: | | |
| माछा | ३२०३ | ३४५४ |
| जम्मा | ३२०३ | ३४५४ |
| प्रति व्यक्ति उपलब्धता | १.१९ के.जी. | १.२७ के.जी. |

स्रोत: भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

वन क्षेत्र

- ६.२७. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा २०८२ चैत्र मसान्तसम्म १० लाख ४६ हजार ५ सय ८२ हेक्टर वन क्षेत्र रहेको छ। यो वन क्षेत्रले राष्ट्रिय वन क्षेत्रको १५.६३ प्रतिशत हिस्सा र सुदूरपश्चिम प्रदेशको कुल क्षेत्रफलमध्ये ५३.५६ प्रतिशत भाग ओगटेको छ।
- ६.२८. सुदूरपश्चिम प्रदेशको कुल वनक्षेत्रमा सबै भन्दा बढी हिस्सा सामुदायिक वनको रहेको छ। प्रदेशमा स्वीकृत र प्रस्तावित वन संरक्षण क्षेत्र गरी जम्मा १ लाख ९८ हजार ४ सय २३ हेक्टरमा संरक्षित वनक्षेत्र रहेको छ।

तालिका ५-१६ वन व्यवस्थापन पद्धति अनुरूप वन संख्या र क्षेत्रफल

| वन व्यवस्थापन पद्धति | वन क्षेत्र | |
|----------------------|------------|----------------------|
| | संख्या | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) |
| सामुदायिक वन | ३४५६ | ४५३८५६ |
| साझेदारी वन | ३ | ७३६५ |
| कबुलियति वन | ० | ० |

| | | |
|-----------------------|------|--------|
| गरिबमूखी कबुलियति वन | १०३८ | ७२३२ |
| व्यवसायिक कबुलियति वन | १ | ५८ |
| धार्मिक वन | ४८ | ३११२ |
| निजी वन | २९७ | १९९ |
| वन संरक्षण क्षेत्र | ० | ० |
| स्वीकृत | ३ | ११७९१४ |
| प्रस्तावित | ४ | ८०५०९ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

६.२९. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशमा १३ लाख ३८ हजार क्यूबिक फिट काठ र १ हजार ४० क्यूबिक फिट दाउरा बिक्री गरिएको छ ।

तालिका ५-१७ काठ दाउरा बिक्रीबाट प्राप्त राजस्व (रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष | काठ (क्यू.फि.) | दाउरा (चट्टा) |
|-------------|----------------|---------------|
| २०८२/८३* | १३३८५४५ | १०४० |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्रमसान्तसम्म

६.३०. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्रसम्म सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्रबाट रु.१४.७३ करोड तथा अन्य स्रोतबाट रु.१८.७० लाख राजस्व संकलन भएको छ। संकलित राजस्वमध्ये रु. ७.२३ करोड प्रदेश सञ्चित कोषमा र रु. २.३९ करोड स्थानीय तहको कोषमा जम्मा गरिएको छ। यसबाट वन क्षेत्र प्रदेश तथा स्थानीय तहको राजस्व अभिवृद्धिमा महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याउने क्षेत्रको रूपमा रहेको देखिन्छ।

तालिका ५-१८ संकलित राजस्वको विवरण

| विवरण | रकम रु लाखमा |
|--|--------------|
| सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्रबाट प्राप्त राजस्व | १४७३ |
| अन्य | १९ |
| प्रदेश संचित कोषमा जम्मा रकम | ७२३ |
| स्थानीय तहको कोषमा जम्मा रकम | २३९ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्रमसान्तसम्म

६.३१. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेशमा ३ हजार ६६ मेट्रिक टन खोटो सङ्कलन भएकोमा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म २ हजार ५ सय ५१ मेट्रिक टन सङ्कलन गरिएको छ।

तालिका ६-१८ खोटो निकासी परिमाण (मेट्रिक टनमा) सम्बन्धी विवरण

| आर्थिक वर्ष | निकासी परिमाण (के.जी.) |
|-------------|------------------------|
| २०७५/७६ | २४२० |

| | |
|----------|------|
| २०७६/७७ | २७०१ |
| २०७७/७८ | २४६३ |
| २०७८/७९ | १९६२ |
| २०७९/८० | २४८६ |
| २०८०/८१ | २६१६ |
| २०८१/८२ | ३०६६ |
| २०८२/८३* | २५५१ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

६.३२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेशमा बहुउद्देश्यीय र बहुवर्षीय प्रजातीका फलफूल, काष्ठजन्य, जडिबुटी र सौन्दर्यपरक तथा डालेघाँसका गरी जम्मा ३ लाख ९१ हजार ५०० थान विरुवा उत्पादन गरिएको छ।

तालिका ५-२० विरुवा उत्पादनको अवस्था (गोठामा)

| विवरण | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|---------------|---------|---------|---------|----------|
| विरुवा संख्या | १८६०४७४ | १८४३१९५ | ६०६३५७ | ३९१५०० |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

६.३३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा २० वटा नर्सरीबाट ४ लाख १९ हजार ५ सय विरुवा उत्पादन भएका थिए। २०८२/८३ को चैत्रसम्म नर्सरी संख्या २० नै रहे पनि उत्पादन १ लाख ५० हजार विरुवामा सीमित रहेको छ। विरुवा उत्पादनमा कमी आएको छ।

तालिका ५-२१ वन उत्पादन विरुवा संख्या

| आर्थिक वर्ष | नर्सरी संख्या | विरुवा संख्या |
|---------------|---------------|---------------|
| २०८१/८२ | २० | ४९९५०० |
| २०८२/८३ चैत्र | २० | १५०००० |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

६.३४. प्रदेश सरकारबाट आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ७४.५४ हेक्टर जमिनमा वृक्षारोपण भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म २.९४ हेक्टरमा वृक्षारोपण भएको छ।

तालिका ६-२२ वृक्षारोपणको अवस्था

| आर्थिक वर्ष | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) |
|-------------|----------------------|
| २०७९/८० | ३०५ |
| २०८०/८१ | ८५ |
| २०८१/८२ | ७४.५४ |

| आर्थिक वर्ष | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) |
|-------------|----------------------|
| २०८२/८३ * | २.९४ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

- ६.३५. प्रदेशका राष्ट्रिय वनबाट आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ३० लाख १७ हजार ९४८ के.जी. जडिबुटी सङ्कलन तथा निकासी भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म २० लाख ८० हजार ७८ के.जी. जडिबुटी सङ्कलन भएको छ।

तालिका ५-२३ जडिबुटी सङ्कलन तथा निकासीको स्थिति

| आर्थिक वर्ष | सङ्कलन तथा निकासी (के.जी. मा) |
|-------------|-------------------------------|
| २०७९/८० | १४७१९२४ |
| २०८०/८१ | २११२६८६ |
| २०८१/८२ | ३०१७९४८ |
| २०८२/८३* | २०८००७८ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

- ६.३६. प्रदेश सरकारले वन क्षेत्रमा हुनसक्ने अतिक्रमणलाई समयमै रोकथाम गरी विगतमा भएका अतिक्रमणलाई क्रमशः हटाउदै लैजाने नीति अनुरूप आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा २४.८९ हेक्टर र चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म थप २८.०१ हेक्टर वन अतिक्रमण नियन्त्रण तथा रोकथाम सम्बन्धी कार्य गरेको छ।

तालिका ६-२४ वन अतिक्रमण र रोकथाम सम्बन्धी विवरण

| आर्थिक वर्ष | क्षेत्रफल (हेक्टरमा) |
|-------------|----------------------|
| २०७९/८० | १७१.८७ |
| २०८०/०८१ | ४८६ |
| २०८१/०८२ | २४.८९ |
| २०८२/०८३* | २८.०१ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्मको

- ६.३७. वन तथा वातावरण क्षेत्रमा कबुलियती वन विकास कार्यक्रम अन्तर्गत २० वटा कबुलियती वनको कार्ययोजना नवीकरण गरिएको छ।

- ६.३८. मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वबाट प्रभावित १५९ परिवारलाई रु. २७.७६ लाख राहत वितरण गरिएको छ। वन डढेलो नियन्त्रणका लागि १० डिभिजन वन कार्यालयलाई ६६ सेट उपकरण उपलब्ध गराइएको छ।

- ६.३९. ५ वटा नयाँ सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह गठन गरी ९९३.२९ हेक्टर वन क्षेत्र हस्तान्तरण गरिएको छ। १२३ वटा सामुदायिक वन तथा २० वटा कबुलियती वनको कार्ययोजना नवीकरण गरिएको छ।

- ६.४०. कुल ९९३.२९ हे. वन क्षेत्रलाई ५ वटा सा.व.उ.स. गठन तथा हस्तान्तरण गरिएको र जम्मा २४८७३.३३ हेक्टर क्षेत्रफल भएका १२३ वटा समुदायिक वनको कार्ययोजना नविकरण भएको छ।
- ६.४१. २८.०१ हेक्टर वन अतिक्रमण हटाइएको तथा वन तथा वन्यजन्तुसम्बन्धी १८ वटा मुद्दा दर्ता गरिएको छ।

भूमी सुधार

- ६.४२. भू-संरक्षण तर्फ आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ७८ वटा पहिरो तथा गल्छी नियन्त्रण कार्य सम्पन्न भएका थिए भने चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म १३ वटा मात्र सम्पन्न भएका छन्। त्यस्तै गरी आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा १२७ वटा तटबन्ध निर्माण भएका थिए भने चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म २५ वटा मात्र निर्माण भएका छन्।

तालिका ६-१९ भू-संरक्षण सम्बन्धी सम्पन्न योजना (संख्यामा)

| आर्थिक वर्ष | पहिरो तथा गल्छी नियन्त्रण संख्या | तटबन्धको निर्माण संख्या |
|-------------|----------------------------------|-------------------------|
| २०८१/८२ | ७८ | १२७ |
| २०८२/८३* | १३ | २५ |

स्रोत: उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- ६.४३. जलाधार संरक्षणतर्फ प्रदेश सरकारबाट केही साना योजनाहरू सञ्चालन गरिएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १ रिचार्ज पोखरी, २ पानी मुहान संरक्षण र २ साना सिंचाई कुलो निर्माणको कार्य सम्पन्न भएको छ।

तालिका ५-२० जलाधार संरक्षण सम्बन्धी सपन्न योजनाको विवरण (संख्यामा)

| आर्थिक वर्ष | रिचार्ज पोखरी | पानी मुहान संरक्षण | साना सिंचाई कुलो निर्माण |
|-------------|---------------|--------------------|--------------------------|
| २०८१/०८२ | १५ | २५ | ९ |
| २०८२/०८३* | १ | २ | २ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

७. उद्योग पर्यटन

उद्योग

७.१. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म कुल उद्योग संख्या १ हजार ५९९ दर्ता भई ५ हजार ४५२ जनाको लागि रोजगारी सृजना हुने देखिन्छ । यस अवधिमा दर्ता भएका उद्योग मध्ये कृषि तथा वनजन्य उद्योग ७५५ वटा, सेवामूलक उद्योग ५९२ वटा र उत्पादनमूलक १९१ वटा रहेका छन्। यस अवधिमा दर्ता भएका उद्योगहरूमा रु. २ अर्ब २२ करोड ३४ लाख लगानी हुने देखिन्छ ।

तालिका ६-१ उद्योग दर्ता लगानी र प्रस्तावित रोजगारी (लगानी र पुँजी रु. लाखमा)

| उद्योगको प्रकृति | २०८१/८२ | | | | | २०८२/८३ चैत्र सम्म | | | | |
|-------------------|---------|-----------|-------------|------------|----------------|--------------------|-----------|-------------|------------|----------------|
| | संख्या | कुल लगानी | स्थिर पुँजी | चालु पुँजी | रोजगारी संख्या | संख्या | कुल लगानी | स्थिर पुँजी | चालु पुँजी | रोजगारी संख्या |
| उत्पादनमूलक | २६७ | ८४११ | ५५०७ | ३१७४ | १२३७ | १९१ | ५०४६ | ३१३७ | १९०९ | ८५० |
| कृषि तथा वनजन्य | ८९१ | १०९०६ | ६६०७ | ५६७५ | ३००३ | ७५५ | ९५८३ | ५७२३ | ३८५९ | २५२५ |
| पर्यटनमूलक | ६७ | ४८८ | ३०२ | १९५ | २०१ | ३९ | २९४ | १७३ | १२१ | १२१ |
| सेवामूलक | ७९ | १०८१५ | ६७०२ | ४०५७ | २३२४ | ५९२ | ७०२७ | ४२०२ | २८३० | १७९९ |
| पूर्वाधार | २३ | २२५ | १३६ | ८९ | ११२ | १६ | २२० | १३२ | ८८ | १२८ |
| सूचना तथा प्रविधि | ७ | ६३ | ४० | २३ | २३ | ६ | ६४ | ३६ | २८ | २९ |
| कुल जम्मा | १९७१ | ३०९०८ | १९२९५ | १३२१२ | ६९०० | १५९९ | २२२३४ | १३४०३ | ८८३५ | ५४५२ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

७.२. एक जिल्ला एक उद्योग प्रवर्द्धन कार्यक्रमबाट ३० वटा उद्योगहरू छनौट भएका, ३ वटा उद्योगहरूलाई सहायता प्रदान गरिएको बाँकी २७ वटाको कार्य सम्पन्न भईसकेको छ ।

७.३. विपन्न वर्गको जीवनस्तर सुधारका लागि साना तथा घरेलु उद्यमलाई प्रोत्साहन गर्दै रोजगार तथा उत्पादनमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न मुख्यमन्त्री गरिवी निवारण तथा लघु उद्यम कार्यक्रम र दशरथ चन्द सीप विकास तथा अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिएको छ । मुख्यमन्त्री गरिवी निवारण अन्तर्गत १२ वटा तालिम सम्पन्न, ४ वटा तालिम संचालन भईरहेको, दशरथ चन्द सीप विकास अन्तर्गत १२ वटा तालिम सम्पन्न भईसकेको अवस्था रहेको छ ।

- ७.४. युवाहरूलाई देशभित्रै स्वरोजगार बनाई उत्पादनशीलताको अभिवृद्धितर्फ १३ वटा तालिमहरू सम्पन्न गरिएको छ ।
- ७.५. कारागारमा रहेका कैदी तथा सुधार केन्द्रमा रहेका व्यक्तिहरू लक्षित सीपमूलक कार्यक्रम अन्तर्गत ६ वटा तालिमहरू सम्पन्न भइसकेका छन् ।

पर्यटन

- ७.६. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेश सरकारको स्वीकृति लिई सञ्चालनमा रहेका पर्यटन व्यवसायको संख्या ८७ रहेको छ । यसमा ५२ टुर्स एण्ड ट्राभल्स, १ पथ प्रदर्शक गाईड, ३१ होमस्टे (निजी तथा सामुदायिक) र ३ जलयाना व्यवसाय रहेका छन् ।

तालिका ६-२ पर्यटन व्यवसायी सम्बन्धी विवरण

| पर्यटन व्यवसायको नाम | संख्या (आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ चैत्र) |
|----------------------|-------------------------------------|
| टुर्स एण्ड ट्राभल्स | ५२ |
| पथ प्रदर्शक गाईड | १ |
| होमस्टे (निजी) | १४ |
| होमस्टे (सामुदायिक) | १७ |
| जलयाना व्यवसाय | ३ |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

- ७.७. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म प्रदेश सरकारबाट धार्मिक क्षेत्र निर्माण वा संरक्षण अन्तर्गतका १२ कार्यक्रमहरू सम्पन्न भएका छन् भने ताल झरना पदमार्ग लगायत पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माणका ५२ योजनाहरू सम्पन्न भएका छन् । यी योजनाहरूबाट दक्ष र अदक्ष गरी जम्मा १७ हजार २७० जनाले रोजगारी प्राप्त गरेका छन् ।

तालिका ६-३ धार्मिक र पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण र रोजगारी सिर्जना

| क्षेत्र | योजना संख्या | सम्पन्न योजना संख्या | रोजगारी संख्या |
|-------------------------------------|--------------|----------------------|----------------|
| धार्मिक क्षेत्र निर्माण/संरक्षण (१) | ३ | १२ | ३०६० |
| पूर्वाधार संरक्षण | ३ | २ | ५०० |
| मन्दिर पूर्वाधार | | १० | २५६० |
| पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माण (२) | २४६ | ५२ | १४२१० |
| झरना पूर्वाधार | २ | ० | ० |
| नदी पूर्वाधार | ६३ | ० | ० |
| पदमार्ग | २४ | २० | ६००० |
| पर्यटकीय आवस | १६ | ३ | ७०० |

उद्योग पर्यटन

| क्षेत्र | योजना संख्या | सम्पन्न योजना संख्या | रोजगारी संख्या |
|------------------|--------------|----------------------|----------------|
| पार्क निर्माण | १४१ | ३ | ७५० |
| मन्दिर पूर्वाधार | ० | २६ | ६७६० |
| जम्मा (१) + (२) | २४१ | ६४ | १७२७० |

स्रोत: उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, २०८३

- ७.८. पर्यटन क्षेत्रको प्रवर्द्धनका लागि होमस्टे विकास, गाइड तालिम तथा जलयात्रा व्यवसायलाई प्रोत्साहन गरिएको छ, जसबाट स्थानीय स्तरमा रोजगारी तथा आयआर्जनका अवसर विस्तार भएका छन्। बडीमालिका, त्रिपुरासुन्दरी र निडलासैनी लगायतका धार्मिक स्थलहरूमा मन्दिर पूर्वाधार, पहुँचमार्ग, शौचालय तथा अन्य आवश्यक संरचना निर्माण गरिएको छ। साथै, नविन स्मृति पार्क (मोहन्या-४) र बाँकाविर पार्क (मोहन्याल -७) निर्माण, ७ देशका २३ जना विदेशी नागरिक सहितको सहभागितामा सेती-कर्णाली नदीमा जल महोत्सव (राफिटिङ र कायाकिङ) आयोजना गरी साहसिक पर्यटन प्रवर्द्धन गरिएको छ।
- ७.९. ग्रामीण पर्यटन तथा सामुदायिक होमस्टेको विस्तारका लागि ४ वटा होमस्टे प्रवर्द्धन कार्यक्रम, होमस्टे महोत्सव सञ्चालनबाट सामुदायिक र निजी होमस्टेको संख्या वृद्धि, महिला सशक्तीकरण, स्थानीय संस्कृति, खाना र जीवनशैलीको संरक्षणसँगै स्थानीय आय आर्जन बढेको छ।
- ७.१०. साथै, ट्रेकिङ पदमार्ग एवं पर्यटकीय आवास तर्फ ६ वटा पदमार्ग निर्माण भएको, साथै पर्यटकीय क्षेत्रहरूमा आवास/धर्मशाला, पार्क निर्माण र सूचना केन्द्र सञ्चालनबाट पर्यटकको बास र सुरक्षा सुनिश्चित हुनुका साथै पर्यटकीय सूचना प्रवाह तथा पर्यटक आगमन तथा बसाई अवधिमा वृद्धि भएको छ।

इन्धन

- ७.११. पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता आर्थिक वर्ष २०८२/८३ फागुन मसान्तसम्ममा २ हजार ६६४ किलोलिटर पुगेको छ। पेट्रोलियम पदार्थको उक्त मौज्जात क्षमता सरदरमा ८ दिन बराबरको माग धान्न पर्याप्त रहेको छ। नेपालको कुल भण्डारण क्षमताको तुलनामा सुदूरपश्चिम प्रदेशको भण्डारण क्षमता २.६० प्रतिशत मात्र रहेको छ।

तालिका ६-४ पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता

| प्रदेश | प्रादेशिक भण्डारण क्षमता (कि.लि.) | | | | जम्मा | भण्डारण क्षमता (दिन) |
|---------------------------------|-----------------------------------|-------|----------|-------|--------|----------------------|
| | पेट्रोल | डिजेल | मट्टितेल | एटिएफ | | |
| सुदूरपश्चिम प्रदेश (२०८१/८२) | ८७९ | १६३५ | ७० | ६३ | २६४७ | ८ |
| नेपाल (२०८१/८२) | १३६३२ | ५४८४८ | २६९५ | ८८१५ | ७९९९० | १६ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेश (२०८२/८३) | ८७९ | १६३५ | ७० | ८० | २६६४ | ८ |
| नेपाल (२०८२/८३) फागुनसम्म | २८५४२ | ६०४२१ | ४१९५ | ९१२३ | १०२२८१ | १६ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

द. भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र

- द.१. प्रदेशको सम्वृद्धि र आर्थिक विकासका लागि मानव वस्तु र सवारी साधनहरूको द्रुत र सुरक्षित आवागमनको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ। लगानी आकर्षित गर्ने उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउने रोजगारी सिर्जना गर्ने तथा प्रदेशको प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढाउने कार्यमा पूर्वाधारको विकासको केन्द्रीय भूमिका रहेको हुन्छ।
- द.२. प्रदेशको कुल गार्हस्थ उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको वृद्धिदर चालु आर्थिक वर्षमा ८.०४ प्रतिशत रहेको छ।
- द.३. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा भौतिक पूर्वाधार विकास तथा यातायात व्यवस्थापन क्षेत्रको प्रभावकारी सञ्चालन, गुणस्तरीय पूर्वाधार निर्माण तथा योजनाबद्ध विकासलाई व्यवस्थित गर्न विभिन्न कानून, कार्यविधि तथा मापदण्डहरू तर्जुमा तथा स्वीकृत गरिएका छन्। प्रमुख रूपमा निम्न दस्तावेजहरू कार्यान्वयनमा ल्याइएका छन्।
- द.४. प्रदेशभित्रको सडक सञ्जालको दीर्घकालीन विकासका लागि मार्गदर्शन गर्ने रणनीतिक दस्तावेजको रूपमा सुदूरपश्चिम प्रादेशिक सडक सञ्जाल गुरुयोजना, २०८२ तयार गरिएको छ। त्यसैगरी, सुदूरपश्चिम प्रदेश जनता आवास कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०८२ र सडक मर्मत सम्भार समूह (RMG) निर्देशिका, २०८२ जारी गरिएको छ।

सडक

- द.५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेश सरकारले कुल ५३९ किलोमिटर सडक निर्माण गरेकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ५६ किलोमिटर सडक निर्माण गरेको छ। यसमा ११ किलोमिटर कालोपत्रे सडक, २६ किलोमिटर ग्रावेल सडक र १९ किलोमिटर माटो सडक रहेको छ।

तालिका द-१ प्रदेशबाट निर्माण गरिएको सडक (किलोमिटरमा) को अवस्था

| सडकको प्रकार | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|--------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| कालोपत्रे सडक | १७० | ९० | १०८ | २४४ | १५१ | ११ |
| खण्डास्मित (ग्रावेल सडक) | १६७ | ४७४ | १८६ | ३४५ | १५३ | २६ |
| माटो सडक | ५५७ | ० | १२३ | ९० | २३५ | १९ |
| जम्मा | ८९४ | ५६४ | ४१७ | ६७९ | ५३९ | ५६ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

- द.६. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा प्रदेश सरकारले ७ सडक पुल निर्माण गरेकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म २ वटा सडक पुल निर्माण गरेको छ।

तालिका ८-२ प्रदेशबाट निर्माण गरिएको सडक पुल (गोटा) को अवस्था

| पुलको प्रकार | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|---------------------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| सडक पुल निर्माण | ५ | १२ | ९ | ५ | ७ | २ |
| झोलुंगे पुल निर्माण | ११ | ३ | १ | ५ | ० | ० |
| जम्मा | १६ | १५ | १० | १० | ७ | २ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

नदी नियन्त्रण, भू-क्षय तथा सिँचाई पूर्वाधार

८.७. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ५६ किलोमिटर तटबन्ध निर्माण र १६० हेक्टर जमिन उकासको कार्य भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ३६ कि.मी. तटबन्ध निर्माण र १८ हेक्टर जमिनको उकास भएको छ।

तालिका ८-३ तटबन्ध निर्माण र जमिन उकास

| पूर्वाधार | इकाई | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|----------------|--------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| तटबन्ध निर्माण | कि.मि. | ३१.७ | ३५.२८ | ५२.०० | २०४.२३ | ५६ | ३६ |
| जमिन उकास | हेक्टर | ९०९.९६ | २७६.२३ | ११.०० | १३४७.५० | १६० | १८ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

८.८. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म सतह सिँचाई योजनाबाट ३ हजार ३८३ हेक्टर, भूमिगत सिँचाईबाट ११० हेक्टर र नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाई आयोजनाबाट २४० हेक्टर सिँचाई क्षेत्रको विस्तार भएको छ।

तालिका ८-४ सिँचाईको स्थिति (हेक्टरमा)

| विवरण | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| सतह सिँचाई | २२१५ | ३११२ | १८२२ | ३९३२ | ७४८३ | ७०६१ | ३३८३ |
| भूमिगत सिँचाई | २४० | २८० | ३० | ९७० | ० | ३८० | ११० |
| नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाई | २३६ | २१० | ५१२ | ० | ३६४ | ४५८ | २४० |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

८.९. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा २२० किलोमिटर पक्की कुलो निर्माण भएकोमा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म १५७ किलोमिटर निर्माण भएको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ७ किलोमिटर कच्ची कुलो निर्माण भएको छ।

भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र

तालिका ८-५ पक्की र कच्ची कुलो निर्माणको अवस्था (किलोमिटरमा)

| विवरण | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| पक्की कुलो | ४८५ | ५४० | १८२ | २०७ | ११५ | २२० | १५७ |
| कच्ची कुलो | ७३ | १०० | १३ | ० | १९ | ११ | ७ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

- ८.१०. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ११ डिप ट्युवेल जडान भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ६ वटा जडान भएको छ।

तालिका ८-६ डिप ट्युवेल र स्यालो ट्युवेल जडानको अवस्था (गोठामा)

| विवरण | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| डिप ट्युवेल | १० | ४० | १३ | २२८ | १९ | ११ | ६ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

यातायात क्षेत्र

सवारी साधन दर्ता

- ८.११. प्रदेशमा दुई पाङ्ग्रे सवारी साधनको दर्तामा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा १७ हजार १६९ सवारी दर्ता भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म ९ हजार ८१० थान सवारी साधन दर्ता भई सकेका छन्।
- ८.१२. स्थानीय निकायबाट तीन पाङ्ग्रे सवारी साधनको दर्ता शुरू भएसँगै प्रदेशमा दर्ता हुने तीन पाङ्ग्रे सवारीको संख्या बढेको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १२५० तीन पाङ्ग्रे सवारी साधन दर्ता भएका छन्।
- ८.१३. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १ हजार १ चार पाङ्ग्रे सवारी साधन दर्ता भई भएका छन्।
- ८.१४. गत आर्थिक वर्षको तुलनामा चालु आर्थिक वर्षमा कुल सवारी साधन दर्ता संख्या बढ्ने क्रममा देखिन्छ। २०८२ चैत्र मसान्तसम्ममा जम्मा १२ हजार ६१ सवारी साधनहरु प्रदेशका यातायात कार्यालयहरुमा दर्ता भई सकेका छन् जसबाट रु. ६५ करोड ४० लाख राजस्व संकलन भएको छ।

तालिका ८-७ सवारी साधन दर्ताको अवस्था

| सवारी साधन | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|--------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| दुई पाङ्ग्रे | २९१७ | ५५८० | ३९५२ | ९४८१ | ७७१८ | १७१६९ | ९८१० |
| तीन पाङ्ग्रे | ३८८ | २५० | १९५ | ९२७ | १११६ | १०४० | १२५० |
| चार पाङ्ग्रे | ५९२ | ५०२ | ५८४ | १३९२ | २०६५ | १४०७ | १००१ |
| जम्मा | ३८९७ | ६३३२ | ४७३१ | ११८०० | १०८९९ | १९६१६ | १२०६१ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

हवाई यातायात

- ८.१५. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा डडेल्धुरा बाहेक बाँकी ८ जिल्लामा आन्तरिक हवाई उडान गर्ने १० वटा विमानस्थलहरू रहेका छन्।

सूचना तथा सञ्चार

- ८.१६. चालु आर्थिक वर्षमा प्रदेशका आर्थिक र सामाजिक गतिविधि समेटी प्रदेश डायरी उत्पादन तथा प्रसारण कार्यक्रम सञ्चालनका लागि रेडियो नेपाल र नेपाल टेलिभिजनसँग समझौता भएको छ।
- ८.१७. सुदूरपश्चिम प्रदेशभित्र सञ्चालनमा रहेका आमसञ्चार माध्यमको लागि लोक कल्याणकारी विज्ञापनको निर्माण प्रकाशन प्रसारण गर्ने कार्यलाई निष्पक्ष पारदर्शी र व्यवस्थित गर्न सुदूरपश्चिम प्रदेश लोककल्याणकारी विज्ञापन प्रसारण कार्यविधि २०८१ तयार भई दर्ताको लागि सूचना प्रकाशन गरी वितरणको तयारी रहेको।
- ८.१८. चालु आर्थिक वर्ष चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा ५ टेलिभिजन प्रसारण संस्थाहरू दर्ता भएका छन्। यी मध्ये २ स्यटलाईटबाट र ३ केबलबाट प्रसारण हुने गरेका छन्।

तालिका ८-८ टेलिभिजन प्रसारण गर्ने संस्थाहरूको संख्या

| जिल्ला | संख्या | सेटेलाइट | केबल |
|--------|--------|----------|------|
| कैलाली | ५ | २ | ३ |

स्रोत: नेपाल पत्रकार महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश समिति, २०८३

आवास तथा भवन निर्माण

- ८.१९. व्यवस्थित सहरीकरण तथा आवासको विकास आर्थिक विकासको मेरुदण्डको रूपमा रहेको छ। यसले लगानी र रोजगारका अवसर सिर्जना गर्न सहयोगी भूमिका खेलेको छ र आम नागरिकका लागि आवश्यक उर्जा शिक्षा स्वास्थ्य यातायात सञ्चार मनोरञ्जन तथा खेलकुद र सुरक्षा जस्ता क्षेत्रका सार्वजनिक सेवामा पहुँच सहजीकरण गर्दै सुविधा सम्पन्न सामाजिक जीवनयापन गर्न सहयोग पुगेको छ।
- ८.२०. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा सरकारी तथा सामुदायिक गरी जम्मा १७ भवन निर्माण भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा १० वटा भवन निर्माण भई सकेको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ चैत्र मसान्तसम्ममा ५० वटा जनता आवास योजना अन्तर्गत निजी आवास निर्माण भएका छन्।

तालिका ८-९ आवास तथा भवन निर्माणको अवस्था (संख्यामा)

| कार्यक्रम | ०७६/७७ | ०७७/७८ | ०७८/७९ | ०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------------------------------|--------|--------|--------|--------|---------|---------|----------|
| सरकारी/सामुदायिक भवन निर्माण | ११८ | १६९ | ६३ | ४३२ | १६ | १७ | १० |

भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र

| | | | | | | | |
|--|-----|-----|-----|------|----|----|----|
| जनता आवास योजना अन्तर्गत निर्मित (निजी आवास) | ९३८ | ८८८ | ६९८ | १९०५ | ० | २० | ५० |
| एकिकृत आवास | | | | | २२ | २२ | ० |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

८.२१. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा २ खेल मैदान, २ सडक, १ बस पार्क र १ पार्क जस्ता सार्वजनिक निर्माणहरू प्रदेशका सहरी विकास तथा भवन कार्यालयहरूबाट भएका छन्।

तालिका ८-१० सहरी पूर्वाधार निर्माण

| विवरण | इकाई | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|------------------------|--------|---------|---------|----------|
| कर्भड हल | संख्या | १ | १ | ० |
| बलगृह | संख्या | | १ | ० |
| खेल मैदान | संख्या | २ | ३ | २ |
| ढल निकास/ड्रेन निर्माण | कि.मि | १ | १ | ० |
| सडक निर्माण | कि.मि | १९ | ३ | २ |
| बसपार्क निर्माण | संख्या | १ | १ | १ |
| पार्क निर्माण | संख्या | १ | ४ | २ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

ऊर्जा

८.२२. २०८२/८३ फागुन मसान्तसम्म सुदूरपश्चिमको विद्युत उत्पादन क्षमता १६९ मेगावाट रहेको छ। यस अवधिमा राष्ट्रिय प्रसारण ग्रीडबाट सुदूरपश्चिम प्रदेशमा विद्युत पहुँच ८७.३ प्रतिशत घरधुरीमा पुगेको छ।

तालिका ८-११ विद्युत उत्पादन क्षमता र पहुँच (वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक)

| प्रदेश | ०७७/७८ | ०७८/७९ | ०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-----------------------------|--------|--------|--------|---------|---------|----------|
| विद्युत उत्पादन (मेगावाटमा) | ५२.०० | ५८.०० | १२०.०० | १६७ | १६७ | १६९ |
| विद्युत पहुँच (प्रतिशतमा) | ६४.६९ | ७१.०७ | ७३.०० | ८६.६० | ८७.१ | ८७.३ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

*फागुन मसान्तसम्म

बहुवर्षिय स्रोत सहमति

- द.२३. आवधिक योजनाको लक्ष्य अनुरूप पूर्वाधार विकास निर्माणका आयोजनाहरूको दीर्घकालिन स्रोत व्यवस्थापनका लागि बहुवर्षीय ठेक्का सहमति प्रदान गरिदै आएको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म १४९ वटा बहुवर्षीय आयोजनाका लागि रु. १० अर्ब ४२ करोड ८१ लाख ९७ हजार बराबरको ठेक्का सहमति प्रदान भएको थियो भने आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म ७१ वटा आयोजनाका लागि रु. ५ अर्ब १५ करोड ४३ लाख बराबरको सहमति प्राप्त भएको छ।
- द.२४. सडक, पुल तथा झोलुङ्गे पुल तर्फ आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म १४६ वटा आयोजनाका लागि रु. ९ अर्ब ७१ करोड ८७ लाख ९७ हजार बराबरको बहुवर्षीय ठेक्का सहमति प्राप्त भएको थियो। २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म ५२ वटा आयोजनाका लागि रु. ४ अर्ब ८० करोड ७६ लाख बराबरको सहमति प्राप्त भएको छ।
- द.२५. खानेपानी क्षेत्रमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म कुनै पनि बहुवर्षीय आयोजना स्वीकृत भएका थिएनन्। २०८२/८३ को चैत्र मासन्तसम्म १४ वटा आयोजनाका लागि रु. २६ करोड ५९ लाख बराबरको ठेक्का सहमति प्राप्त भएको छ।
- द.२६. भवन तर्फ आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म १ वटा भवन आयोजनाका लागि रु. २४ करोड २० लाख बराबरको सहमति प्राप्त भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म ३ वटा आयोजनाका लागि रु. ४ करोड ६८ लाख ५० हजार बराबरको सहमति प्राप्त भएको छ।
- द.२७. सिंचाई तर्फ आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म २ वटा सिंचाई आयोजनाका लागि रु. ४६ करोड ७४ लाख बराबरको सहमति प्राप्त भएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसातसम्म पनि २ वटा आयोजनाका लागि रु. ३ करोड ३९ लाख ५० हजार बराबरको सहमति प्राप्त भएको छ।

तालिका १२: बहुवर्षीय ठेक्का सहमति प्राप्त आयोजनाको विवरण (रु. हजारमा)

| क्षेत्र | आर्थिक वर्ष २०८१/८२ सम्म | | २०८३ चैत्रसम्म | |
|------------------------|--------------------------|----------|----------------------|---------|
| | सहमति प्राप्त संख्या | कुल रकम | सहमति प्राप्त संख्या | कुल रकम |
| सडक, पुल, झोलुङ्गे पुल | १४६ | ९७१८७९७ | ५२ | ४८०७६०० |
| खानेपानी | ० | ० | १४ | २६५९०० |
| भवन | १ | २४२००० | ३ | ४६८५० |
| सिंचाई | २ | ४६७४०० | २ | ३३९५० |
| जम्मा | १४९ | १०४२८१९७ | ७१ | ५१५४३०० |

९. सामाजिक क्षेत्र

शिक्षा

९.१. नेपालको संविधानले उच्च शिक्षाको अधिकारलाई प्रदेश सरकारको कार्यक्षेत्रभित्र सुनिश्चित गरेको छ । उच्च शिक्षाको गुणस्तर अभिवृद्धि र अनुसन्धान तथा विकासको पक्षलाई संस्थागत गर्ने दायित्व प्रदेश सरकारको भाएसँगै यसको संस्थागत सुदृढीकरणमा योजना, नीति, कार्यक्रम तथा बजेटको दिशा निर्देश हुने गरेको छ । शिक्षा क्षेत्रका विभिन्न आयामहरूमा भएको सकारात्मक परिवर्तनले शिक्षाको दायरा फराकिलो हुँदै गएको छ ।

शैक्षिक संस्था

- ९.२. प्रदेशमा विशेषगरी विद्यालय संरचनामा केही परिवर्तन देखिएको छ। सामुदायिक विद्यालयको संख्या अधिकांश तहमा घटेको देखिए पनि संस्थागत तथा धार्मिक विद्यालयको संख्यामा सामान्य वृद्धि भएको छ।
- ९.३. विशेषगरी शैक्षिक संस्थाहरू कक्षा १-५ र १-८ सम्मको तहमा वृद्धि हुँदै गएका छन्। सामुदायिक विद्यालयहरूमा सबैभन्दा बढी वृद्धि "माध्यमिक (कक्षा १-१०)" तहमा देखिएको छ।
- ९.४. प्रदेशमा शैक्षिक सत्र २०८२ मा आधारभूत तह (१-५) सम्मका १ हजार ८१७, आधारभूत तह (१-८) सम्मका ६३१, माध्यमिक तह (१-१०) सम्मका ४५२ र माध्यमिक तह (१-१२) सम्मका ४५८ सामुदायिक विद्यालय रहेका छन् भने संस्थागत तर्फ यस्ता प्रकारका विद्यालयको संख्या क्रमशः २१८, २७३, १७८ र ७८ रहको छ।

तालिका ९-१ विद्यालयको संख्या

| विद्यालयको तह | २०७९ | २०८० | २०८१ | २०८२ | २०७९ | २०८० | २०८१ | २०८२ | २०८१ | २०८२* | परिवर्तन (२०७९-२०८२) | |
|-----------------|-----------|------|------|------|----------|------|------|------|---------|-----------|----------------------|----|
| | सामुदायिक | | | | संस्थागत | | | | धार्मिक | सामुदायिक | संस्थागत | |
| आधारभूत (१-५) | १८९५ | १८८२ | १८१० | १८१७ | २०९ | १९८ | २१८ | २१८ | ७ | १५ | -४ | ४ |
| आधारभूत (१-८) | ६९४ | ६७२ | ६२५ | ६३१ | २५२ | २५४ | २७३ | २७३ | ६ | ८ | -९ | ८ |
| माध्यमिक (१-१०) | ४५३ | ४५२ | ४४९ | ४५२ | १७६ | १७२ | १७८ | १७८ | ३ | ३ | ० | १ |
| माध्यमिक (१-१२) | ४२६ | ४३५ | ४५८ | ४५८ | ८२ | ८६ | ७८ | ७८ | ० | ० | ८ | -५ |
| जम्मा | ३४६८ | ३४४१ | ३३४२ | ३३५८ | ७१९ | ७१० | ७४७ | ७४७ | १६ | २६ | -३ | ४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

- ९.५. शैक्षिक सत्र २०८१ मा प्रदेशमा जम्मा ८७ क्याम्पसहरू रहेकोमा चालु आर्थिक वर्षमा सोमा वृद्धि भई जम्मा ९३ क्याम्पसहरू रहेका छन्। निजी क्याम्पसहरूको संख्यामा ३३.३३ प्रतिशत र सामुदायिक क्याम्पसहरूमा २ प्रतिशतको वृद्धि देखिएको छ।
- ९.६. सबैभन्दा बढी क्याम्पसहरू कैलाली जिल्लामा २३ वटा रहेका छन् भने सबैभन्दा कम बाजुरा जिल्लामा ३ वटा मात्र रहेका छन्। जिल्लागत क्याम्पसहरूको संख्यात्मक विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

तालिका ९-२ जिल्लागत क्याम्पसहरूको संख्या

| जिल्ला | आंगिक तथा सरकारी | | निजी तथा संस्थागत | | सामुदायिक | | जम्मा | |
|-----------|------------------|------|-------------------|------|-----------|------|-------|------|
| | २०८१ | २०८२ | २०८१ | २०८२ | २०८१ | २०८२ | २०८१ | २०८२ |
| अछाम | १ | १ | १ | १ | ५ | ५ | ७ | ७ |
| कञ्चनपुर | ४ | ३ | ५ | ७ | १० | १० | १९ | २० |
| कैलाली | ४ | ५ | ३ | ५ | १२ | १३ | १९ | २३ |
| डडेल्धुरा | ३ | ३ | १ | १ | १ | १ | ५ | ५ |
| डोटी | ३ | ३ | २ | २ | २ | २ | ७ | ७ |
| दार्चुला | २ | २ | १ | १ | ४ | ४ | ७ | ७ |
| बझाङ | १ | १ | ० | १ | ७ | ६ | ८ | ८ |
| बाजुरा | २ | २ | ० | ० | १ | १ | ३ | ३ |
| बैतडी | ३ | ३ | २ | २ | ७ | ८ | १२ | १३ |
| जम्मा | २३ | २३ | १५ | २० | ४९ | ५० | ८७ | ९३ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

सामुदायिक विद्यालय मर्जर

- ९.७. शैक्षिक सत्र २०७९ मा २३ विद्यालयहरू मर्ज भएकोमा २०८० मा गाभिने दर १९१.३० प्रतिशतले वृद्धि भई मर्ज हुने विद्यालयको संख्या ६७ पुगेको थियो। २०८० देखि २०८१ सम्म वृद्धिदर ५.९७ मात्र भए पनि गाभिने संख्या अझै उच्च रहेको छ। २०८२ मा कञ्चनपुर जिल्लामा मात्रै ९ वटा विद्यालयहरू गाभिएको देखिन्छ।

तालिका ९-३ गाभिए/मर्जर गरिएको सामुदायिक विद्यालयहरूको जिल्लागत विवरण

| जिल्ला | शैक्षिक सत्र | | | |
|-----------|--------------|------|------|------|
| | २०७९ | २०८० | २०८१ | २०८२ |
| अछाम | २ | २२ | १६ | - |
| कञ्चनपुर | ४ | १ | १ | ९ |
| कैलाली | - | ६ | १५ | - |
| डडेल्धुरा | - | ३ | - | - |
| डोटी | २ | ११ | १४ | - |

सामाजिक क्षेत्र

| जिल्ला | शैक्षिक सत्र | | | |
|----------------------|--------------|--------|------|------|
| | २०७९ | २०८० | २०८१ | २०८२ |
| दार्चुला | ७ | १५ | २ | - |
| बझाङ | - | ६ | २३ | - |
| बाजुरा | - | - | - | - |
| बैतडी | ८ | ३ | - | - |
| जम्मा | २३ | ६७ | ७१ | ९ |
| वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | | १९१.३० | ५.९७ | |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

शिक्षक विवरण

९.८. शैक्षिक सत्र २०८१ मा कुल शिक्षक संख्या २८ हजार २०३ रहेकोमा शैक्षिक सत्र २०८२ मा यो संख्या २९ हजार १८५ पुगेको छ। शैक्षिक सत्र २०८१ मा कुल शिक्षकमध्ये ३४.२९ प्रतिशत महिला रहेकोमा शैक्षिक सत्र २०८२ मा यस्तो अनुपातमा ३२.८२ प्रतिशत पुगेको छ। सामुदायिक विद्यालयमा कुल शिक्षकमध्ये २८.३६ प्रतिशत महिला र ७१.६४ प्रतिशत पुरुष रहेका छन्।

तालिका ९-४ सामुदायिक र संस्थागत विद्यालयमा कार्यरत शिक्षक विवरण (२०८२)

| विद्यालय तह | सामुदायिक विद्यालय | | | संस्थागत विद्यालय | | | कुल | | |
|---------------------|--------------------|-------|-------|-------------------|-------|-------|-------|-------|-------|
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| | २०८१ | | | | | | | | |
| आधारभूत तह (१-५) | ४७८५ | ७९२९ | १२७१४ | २२५९ | १२५१ | ३५१० | ७०४४ | ९१८० | १६२२४ |
| आधारभूत तह (६-८) | ८०५ | ३६९२ | ४४९७ | ६८८ | ११८० | १८६८ | १४९३ | ४८७२ | ६३६५ |
| माध्यमिक तह (९-१०) | ६७८ | २२६६ | २९४४ | २२२ | ९२९ | ११५१ | ९०० | ३१९५ | ४०९५ |
| माध्यमिक तह (११-१२) | १९२ | ११०३ | १२९५ | ४१ | १८३ | २२४ | २३३ | १२८६ | १५१९ |
| जम्मा | ६४६० | १४९९० | २१४५० | ३२१० | ३५४३ | ६७५३ | ९६७० | १८५३३ | २८२०३ |
| | २०८२ | | | | | | | | |
| आधारभूत तह (१-५) | ४७८५ | ७९२९ | १२७१४ | २२५९ | १२५१ | ३५१० | ७०४४ | ९१८० | १६२२४ |
| आधारभूत तह (६-८) | १०४६ | ४४४६ | ५४९२ | ६८८ | ११८० | १८६८ | १७३४ | ५६२६ | ७३६० |
| माध्यमिक तह (९-१०) | ३४५ | २५९९ | २९४४ | २२२ | ९२९ | ११५१ | ५६७ | ३५२८ | ४०९५ |
| माध्यमिक तह (११-१२) | १८९ | ११०१ | १२९० | ४३ | १७३ | २१६ | २३२ | १२७४ | १५०६ |
| जम्मा | ६३६५ | १६०७५ | २२४४० | ३२१२ | ३५३३ | ६७४५ | ९५७७ | १९६०८ | २९१८५ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

विद्यार्थी विवरण

९.९. प्रदेशमा व्याप्त प्रवासी प्रभाव र सामुदायिक विद्यालयतर्फ अभिभावकको घट्टो आकर्षणले गर्दा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ७ लाख २६ हजार विद्यार्थी संख्या रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा सामुदायिक विद्यालयमा सो संख्या ७.७८ प्रतिशतले घटेर ६ लाख ७० हजार पुगेको छ। आधारभूत तह (१-५) र माध्यमिक तहमा समेत भर्ना संख्यामा निरन्तर गिरावट देखिएको छ। तथापि कक्षा ११-१२ मा छात्रको संख्यामा १.९५ प्रतिशतको सामान्य वृद्धि देखिएको छ।

तालिका ९-५ सामुदायिक विद्यालय तहमा विद्यार्थी भर्नाको अवस्था (संख्यामा)

| तह/शैक्षिक सत्र | लिंग | शैक्षिक सत्रमा विद्यार्थी संख्या | | | | घट/बढ (प्रतिशतमा) | | | छात्रा तथा छात्र समेत कुल | |
|-----------------------|--------|----------------------------------|--------|--------|--------|-------------------|-------|-------|---------------------------|--------|
| | | २०७९ | २०८० | २०८१ | २०८२ | २०८० | २०८१ | २०८२ | (२०८१) | (२०८२) |
| आधारभूत तह (१-५) | छात्रा | १८६९३१ | १७१६२५ | १६२०२७ | १५५०२५ | -८.१९ | -५.५९ | -४.३२ | -४.३६ | -३.२४ |
| | छात्र | १९३०२५ | १७८६२९ | १७२९५० | १६९१०२ | -७.४६ | -३.१८ | -२.२२ | | |
| आधारभूत तह (६-८) | छात्रा | १०२५८० | १००५१३ | ९७७९२ | ९१७८२ | -२.०२ | -२.७१ | -६.१५ | -३.२६ | -५.७४ |
| | छात्र | १०३०६२ | १०१८३६ | ९७९६० | ९२७३४ | -१.१९ | -३.८१ | -५.३३ | | |
| आधारभूत तह (१-८) | छात्रा | २८९५११ | २७२१३८ | २७६०७० | २४६८० | -६.०० | १.४४ | - | १०.६० | १.५२ |
| | छात्र | २९६०८७ | २८०४६५ | २८४९१५ | २६१८३६ | -५.२८ | १.५९ | -८.१० | | |
| माध्यमिक तह (९-१०) | छात्रा | ६२८४४ | ५७३६९ | ५०५९० | ४८६७२ | -८.७१ | - | -३.७९ | -११.६३ | -३.९७ |
| | छात्र | ६१७८६ | ५६९०८ | ५०४०२ | ४८३१३ | -७.८९ | - | -४.१४ | | |
| माध्यमिक तह (११-१२) | छात्रा | ४३०९१ | ४०६४९ | ३३००३ | ३२२३२ | -५.६७ | - | -२.३४ | -१६.८१ | -०.२४ |
| | छात्र | ३७३३० | ३७१२२ | ३१६९७ | ३२३१५ | -०.५६ | - | १.९५ | | |
| माध्यमिक तह (९-१२) | छात्रा | १०५९३५ | ९८०१८ | ८३५९३ | ८०९०४ | -७.४७ | - | -३.२२ | -१३.७२ | -२.५१ |
| | छात्र | ९९११६ | ९४०३० | ८२०९९ | ८०६२८ | -५.१३ | - | -१.७९ | | |
| कक्षा (१-१२) को जम्मा | छात्रा | ३९५४४६ | ३७०१५६ | ३५९६६३ | ३२७७११ | -६.४० | -२.८३ | -८.८८ | -२.४१ | -७.७८ |
| | छात्र | ३९५२०३ | ३७४४९५ | ३६७०१४ | ३४२४६४ | -५.२४ | -२.०० | -६.६९ | | |
| जम्मा | | ७९०६४९ | ७४४६५१ | ७२६६७७ | ६७०१७५ | -५.८२ | -७.७८ | -२.४१ | -७.७८ | |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (SEE)

९.१०. शैक्षिक सत्र २०८२ मा SEE परिक्षामा सामेल भएका देशभरका ४ लाख ३० हजार ६६७ परिक्षार्थीमध्ये सुदूरपश्चिम प्रदेशको उत्तीर्ण प्रतिशत ५१.२२ रहेको छ, जुन राष्ट्रिय औसत ६५.९८ प्रतिशतभन्दा करिब १४.७६ प्रतिशत अंकले कम छ।

GPA ३.६०—४.०० को उच्चतम श्रेणीमा प्रदेशका जम्मा १ हजार ४१४ विद्यार्थी मात्र रहेका छन्। यो बर्गको राष्ट्रिय अनुपात ३३.०३ प्रतिशत रहेको छ भने सुदूरपश्चिम प्रदेशको ६.८५ प्रतिशत मात्र रहेको छ।

तालिका ९-६ माध्यमिक शिक्षा परीक्षा, कक्षा १० (SEE) २०८२/८३ को नतिजा विवरण (जम्मा सहभागीको प्रतिशतमा)

| प्रदेश | सुदूरपश्चिम प्रदेश | नेपाल |
|-------------------------|--------------------|--------|
| GPA 1.60 To < 2.00 | २ | ७ |
| GPA 2.00 To < 2.40 | ९०० | ५१९० |
| GPA 2.40 To < 2.80 | ६५५९ | ५५९७७ |
| GPA 2.80 To < 3.20 | ८३४६ | ९४२२२ |
| GPA 3.20 To < 3.60 | ४४४३ | ८०३७२ |
| GPA 3.60 To <= 4.00 | १४१४ | ४८३९२ |
| NG | २०६३५ | १४६५०७ |
| जम्मा सहभागी | ४२२९९ | ४३०६६७ |
| ग्रेड प्राप्त | २१६६४ | २८४१६० |
| ग्रेड प्राप्त (प्रतिशत) | ५१.२२ | ६५.९८ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

छात्रवृत्ति

९.११. पठनपाठनको लागत उच्च रहेका सङ्कायमा प्रदेशका आर्थिक अवस्था कमजोर रहेका विद्यार्थीहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्न प्रदेश सरकारले छात्रवृत्ति कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ। आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा प्राविधिक डिप्लोमा छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने २० जना रहेकोमा आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा १४ जना रहेका छन्। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ पश्चात यो सङ्कायमा छात्रवृत्ति कार्यक्रम बन्द हुन गई एम.वि.वि.एस. तर्फको छात्रवृत्ति कार्यक्रममात्र निरन्तरता गरिएको छ। एम.वि.वि.एस. तर्फको प्रवेश परिक्षामा उत्तीर्ण भएका प्रदेशका प्रदेशका ९ जनालाई समानुपातिक छनौट प्रणालीबाट छात्रवृत्ति प्रदान गरिदै आएको छ।

तालिका ९-७ छात्रवृत्ति सम्बन्धी विवरण

| आर्थिक वर्ष | प्राविधिक डिप्लोमा | एम.वि.वि.एस. |
|-------------|--------------------|--------------|
| २०७९/८० | २० | ९ |
| २०८०/८१ | १४ | ९ |
| २०८१/८२ | - | ९ |
| २०८२/८३* | - | ९ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

- ९.१२. वादी समुदायका छात्रछात्राको शिक्षामा पहुँच बढाउन र आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण गर्न आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा शुरु भएको वादी उत्थान कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालयस्तरीय र उच्चशिक्षा अध्ययनका लागि प्रदेश सरकारले छात्रवृत्ति प्रदान गर्दै आएको छ।
- ९.१३. यस कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालय तहका लाभार्थी आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को ९५३ बाट घटेर आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा ७३२ पुगेको छ, जुन २३.२ प्रतिशतको हास हो। कञ्चनपुरमा ३७.८% र अछाममा ३६.८% ले लाभार्थी संख्या घटेको छ। तथापि उच्च शिक्षातर्फ लाभार्थी संख्या २९ बाट बढेर ३० पुगेको देखिएको छ।

तालिका ९-८ वादी समुदाय छात्रवृत्ति अन्तर्गत लाभान्वितको विवरण

| जिल्ला | २०७९/८० | | २०८०/८१ | | २०८१/८२ | | २०८२/८३* | |
|-----------|----------|------------|----------|------------|----------|------------|----------|------------|
| | विद्यालय | उच्चशिक्षा | विद्यालय | उच्चशिक्षा | विद्यालय | उच्चशिक्षा | विद्यालय | उच्चशिक्षा |
| अछाम | २० | | | | १९ | २ | १२ | ३ |
| कञ्चनपुर | १८८ | ३ | | | १८० | ८ | ११२ | ४ |
| कैलाली | ३२३ | ४ | ४७२ | १४ | ४६९ | १४ | ३७३ | १९ |
| डडेल्धुरा | ३ | | | | ६ | ० | ० | ० |
| डोटी | ४१ | १ | | | ४९ | १ | ३२ | ० |
| दार्चुला | ९५ | | | | १३८ | ४ | १२८ | ४ |
| बझाङ | ४७ | | | | ५० | ० | ३५ | ० |
| बाजुरा | | | | | ० | ० | ० | ० |
| बैतडी | ४२ | | | | ४२ | ० | ४० | ० |
| जम्मा | ७५९ | ८ | ४७२ | १४ | ९५३ | २९ | ७३२ | ३० |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

शैक्षिक पूर्वाधार

- ९.१४. वार्षिक कार्यक्रम मार्फत प्रदेश सरकारले विद्यालय तथा क्याम्पसहरूको भौतिक पूर्वाधार निर्माण र मर्मत संभारका कार्यक्रम संचालन गर्दै आएको छ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा विद्यालय खेल मैदान निर्माणको संख्या २० बाट ७४ मा पुगको छ। विद्यालय भवन निर्माण अन्तर्गत दुई कोठे भवन ९५ बाट १४० पुगेको र चार कोठे भवन २ बाट १४ पुगनु सकारात्मक छ। तर छात्रावास भवन र आई.सि.टी. ल्याव निर्माणमा सुस्तता आएको छ।

तालिका ९-९ शैक्षिक पूर्वाधार सम्बन्धी विवरण (गोटा)

| आर्थिक वर्ष | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-----------------------------|---------|---------|---------|----------|
| दुई कोठे विद्यालय भवन | ३०१ | १०९ | ९५ | १४० |
| चार कोठे विद्यालय भवन | २८ | ० | २ | १४ |
| विद्यालय छात्रावास भवन | १४ | ९ | ४ | ३ |
| विद्यालय विज्ञान प्रयोगशाला | १९ | २० | ११ | १६ |
| विद्यालय आई.सि.टी. ल्याब | १४ | २३ | २२ | १७ |
| विद्यालय खेल मैदान | ३५ | २२ | २० | ७४ |
| दुई कोठे क्याम्पस भवन | | १ | ० | ४ |
| चार कोठे क्याम्पस भवन | १ | ० | ० | ० |
| क्याम्पस आई.सि.टी. ल्याब | १ | १ | १ | १ |
| भान्सा घर | | | | |

स्रोत: सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय

९.१५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयमा स्नातक तहमा ४८ हजार ६२९ विद्यार्थी अध्ययनरत रहेका छन्। विद्यार्थीको चाप व्यवस्थापन र शिक्षा सङ्काय तर्फ रहेको छ। वन विज्ञान र संस्कृत गरी २ वटा नयाँ संकाय थप भएको छ।

तालिका ९-१० सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयको भर्ना र उत्पादनको अवस्था

| सङ्काय | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
|-----------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| मानविकी र समाजशास्त्र | १३८४ | १०४० | २८४२ | ३६५२ | | ३२७९ | ६५७७ |
| व्यवस्थापन | ४२०४ | ३७०० | ५२१० | ६३१८ | | ६९४५ | १८९२४ |
| विज्ञान तथा प्रविधि | ३४० | २८६ | ३५० | ५०० | | ८३६ | १७२५ |
| वन विज्ञान | | | | | | | ३४ |
| संस्कृत | | | | | | | ५१ |
| इन्जिनियरिङ | १९१ | १९१ | २३७ | ३२७ | | ५७८ | १००२ |
| शिक्षा शास्त्र | ३८९४ | ३५०१ | ४९३५ | ५८०६ | | ६५१७ | १८८७० |
| कृषि | १०० | १९४ | २९९ | ४०३ | | ६९० | ९६७ |
| कानून | | ९१ | १२९ | २३८ | | ४७७ | ४७७ |
| जम्मा | १०११३ | ९००३ | १४००२ | १७२३८ | १९५४१ | १९३२२ | ४८६२७ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा

- ९.१६. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम परिषद् (CTEVT) अन्तर्गत स्वास्थ्य, कृषि, इन्जिनियरिङ तथा आतिथ्यता व्यवस्थापन जस्ता विभिन्न संकायका प्राविधिक कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुँदै आएका छन् । यस्ता कार्यक्रमहरूले बजारको माग अनुसारका सीपयुक्त दक्ष जनशक्ति उत्पादनमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गरेको देखिन्छ ।
- ९.१७. CTEVT कार्यक्रममा कुल ३,४७० सीटमध्ये केवल २,०९६ (६०.४०%) मात्र भर्ना भएको छ तर स्वास्थ्य सङ्घायमा भर्ना दर ९३.७६% भई उत्साहजनक देखिएको छ । इन्जिनियरिङ संकायमा ४०.५३% र आतिथ्य व्यवस्थापन संकायमा ३५.०% मात्र भर्ना भएको देखिन्छ जुन भर्ना दर अत्यन्त कम हो । कृषि संकायका कार्यक्रमहरूमा भर्ना दर ४६.७० रहेको छ ।

तालिका ९-११ CTEVT बाट सञ्चालित कार्यक्रमहरूको सङ्घायगत संख्या र भर्ना क्षमता

| संकाय | कार्यक्रमहरू | कुल संस्था संख्या | कुल सीट संख्या | भर्ना सङ्ख्या | औसत भर्ना दर (%) |
|-------------------|----------------------------------|-------------------|----------------|---------------|------------------|
| स्वास्थ्य | सामुदायिक चिकित्सा सहायक ANM CMA | १८ | ११७० | १०९७ | ९३.७६ |
| कृषि | पशु विज्ञान बाली विज्ञान | ४६ | ११२० | ५२३ | ४६.७० |
| इन्जिनियरिङ | सिभिल इलेक्ट्रिकल मेकानिकल | ३४ | ११४० | ४६२ | ४०.५३ |
| आतिथ्य व्यवस्थापन | होटल व्यवस्थापन | १ | ४० | १४ | ३५.०० |

स्रोत: प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद्, २०८३

स्वास्थ्य क्षेत्र

स्वास्थ्य सेवा

- ९.१८. प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म अस्पताल २६, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र १३, स्वास्थ्य चौकी ३७१, आयुर्वेदिक औषधालय ३३ र उपस्वास्थ्य चौकी तथा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र ५५९ गरी कुल १००२ सरकारी स्वास्थ्य संस्था संचालनमा रहेका छन् ।
- ९.१९. प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा सरकारी स्वास्थ्य संस्थाहरूमा डाक्टर १३७, नर्स २ हजार ९२, पारामेडिक्स १ हजार ९४० र महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका ६ हजार ७४ जना गरी जम्मा १० हजार २४३ स्वास्थ्यकर्मीहरू कार्यरत रहेका छन् ।

तालिका ९-१२ सरकारी स्वास्थ्य, संस्था शैय्या र जनशक्तिको विवरण

| विवरण | २०८२ चैत्र मसान्तसम्म |
|--|-----------------------|
| जम्मा स्वास्थ्य संस्था | १००२ |
| अस्पताल | २६ |
| प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र | १३ |
| स्वास्थ्य चौकी | ३७१ |
| आयुर्वेदिक औषधालय | ३३ |
| उपस्वास्थ्य चौकी/ आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र | ५५९ |
| अस्पताल शैय्या | ८२७ |
| जम्मा जनशक्ति | १०२४३ |
| डाक्टर | १३७ |
| नर्स | २०९२ |
| पारामेडिक्स | १९४० |
| महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका | ६०७४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

अस्पताल सेवा

९.२०. चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म प्रदेशमा अन्तरङ्ग, बहिरङ्ग र आकस्मिक सेवा गरी जम्मा ४ लाख ७४ हजार पटक स्वास्थ्य सेवा लिएको देखिन्छ जसमा बहिरङ्ग सेवाको अंश मात्र ४६.२० प्रतिशत र आकस्मिक सेवाको ४४.९३ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका 9-13 स्वास्थ्य सेवा लिने विरामीको पटके संख्या (हजारमा)

| स्वास्थ्य सेवा | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|----------------|---------|----------|
| अन्तरंग | ४९ | ४२ |
| बहिरङ्ग | ३१३ | २१९ |
| आकस्मिक | २७८ | २१३ |
| जम्मा | ६४० | ४७४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

राष्ट्रिय खोप कार्यक्रम

९.२१. राष्ट्रिय खोप कार्यक्रम अन्तर्गत प्रदेश सरकारबाट बि.सि.जि., डि.पि.टी., हेपाटाईटिस बि., पोलियो, दादुरा र गर्भवती महिलाको लागि टिटानस र डिप्थेरिया लगायत १३ प्रकारका खोप उपलब्ध हुँदै आएको छ।

९.२२. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेश सरकारबाट वार्षिक लक्ष्यको वि.सि.जि. भ्याक्सिन ६६ प्रतिशत, डि.पि.टी. हेपाटाइटिस बि (तेस्रो मात्रा) ६२ प्रतिशत, पोलियो (तेस्रो मात्रा) ६२ प्रतिशत, दादुरा रूबेला (दोस्रो मात्रा) ६३ प्रतिशत, रोटा (दोस्रो मात्रा) ६४ प्रतिशत, पि.सि.भि. (तेस्रो मात्रा) ५९ प्रतिशत र टिटानस ५१ प्रतिशत खोप लगाउने कार्य भएको छ।

तालिका ९-१४ खोपको विवरण (वार्षिक अनुमानित लक्ष्यको प्रतिशतमा)

| विवरण | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|---|---------|---------|----------|
| वि.सि.जि. भ्याक्सिन | ७८ | ७७ | ६६ |
| डि.पि.टी. हेपाटाइटिस बि (तेस्रो मात्रा) | ८० | ७८ | ६२ |
| पोलियो (तेस्रो मात्रा) | ८० | ७८ | ६२ |
| दादुरा रूबेला (दोस्रो मात्रा) | ८६ | ८६ | ६३ |
| रोटा (दोस्रो मात्रा) | ८१ | ७८ | ६४ |
| पि.सि.भि. (तेस्रो मात्रा) | ८४ | ७९ | ५९ |
| टिटानस | ६० | ५९ | ५१ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

विपन्न नागरिक औषधि उपचार

९.२३. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा विपन्न नागरिक औषधि उपचार कार्यक्रमबाट ६३३ जना विरामीहरुले लाभ लिएका थिए भने चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ३७५ विपन्न नागरिकले औषधि उपचार सेवा प्राप्त गरेका छन्।

तालिका ९-१५ औषधि उपचार सेवा प्राप्त गर्ने विपन्न नागरिकको विवरण

| विवरण | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|--|---------|---------|----------|
| क्यान्सर | ३०५ | ४९३ | २७९ |
| मुटु रोग (शल्यक्रिया) | ५० | ६६ | ३० |
| दिर्घ मृगौला रोग (औषधि उपचार/ प्रत्यारोपण) | २५ | १९ | १३ |
| स्ट्रोक(पक्षघात)/ मस्तिस्कघात | १२ | १२ | २२ |
| मेरुदण्डमा चोट (स्पाईनाल सर्जरी) | २० | ४३ | ३१ |
| जम्मा | ४१२ | ६३३ | ३७५ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

खानेपानी

९.२४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेश सरकारबाट २८० इन्टेक निर्माण, २६० पानी पोखरी निर्माण र ७६० किलोमिटर पाइप लाइन जडानको कार्य सम्पन्न भएको छ। यस अवधिमा ७० खानेपानी आयोजनाका स्कीमहरु सम्पन्न भएका छन्।

तालिका ९-१६ खानेपानी पूर्वाधार निर्माणको अवस्था

| खानेपानी पूर्वाधार | इकाई | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|----------------------|--------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|
| इन्टेक निर्माण | गोटा | ५८९ | ५४६ | ३८६ | २७८ | ६८६ | २८० |
| डिप ट्युबेल जडान | गोटा | ३४ | २४ | १७ | ९ | १ | ० |
| पानी पोखरी निर्माण | गोटा | ४६४ | ५५७ | ४५९ | ४२२ | ५४६ | २६० |
| पाइप लाइन जडान | कि.मि. | १९११ | २२१५ | १७८८ | १३४४ | १४०३ | ७६० |
| सम्पन्न आयोजना/स्कीम | गोटा | २२६ | २८८ | १६६ | २६७ | १८५ | ७० |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

९.२५. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेश सरकारले निर्माण गरेको आधारभूत खानेपानी सेवाको विस्तारबाट ४५ हजार १११ जना र मध्यमस्तरको खानेपानी सेवा विस्तारबाट २४ हजार ५२४ गरी जम्मा ६९ हजार ६३५ जनालाई स्वच्छ खानेपानी सेवा उपलब्ध भएकोमा चालु आर्थिक वर्षको सोही अवधिमा आधारभूत खानेपानी सेवाको विस्तारबाट १८ हजार २८७ जना र मध्यमस्तरको खानेपानी सेवा विस्तारबाट ९ हजार ७५० जना गरी जम्मा २८ हजार ३७ जनालाई स्वच्छ खानेपानी सेवा उपलब्ध भएको छ ।

तालिका ९-१७ खानेपानी सेवाबाट लाभान्वित जनसंख्या

| खानेपानी सेवा | इकाई | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-----------------|------|---------|---------|---------|---------|----------|
| क. आधारभूत स्तर | जना | ६३१९३ | ५५८३७ | ५२९७६ | ४५१११ | १८२८७ |
| ख. मध्यम स्तर | जना | ४३६३० | १३०७६ | ३९३६९ | २४५२४ | ९७५० |
| जम्मा | | १०६८२३ | ६८९१३ | ९२३४५ | ६९६३५ | २८०३७ |

स्रोत: भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

महिला, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक

९.२६. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को फाल्गुन मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेशका दुर्गम तथा पहाडी क्षेत्रका ५ वटा गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाको उद्धार गरिएको छ। यसै अवधिमा प्रदेशगत रुपमा हेर्दा सबै भन्दा बढी कोशी प्रदेशका २१ र सबै भन्दा कम गण्डकी प्रदेशमा १ जनाको उद्धार भएको छ।

तालिका ९-१८ उद्धार गरिएका गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाको प्रदेशगत विवरण (संख्या)

| आर्थिक वर्ष | कोशी | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूरपश्चिम | जम्मा |
|-------------|------|--------|--------|----------|---------|-------------|-------|
| २०७५/७६ | ५ | ३ | ३ | १ | १३ | १ | २६ |
| २०७६/७७ | १० | १२ | ५ | २ | ३६ | २२ | ८७ |
| २०७७/७८ | २८ | २७ | ५ | २ | २८ | १३ | १०३ |
| २०७८/७९ | ५५ | २७ | ७ | २ | ५८ | २० | १६९ |
| २०७९/८० | ४४ | २२ | ११ | ३ | ५४ | ३३ | १६७ |
| २०८०/८१ | ६९ | १६ | ४ | ४ | ४० | २८ | १६१ |
| २०८१/८२ | ४७ | ६ | ८ | ३ | ५४ | १४ | १३२ |
| २०८२/८३* | २१ | १२ | १ | २ | १९ | ५ | ६० |
| कुल | २७९ | १२५ | ४४ | १९ | ३०२ | १३६ | ९०५ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

*फागुन मसान्तसम्म

९.२७. प्रदेशमा चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा ५२१ बालबालिका हराएका घटनामध्ये ५१९ फेला परेकोमा ५६ जना वेवारिसे फेला परेका थिए।

तालिका ९-१९ हराएका बालबालिका सम्बन्धी विवरण

| विवरण | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* | |
|------------------------|---------|---------|---------|----------|-----|
| हराएका | बालक | २१९ | २४२ | २३५ | १६२ |
| | बालीका | ४०४ | ३८७ | ५२६ | ३५९ |
| | जम्मा | ६२३ | ६२९ | ७६१ | ५२१ |
| हराएकामध्ये फेला परेका | बालक | २१६ | २३५ | २३३ | १६० |
| | बालीका | ३९५ | ३८० | ५२४ | ३५९ |
| | जम्मा | ६११ | ६१५ | ७५७ | ५१९ |
| वेवारिस फेला परेका | बालक | ९ | २७ | ४४ | २८ |
| | बालीका | ११ | २२ | २८ | २८ |
| | जम्मा | २० | ४९ | ७२ | ५६ |

स्रोत: आर्थिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

१०. सुशासन र सेवा प्रवाह

सुशासन

- १०.१. नेपालको संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत प्रदेश सरकारले सुदूरपश्चिम प्रदेश सुशासन ऐन, २०७५ र सुदूरपश्चिम प्रदेश (कार्यविभाजन) नियमावली, २०८१ को परिधिभित्र रहेर आफ्नो शासकीय संयन्त्र सञ्चालन गरिरहेको छ। हाल प्रदेश सरकारले आफ्नो दोस्रो पञ्चवर्षीय योजना (२०८३/०८४ देखि २०८७/०८८) को मस्यौदा तयार गर्दै डिजिटल प्रदेश निर्माण, गरिबी न्यूनीकरण र सुशासन प्रवर्द्धनलाई मुख्य प्राथमिकतामा राखेको छ। प्रदेश लोक सेवा आयोग र प्रदेश अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण प्रतिष्ठान जस्ता संस्थागत संरचनाहरू मार्फत कर्मचारीहरूको क्षमता विकास गर्ने र जनमुखी सेवा प्रवाह गर्ने प्रयासहरू भइरहेका छन्।
- १०.२. सुदूरपश्चिममा दिगो सुशासन कायम गर्नका लागि "हेलो मुख्यमन्त्री" जस्ता नागरिक सञ्चार प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाउने, विकास आयोजनाहरूको प्रभावकारी अनुगमन गर्ने र वित्तीय अनुशासन कायम गर्दै सदाचारिता प्रवर्द्धन गर्नेतर्फ प्रदेश सरकार अग्रसर रहेको छ। यसै सन्दर्भमा प्रदेशको वित्तीय सुशासन कायम गर्न चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को ९ महिनामा विशेष गरी प्रदेश सरकारबाट सुदूरपश्चिम प्रदेश बहुवर्षीय ठेक्का सहमति सम्बन्धी मापदण्ड, २०८२, सवारी साधन खरिद तथा प्रयोग सम्बन्धी मापदण्ड, २०८२ जारी भएका छन्। साथै प्रदेश सभा, मन्त्रिपरिषद् तथा पदाधिकारीहरूको सेवा सुविधा सम्बन्धी कानुनी व्यवस्थामा आवश्यक संशोधन गरिएको छ।
- १०.३. यसैगरी, कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व अभिवृद्धिका लागि पशुको पूर्ण खोप कार्यक्रम, स्थानीय तह विशेष पकेट क्षेत्र विकास कार्यक्रम तथा जीविकोपार्जन सुधारका लागि भैंसीपालन कार्यक्रम सम्बन्धी कार्यविधि स्वीकृत गरी कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ। सामाजिक विकास क्षेत्रतर्फ वृत्ति मार्गनिर्देशन सेवा सञ्चालन कार्यविधि जारी गरी युवाहरूको सीप तथा रोजगारी अभिमुखीकरणमा सहयोग पुऱ्याउने व्यवस्था गरिएको छ।

प्रशासन

- १०.४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म प्रदेश सरकारबाट शासन, प्रशासन, वित्तीय व्यवस्थापन, स्थानीय सेवा, कृषि, सामाजिक विकास तथा पूर्वाधार क्षेत्रसँग सम्बन्धित कानुनी तथा नीतिगत व्यवस्थालाई सुदृढ बनाउन विभिन्न ऐन, नियमावली, कार्यविधि, निर्देशिका, मापदण्ड तथा सूचनाहरू जारी गरिएको छ।
- १०.५. प्रदेश निजामती सेवा तथा स्थानीय सेवाको व्यवस्थापनलाई व्यवस्थित बनाउन सुदूरपश्चिम प्रदेश निजामती सेवा (दोस्रो संशोधन) नियमावली, २०८२, सुदूरपश्चिम प्रदेश

स्थानीय सेवा (गठन तथा सञ्चालन) नियमावली, २०८२ तथा सम्बन्धित ऐन संशोधन कार्य सम्पन्न गरिएको छ। प्रदेश सरकारले प्रशासनिक सेवालार्ई निष्पक्ष र योग्यतामा आधारित बनाउन स्थायी कर्मचारी भर्ना प्रक्रियालाई तीव्रता दिएको छ भने नागरिकका गुनासाहरू सुन्नका लागि मुख्यमन्त्री कार्यालयमा "हेलो मुख्यमन्त्री" जस्ता डिजिटल प्रणाली स्थापना गरेको छ। यद्यपि, भौगोलिक विकटताका कारण पहाडी र हिमाली जिल्लाका प्रादेशिक कार्यालयहरूमा स्वीकृत दरबन्दी अनुसारका प्राविधिक तथा प्रशासनिक कर्मचारीहरूको चरम अभाव छ।

- १०.६. सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोगको कार्य सम्पादनलाई प्रभावकारी बनाउन आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म १०६ जना व्यक्तिहरूलाई विषयविज्ञ/विशेषज्ञको सूची (Roaster) मा समावेश गरिएको छ ।
- १०.७. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्म सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोगले समावेशी विज्ञापन, आन्तरिक प्रतियोगिता (आ.प्र.), अन्तर तह र खुला विज्ञापनसमेत गरी कुल ६४ जनाको सिफारिस गरेको छ।
- १०.८. समावेशी विज्ञापन अन्तर्गत प्रशासन सेवामा १ जना महिला सिफारिस भएको र स्वास्थ्य सेवातर्फ सबैभन्दा बढी १४ जना (महिला ५, दलित ३, थारु/राना २, आर्थिक रूपले विपन्न खस आर्य १, पिछडिएको क्षेत्र १, आदिवासी जनजाति १, अपाङ्गता भएका व्यक्ति १) समावेशी कोटाबाट सिफारिस भएको देखिन्छ तर वन, इन्जिनियरिङ्ग, कृषि, शिक्षा र विविध सेवामा यस अवधिमा समावेशी तर्फ शून्य सिफारिस रहेको देखिएको छ।
- १०.९. खुला विज्ञापनतर्फ स्वास्थ्य सेवामा ३२ जना, कृषि सेवामा ९ जना, प्रशासन सेवामा १ जना र शिक्षा सेवामा १ जनाको सिफारिस भएको छ। आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा विज्ञापन नभएकाले आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुनै पदपूर्ति सम्पन्न हुन सकेको छैन, जसले योजना तथा विज्ञापनमा निरन्तरताको अभावलाई इंगित गर्दछ।

तालिका ९-१ सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोगबाट समावेशी विज्ञापनबाट सिफारिस भएको संख्या

| क्र.सं. | विवरण | सेवा | | | | | | | |
|---------|-----------------------------|--------------|---------|----------------|--------------------|-----------|-------------|------------|-----------|
| | | प्रशासन सेवा | वन सेवा | स्वास्थ्य सेवा | इन्जिनियरिङ्ग सेवा | कृषि सेवा | शिक्षा सेवा | विविध सेवा | कुल जम्मा |
| १ | महिला | १ | | ५ | | | | | ६ |
| | दलित | | | ३ | | | | | ३ |
| | थारु/राना | | | २ | | | | | २ |
| | आर्थिक रूपले विपन्न खस आर्य | | | १ | | | | | १ |
| | पि.क्षे. | | | १ | | | | | १ |
| | आ.ज. | | | १ | | | | | १ |
| | अपाङ्ग | | | १ | | | | | १ |

| क्र.सं. | विवरण | सेवा | | | | | | | |
|---------|--------------------------------------|--------------|---------|----------------|--------------------|-----------|-------------|------------|-----------|
| | | प्रशासन सेवा | वन सेवा | स्वास्थ्य सेवा | इन्जिनियरिङ्ग सेवा | कृषि सेवा | शिक्षा सेवा | विविध सेवा | कुल जम्मा |
| | मधेशी | | | | | | | | ० |
| | मुस्लिम | | | | | | | | ० |
| | जम्मा | १ | | १४ | | ० | | | १५ |
| २ | आ.प्र. | १ | | १ | | १ | १ | | ४ |
| ३ | अन्तर तह | १ | | | | १ | | | २ |
| ४ | खुला विज्ञापनबाट सिफारिस भएको संख्या | १ | | ३२ | | ९ | १ | | ४३ |
| | कुल जम्मा | ४ | | ४७ | | ११ | २ | | ६४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोग, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

१०.१०. चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्रसम्मको तथ्यांकमा स्वास्थ्य सेवातर्फ ४७ जना सिफारिस भई सबैभन्दा बढी रहेको छ। यसपछि कृषि सेवामा ११ जना, प्रशासन सेवामा ४ जना र शिक्षा सेवामा २ जनाको सिफारिस भएको छ। वन, इन्जिनियरिङ्ग र विविध सेवातर्फ यस आर्थिक वर्षमा पनि कुनै सिफारिस भएको देखिँदैन। कुल सिफारिस संख्या ६४ रहेको छ, जसमध्ये स्वास्थ्य सेवाको हिस्सा ७३.४ प्रतिशत रहेको छ।

तालिका १०-२ लोकसेवा आयोगको विज्ञापनबाट सिफारिस भएका पदको सेवागत विवरण

| सेवा | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
|------------------|------------------------------------|-----------|
| प्रशासन | पदपूर्ति सम्बन्धी कुनै कार्य नभएको | ४ |
| वन | | |
| स्वास्थ्य | | ४७ |
| इन्जिनियरिङ्ग | | |
| कृषि | | ११ |
| शिक्षा | | २ |
| विविध | | |
| कुल जम्मा | | ६४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोग, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

१०.११. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेश लोक सेवा आयोगबाट नवौं तहमा प्रशासन तर्फ ४, स्वास्थ्य तर्फ १७, कृषि तर्फ ११, शिक्षा तर्फ २ गरी जम्मा ३४ जना र आठौं तहमा स्वास्थ्य सेवातर्फ ३० जनाको सिफारिस भएको छ। समग्रमा दुई तहमा मात्र कुल ६४ जनाको सिफारिस सम्पन्न भएको छ। आर्थिक वर्ष

२०८०/८१ मा विज्ञापन प्रकाशन नभएकोले आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा कुनै पदपूर्ति भएको थिएन।

तालिका १०-३ विभिन्न तहमा सिफारिस भएको विवरण

| श्रेणी/तह | सेवा | | | | | | | |
|-----------|--------------|---------|----------------|--------------------|-----------|-------------|------------|-----------|
| | प्रशासन सेवा | वन सेवा | स्वास्थ्य सेवा | इन्जिनियरिङ्ग सेवा | कृषि सेवा | शिक्षा सेवा | विविध सेवा | कुल जम्मा |
| नवौँ | ४ | | १७ | | ११ | २ | | ३४ |
| आठौँ | | | ३० | | | | | ३० |
| जम्मा | ४ | ० | ४७ | ० | ११ | २ | | ६४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोग, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

१०.१२. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को विज्ञापनमा कुल ६२० माग पद रहेकामा जम्मा २९,५८४ जना दरखास्त दिएका थिए र परीक्षामा १३,५४६ जना सम्मिलित भएकोमा ६४ जनाको सिफारिस भएको छ।

१०.१३. तहगत विवरण हेर्दा नवौँ तहमा १५९ माग पदमा ९४१ दरखास्त परी ३३६ परीक्षामा सम्मिलित भई ३० सिफारिस, आठौँ तहमा ३० माग पदमा ९०६ दरखास्त परी ३३९ परीक्षामा सम्मिलित भई ३४ सिफारिस, सातौँ तहमा ३०४ माग पदमा ५,७९० दरखास्त परी २,०५६ परीक्षामा सम्मिलित भई शून्य सिफारिस, र पाँचौँ तहमा १२७ माग पदमा २१,९४७ दरखास्त परी १०,८१५ परीक्षामा सम्मिलित भई शून्य सिफारिस भएको छ। सातौँ र पाँचौँ तहको लागि पदपूर्ति सम्बन्धी कार्य प्रक्रियामा रहेको छ।

तालिका १०-४ विभिन्न तहमा पदपूर्ति सम्बन्धी विवरण

| तह | २०८०/८१ | २०८१/८२ | | | |
|--------|-------------------------------------|---------------|-------------------------------|-------------------------------------|--------------------------|
| | | माग पद संख्या | दरखास्त दिने उम्मेदवार संख्या | परीक्षामा सम्मिलित उम्मेदवार संख्या | सिफारिस उम्मेदवार संख्या |
| नवौँ | पदपूर्तिक सम्बन्धी कुनै कार्य नभएको | १५९ | ९४१ | ३३६ | ३० |
| आठौँ | | ३० | ९०६ | ३३९ | ३४ |
| सातौँ | | ३०४ | ५७९० | २०५६ | |
| पाँचौँ | | १२७ | २१९४७ | १०८१५ | |
| चौथौँ | | ० | ० | ० | ० |
| जम्मा | | ६२० | २९५८४ | १३५४६ | ६४ |

नोट: आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को विज्ञापनको पदपूर्ति सम्बन्धी विवरण समावेश भएको

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोग, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- १०.१४. आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा प्रकाशित विज्ञापनको माग संख्या र दरखास्त विवरण हेर्दा यस वर्ष कुल २४४ माग पदमा जम्मा ३०,४३४ जनाले दरखास्त दिएका छन्, जसमध्ये नवौं तहमा २६ माग पदमा १५२ दरखास्त, आठौं तहमा ३ माग पदमा १२६ दरखास्त, सातौं तहमा ८० माग पदमा २,४७८ दरखास्त, पाँचौं तहमा ६४ माग पदमा ७,५८० दरखास्त र चौथो तहमा ७१ माग पदमा २०,०९८ दरखास्त परेको छ।
- १०.१५. यस वर्षको सिफारिस (कुल ६४) वास्तवमा आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को विज्ञापनको पदपूर्तिनतिजा हो, जसको परीक्षा आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा सम्पन्न भयो। चौथो तहमा सर्वाधिक दरखास्त (२०,०९८) परेको तथ्यले सहायकस्तरीय पदमा प्रतिस्पर्धा अत्यन्त उच्च रहेको देखाउँछ। आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को विज्ञापनका पदहरूको परीक्षा हुन बाँकी रहेको हुँदा यी पदको अन्तिम सिफारिस आउँदो वर्ष मात्र हुने अपेक्षा गर्न सकिन्छ।

तालिका १०-६ आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा पदपूर्ती सम्बन्धी विवरण^१

| तह | माग पद संख्या | दरखास्त दिने उम्मेदवार संख्या | परीक्षामा सम्मिलित उम्मेदवार संख्या | | | आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा सिफारिस उम्मेदवार संख्या (२०८१/८२ विज्ञापन भएका पदहरूको सिफारिस) | | |
|--------|---------------|-------------------------------|-------------------------------------|-------|-------|---|-------|-------|
| | | | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| नवौं | २६ | १५२ | | | | ८ | २६ | ३४ |
| आठौं | ३ | १२६ | | | | १० | २० | ३० |
| सातौं | ८० | २४७८ | | | | | | ० |
| पाँचौं | ६४ | ७५८० | | | | | | ० |
| चौथो | ७१ | २००९८ | | | | | | ० |
| जम्मा | २४४ | ३०४३४ | | | | १८ | ४६ | ६४ |

स्रोत: प्रदेश लोक सेवा आयोग, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्मको

- १०.१६. सुदूरपश्चिम प्रदेश लोक सेवा आयोगले चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मा अप्राविधिक तर्फ अधिकृत नवौं तहको इन बास्केट अभ्यास परीक्षा सञ्चालन तथा व्यवस्थापन (विधि र मापदण्ड) सम्बन्धी कार्यविधि, २०८२। प्रदेश लोक सेवा आयोग, परीक्षा दस्तुर एवं खर्च व्यवस्थापन मापदण्ड, २०७८ को (संशोधन) मस्यौदा तर्जुमा गरिएको छ।

^१ आर्थिक वर्ष २०८२/८३ को विज्ञापनको माग संख्या र दरखास्त विवरण मात्र समावेश गरिएको परीक्षा हुन बाँकी रहेको र आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को विज्ञापनको सिफारिस सम्बन्धी विवरण समावेश भएको

- १०.१७. प्रविधि सुधारका लागि आयोगको आधिकारिक वेबसाइट (psc.sudurpashchim.gov.np) लाई समयसापेक्ष अद्यावधिक गरिएको छ र अनलाइन आवेदन प्रणाली (Online Application) लाई क्रमशः स्तरोन्नति (Upgrade) गर्ने रणनीति लिइएको छ ।
- १०.१८. स्थायी संगठन संरचनाका लागि आयोगले स्थायी संगठन संरचना तथा दरबन्दी तेरिज सिफारिस गर्न ओ एण्ड एम (O&M) समितिले तयार पारेको प्रतिवेदन स्वीकृतिका लागि मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयमा पठाइएको छ ।
- १०.१९. प्रदेशमा जिल्लागत कार्यालय तथा शाखा रहेका मन्त्रालयहरूमा पदपूर्तिको अवस्था कम रहेको छ। प्रदेशको स्वीकृत दरबन्दीमध्ये सातौं र आठौं तहमा पदपूर्ति सबैभन्दा कम रहेको हुँदा कार्यसम्पादन प्रभावित भएको छ। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा प्रदेशको कुल स्वीकृत २ हजार ८३१ दरबन्दी मध्ये ३७.२३ प्रतिशत रिक्त रहेको ।

तालिका १०-७ निकायगत पदपूर्तिको अवस्था

| मन्त्रालय वा निकाय | स्वीकृत दरबन्दी | पदपूर्ति संख्या | रिक्त संख्या |
|---|-----------------|-----------------|--------------|
| लोकसेवा आयोग | ४५ | २४ | १७ |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | ५२ | ३८ | १४ |
| आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय | ३८ | २६ | १२ |
| आर्थिक मामिला मन्त्रालय वा अन्तर्गत | १०३ | ६१ | ४२ |
| भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय | ४६४ | ३८२ | ८० |
| उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ८९९ | ६४२ | २५७ |
| सामाजिक विकास मन्त्रालय | ७५८ | ३८६ | ३७२ |
| भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | ३९४ | १५८ | २३६ |
| प्रदेश सभा सचिवालय | ४५ | ३१ | १४ |
| मुख्य न्यायाधिवक्ताको कार्यालय | १२ | १२ | ० |
| प्रदेश नीति तथा योजना आयोग | २१ | ११ | १० |
| जम्मा | २८३१ | १७७१ | १०५४ |

स्रोत: सम्बन्धित प्रादेशिक मन्त्रालय र निकायहरू, २०८३

११. शान्ति सुरक्षा र विपद् व्यवस्थापन

११.१. चालु आर्थिक वर्षमा समेत प्रहरी भवन निर्माण र स्तरोन्नतिका कार्यक्रमले निरन्तरता पाएको छ। आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा ४ वटा प्रहरी भवनहरू निर्माण भई हस्तान्तरण भएकोमा चालु आर्थिक वर्षमा ५ वटा प्रहरी भवनहरूको निर्माण कार्य सम्पन्न भएको छ। निर्माण सम्पन्न भएका प्रहरी भवनहरूको संख्या देहाय बमोजिम रहेको छ।

तालिका १०-१ निर्माण सम्पन्न प्रहरी भवन संख्या

| आर्थिक वर्ष | निर्माण सम्पन्न कुल भवन संख्या |
|-------------|--------------------------------|
| २०७७/७८ | २ |
| २०७८/७९ | ३ |
| २०७९/८० | ६ |
| २०८०/८१ | १२ |
| २०८१/८२ | ४ |
| २०८२/८३* | ५ |

स्रोत: आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, २०८३

११.२. आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मा सवारी दुर्घटनामा घाइते हुनेको संख्या २,००४ र मृत्यु हुनेको संख्या १९२ रहेको छ भने चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म घाइते हुनेको संख्या २,०६७ र मृत्यु हुनेको संख्या १७९ रहेको छ।

तालिका ११-२ सवारी दुर्घटना सम्बन्धी विवरण

| आर्थिक वर्ष | दुर्घटनामा परेका | | | दुर्घटनामा परी मृत्यु भएका | | |
|-------------|------------------|-------|-------|----------------------------|-------|-------|
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| २०७४/७५ | ४०० | १०३ | ५०३ | १२७ | ३९ | १६६ |
| २०७५/७६ | ४६० | १७५ | ६३५ | १६३ | ६० | २२३ |
| २०७६/७७ | ३२४ | ९४ | ४१८ | १२० | २३ | १४३ |
| २०७७/७८ | १०१७ | २६६ | १२८३ | १५४ | ३३ | १८७ |
| २०७८/७९ | ९१८ | २७९ | ११९७ | १६५ | ३१ | १९६ |
| २०७९/८० | १५१ | ३२२ | ४७३ | २७ | १५० | १७७ |
| २०८०/८१ | १०६ | ४३० | ५३६ | २८ | १४४ | १७२ |
| २०८१/८२ | ५०७ | १४९७ | २००४ | ३८ | १५४ | १९२ |
| २०८२/८३* | ५६६ | १५०१ | २०६७ | ३७ | १४२ | १७९ |

स्रोत: आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, २०८३

* चैत्र मसान्तसम्म

- ११.३. सुदूरपश्चिम प्रदेशमा लागुऔषध दुर्व्यसनमा संलग्न व्यक्तिको संख्या १,०२६ बाट घटेर ७५३ मा झरेको छ भने दुर्व्यसनमुक्त हुने व्यक्तिको संख्या ८० बाट बढेर १०८ पुगेको छ। यसले लागुऔषध नियन्त्रण तथा पुनःस्थापना कार्यक्रमको प्रभावकारिता बढ्दै गएको देखाउँछ।
- ११.४. गत र चालु आर्थिक वर्षहरूमा लागु औषधमा संलग्न महिलाको अनुपात घटेको छ। गत आर्थिक वर्षको ६१ महिला र ९६५ पुरुष सहित १०२६ लागु औषध दुर्व्यसनमा संलग्न भेटिएका थिए भने चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म ३२ महिला र ७२१ पुरुष गरी ७५३ संलग्न भेटिएका छन्। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्ममा जम्मा १०८ दुर्व्यसनबाट मुक्त भएका छन्।

तालिका ११-३ लागु औषध दुर्व्यसनीको अवस्था

| आर्थिक वर्ष | लागु औषध दुर्व्यसनमा संलग्न | | | लागु औषध दुर्व्यसनबाट मुक्त भएका | | |
|-------------|-----------------------------|-------|-------|----------------------------------|-------|-------|
| | महिला | पुरुष | जम्मा | महिला | पुरुष | जम्मा |
| २०७४/७५ | १४ | १७६ | १९० | ३ | २३ | २६ |
| २०७५/७६ | १५ | २०९ | २२४ | ५ | ३१ | ३६ |
| २०७६/७७ | २४ | २६८ | २९२ | ३ | ४० | ४३ |
| २०७७/७८ | १३ | ४०७ | ४२० | ४ | १६ | २० |
| २०७८/७९ | ३२ | ४६४ | ४९६ | २ | २७ | २९ |
| २०७९/८० | १९५ | १०६१ | १२५६ | ५६ | ५९६ | ६५२ |
| २०८०/८१ | ६९१ | ७३ | ७६४ | २७ | ७८९ | ८१६ |
| २०८१/८२ | ६१ | ९६५ | १०२६ | ११ | ६९ | ८० |
| २०८२/८३* | ३२ | ७२१ | ७५३ | ८ | १०० | १०८ |

स्रोत: आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

- ११.५. गत आर्थिक वर्षमा प्रदेशमा भएका ९४६ विपद्का घटनामा ८८ जनाको मृत्यु, ११ वेपत्ता, १५२ घाइते ६२० परिवार प्रत्यक्ष प्रभावित, ४२५ घर पूर्ण क्षति भई रु. . १ अर्ब ३ करोड ३७ लाख बराबरको अनुमान गरिएको थियो। चालु आर्थिक वर्षको चैत्र मसान्तसम्म भएका ९३६ विपद्का घटनामा ७८ जनाको मृत्यु ९ वेपत्ता ३४२ जना घाइते १ हजार ८८८ परिवार प्रत्यक्ष प्रभावित ६९ घर पूर्ण क्षति भएको अनुमानित रु. १३ करोड ६२ लाख बराबरको क्षति भएको अनुमान गरिएको छ।

तालिका ११-४ विपद्का घटनाहरू सम्बन्धी विवरण

| आर्थिक वर्ष | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|-------------|---------|---------|---------|----------|
| घटना संख्या | २२७ | १०६४ | ९४६ | ९३६ |
| मृत्यु | पुरुष | ४५ | ४५ | १५३ |
| | महिला | २९ | २९ | ३७ |

शान्ति सुरक्षा र विपद् व्यवस्थापन

| आर्थिक वर्ष | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३* |
|----------------------------|---------|---------|---------|----------|
| पहिचान नभएका | ० | ० | ० | ० |
| जम्मा | ६२ | ६२ | ८८ | ७८ |
| वेपत्ता | १४ | १७ | ११ | ९ |
| घाइते | | | | |
| पुरुष | ६० | १११ | १७३ | २०० |
| महिला | ३८ | ८६ | १९५ | १५२ |
| जम्मा | ९८ | १९९ | १५२ | ३४२ |
| प्रभावित परिवार | ६५२ | ५४१९ | ६२० | १८८८ |
| घर क्षति | | | | |
| आंशिक | ३७१ | २७०६ | ३९३ | २८९ |
| पूर्ण | ५९४ | ५८७ | ४२५ | ६९ |
| गोठ क्षति | ४८६ | ३१८६ | १४३ | १९२ |
| पशु चौपाया क्षति | १०२१ | ८१२ | ४७७ | ४१५ |
| अनुमानित क्षति रकम (लाखमा) | १५३५५ | ४४३० | १०३३७ | १३६२ |

स्रोत: आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, २०८३

*चैत्र मसान्तसम्म

विपद् प्रभावितहरूको पुनर्स्थापना तथा राहत

११.६. विपद् प्रभावित नागरिकहरूको पुनर्स्थापना तथा राहत व्यवस्थापनतर्फ मनसुनजन्य तथा आगजन्य विपद्बाट प्रभावित ५२१ घरपरिवारका लागि रु. ५ करोड ८० लाख ४२ हजार ५ सय निकासा गरिएको छ। यसैगरी कैलाली कारागार घटनामा मृतक परिवारलाई रु. ५ लाख तथा बझाङ बस दुर्घटनामा मृत्यु भएका १३ जनाका परिवारलाई प्रतिमृतक रु. १ लाखका दरले कुल रु. १३ लाख राहत उपलब्ध गराइएको छ।

अनुसूचीहरु

| | |
|--|----|
| अनुसूची १.१: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धिदर (स्थिर मूल्यमा) | १ |
| अनुसूची १.२: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक प्रचलित मूल्यमा कुल मूल्य अभिवृद्धि (रु. दश लाखमा) | २ |
| अनुसूची १.३: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक स्थिर मूल्यमा कुल मूल्य अभिवृद्धि (रु. दशलखाखमा) . | ३ |
| अनुसूची १.४: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (प्रतिशतमा) | ५ |
| अनुसूची १.५: प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादन कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर तथा मूल्य सूचकाङ्क (वृहत् औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार)..... | ६ |
| अनुसूची १.६: प्रादेशिक समष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरू | ७ |
| अनुसूची २.१: निकायगत खुद विनियोजन (रु. लाखमा) | ८ |
| अनुसूची २.२: चैत्र मसान्तसम्मको निकायगत खुद विनियोजन (रु. लाखमा) | ९ |
| अनुसूची २.३: रणनीतिक स्तम्भहरूको आधारमा विनियोजन र खर्चको अवस्था (रु. लाखमा)..... | १० |
| अनुसूची २.४: निकायगत खर्च (रु. लाखमा) | ११ |
| अनुसूची २.५: चैत्र मसान्तसम्मको निकायगत खर्च (रु. लाखमा) | १२ |
| अनुसूची ३.१: बजेट सन्तुलन र राजस्व सन्तुलनको स्थिति | १३ |
| अनुसूची ३.२: स्थानीय तहमा भएको वित्तीय हस्तान्तरणको स्थिति (रकम रु. लाखमा) | १६ |
| अनुसूची ३.३ : आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को स्थानीय तहको बजेट तथा खर्च स्थिति (बजेट तथा खर्च(रु. करोडमा))..... | १७ |
| अनुसूची ४.१: उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (प्रादेशिक)..... | २१ |
| अनुसूची ४.२ : राष्ट्रिय तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क (वार्षिक औसत) | २२ |

अनुसूची १.१: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धिदर (स्थिर मूल्यमा)

| उद्योग वर्गीकरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२# | २०८२/८३* |
|------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|
| क कृषि, वन तथा मत्स्यपालन | ५.१४ | ४.५८ | ३.०० | २.३१ | १.६७ | ३.७५ | २.७३ | २.१० |
| ख खानी तथा उत्खनन | १७.७७ | -३.७० | ५.६७ | ८.६८ | ०.६९ | ३.५६ | १.३४ | ३.४९ |
| ग उत्पादनमूलक | ६.८४ | -४.८६ | ९.१२ | ४.६९ | -२.१२ | -२.०५ | १.५३ | ५.२८ |
| घ विद्युत, ग्यास तथा नाभ्य | ३.८७ | २८.४४ | १०.२९ | २१.४४ | १७.६८ | ४.९० | ७.७१ | ५.७८ |
| ङ पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन | १.५९ | १.९८ | १.२४ | ३.११ | ३.१८ | १.७५ | ०.८९ | ३.८३ |
| च निर्माण | ७.४९ | -०.२१ | ६.७० | ७.२४ | -२.२३ | -१.९३ | -०.२४ | ३.९२ |
| छ थोक तथा खुद्रा व्यापार | १२.२३ | -१३.१४ | ६.३७ | ७.३५ | -४.०५ | -०.१४ | २.४१ | ६.१३ |
| ज यातायात तथा भाडारण | १०.४२ | -१२.०५ | ५.८५ | ४.६१ | ०.४८ | १३.२० | ५.६२ | ७.५४ |
| झ आवास तथा भोजन सेवा | ८.८८ | -३६.६५ | १०.४७ | १२.३५ | १७.१३ | २१.५१ | ४.२४ | ३.०९ |
| ञ सूचना तथा सञ्चार | ७.५६ | १.८० | ३.६८ | ३.६८ | ३.७६ | ४.७७ | ३.५९ | ७.३७ |
| ट वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप | ७.२१ | ३.०८ | ८.५१ | ५.७८ | १०.५७ | ७.२५ | २.२३ | ७.९८ |
| ठ घरजग्गा क्रियाकलाप | ३.२८ | ३.०२ | २.३६ | ३.७९ | ५.२८ | २.५३ | १.५५ | २.१० |
| ड पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक | ६.५३ | १.२२ | १.१७ | ३.२९ | ३.६१ | ३.९६ | २.४५ | ४.७१ |
| ढ प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवा | ८.५१ | ०.५० | १.९७ | १.४५ | ४.९१ | ४.२० | २.०९ | ५.९६ |
| ण सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा | ५.१२ | ६.१६ | ३.३८ | ४.०८ | ३.८६ | १.४५ | ३.५१ | -०.१८ |
| त शिक्षा | ५.८१ | ३.३८ | ३.८२ | ४.६९ | ३.८७ | ४.५२ | ३.०५ | १.७९ |
| थ मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य | ६.६३ | ५.७० | ६.४९ | ७.०४ | ६.४७ | ६.१२ | १.१४ | ४.०३ |
| द अन्य सेवा | ५.८५ | २.५७ | ३.१८ | ४.५६ | ५.३३ | ५.२२ | ३.३५ | २.५६ |
| कुल GVA (आधारभूत मूल्यमा) | ६.५० | ०.७६ | ४.४० | ४.३७ | १.७७ | ३.०९ | २.५९ | ३.११ |
| कुल GDP (उपभोक्ता मूल्यमा) | ६.७३ | २.०० | ४.७८ | ४.६८ | १.४७ | ३.३९ | ३.२१ | ३.२८ |

स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३ # संशोधित * अनुमानित

अनुसूची १.२: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रदेशक प्रचलित मूल्यमा कुल मूल्य अभिवृद्धि (रु. दश लाखमा)

| उद्योगवर्गीकरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ * |
|------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|-----------|
| क कृषि, वन तथा मत्स्यपालन | ७९८७० | ८४४४५ | ९३८२६ | १०१७६८ | ११०६२४ | १२१५१३ | १३०१२० | १३६१९० |
| ख खानी तथा उत्खनन | १४४७ | ७१६ | ७१६ | ८१४ | ८४० | ८४१ | ८६१ | ८८० |
| ग उत्पादनमूलक | १००९४ | ९५५९ | ११४३३ | १३०३९ | १३१७० | १५५३६ | १६६९१ | १७९९८ |
| घ विद्युत, रयास तथा वाष्प | १४३८ | १८७२ | २०९२ | २७४१ | ३६०३ | ४०६९ | ४४९९ | ५३०९ |
| ङ पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन | १७११ | १७४५ | १७९८ | १८२९ | १८८५ | १९१२ | १९७५ | २०२२ |
| च निर्माण | २१४७३ | २०४५१ | २१३१८ | २४६२४ | २६२७५ | २५९४५ | २७७६९ | ३०४४५ |
| छ थोक तथा खुद्रा व्यापार | २२१२१ | २०७४२ | २३३४९ | २७००० | २६९४८ | २७७५३ | ३०१७६ | ३२८२५ |
| ज यातायात तथा भण्डारण | ७५५० | ६३०९ | ६८७१ | ८९९४ | १११५१ | ११९९६ | १३३१४ | १४६६३ |
| झ आवास तथा भोजन सेवा | ४२३७ | २८२४ | ३२९२ | ३८२१ | ५१९० | ६८०० | ७३९१ | ७९२५ |
| ञ सूचना तथा सञ्चार | ४१८८ | ४३४८ | ४६७३ | ४९७३ | ५२४० | ५५२८ | ५९१५ | ६३१३ |
| ट वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप | ४९८७ | ६०४९ | ६५८५ | ७४५१ | ८७५० | ८६९५ | ९१४३ | ९३९४ |
| ठ घरजग्गा क्रियाकलाप | ६२१६ | ६७८९ | ७०१३ | ७६२६ | ८८६१ | ९३६७ | ९९१६ | १०१७२ |
| ड परशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक | १०१० | १०९१ | ११४५ | १२५८ | १४०१ | १५४५ | १६२५ | १६९७ |
| ढ प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवा | ३१८ | ३४७ | ३६४ | ३८० | ४१३ | ४५१ | ५०० | ५३८ |
| ण सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा | २७७३२ | ३५१०३ | ३६४९८ | ४७३६८ | ५८३९५ | ५८४९० | ५८९२४ | ५६९७९ |
| त शिक्षा | २९४६५ | ३३७५४ | ३४७१३ | ३९५३१ | ४६२४७ | ५४४९४ | ५८२६९ | ६२८४१ |
| थ मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य | ४७४१ | ५७४६ | ६२१७ | ७०६३ | ८६६६ | ९०६७ | ९२४७ | ९२७६ |
| द अन्य सेवा | ८३४ | ९९४ | १०६७ | ११६६ | १४१३ | १५७३ | १७६५ | १८७७ |
| कुल GVA (आधारभूत मूल्यमा) | २२९४३२ | २४२८८४ | २६२९६८ | ३०१४४५ | ३३९०७५ | ३६५५७४ | ३८८०९९ | ४०७३४० |
| उत्पादनमा कर घटाउँदा | ३११०७ | ३२६३७ | ४५०४४ | ५१०३७ | ४३४४९ | ४६९३७ | ५३०४१ | ५६५४५ |
| कुल GDP (उपभोक्ता मूल्यमा) | २६०५३९ | २७५५२१ | ३०८०१२ | ३५२४८२ | ३८२५२३ | ४१२५१२ | ४४११४१ | ४६३८८६ |

स्रोत: राष्ट्रिय तथाङ्क कार्यालय, २०८३

संशोधित * अनुमानित

अनुसूची १.३: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार प्रादेशिक स्थिर मूल्यमा कुल मूल्य अभिवृद्धि (रु. दशलाखमा)

| उद्योग वर्गीकरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२# | २०८२/८३* |
|------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|----------|----------|
| क कृषि, वन तथा मत्स्यपालन | ५८९२८.४ | ६१६२९.० | ६३४७५.० | ६४९७१.३ | ६६०२२.६ | ६८४९८.८ | ७०३६६.७ | ७१८४६.५ |
| ख खानी तथा उत्खनन | ५२८.४ | ५०८.९ | ५३७.७ | ५८४.४ | ५८८.४ | ६०९.४ | ६१७.५ | ६३९.० |
| ग उत्पादनमूलक | ६५२४९.९ | ६३०८.१ | ६७७४.१ | ७०९२.० | ६९४१.६ | ६७९९.० | ६९०२.९ | ७२६७.६ |
| घ विद्युत, ग्यास तथा वाष्प | १०७१.१ | १३७५.७ | १५१७.३ | १८४२.५ | २१६८.३ | २२७४.७ | २४५०.१ | २५९१.७ |
| ङ पानी आपूर्ति, ठलाव्यवस्थापन | १३४५.२ | १३७१.८ | १३८८.८ | १४३२.० | १४७७.५ | १५०३.३ | १५१६.८ | १५७४.९ |
| च निर्माण | १३९८९.९ | १३९६०.९ | १४८९६.४ | १५९७५.० | १५६१९.० | १५३२१.० | १५२८१.० | १५८७९.६ |
| छ शोक तथा खुद्रा व्यापार | १४४२४.६ | १२५२८.५ | १३३२६.३ | १४३०६.४ | १३७२६.७ | १३७०७.० | १४०३७.५ | १४८९७.५ |
| ज यातायात तथा भण्डारण | ४४८३.० | ३९४३.० | ४१७३.७ | ४३६६.१ | ४३८६.९ | ४९६५.९ | ५२४४.८ | ५६४०.१ |
| झ आवास तथा भोजन सेवा | २१४२.५ | १३५७.२ | १४९९.३ | १६८४.४ | १९७३.० | २३९७.४ | २४९८.९ | २५७६.२ |
| ञ सूचना तथा सञ्चार | ४४११.८ | ४४९१.१ | ४६५६.२ | ४८२७.४ | ५००८.८ | ५२४७.६ | ५४३५.८ | ५८३६.६ |
| ट वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप | २७१२.५ | २७९६.० | ३०३३.८ | ३२०९.० | ३५४८.१ | ३८०५.४ | ३८९०.१ | ४२००.७ |
| ठ धरलगा क्रियाकलाप | ३४९६.४ | ३६०२.० | ३६८७.२ | ३८२७.० | ४०२९.२ | ४१३१.१ | ४१९५.१ | ४२८३.४ |
| ड प्रेषण, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक | ५९१.९ | ५९९.१ | ६०६.१ | ६२६.० | ६४८.६ | ६७४.३ | ६९०.८ | ७२३.४ |
| ढ प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवा | १८९.५ | १९०.४ | १९४.२ | १९७.० | २०६.७ | २१५.३ | २१९.९ | २३३.० |
| ण सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा | १२१६३.४ | १२९१२.५ | १३४९५.५ | १३९४४.० | १४४२९.६ | १४६३८.५ | १५१५२.३ | १५१२५.६ |
| त शिक्षा | १४००४.५ | १४४७७.२ | १५०३०.७ | १५७३५.० | १६३४३.८ | १७०८२.० | १७६०२.४ | १७९१८.१ |
| थ मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य | २४७३.४ | २६१४.३ | २७८४.० | २९८०.० | ३१७२.७ | ३३६७.० | ३४०५.२ | ३५४२.६ |
| द अन्य सेवा | ४५३.६ | ४६५.३ | ४८०.१ | ५०२.० | ५२८.८ | ५५६.४ | ५७५.० | ५८९.८ |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन | ५८९२८.४ | ६१६२९.० | ६३४७५.० | ६४९७१.३ | ६६०२२.६ | ६८४९८.८ | ७०३६६.७ | ७१८४६.५ |

| उद्योग वर्गीकरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२# | २०८२/८३* |
|----------------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| गैर कृषि | ८५००६.४ | ८३४०१.९ | ८७९३५.१ | ९३०८०.२ | ९४७९७.७ | ९७२९२.२ | ९९७१६.१ | १०३५१९.५ |
| कुल GVA (आधारभूत मूल्यमा) | १४३९३४.७ | १४५०३०.९ | १५१४१०.१ | १५८०२१.५ | १६०८२०.३ | १६५७९०.९ | १७००८२.७ | १७५३६६.० |
| उत्पादनमा कर अटाउँदा | १३८८२.५ | १५९५०.३ | १७२६३.५ | १८५४५.० | १८३४१.८ | १९४४६.७ | २१०९६.५ | २२०८४.८ |
| कुल GDP (उपरोक्ता मूल्यमा) | १५७८१७.३ | १६०९८१.२ | १६८६७३.६ | १७६५६६.५ | १७९१६२.१ | १८५२३७.७ | १९११७९.३ | १९७४५०.८ |

स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

संशोधित * अनुमानित

अनुसूची १.४: औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार अनुसार प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (प्रतिशतमा)

| उद्योग वर्गीकरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२# | २०८२/८३* |
|------------------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|
| क कृषि, वन तथा मत्स्यपालन | ३४.८१ | ३४.७७ | ३५.६८ | ३३.७६ | ३२.६३ | ३३.२४ | ३३.५३ | ३३.४३ |
| ख खानी तथा उत्खनन | ०.६३ | ०.२९ | ०.२७ | ०.२७ | ०.२५ | ०.२३ | ०.२२ | ०.२२ |
| ग उत्पादनसुलक | ४.४० | ३.९४ | ४.३५ | ४.३३ | ३.८८ | ४.२५ | ४.३० | ४.४२ |
| घ विद्युत, ग्यास तथा बाष्प | ०.६३ | ०.७७ | ०.८० | ०.९१ | १.०६ | १.११ | १.१६ | १.३० |
| ङ पानी आपूर्ति, ढल व्यवस्थापन | ०.७५ | ०.७२ | ०.६८ | ०.६१ | ०.५६ | ०.५२ | ०.५१ | ०.५० |
| च निर्माण | ९.३६ | ८.४२ | ८.११ | ८.१७ | ७.७५ | ७.१० | ७.१६ | ७.४७ |
| छ थोक तथा खुद्रा व्यापार | ९.६४ | ८.५४ | ८.८८ | ८.९६ | ७.९५ | ७.५९ | ७.७८ | ८.०६ |
| ज यातायात तथा भण्डारण | ३.२९ | २.६० | २.६१ | २.९८ | ३.२९ | ३.२८ | ३.४३ | ३.६० |
| झ आवास तथा भोजन सेवा | १.८५ | १.१६ | १.२५ | १.२७ | १.५३ | १.८६ | १.९० | १.९५ |
| ञ सूचना तथा सञ्चार | १.८३ | १.७९ | १.७८ | १.६५ | १.५५ | १.५१ | १.५२ | १.५५ |
| ट वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप | २.१७ | २.४९ | २.५० | २.४७ | २.५८ | २.३८ | २.३६ | २.३१ |
| ठ घरजग्गा क्रियाकलाप | २.७१ | २.८० | २.६७ | २.५३ | २.६१ | २.५६ | २.५५ | २.५० |
| ड पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक | ०.४४ | ०.४५ | ०.४४ | ०.४२ | ०.४१ | ०.४२ | ०.४२ | ०.४२ |
| ढ प्रशासनिक तथा सहायोगी सेवा | ०.१४ | ०.१४ | ०.१४ | ०.१३ | ०.१२ | ०.१२ | ०.१३ | ०.१३ |
| ण सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा | १२.०९ | १४.४५ | १३.८८ | १५.७१ | १७.२२ | १६.०० | १५.१८ | १३.९९ |
| त शिक्षा | १२.८४ | १३.९० | १३.२० | १३.११ | १३.६४ | १४.९१ | १५.०१ | १५.४३ |
| थ मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य | २.०७ | २.३७ | २.३६ | २.३४ | २.५६ | २.४८ | २.३८ | २.२८ |
| द अन्य सेवा | ०.३६ | ०.४१ | ०.४१ | ०.३९ | ०.४२ | ०.४३ | ०.४५ | ०.४६ |
| जम्मा | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० |

स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

संशोधित * अनुमानित

अनुसूची १.५: प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादन कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर तथा मूल्य सूचकाङ्क (वृहत् औद्योगिक वर्गिकरण अनुसार)

| विवरण | २०१५/१६ | २०१६/१७ | २०१७/१८ | २०१८/१९ | २०१९/२० | २०२०/२१ | २०२१/२२ | २०२२/२३ |
|---|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| आधारभूत मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) रु. दस लाखमा | २२९४३२ | २४२८८४ | २६२९६८ | ३०१४४५ | ३३९०७५ | ३६५४७४ | ३८८०९९ | ४०७३४० |
| प्राथमिक क्षेत्र | ८१३१७ | ८५१६१ | ९४४४१ | १०२५८२ | १११४६५ | १२२३५४ | १३०९८१ | १३७०६९ |
| द्वितीयक क्षेत्र | ३४७१५ | ३३६२७ | ३६६४० | ४४९३३ | ४७४६२ | ५०९३४ | ५४७७२ | ५४७७३ |
| तृतीय क्षेत्र | ११३३९९ | १२४०९५ | १३१७८६ | १४६३२० | १८२६७७ | १९५७५८ | २०६१८५ | २१४४९८ |
| आधारभूत मूल्यमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (स्तिरमूल्यमा) रु. दस लाखमा | १४३९३५ | १४५०३१ | १५१४१० | १५८०२२ | १६८२२० | १६५७९१ | १७००८३ | १७५३६६ |
| प्राथमिक क्षेत्र | ५९४५७ | ६२१३८ | ६४०१३ | ६५५२६ | ६६६११ | ६९१०८ | ७०९८४ | ७२४८६ |
| द्वितीय क्षेत्र | २२९३१ | २२९१७ | २४५७६ | २६३४२ | २६२०७ | २५८९५ | २६१५१ | २७३१४ |
| तृतीय क्षेत्र | ६१५४७ | ५९९७७ | ६४८२१ | ६६१५४ | ६८००३ | ७०७८८ | ७२९४८ | ७५५६७ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वार्षिक वृद्धिदर (आधारभूत मूल्यमा) (प्रतिशतमा) | | | | | | | | |
| प्राथमिक क्षेत्र | ५.२४ | ४.५१ | ३.०२ | २.३६ | १.६६ | ३.७५ | २.७१ | २.१२ |
| द्वितीयक क्षेत्र | ६.७७ | -०.०६ | ७.२४ | ७.१८ | -०.५१ | -१.१९ | ०.९९ | ४.४५ |
| तृतीय क्षेत्र | ७.६३ | -२.५५ | ४.७४ | ५.३१ | २.७९ | ४.१ | ३.०५ | ३.५९ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको इन्डिक्सिड मूल्य सूचकाङ्क | | | | | | | | |
| प्राथमिक क्षेत्र | १३६.७७ | १३७.०५ | १४७.६९ | १५६.५५ | १६७.३४ | १७७.०५ | १८४.५२ | १८९.१ |
| द्वितीयक क्षेत्र | १५१.३९ | १४६.७४ | १४९.०९ | १६०.३३ | १७१.४६ | १८३.२९ | १९४.७७ | २०४.१९ |
| तृतीय क्षेत्र | १८४.२५ | २०६.९१ | २०९.७८ | २३६.७६ | २६८.६३ | २७६.५४ | २८२.६५ | २८३.८५ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (प्रतिशतमा) | | | | | | | | |
| प्राथमिक क्षेत्र | ३५.४४ | ३५.०६ | ३५.९५ | ३४.०३ | ३२.८७ | ३३.४७ | ३३.७५ | ३३.६५ |
| द्वितीयक क्षेत्र | १५.१३ | १३.८५ | १३.९३ | १४.०१ | १३.२५ | १२.९८ | १३.१२ | १३.६९ |
| तृतीय क्षेत्र | ४९.४३ | ५१.०९ | ५०.११ | ५१.९६ | ५३.८८ | ५३.५५ | ५३.१३ | ५२.६६ |

स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय, २०८३

संशोधित अनुमानित

अनुसूची १.६: प्रादेशिक समाष्टिगत आर्थिक परिसूचकहरू

| विवरण | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
|--|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|---------|
| नेपालको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (रूपैयामा) (प्रचलित मूल्यमा) | १३५८७८ | १३५६८४ | १५०५०३ | १७०४८८ | १८३१९६ | १९३७५१ | २०६६२५ | २१७९४६ |
| नेपालको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | -०.१४ | १०.९२ | १३.२८ | ६.८७ | ६.३४ | ६.६४ | ६.६४ | ५.४८ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (रूपैयामा) (प्रचलित मूल्यमा) | ९७९४७ | १०३१९१ | ११४९३० | १३०५४९ | १४१११३ | १५१३९६ | १६१०७५ | १६८५१५ |
| जनसंख्या (दश लाखमा) | ०.३८ | ०.३७ | ०.३७ | ०.३५ | ०.४ | ०.५२ | ०.५१ | ०.५१ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेशको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (स्थिर मूल्यमा) | ५९३३० | ५९५५५ | ६१९४३ | ६४१६७ | ६५०४६ | ६६७११ | ६८०८५ | ६९८४२ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर (प्रतिशतमा) | ०.३८ | ४.०१ | ३.५९ | २.५६ | १.३७ | २.५६ | २.०६ | २.५८ |
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (अमेरिकी डलर) | | | | | | | | |
| प्रति व्यक्ति प्रादेशिक कुल गार्हस्थ्य उत्पादन | ८६८ | ८८७ | ९७५ | १०८० | १०७९ | ११३८ | ११८२ | ११७० |
| प्रति व्यक्ति राष्ट्रिय कुल गार्हस्थ्य उत्पादन | १२०४ | ११६७ | १२७७ | १४११ | १३९४ | १४५६ | १५१६ | १५१३ |
| विनियमदर (१ अमेरिकी डलर रूपैयामा) | ११२.८८ | ११६.३१ | ११७.८७ | १२०.८४ | १३०.७५ | १३३.०३ | १३६.२९ | १४४.०३ |
| जनसंख्या (दश लाखमा) | २८.४ | २८.६६ | २८.९२ | २९.१९ | २९.४६ | २९.७३ | ३०.०१ | ३०.२८ |

स्रोत: राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालय २०८२

*संशोधित * अनुमानित

अनुसूची २.१: निकायगत खुद विनियोजन (रु. लाखमा)

| निकाय | २०७७/७८ | | २०७८/७९ | | २०७९/८० | | २०८०/८१ | | २०८१/८२ | |
|---|----------|-----------|----------|-----------|----------|-----------|----------|-----------|----------|-----------|
| | खुद चासु | खुद पैजगत | खुद चासु | खुद पैजगत | खुद चासु | खुद पैजगत | खुद चासु | खुद पैजगत | खुद चासु | खुद पैजगत |
| प्रदेश व्यवस्थापिका | १५७४ | ४०५ | ११४ | १११ | २९७० | १२९ | १८०१ | १०७ | १६६२ | १७१ |
| प्रदेश लोकसेवा आयोग | ५११६ | १६९१ | ७९७ | १६१ | ९२२ | ७१ | ८०० | १६३ | ७४३ | ५० |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | १५५७६ | ३९३ | ३०७० | ८७८ | २५३७ | ७९६ | ३१३२ | ९८६१ | २८२८ | २९४ |
| आर्थिक मामिला मन्त्रालय | १५९८७ | ११६५७ | ९५२२ | ९०१ | २२०४ | ४५७ | १८८० | १४५ | १७१४ | ३४८ |
| उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय | २८७५३ | ४८२९ | २६०४५ | ३१३९ | २६९७८ | ३४७२ | २१०२० | ३३२७ | २५५१५ | ९०२६ |
| भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | ३३०८ | ३१२५ | ३८२६ | ३२५८ | १३९० | ३३५८ | १४६० | २४८० | १०६४ | १२६३ |
| आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय | ३८९४ | १२०९४१ | ४२६७ | १२४९७८ | ५३२१ | १७८३४७ | ५१३२ | १२१९६४ | ४९२३ | १४४१५५ |
| भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय | ४९२३० | २३८९० | ४१३६६ | २३७६७ | ४०४१७ | २८२१० | ३९३२० | १४३८९ | ४०८९८ | २३७०६ |
| सामाजिक विकास मन्त्रालय | | | २५१ | ५८ | ३०४ | ११ | ३१० | १२ | ४४२ | १९ |
| प्रदेश योजना आयोग | | | | | | | | | | |
| अर्थ - वित्तीय व्यवस्था | | | | | | | | | | |
| अर्थ - विविध | ९२९३ | १५२९६ | ९३१३ | १५६९१ | १४४७४ | १२९१६ | ९८५५ | ११४५९ | ११६४ | ६०७१ |
| स्थानीय तह | २८२९१ | | २३२१६ | | १४७८५ | | २३४७६ | | ३७८९१ | |
| जम्मा | १६१०२४ | १८२४२६ | १२५७३६ | १८६०२१ | १२३००१ | २४२३३८ | ११९६१२ | १७०२५४ | १२८९६३ | १८७६२५ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय २०८३

अनुसूची २.२: चैत्र मसान्तसम्मको निकायगत खुद विनियोजन (रु. लाखमा)

| निकाय | २०७९/८० | | २०८०/८१ | | २०८१/८२ | | २०८२/८३ | |
|---|----------|-------------|----------|-------------|----------|-------------|----------|-------------|
| | खुद चालु | खुद पुँजीगत | खुद चालु | खुद पुँजीगत | खुद चालु | खुद पुँजीगत | खुद चालु | खुद पुँजीगत |
| प्रदेश व्यवस्थापिका | २९७० | १२९ | १८०१ | १०७ | १६५४ | १६३ | १७४० | २११ |
| प्रदेश लोक सेवा आयोग | ९२२ | ७१ | ८०० | १६३ | ७४३ | ५० | ११८२ | ५० |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | २५३७ | ७९६ | ३१३२ | ९८६१ | ३१९५ | ३३२ | ३२५३ | ७९६ |
| आर्थिक मामिला मन्त्रालय | २२०४ | ४५७ | १८८० | १४५ | १९०८ | २९१ | १७६२ | २४२ |
| उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय | १०६९९ | १४६७२ | ११४२७ | ६३४८ | १०१०४ | ८८५१ | १०३६४ | १२८६९ |
| भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २६९७८ | ३४७२ | २१०२० | ३३२७ | २६३०१ | २७२२ | २९१४० | ३४६२ |
| आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय | १३९० | ३३५८ | १४६० | २४८० | १२१६ | २४३२ | १४३२ | १९७४ |
| भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय | ५३२१ | १७८२४७ | ५१३२ | १२१९६४ | ४९४७ | १४१०६८ | ६०४९ | १४६८३२ |
| सामाजिक विकास मन्त्रालय | ४०४१७ | २८२१० | ३९३२० | १४३८९ | ४०९०४ | २६९७७ | ४१४४० | २७८९० |
| प्रदेश योजना आयोग | ३०४ | ११ | ३१० | १२ | ४१३ | १९ | ७३६ | १२ |
| अर्थ - वित्तीय व्यवस्था | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| अर्थ - विविध | १४४७४ | १२९१६ | ९८५५ | ११४५९ | ११३१ | ४७२१ | २६७५ | ४१५५ |
| स्थानीय तह | १४७८५ | ० | २३४७६ | ० | ३६४४७ | ० | ३६३९६ | ० |
| जम्मा | १२३००१ | २४२३३८ | ११९६१२ | १७०२५४ | १२८९६३ | १८७६२५ | १३६१६८ | १९८४९२ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय २०८३

अनुसूची २.३: रणनीतिक स्तम्भहरूको आधारमा विनियोजन र खर्चको अवस्था (रु. लाखमा)

| विवरण | आर्थिक वर्ष २०७९/८० | | | आर्थिक वर्ष २०८०/८१ | | | आर्थिक वर्ष २०८१/८२ | | |
|--|---------------------|---------------|--------------|---------------------|---------------|--------------|---------------------|--------------|--------------|
| | विनियोजन | खर्च | खर्च प्रतिशत | विनियोजन | खर्च | खर्च प्रतिशत | विनियोजन | खर्च | खर्च प्रतिशत |
| आर्थिक वृद्धि | ९७१५१ | ७७०१८ | ७९.२८ | ८३९०५ | ५८२९६९ | ६९.४५ | ९४१६४ | १२३४७ | १३.११ |
| स्वास्थ्य तथा शिक्षा | ९७७१७ | ७३३३३ | ७५.०५ | ८२५८९ | ५९१०३ | ७१.५६ | ९६९८४ | १९२३५ | १९.८३ |
| अन्तरआबद्धता र शहरी विकास | १६८४५ | ४२७३ | २५.३७ | ६२३४ | ३२६१ | ५२.३२ | ३८२४ | ८६० | २२.४९ |
| उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि | ४६०८६ | ८०२० | १७.४० | २९८१० | ७६३५ | २५.६१ | २३३४६ | १६१२ | ६.९१ |
| सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण | ७६८१२ | ६८३४७ | ८८.९८ | ५४७२९ | ४४६५५ | ८१.५९ | ७३०९१ | १००७३ | १३.७८ |
| गाउँपालिका तथा न्यायपूर्ण समाज | १०८ | ९८ | ९१.११ | १८५ | १२२ | ६५.७३ | ० | ० | ० |
| प्राकृतिक स्रोत तथा उत्पादनशीलता | ११५०७ | ५२९९ | ४६.०५ | १०६५० | ७५०९ | ७०.५१ | ५४७९ | ४७० | ८.५८ |
| सुशासन प्रवैशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता | ५९५८ | २७८० | ४६.६६ | १३६८० | २४७२ | १८.०७ | ३१८३ | ६३० | १९.८० |
| साधारण प्रशासन | १५२८१ | १४६५ | ९.५८ | १०८७८ | २१११ | १९.४१ | १६२२८ | १६४२ | १०.१२ |
| जम्मा | ३६७४६५ | २४०६३४ | ६५.४८ | २९२६५९ | १८५१३६ | ६३.२६ | ३१६२९८ | ४६८७० | १४.८२ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय धनगढी २०८१

*पुस मसान्तसम्म

अनुसूची २.४: निकायगत खर्च (रु. लाखमा)

| निकाय | २०७७/७८ | | २०७८/७९ | | २०७९/८० | | २०८०/८१ | | २०८१/८२ | |
|---|-----------|--------------|-----------|--------------|-----------|--------------|-----------|--------------|-----------|--------------|
| | चालु खर्च | पूँजीगत खर्च | चालु खर्च | पूँजीगत खर्च | चालु खर्च | पूँजीगत खर्च | चालु खर्च | पूँजीगत खर्च | चालु खर्च | पूँजीगत खर्च |
| प्रदेश व्यवस्थापिका | १२७९ | ३७७ | १३१३ | १०५ | १३०१ | १२१ | १३१९ | ८३ | १४०२ | १६० |
| प्रदेशा लोक सेवा आयोग | | | ३८१ | | ५२५ | ६४ | ४८२ | ७ | ४५९ | ३६ |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | १५६४ | ८९४ | १६३५ | २८८ | १८४१ | ३९३ | २०१२ | २२८ | १८३१ | २४७ |
| आर्थिक मामिला मन्त्रालय | ४९२ | ९६ | ८४० | ४२५ | ९५५ | ३०१ | ८८७ | ४५ | १०६३ | ३२८ |
| उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय | १०७०४ | ९९७५ | ६६७२ | १०६२५ | ७७०७ | १२१९६ | ७९३५ | ४६५० | ७७०६ | ६२९५ |
| भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | २३२४५ | ३११३ | १९९४२ | २१५४ | २०७०१ | २२६४ | १४२५० | २१५९ | १७९७८ | ६८५ |
| आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय | २५२७ | २२३९ | ३३१६ | २११२ | ७९५ | २२७९ | ७७९ | १८९६ | ६०२ | ३१६ |
| भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय | २८४९ | ९१९९७ | ३२५६ | ८६९४१ | ३७९७ | १२०३९६ | ३६७३ | ८६२१७ | ३७७८ | १००१२४ |
| सामाजिक विकास मन्त्रालय | ३५६५८ | १७३३० | ३२६१७ | १६६९७ | ३१९८० | २०१२१ | २८७५० | १०३५४ | ३२४२२ | १६५४४ |
| प्रदेश योजना आयोग | | | १६४ | ५१ | २०० | १० | २२४ | ८ | २९१ | १२ |
| अर्थ - वित्तीय व्यवस्था | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| अर्थ - विविध | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| स्थानीय तह | २५३१५ | १९११७ | १९११७ | १२६८३ | ० | १९१७९ | ० | २९७४७ | ० | ० |
| जम्मा | १०३६३२ | १२६०२१ | ८९२५३ | ११९५२१ | ८२४८६ | १५८१४५ | ७९४९० | १०५६४६ | ९७२७८ | १२४७४७ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८२

अनुसूची २.५: चैत्र मसान्तसम्मको निकायगत खर्च (रु. लाखमा)

| निकाय | २०७९/८० चैत्र | | २०८०/८१ चैत्र | | २०८१/८२ चैत्र | | २०८२/८३ चैत्र | |
|---|---------------|--------------|---------------|--------------|---------------|--------------|---------------|--------------|
| | चालु खर्च | पुँजीगत खर्च | चालु खर्च | पुँजीगत खर्च | चालु खर्च | पुँजीगत खर्च | चालु खर्च | पुँजीगत खर्च |
| प्रदेश व्यवस्थापिका | ८६२ | ४९ | ८७२ | ३१ | १००३ | ३२ | ८९० | ९७ |
| प्रदेश लोक सेवा आयोग | ३८३ | ४१ | ३८२ | २ | २७० | ५ | ४३९ | ५ |
| मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | १४५४ | १६६ | १११२ | १२३ | १०३१ | १६७ | ९४८ | १३९ |
| आर्थिक मामिला मन्त्रालय | ६१८ | १८७ | ५८५ | ९ | ६८८ | १४७ | ६२४ | ५५ |
| उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय | ४५८२ | ३८१८ | ५००८ | १७५४ | ४९३१ | १७६४ | ४७७५ | १०१९ |
| भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय | ९००९ | ७३२ | ५२७६ | ६१४ | ५२७१ | २४० | ४८७० | ५१९ |
| आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय | ४६० | १४७१ | ४९६ | ८१४ | ३४७ | ५६ | २३५ | ३८७ |
| भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय | २६८८ | ५२९८८ | २६०२ | ३९६०९ | २७०१ | ३४६५६ | २७७८ | २६६०३ |
| सामाजिक विकास मन्त्रालय | १८७८४ | ८२८८ | १६७२२ | ४१८३ | १८२१४ | २१८५ | १७६५६ | ३७९२ |
| प्रदेश योजना आयोग | १३२ | ६ | १४६ | ५ | १४७ | ५ | १९१ | ८ |
| अर्थ - वित्तीय व्यवस्था | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| अर्थ - विविध | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| स्थानीय तह | ७८७६ | ० | १०९८३ | ० | १४०९३ | ० | ११७२० | ० |
| जम्मा | ४६८५० | ६७७४६ | ४४१८४ | ४७१४४ | ४८६९५ | ३९२५७ | ४५१२६ | ३२६२४ |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय २०८३

अनुसूची ३.१: बजेट सन्तुलन र राजस्व सन्तुलनको स्थिति

(रु लाखमा)

| आय/खर्च | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ |
|---|---------|---------|---------|---------|---------|
| (१) कुल प्रादेशिक आय (२+३+४+५) | ३७३९६३ | २८३३९० | ३६०९०५ | २२८६०९ | २६०७१३ |
| (२) कुल प्रादेशिक राजस्व (क+ख) | १३७९८ | १३७८१ | १४०५७ | १२८६४ | १६२२९ |
| (क) कर राजस्व | ६५९६ | ७५३३ | ८१६६ | ८०१४ | ९८४३ |
| ११३१५-बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने घरजग्गा रजिष्ट्रेशन दस्तुर | ३३९५ | ४०६३ | ४०३७ | ३९१७ | ५१४८ |
| ११४५६-बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने सवारी साधन कर | ३१९२ | ३४६० | ४११३ | ४०८३ | ४६९० |
| ११४७१-बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने मनोरञ्जन कर | | | ० | १ | १ |
| ११४७२-बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने विज्ञापनकर | ८ | ९ | १६ | १३ | ५ |
| ११६११-व्यवसायले भुक्तानी गर्ने | १ | | १ | | ० |
| ११६२१-व्यवसाय वाहेक अन्यले भुक्तानी गर्ने | | ० | | | |
| (ख) गैरकर राजस्व | ७२०३ | ६२४८ | ५८९१ | ४८५१ | ६३८६ |
| १४१५१-सरकारीसम्पत्तीको बहालबाट प्राप्त आय | ४ | ४ | १२ | २९ | २९ |
| १४१५३-बाँडफाँड भई प्राप्त वन रोयल्टी | ६७८ | ४९१ | २९४ | २३७ | ३१५ |
| १४१५४-बाँडफाँड भई प्राप्त खानी तथा खनिज सम्बन्धी रोयल्टी | ४ | ३ | ३ | ० | १ |
| १४१५६-बाँडफाँड भई प्राप्त विद्युत सम्बन्धी रोयल्टी | १७१ | १०२ | १०५ | ८७ | २९८ |
| १४१५७-बाँडफाँड भई प्राप्त दहत्तर बहत्तरको विक्रीबाट प्राप्त हुने आय | ३१ | ३५ | १६ | ८४ | १५७ |
| १४१५८-बाँडफाँड भई प्राप्त पर्वतारोहण वापतको रोयल्टी | ० | ० | ० | ० | १ |
| १४२११-कृषिउत्पादनको विक्रीबाट प्राप्त रकम | १०२ | ११६ | १४१ | ९१ | १०० |
| १४२१२-सरकारीसम्पत्तीको विक्रीबाट प्राप्त रकम | १० | ९ | ५ | ७ | ५ |
| १४२१३-अन्यविक्रीबाट प्राप्त रकम | ४ | १ | २ | ४ | ३ |
| १४२१९-अन्यसेवा शुल्क तथा विक्री | | ० | | ० | ० |
| १४२२१-न्यायिक दस्तुर | ० | ० | | | |
| १४२२३-शिक्षाक्षेत्रको आम्दानी | ३ | ५ | ३ | २ | १ |
| १४२२४-परीक्षाशुल्क | १५ | ६ | २८२ | ५ | २६५ |

| आय/खर्च | २०७७/७ ८ | २०७८/७ ९ | २०७९/८ ० | २०८०/८ १ | २०८१/८ २ |
|---|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| 14225-यातायातक्षेत्रको आम्दानी | २५८ | २५१ | २१८ | २७० | २९४ |
| 14229-अन्यप्रशासनिक सेवा शुल्क | २२२ | ४७४ | ४०० | २०२ | ३०४ |
| 14253-व्यावसाय रजिष्ट्रेशन दस्तुर | ३६३ | २६६ | २०० | ५०३ | ४०७ |
| 14256-चालक अनुमति पत्र, सवारी दर्ता किताब (Blue book) सम्बन्धी दस्तुर | १२१४ | १८५३ | २२६६ | २०४० | २४९१ |
| 14263-जलस्रोत सम्बन्धी अन्य दस्तुर | | | | ० | |
| 14264-वन क्षेत्रको अन्य आय | | | ११ | ३ | ८६२ |
| 14265-अन्य क्षेत्रको आय | | | ० | | २२ |
| 14311-न्यायिकदण्ड,जरिवाना र जफत | ० | ३ | | | |
| 14312-प्रशासनिकदण्ड,जरिवाना र जफत | ३९ | २७ | १८८ | १२४ | १९८ |
| 14313-धरोटी सदरस्याहा | ५ | १८ | १५ | ३८ | १० |
| 14511-बीमादावी प्राप्ति | | ३ | | | |
| 14529-अन्य राजस्व | ० | १० | १ | ० | ० |
| 15111-वेरूजू | ३६९ | ३२१ | ४५७ | ९०२ | ५९० |
| 15112-निकास फिर्ता | ६७९ | ५ | ५ | १२७ | २४ |
| 15113-अनुदान फिर्ता | ३०३० | २२४३ | १२६७ | ९६ | ८ |
| (३) संघीय राजस्व बाँडफाँट | ७१४९१ | ८०७१३ | ७९७६१ | ७३६४७ | ९०७७८ |
| संघबाट बाँडफाँट भई आउने राजस्व | ७१४९१ | ८०७१३ | ७९७६१ | ७३६४७ | ९०७७८ |
| 11411-बाँडफाँडभई प्राप्त हुने मूल्य अभिवृद्धि कर | ५५६६३ | ६१५१९ | ५८९०६ | ५४८१० | ६७२७५ |
| 11421-बाँडफाँडभई प्राप्त हुने अन्त शुल्क | १५८२८ | १९१९५ | २०८५४ | १८८३८ | २३५०३ |
| (४) संघीय अनुदान | १३०४२४ | १३२१३५ | ११७७४३ | ९६४९६ | ११०२५५ |
| संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान | १३०४२४ | १३२१३५ | ११७७४३ | ९६४९६ | ११०२५५ |
| 13311-समानिकरण अनुदान | ८०७६८ | ८५४४० | ७८८१६ | ६३१४४ | ८००३९ |
| 13312-शसर्तअनुदान चालु | १२००० | १०९४७ | १४४३८ | १०५२६ | १०००४ |
| 13313-विशेष अनुदान चालु | | २३९११ | २४२ | ८६१ | १३५० |
| 13314-समपुरक अनुदान चालु | | ५३४७ | | | |
| 13315-अन्य अनुदान चालु | | ४८९० | | | |
| 13316-समपुरक अनुदान चालु | | ४१०० | | | |
| 13317-समपुरक अनुदान पूँजिगत | | ८१९४ | ५६१५ | | |
| 13321-सशर्त अनुदान पूँजिगत | २०१७७ | | १७१५६ | १४८२५ | ६७८१ |
| 13322-विशेष अनुदान पूँजिगत | ४८५० | | १४७७ | ९५० | १४३० |
| 13323-समपुरक अनुदान पूँजिगत | १२६२९ | | | ६१८९ | १०६५० |
| (५) अन्य प्राप्ति | १५८२५० | ५६७६१ | १४९३४५ | ४५६०२ | ४३४५० |

| आय/खर्च | २०७७/७ ८ | २०७८/७ ९ | २०७९/८ ० | २०८०/८ १ | २०८१/८ २ |
|--|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| नगद मौज्दात | १५८२५० | ५६७६१ | १४९३४५ | ४५६०२ | ४३४५० |
| 1111-नगद मौज्दात | १५८२५० | ५६७६१ | १४९३४५ | ४५६०२ | ४३४५० |
| (६) प्रादेशिक खर्च (अ+आ) | २२९६५३ | २०८७७४ | २४०६३१ | १८५१३६ | २२२०२६ |
| (अ) चालु खर्च | १०३६३२ | ८९२५३ | ८२४८६ | ७९४९० | ९७२७८ |
| (आ) पुँजीगत खर्च | १२६०२१ | ११९५२१ | १५८१४५ | १०५६४६ | १२४७४७ |
| (७) बजेट बचत (+)/न्यून (-) (१-६) | १४४३१० | ७४६१६ | १२०२७४ | ४३४७३ | ३८६८७ |
| (८) वित्तीय व्यवस्था (कुल) | ० | ० | ० | ० | ० |
| सञ्चित कोष बचत (+)/ न्यून (-) (७+८) | १४४३१० | ७४६१६ | १२०२७४ | ४३४७३ | ३८६८७ |
| राजस्व बचत (+)/न्यून (-) (२+अ) | -८९८३४ | -७५४७२ | -६८४२९ | -६६६२६ | -८१०५० |

स्रोत: सुदूरपश्चिम प्रदेश आर्थिक मामिला मन्त्रालय, २०८३

अनुसूची ३.२: स्थानीय तहमा भएको वित्तीय हस्तान्तरणको स्थिति (रकम रु. लाखमा)

| आर्थिक वर्ष / अनुदान | विनियोजन | हस्तान्तरण | प्रगति (प्रतिशतमा) |
|----------------------|----------|------------|--------------------|
| २०७५/७६ | २१२०० | १०३८७ | ४९.०० |
| विशेष | ५००० | १५६९ | ३१.३९ |
| समपुरक | १०००० | २६१८ | २६.१८ |
| समानिकरण | ६२०० | ६२०० | १००.०० |
| सशर्त | | | |
| २०७६/७७ | २७०३५ | २३०१७ | ८५.१४ |
| विशेष | ५००० | ४५८९ | ९१.७८ |
| समपुरक | १०००० | ६६८२ | ६६.८२ |
| समानिकरण | ६२२२ | ६२२२ | १००.०० |
| सशर्त | ५८१३ | ५५२४ | ९५.०३ |
| २०७७/७८ | २८२९१ | २५३१५ | ८९.४८ |
| विशेष | ५००० | ४७८१ | ९५.६१ |
| समपुरक | १०००० | ७७५८ | ७७.५८ |
| समानिकरण | ६३०० | ६३०० | १००.०० |
| सशर्त | ६९९१ | ६४७६ | ९२.६३ |
| २०७८/७९ | २३२१६ | १९११७ | ८२.३५ |
| विशेष | ४००० | ३४३३ | ८५.८३ |
| समपुरक | ६००० | ३६६८ | ६१.१३ |
| समानिकरण | ७२४५ | ७२४५ | १००.०० |
| सशर्त | ५९७१ | ४७७२ | ७९.९१ |
| २०७९/८० | १४७८५ | १२६८१ | ८५.७७ |
| विशेष | २५०० | २०८३ | ८३.३२ |
| समपुरक | ३५०० | १९७६ | ५६.४६ |
| समानिकरण | ७६४० | ७६४० | १००.०० |
| सशर्त | ११४५ | ९८२ | ८५.८० |
| २०८०/८१ | २३४७६ | १९१७९ | ८१.७० |
| विशेष | ४०८१ | ३३८० | ८२.८१ |
| समपुरक | ६३९० | ३३५५ | ५२.५० |
| समानिकरण | ८०६१ | ८०६१ | १००.०० |
| सशर्त | ४९४४ | ४३८३ | ८८.६६ |
| २०८१/८२ | ३६४४७ | १४१३६ | ३८.७९ |
| विशेष | ५००० | ११५३ | २३.०६ |
| समपुरक | १०००० | १५२४ | १५.२४ |
| समानिकरण | ८६०० | ६२२२ | ७२.३५ |
| सशर्त | १२८४७ | ५२३७ | ४०.७६ |
| जम्मा | १७४४४९ | १२३८३३ | ७०.९८ |

अनुसूची ३.३ : आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को स्थानीय तहको बजेट तथा खर्च स्थिति (बजेट तथा खर्च(रु. करोडमा))

| स्थानीय तह | खर्च प्रतिगत | | चासु | | भूमीगत | | नित्तीय | | प्रम्ना | | मोचित |
|------------------------------------|--------------|-------|-------|-------|--------|------|---------|-------|---------|-------|-------|
| | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | |
| | | | | | | | | | | | |
| त्रिवेणी नगरपालिका,बाजुरा | ८५.४० | ३९.५८ | ३३.२३ | ९.८० | ७.२५ | ०.०० | ०.०० | ४९.३८ | ४०.४८ | ८१.९८ | ८.९० |
| बडिपालिका नगरपालिका,बाजुरा | ७९.७९ | ३५.०१ | २८.९८ | १४.३७ | ९.४४ | ०.०० | ०.०० | ४९.३८ | ३८.४२ | ७७.८० | १०.९६ |
| बुढिगंगा नगरपालिका,बाजुरा | ८९.४३ | ३९.३४ | ३४.९५ | १९.७५ | १६.४८ | ०.०० | ०.०० | ५९.०८ | ५१.४२ | ८७.०३ | ७.६६ |
| बुढिगंगा नगरपालिका,बाजुरा | ८४.६३ | ३७.३६ | ३२.२० | १४.०५ | ९.३१ | ०.०० | ०.०० | ५१.३२ | ४१.४० | ८०.६९ | ९.९१ |
| गौमल गाउँपालिका,बाजुरा | ८५.३२ | २६.८४ | २३.८८ | ९.८८ | ७.७१ | ०.०० | ०.०० | ३६.७१ | ३९.५९ | ८६.०४ | ५.१३ |
| खसड छेडेवह गाउँपालिका,बाजुरा | ७९.२२ | ३५.०२ | २७.०८ | १९.३१ | १२.८० | ०.०० | ०.०० | ५४.३२ | ३९.८८ | ७३.४१ | १४.४५ |
| जगन्नाथ गाउँपालिका,बाजुरा | ८४.०७ | २१.३२ | १७.०५ | ८.९८ | ७.५५ | ०.०० | ०.०० | ३०.३० | २४.६१ | ८१.२२ | ५.६९ |
| स्वामिकालिक खापर गाउँपालिका,बाजुरा | ८९.४४ | २७.९३ | २५.४७ | ११.०६ | ८.५६ | ०.०० | ०.०० | ३८.९९ | ३४.०३ | ८०.२७ | ४.९६ |
| हिमाली गाउँपालिका,बाजुरा | ८३.७९ | २३.६६ | १९.९४ | १४.६० | १०.४९ | ०.०० | ०.०० | ३८.२७ | ३०.४३ | ७९.५३ | ७.८३ |
| जयपृथ्वी नगरपालिका,बझाङ | ८४.२५ | ४८.०४ | ४४.२५ | १६.६५ | ११.८५ | ०.०० | ०.०० | ६५.३७ | ५६.०९ | ८५.८१ | ९.२८ |
| बुंगल नगरपालिका,बझाङ | ८७.१३ | ६२.०४ | ४९.८३ | १३.५२ | १०.६० | ०.०० | ०.०० | ७५.३४ | ६०.४३ | ७९.९८ | १५.१३ |
| साईपाल गाउँपालिका,बझाङ | ८४.६७ | १४.२७ | १२.७७ | १०.०७ | ८.०७ | ०.०० | ०.०० | २४.३४ | २०.८५ | ६६.६३ | ३.५० |
| केदारसुनु गाउँपालिका,बझाङ | ९०.६९ | ४४.२३ | ३७.६९ | २२.५८ | २०.७५ | ०.०० | ०.०० | ६६.८१ | ५८.४४ | ८७.४८ | ८.३६ |
| खसडछात्रा गाउँपालिका,बझाङ | ८९.७१ | ३५.५९ | ३०.७४ | ९.८३ | ८.०३ | ०.०० | ०.०० | ४५.४२ | ३८.७७ | ८५.३७ | ६.६४ |
| छविस्पासिभेरा गाउँपालिका,बझाङ | ८८.१८ | ३८.५५ | ३३.५२ | १३.३६ | १२.६४ | ०.०० | ०.०० | ५१.९१ | ४६.१६ | ८८.९३ | ५.७४ |
| तलकोट गाउँपालिका,बझाङ | ८४.५६ | २९.४४ | २६.१४ | १०.८९ | ८.३९ | ०.०० | ०.०० | ४०.३३ | ३४.५२ | ८५.५९ | ५.८१ |
| थलारा गाउँपालिका,बझाङ | ८८.३८ | ३४.०४ | २९.७५ | १४.४९ | ११.४५ | ०.०० | ०.०० | ४८.५२ | ४१.२१ | ८४.९३ | ७.३१ |
| दुर्गाथली गाउँपालिका,बझाङ | ८३.३५ | २६.७९ | २३.८९ | १०.६८ | ९.५४ | ०.०० | ०.०० | ३७.४६ | ३३.४३ | ८९.२४ | ४.०३ |
| मष्टा गाउँपालिका,बझाङ | ९३.०४ | ३४.७५ | ३१.२६ | ११.४१ | ८.९७ | ०.०० | ०.०० | ४६.१६ | ४०.२२ | ८७.१४ | ५.९३ |
| बित्वाडनिर गाउँपालिका,बझाङ | ८४.१२ | ३४.६४ | २८.९१ | १०.२१ | ८.२५ | ०.०० | ०.०० | ४४.८५ | ३७.१६ | ८२.८६ | ७.६९ |
| सुर्गा गाउँपालिका,बझाङ | ८२.७६ | १९.७६ | १६.१७ | १४.१० | १२.१७ | ०.०० | ०.०० | ३३.८६ | २८.३४ | ६३.७० | ५.५२ |
| विपयल सिसगढी नगरपालिका,डोटी | ७९.१७ | ४४.२८ | ३७.८२ | ३२.०८ | १४.२९ | ०.०० | ०.०० | ७६.३६ | ५२.११ | ६८.२५ | २४.२४ |
| शिखर नगरपालिका,डोटी | ८०.७७ | ५१.०२ | ४४.११ | २५.२० | १३.७१ | ०.०० | ०.०० | ७६.२२ | ५७.८२ | ७५.८६ | १८.४० |
| आदर्श गाउँपालिका,डोटी | ८०.८४ | ३३.२९ | ३०.१३ | २१.१० | १९.३७ | ०.०० | ०.०० | ५४.३९ | ४९.४९ | ९०.९९ | ४.९० |

| स्थानीय तह | खर्च प्रतिशत | | चालु | | पूँजीगत | | वित्तीय | | जम्मा | | | |
|---------------------------------|--------------|---------|-------|-------|---------|-------|---------|------|-------|-------|---------|-------|
| | खर्च | प्रतिशत | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | प्रतिशत | |
| | | | | | | | | | | | | बजेट |
| के. आइ. सि. गाउँपालिका,डोटी | ८१.८० | ३०.४९ | २६.९२ | ९.५३ | १२.८६ | ९.५३ | ०.०० | ०.०० | ४३.३५ | ३६.४५ | ८४.०८ | ६.९० |
| जोरथल गाउँपालिका,डोटी | ८६.०१ | ४१.०९ | ३६.२२ | १२.०५ | १३.६३ | १२.०५ | ०.०० | ०.०० | ५४.७२ | ४८.२७ | ८८.२२ | ६.४५ |
| पुर्वेचौकी गाउँपालिका,डोटी | ८१.०२ | ३६.५२ | ३०.९४ | ८.९५ | १२.०० | ८.९५ | ०.०० | ०.०० | ४८.५२ | ३९.८९ | ८२.२१ | ८.६३ |
| बडिकेदार गाउँपालिका,डोटी | ७८.४९ | ३४.२६ | २७.९२ | ९.२० | ११.८६ | ९.२० | ०.११ | ०.०० | ४६.२३ | ३७.१३ | ८०.३० | ९.११ |
| बोगटान फुङसिला गाउँपालिका,डोटी | ८७.३२ | ३२.४४ | २८.४६ | ९.२१ | ११.४८ | ९.२१ | ०.०० | ०.०० | ४३.९२ | ३७.६७ | ८५.७७ | ६.२५ |
| सायल गाउँपालिका,डोटी | ८४.७४ | २७.७१ | २५.१३ | ७.७४ | ९.२९ | ७.७४ | ०.०० | ०.०० | ३६.८० | ३२.८७ | ८९.३० | ३.९४ |
| कमलबजार नगरपालिका,अछाम | ८२.८७ | ४२.९६ | ३८.७१ | ६.१४ | ९.५३ | ६.१४ | ०.०० | ०.०० | ५२.५० | ४४.८५ | ८५.४३ | ७.६५ |
| पंचदेबला विनायक नगरपालिका,अछाम | ८१.३६ | ४२.६४ | ३५.०७ | ९.२८ | ११.९६ | ९.२८ | ०.०० | ०.०० | ५४.६१ | ४४.३५ | ८१.२३ | १०.२५ |
| मंगलसेन नगरपालिका,अछाम | ८३.७२ | ४८.६२ | ४०.९४ | ११.८५ | ११.४९ | ११.८५ | ०.०० | ०.०० | ६४.१२ | ५२.७९ | ८२.३३ | ११.३३ |
| सोफिबगर नगरपालिका,अछाम | ८६.९७ | ६४.१० | ४८.०५ | १०.३५ | १२.२६ | १०.३५ | ०.०० | ०.०० | ७६.३६ | ५८.४० | ७६.४९ | १७.९५ |
| चौरपाटी गाउँपालिका,अछाम | ८३.८० | ३९.१० | ३४.९९ | १०.२९ | १०.७२ | १०.२९ | ०.०० | ०.०० | ४९.८२ | ४५.२८ | ९०.८९ | ४.५४ |
| ठकारी गाउँपालिका,अछाम | ८६.५० | ३२.९३ | ३५.५८ | ८.८३ | १०.३३ | ८.८३ | ०.०० | ०.०० | ४३.२६ | ३८.२८ | ८८.४९ | ४.९८ |
| तुर्माखाद गाउँपालिका,अछाम | ८४.०९ | ४०.३१ | ३४.५८ | १०.२४ | ११.९५ | १०.२४ | ०.०० | ०.०० | ५२.२६ | ४५.८२ | ८७.६६ | ६.४४ |
| बान्नीगढी जयराज गाउँपालिका,अछाम | ८०.५० | २८.९२ | २४.९७ | ९.१६ | १०.८१ | ९.१६ | ०.३० | ०.०० | ३९.७२ | ३१.५८ | ७९.५० | ८.१४ |
| मेलेख गाउँपालिका,अछाम | ८६.४५ | ३४.०१ | ३०.७१ | १७.२१ | १९.१६ | १७.२१ | ०.३० | ०.०० | ५३.३७ | ४७.९२ | ८९.७९ | ५.४५ |
| रामारोशन गाउँपालिका,अछाम | ८८.२८ | ३९.२८ | ३६.४५ | ९.२० | १५.२२ | ९.२० | ०.०० | ०.०० | ५४.५० | ४५.६६ | ८३.७७ | ८.८४ |
| महाकाली नगरपालिका,दार्चुला | ८९.२५ | ४९.३७ | ४२.६० | ६.८४ | ९.४९ | ६.८४ | ०.०० | ०.०० | ५८.८६ | ४९.४४ | ८४.०० | ९.४२ |
| शैल्यशिखर नगरपालिका,दार्चुला | ८६.४९ | ४५.३० | ४१.९१ | १५.९९ | १८.६३ | १५.९९ | ०.०० | ०.०० | ६३.९३ | ५७.९० | ९०.५७ | ६.०३ |
| अपिहिमाल गाउँपालिका,दार्चुला | ८४.७० | २२.७० | १९.७३ | ८.३९ | ९.३९ | ८.३९ | ०.०० | ०.०० | ३२.०८ | २८.०७ | ८७.५० | ४.०१ |
| दुहुँ गाउँपालिका,दार्चुला | ९०.६४ | २७.१३ | २४.७१ | ५.७६ | ६.७६ | ५.७६ | ०.०० | ०.०० | ३३.८९ | ३०.५९ | ९०.२७ | ३.३० |
| नौगाड गाउँपालिका,दार्चुला | ९१.७४ | ३२.२८ | २८.४४ | ८.३६ | ९.७४ | ८.३६ | ०.०० | ०.०० | ४२.०२ | ३६.८० | ८७.५८ | ५.२२ |
| मार्मी गाउँपालिका,दार्चुला | ९०.१९ | ३२.९० | २९.३३ | १७.४४ | २०.२९ | १७.४४ | ०.०० | ०.०० | ५३.१९ | ४६.७७ | ८७.९२ | ६.४२ |
| मालिकापुर गाउँपालिका,दार्चुला | ८५.३४ | ३८.४५ | ३३.७१ | १०.७७ | १२.७२ | १०.७७ | ०.०० | ०.०० | ५१.१८ | ४४.४८ | ८६.९१ | ६.७० |
| लेकम गाउँपालिका,दार्चुला | ८४.०२ | ३४.३३ | २९.९४ | ११.९३ | १४.०१ | ११.९३ | ०.०० | ०.०० | ४८.३४ | ४१.०६ | ८४.९५ | ७.२७ |
| व्यास गाउँपालिका,दार्चुला | ८७.९६ | २६.३५ | २३.१२ | ८.६६ | ११.८१ | ८.६६ | ०.०० | ०.०० | ३८.१६ | ३१.७८ | ८३.२६ | ६.३९ |
| दशरथचन्द नगरपालिका,त्रैतडी | ८४.८१ | ५०.६८ | ४६.३६ | १७.४४ | २२.६७ | १७.४४ | ०.०० | ०.०० | ७३.३५ | ६३.८० | ८६.९८ | ९.५५ |
| पाटन नगरपालिका,त्रैतडी | ८२.६९ | ५०.०५ | ४४.७४ | ११.६२ | १५.७२ | ११.६२ | ०.०० | ०.०० | ६५.७६ | ५६.३६ | ८५.७० | ९.४० |
| पुनौडी नगरपालिका,त्रैतडी | ९२.४४ | ५१.०६ | ४६.८५ | १०.०३ | १४.२४ | १०.०३ | ०.०० | ०.०० | ६५.३० | ५६.८८ | ८७.११ | ८.४२ |

| स्थानीय तह | खर्च प्रतिशत | चासु | | पूर्वीगत | | वित्तीय | | जम्मा | | मोज्यात |
|-----------------------------------|--------------|--------|--------|----------|-------|---------|------|--------|-------|---------|
| | | वजेट | खर्च | वजेट | खर्च | वजेट | खर्च | वजेट | खर्च | |
| | | | | | | | | | | |
| नेवोली नगरपालिका, बैतडी | ७६.५९ | ३९.६० | ३३.६६ | १४.०९ | १०.६१ | ०.०० | ०.०० | ४४.४९ | ६२.५५ | ९.४१ |
| डिलासोनी गाउँपालिका, बैतडी | ६७.४६ | ३४.५२ | ३२.६१ | १६.९३ | १२.२४ | ०.०० | ०.०० | ४४.६५ | ६७.१७ | ६.६० |
| सोनाडाकेदार गाउँपालिका, बैतडी | ६५.४९ | ३६.०५ | ३४.१२ | १४.०६ | १२.२९ | ०.०० | ०.०० | ४६.४० | ६९.०१ | ५.७३ |
| पन्चेश्वर गाउँपालिका, बैतडी | ६५.७१ | २९.६७ | २५.६३ | ११.७१ | ९.२२ | ०.०० | ०.०० | ३५.०५ | ६४.७१ | ६.३३ |
| शिबनाथ गाउँपालिका, बैतडी | ६०.६९ | २६.५७ | २४.१४ | ६.३२ | ६.९० | ०.०० | ०.०० | ३१.०४ | ६४.३६ | ५.७५ |
| सिगास गाउँपालिका, बैतडी | ६१.७६ | ३४.७२ | ३१.३५ | १४.३४ | ६.५२ | ०.०० | ०.०० | ३९.०६ | ६१.२७ | ९.१९ |
| सुनया गाउँपालिका, बैतडी | ६५.९७ | ३३.६४ | ३०.६६ | ९.५७ | ७.२६ | ०.०० | ०.०० | ३६.१३ | ६६.२४ | ५.०६ |
| बमरवाडी नगरपालिका, डडेल्धुरा | ९१.६४ | ४२.९७ | ३५.१३ | २१.४० | २०.४९ | ०.०० | ०.०० | ६४.३७ | ६५.४१ | ६.७४ |
| परथुराम नगरपालिका, डडेल्धुरा | ७९.१७ | ५२.६७ | ४६.३५ | २२.०६ | १७.९० | ०.०० | ०.०० | ६४.९६ | ६५.२४ | १०.७१ |
| बजयमेरु गाउँपालिका, डडेल्धुरा | ६७.४१ | ३६.६० | ३२.२२ | १३.१३ | ६.५५ | ०.०० | ०.०० | ४०.७६ | ६२.०० | ६.९५ |
| यालिताल गाउँपालिका, डडेल्धुरा | ७९.९९ | २९.१६ | २६.१३ | २१.७४ | १९.१९ | ०.०० | ०.०० | ४५.३२ | ६९.०५ | ५.५७ |
| रान्यापथुग गाउँपालिका, डडेल्धुरा | ७६.२६ | २९.३२ | २३.४४ | १६.९१ | १३.९० | ०.०० | ०.०० | ३७.३४ | ७७.४२ | १०.६९ |
| नवदुर्गा गाउँपालिका, डडेल्धुरा | ६७.०९ | ३१.१२ | २६.६१ | १२.६४ | ९.७० | ०.०० | ०.०० | ३६.५१ | ६७.६१ | ५.४५ |
| भोगेश्वर गाउँपालिका, डडेल्धुरा | ७७.५६ | ३१.६६ | २७.४६ | १५.३० | १०.३० | ०.०० | ०.०० | ३७.७६ | ६०.०६ | ९.४१ |
| कृष्णपुर नगरपालिका, कञ्चनपुर | ६३.०६ | ५४.१० | ४४.२३ | ३१.०५ | २१.१३ | ०.०० | ०.०० | ६५.१६ | ६५.३७ | १९.७९ |
| पुनवीस नगरपालिका, कञ्चनपुर | ७६.४३ | ५२.१६ | ४२.०५ | ३६.६२ | २३.९९ | ०.०० | ०.०० | ६६.०३ | ७२.७२ | २४.७७ |
| वेदकोट नगरपालिका, कञ्चनपुर | ७७.६२ | ४९.५९ | ४०.६२ | ३०.०४ | २४.१२ | ०.०० | ०.०० | ६४.९४ | ६१.५५ | १४.६९ |
| नेवोली नगरपालिका, कञ्चनपुर | ६५.०२ | ४६.३० | ४२.३३ | २६.६६ | २२.१६ | ०.०० | ०.०० | ६४.५२ | ६६.१६ | ६.६४ |
| भिमदत्त नगरपालिका, कञ्चनपुर | ६९.४३ | १०९.९२ | ९४.६६ | ४५.७७ | ३७.६६ | १.०० | १.०० | १३३.५५ | ६५.२३ | २३.१४ |
| दोधारा चौदैनो नगरपालिका, कञ्चनपुर | ६५.६२ | ३६.३६ | ३४.४० | १६.४१ | १६.०३ | ०.०० | ०.०० | ४०.४३ | ६६.६३ | ६.३४ |
| युगलाफौटा नगरपालिका, कञ्चनपुर | ६३.२४ | ४५.०४ | ४०.५७ | २६.६६ | २६.०४ | ०.०० | ०.०० | ६६.६१ | ९०.१२ | ७.३० |
| नेवोली गाउँपालिका, कञ्चनपुर | ७६.३५ | २४.३९ | २१.६५ | १६.५४ | १४.५६ | ०.०० | ०.०० | ३६.२३ | ६४.३९ | ६.७० |
| लालझाडी गाउँपालिका, कञ्चनपुर | ६२.९० | २४.३० | २१.३३ | २३.४७ | १९.५९ | ०.०० | ०.०० | ४०.९२ | ६५.६६ | ६.६४ |
| धनगढी उप महानगरपालिका, कैलाली | ६२.९६ | १२१.६३ | १०१.४२ | १००.१७ | ६२.९४ | ०.०० | ०.०० | १६४.३६ | ७४.१० | ५७.४३ |
| गोदावरी नगरपालिका, कैलाली | ७६.३७ | ७९.०५ | ६७.६० | ४४.७० | ३४.४५ | ०.०० | ०.०० | १०२.२५ | ६२.६३ | २१.५० |
| गौरागाँगा नगरपालिका, कैलाली | ६४.५५ | ५२.७० | ४५.६६ | २१.७३ | १३.३२ | ०.०० | ०.०० | ४९.४३ | ७९.४० | १५.२३ |
| श्रीडासोडी नगरपालिका, कैलाली | ६३.१३ | ६१.५४ | ५४.७० | ३६.२६ | २६.६५ | ०.०० | ०.०० | ६१.३५ | ६३.१६ | १६.४५ |
| टिकापुर नगरपालिका, कैलाली | ७७.४१ | ६१.०५ | ५२.५४ | ४२.४६ | २४.५७ | ०.०० | ०.०० | ७७.११ | ७४.४९ | २६.४१ |
| अजनी नगरपालिका, कैलाली | ७६.६१ | ४६.९३ | ४२.६६ | २२.२९ | १५.९४ | ०.०० | ०.०० | ५६.६० | ६२.२६ | १२.६२ |

| स्थानीय तह | खर्च प्रतिरात | चासु | | भूजागत | | वित्तीय | | जम्मा | | मोज्यात | |
|-------------------------------|---------------|----------|----------|----------|----------|---------|-------|----------|----------|---------|----------|
| | | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | बजेट | खर्च | | |
| लम्कियुहा नगरपालिका, कैलाली | ८०.८१ | ७२.०२ | ६०.८१ | ३९.६२ | ३०.९१ | ०.०० | ०.०० | १११.६५ | ९१.७२ | ९९.९३ | |
| कैलाली गाउँपालिका, कैलाली | ९२.२७ | ५२.२५ | ४४.३१ | २०.४५ | १९.११ | ०.०० | ०.०० | ७२.७१ | ६३.४२ | ९.२८ | |
| चुरे गाउँपालिका, कैलाली | ७७.४५ | ३३.९४ | २९.३१ | १५.९८ | १२.४१ | ०.०० | ०.०० | ४९.९२ | ४१.७१ | ८.२१ | |
| जानकी गाउँपालिका, कैलाली | ८२.९८ | ४२.०१ | ३८.८४ | २५.०७ | १६.३१ | ०.०० | ०.०० | ६७.०८ | ५५.१५ | ११.९३ | |
| जोशीपुर गाउँपालिका, कैलाली | ८१.४३ | ३४.४२ | २९.६८ | २५.३२ | १४.९० | ०.०० | ०.०० | ५९.७५ | ४४.५८ | १५.१७ | |
| बर्दघोशिया गाउँपालिका, कैलाली | ८४.०८ | ३३.५३ | २९.९८ | २५.५० | १३.४४ | ०.०० | ०.०० | ५९.०३ | ४३.४२ | १५.६१ | |
| मोहन्याल गाउँपालिका, कैलाली | ८१.१४ | ३२.७६ | २९.४३ | २२.५९ | १७.६८ | ०.०० | ०.०० | ५५.३४ | ४७.१० | ८.२४ | |
| जम्मा | ७६.८० | ३४१२६.९५ | २८५३६.२२ | २३१०३.०० | १५१६५.३३ | ५६.१३ | ३८.२५ | ५७२८६.०९ | ४३७३९.८१ | ७६.३५ | १३४४६.२८ |

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०८२/८३ (अर्थ मन्त्रालय)

अनुसूची ४.१: उपभोक्ता मूल्य सूचकाङ्क (प्रादेशिक)

(आधार वर्ष २०८०/८१ = १००)

| क्र.सं. | प्रदेशहरू | भार | २०८१/८२ | २०८२/८३ | प्रतिशत परिवर्तन** |
|---------|-----------------------|---------|---------|---------|--------------------|
| | | प्रतिशत | फागुन | फागुन | २०८२/८३* |
| १ | राष्ट्रिय | १००.० | १०३.२ | १०७.० | ३.६ |
| १.१ | ग्रामीण | २६.१ | १०३.८ | १०७.० | ३.१ |
| १.२ | शहरी | ७३.९ | १०३.० | १०७.० | ३.८ |
| २ | कोशी प्रदेश | १७.१ | १०५.० | १०९.१ | ४.० |
| २.१ | ग्रामीण | ५.७ | १०६.३ | १०९.७ | ३.२ |
| २.२ | शहरी | ११.४ | १०४.३ | १०८.८ | ४.३ |
| ३ | मधेश प्रदेश | १४.१ | १०२.५ | १०७.६ | ५.० |
| ३.१ | ग्रामीण | ३.४ | १०३.० | १०८.४ | ५.३ |
| ३.२ | शहरी | १०.८ | १०२.४ | १०७.३ | ४.९ |
| ३.३ | बागमती प्रदेश | ३१.० | १०२.८ | १०६.२ | ३.३ |
| ४ | ग्रामीण | ४.२ | १०३.१ | १०५.१ | २.० |
| ४.१ | शहरी (काठमाडौं बाहेक) | ७.७ | १०२.३ | १०५.६ | ३.२ |
| ४.२ | काठमाडौं | १९.० | १०३.० | १०६.७ | ३.६ |
| ५ | गण्डकी प्रदेश | ११.२ | १०२.६ | १०५.५ | २.९ |
| ५.१ | ग्रामीण | २.९ | १०२.४ | १०४.७ | २.३ |
| ५.२ | शहरी | ८.३ | १०२.६ | १०५.८ | ३.१ |
| ६ | लुम्बिनी प्रदेश | १५.४ | १०२.७ | १०७.१ | ४.२ |
| ६.१ | ग्रामीण | ६.० | १०३.० | १०६.९ | ३.८ |
| ६.२ | शहरी | ९.३ | १०२.६ | १०७.२ | ४.५ |
| ७ | कर्णाली प्रदेश | ४.३ | १०३.५ | १०५.८ | २.२ |
| ७.१ | ग्रामीण | १.८ | १०२.७ | १०३.२ | ०.६ |
| ७.२ | शहरी | २.५ | १०४.१ | १०७.६ | ३.४ |
| ८ | सुदूरपश्चिम प्रदेश | ७.० | १०४.२ | १०६.६ | २.२ |
| ८.१ | ग्रामीण | २.१ | १०५.० | १०७.६ | २.५ |
| ८.२ | शहरी | ४.९ | १०३.९ | १०६.१ | २.२ |

स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैङ्क, २०८३

** फागुन—फागुनको विन्दुगत परिवर्तन * अपरिष्कृत

अनुसूची ४.२ : राष्ट्रिय तलब तथा ज्याला सूचकाङ्क (वार्षिक औसत)

(प्रतिशत परिवर्तन)

| प्रदेश | क्षेत्र प्रकार | समग्र सूचकाङ्क | खाद्य तथा पेय पदार्थ | गैर-खाद्य तथा सेवा |
|--------------------|----------------|----------------|----------------------|--------------------|
| कोशी प्रदेश | समग्र | १०५.४६ | १०५.३९ | १०५.५१ |
| | ग्रामीण | १०५.९३ | १०५.०२ | १०६.५१ |
| | शहरी | १०५.२३ | १०५.५९ | १०५.०३ |
| मधेश प्रदेश | समग्र | १०४.१४ | १०४.४१ | १०३.९४ |
| | ग्रामीण | १०४.९१ | १०४.९६ | १०४.८६ |
| | शहरी | १०३.९१ | १०४.२३ | १०३.६६ |
| बागमती प्रदेश | समग्र | १०३.५७ | १०४.६५ | १०३.११ |
| | ग्रामीण | १०३.६४ | १०४.८६ | १०२.८२ |
| | शहरी | १०३.०६ | १०४.४० | १०२.४२ |
| गण्डकी प्रदेश | समग्र | १०३.३२ | १०४.५४ | १०२.६७ |
| | ग्रामीण | १०३.०३ | १०३.७३ | १०२.५३ |
| | शहरी | १०३.४२ | १०४.८९ | १०२.७१ |
| लुम्बिनी प्रदेश | समग्र | १०३.७० | १०४.३२ | १०३.३५ |
| | ग्रामीण | १०३.६८ | १०४.९४ | १०२.८८ |
| | शहरी | १०३.७२ | १०३.८७ | १०३.६४ |
| कर्णाली प्रदेश | समग्र | १०३.३१ | १०४.३७ | १०२.६५ |
| | ग्रामीण | १०२.९६ | १०४.८८ | १०१.५८ |
| | शहरी | १०३.५७ | १०३.९४ | १०३.३६ |
| सुदूरपश्चिम प्रदेश | समग्र | १०५.०२ | १०५.०५ | १०५.०० |
| | ग्रामीण | १०६.१४ | १०५.४४ | १०६.६५ |
| | शहरी | १०४.५३ | १०४.८५ | १०४.३६ |